हम कभी मरते नहीं



मृत्यु के बाद जीवित बचे रहने के 100 मामले

ए.टी.बैर्ड

हम कभी मरते नहीं

(मृत जीवित हैं - मृत्यु के बाद जीवित रहने के 100 मामले)

लेखक

ए.टी.बैर्ड

प्रस्तुति : वी.सी.सिंह

प्रस्तावना

वेदों, ब्राह्मण ग्रंथों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों आदि तथा सूत्र, महाभारत तथा रामायण आदि सभी ग्रंथों में पुनर्जन्म तथा परलोक संबंधी विशेष चर्चाएँ मिलती हैं।

दर्शनों में, चाहे आस्तिक हों या नास्तिक, एक चार्वाक दर्शन को छोड़कर सभी दार्शनिकों ने पुनर्जन्म और परलोक का समर्थन किया है। स्तुचादेह अविनाशी है। प्रत्येक व्यक्ति इसके छह भावनात्मक विकारों का प्रत्यक्ष अनुभव करता है।

आत्मा शरीर को छोड़कर दूसरे शरीर में प्रवेश कर जाती है, या पुनर्जन्म से छुटकारा पा लेती है। इन दोनों मार्गों की व्याख्या की गई है। पहले को "धूमरायण (कृष्णागति)" कहा जाता है और दूसरे को "देवयान!" (शुक्ल-गति) और अर्चिरादि कहा गया है!

दूसरी दुनिया! और पुनर्जन्म का माध्यम मृत्यु है. एक लोक के रस से संचित अद्वितीय देह-इंद्रियों आदि का त्याग तथा दूसरे लोक में संचित अद्वितीय देह-इंद्रियों आदि का पुनर्जन्म।

परलचोक के बारे में बोलते समय आत्मसम्मान की जरूरत है. ये स्वाभिमान आसान नहीं है. शरीर के अतिरिक्त आत्मा को स्वीकार किये बिना परलोक के विषय में कोई प्रश्न ही नहीं उठता। आत्मा के विभिन्न शरीरों में श्रम करने की संभावना को स्वीकार करने के बाद ही परलोक के विषय पर विचार किया जा सकता है।

तभी आस्था के जन्म में एक विशेष क्रमिक पथ-परिवर्तन उत्पन्न होता है। जिनकी बातों पर भरोसा किया जा सके; ऐसे साधक या गुरु के अनुसरण के बिना हृदय में श्रद्धा या विश्वास नहीं होता। अंधविश्वास से कोई संत स्थापित नहीं हो सकता.

अंधे आदमी द्वारा दिखाया गया रास्ता: लंबी दूरी तय करने के बाद भी मन में भ्रम पैदा होता है और किसी अन्य रास्ते या उपाय का सहारा लेना पड़ता है।

मृत्यु और प्रस्थान बिल्कुल एक ही चीज़ नहीं हैं। नश्वर संसार में हर कोई मरता है; लेकिन आत्महत्या हर किसी के लिए नहीं है. जो शरीर धारण नहीं कर सकता, वह शरीर कैसे छोड़ सकता है? जिस प्रकार अज्ञानियों का जन्म उनकी इच्छा पर निर्भर नहीं होता, उसी प्रकार उनकी मृत्यु भी उनकी अपनी इच्छा पर निर्भर नहीं होती।

सूक्ष्म शरीर के साथ एकीकृत आत्मा के भौतिक शरीर को छीन लेना नियति के कर्म विष का परिणाम है। जाति या जन्मः आयु और भोग- ये तीन प्रारुध्ध कर्म के विपाक कहलाते हैं। सामान्य नियम यह है कि जीवित प्राणी के कार्यों की अध्यक्षता करने वाली दैवीय शक्ति मृत्यु के बाद स्वाभाविक रूप से जीवित प्राणी को नियंत्रित करती है।

जिस प्रकार सभी जीव मृत्यु से पहले भी स्वतंत्र नहीं होते, उसी प्रकार मृत्यु के बाद भी वे स्वतंत्र नहीं होते। जीवित प्राणी अपने कार्यों को संचालित करने वाली दिव्य शक्ति के नियंत्रण में हैं। साधारण जीव की मृत्यु उसकी इच्छा के अधीन नहीं होती, उसी प्रकार उसका जन्म भी उसकी इच्छा के अधीन नहीं होता। दोनों कर्म-संबंधी हैं और इसलिए कर्म की शासक शक्ति के अधीन हैं।

जब तक अज्ञानी देह-अभिमान रहता है; तब तक यह नियंत्रण अपरिहार्य है. इस अवस्था में मृत्यु पर अज्ञान का पर्दा पड़ा रहता है। एक बेहोश व्यक्ति यह नहीं समझ पाता कि वह मर रहा है: वास्तव में, मृत्यु प्रकृति के नियमों के अनुसार होती है।

यह नींद के समान ही बेहोशी की अवस्था है। कुछ लोगों को मृत्यु के समय कम या ज्यादा दर्द होता है और कुछ को कुछ भी महसूस नहीं होता। आत्महत्या आसानी से हो जाती है.

.....इस पुस्तक में दिए गए 100 मामले आध्यात्मिक और मरणोपरांत जीवन से संबंधित सच्ची घटनाओं का वर्णन हैं। जो मानव जीवन के मृत्युपर्यंत जारी रहने का सच्चा प्रमाण है, अनुमान नहीं।

जिससे हम सभी को पता चल जाएगा कि हम मरते दम तक भी जिंदा रहते हैं। अन्यथा, स्वर्ग या नरक कौन जाता है? अगली दुनिया में कौन जाता है? पुनर्जन्म किसका होता है? यथार्थ में !

- संपादक

दिनांक: 14.8. 2024.(बुधवार)।
हैदराबाद, तेलंगाना, भारत।

परिचय

हम कभी मरते नहीं

क्या मरे हुए अभी भी जीवित हैं?

हाँ बिल्कुल! हम कभी नहीं मरते। हम कई जिंदगियां जी चुके हैं। मरे हुए लोग अभी भी जीवित हैं। आइए इस विषय की सत्यता को प्रमाणित करते हुए इस पुस्तक में सामने आए 100 मामलों का अध्ययन करें। जानिए मृतकों के जिंदा होने की 100 घटनाओं को सच साबित करने वाली इस किताब के बारे में अन्य कई लेखक और महान हस्तियां क्या सोचते हैं;

***

मैं इस तथ्य से पूरी तरह आश्वस्त हूं कि जो लोग कभी पृथ्वी पर रहते थे वे हमारे साथ संवाद कर सकते हैं और करते भी हैं। अनुभवहीन लोगों को साक्ष्य की ताकत और संचयी शक्ति का पर्याप्त अंदाजा देना शायद ही संभव है। ,

सर विलियम एफ. बैरेट, एफ.आर.एस.

मैं मानसिक तथ्यों के प्रति अपने विरोध से शर्मिंदा और दुखी हूं। वास्तविक मानसिक घटनाएँ उपस्थित पक्षों से पूर्णतः स्वतंत्र एक बुद्धि द्वारा निर्मित होती हैं।

- प्रोफेसर सी. लोम्ब्रोसो, विश्वविद्यालय

जब मुझे याद आता है कि मैंने उस निडर अन्वेषक क्रूसी को मूर्ख घोषित कर दिया था, क्योंकि उसमें मानसिक घटनाओं की वास्तविकता पर जोर देने का साहस था, तो मुझे खुद पर और दूसरों पर शर्म आती है, और मैं अपने दिल की गहराई से चिल्लाता हूं, " पिता, मुझे क्षमा करें! मैंने प्रकाश के विरुद्ध पाप किया है।"

- प्रोफेसर ओचोरोविक्ज़, वारसॉ विश्वविद्यालय।

मैं तथ्यों के अजेय तर्क पर विश्वास करने के लिए मजबूर हूं।

-प्रोफेसर राउल पिक्टेट, जेनोआ विश्वविद्यालय।

सामने आए तथ्य भौतिकवादी शरीर विज्ञान और ब्रह्मांड की अवधारणा को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हैं।

-डॉ। गुस्ताव गेली, मेटाफिजिक्स इंस्टीट्यूट, पेरिस

मैं आपको बताता हूं कि हम दृढ़ हैं। संचार संभव है. मैंने साबित कर दिया है कि जो लोग संवाद करते हैं वे वैसे ही होते हैं जैसा वे कहते हैं। निष्कर्ष यह है कि अस्तित्व वैज्ञानिक जांच के माध्यम से वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है।

- सर ओलिवर लॉज.

मैंने केवल इस पुस्तक को संकलित किया है और इसे कई व्यक्तियों, लेखकों के सहयोग के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता था - जो मेरे लिए पूरी तरह से अजनबी थे - जब मैंने उद्धृत मामलों के लिए उनसे संपर्क किया, तो उन्होंने स्वतंत्र रूप से और उदारतापूर्वक अनुमति दी।

आम जनता, मानसिक अनुसंधान के साहित्य में जाने के लिए या तो बहुत व्यस्त या बहुत आलसी होने के कारण, शारीरिक मृत्यु के बाद मानव व्यक्तित्व के जीवित रहने के मामले की सच्चाई से अनभिज्ञ है, और यह उस अज्ञानता को दूर करने की इच्छा थी। जिसने मुझे अनगिनत जांचकर्ताओं के अथक प्रयासों को इस छोटी सी किताब में समेटने के लिए प्रेरित किया।

मामले कई स्रोतों से एकत्र किए गए हैं, अस्सी साल पहले से लेकर आज तक। कई चतुर और संशयवादी जांचकर्ताओं - अकेले या मानसिक अनुसंधान के लिए समाजों में काम कर रहे हैं - ने उनमें योगदान दिया है, और ये लोग विशेषज्ञ थे, जो धोखाधड़ी का पता लगाने और उसे उजागर करने के लिए हमेशा सतर्क रहते थे।

सनसनीखेज संडे प्रेस से इस विषय पर जानकारी स्वीकार करने के आदी व्यक्ति के लिए, उद्धृत साक्ष्य के मामले आश्चर्यजनक लग सकते हैं, और वह अच्छी तरह से आश्चर्यचकित हो सकता है कि क्या उन्हें सही ढंग से उद्धृत किया गया है - सच होने के लिए बहुत अधिक। बडीया है! उस समय पाठक को अपने निर्णय का उपयोग करने के लिए कहा जाता है, लेकिन उसे यह भी ध्यान में रखने के लिए कहा जाता है कि जिन जांचकर्ताओं के मामले इस पुस्तक में प्रस्तुत किए गए हैं, उन्होंने बहुत समय, पैसा और

खर्च किया है। धैर्य खर्च हो गया है, और उन्होंने अपना स्वयं का सौंपा हुआ कार्य "मनोरंजन के लिए" नहीं किया।

वे इस महान मानवीय समस्या को हल करने की कोशिश में बेहद गंभीर थे, और चाहे वे सफल हुए या असफल, पाठक को अपनी राय बनानी चाहिए, लेकिन उसे यह याद रखना चाहिए कि मानव अस्तित्व की समस्या को केवल एक ही तरीके से हल किया जा सकता है। किया जा सकता है, और वह तरीका यह साबित करना है कि मानव व्यक्तित्व मृत्यु के बाद भी जीवित रहता है।

यह सब वैज्ञानिक तथ्यों, प्रमाणों और सबूतों का मामला है, जबकि नीतिशास्त्र, धर्मशास्त्र और दर्शन का इस समस्या से कोई लेना-देना नहीं है। पाठक को एक पल के लिए भी यह नहीं सोचना चाहिए कि जीवित रहने की बात केवल इस पुस्तक में उद्धृत सैकड़ों उदाहरणों पर निर्भर करती है; एक हजार समान रूप से अच्छे मामले आसानी से प्रस्तुत किए जा सकते हैं; वास्तव में, कभी-कभी मुझे मेरे पास उपलब्ध सामग्री की प्रचुरता से शर्मिंदगी होती है और मैं उल्लेख कर सकता हूं कि मेरी कठिनाई इसे अस्वीकार करने में थी!

शायद बाद में, मुझसे अधिक ऊर्जावान और उत्साही व्यक्ति, जिसके पास मुझसे अधिक समय और धैर्य है, फाइव थाउजेंड केसेस फॉर सर्वाइवल प्रकाशित कर सकता है, और अभी भी बहुत कुछ रिजर्व में बचा रहेगा। भले ही ओलिवर ट्विस्ट जैसे आलोचक को अभी भी और अधिक की मांग करनी पड़े, उसकी इच्छा आसानी से पूरी हो सकती है।

मेरा मानना है कि दुनिया का सारा लेखन किसी को उतना आश्वस्त नहीं कर सकता जितना कि स्वयं के लिए मिले साक्ष्य, लेकिन ऐसा कोई कारण नहीं है कि दूसरों की जांच को एकत्र करके सुविधाजनक रूप में रिकॉर्ड पर न रखा जाए। आवश्यकता इसलिए यह मात्र एक पुस्तक नहीं बल्कि सत्य की पुस्तक है, यह बात पाठकों को समझनी चाहिए।

अध्याय 1

सपना

साधारण, सामान्य स्वप्न इस अध्याय के दायरे में नहीं आते; यह केवल अलौकिक प्रकार का सच्चा सपना है जो मानसिक अनुसंधान के क्षेत्र में आता है जिससे हम चिंतित हैं। इतनी संख्या में सपने दर्ज किए गए हैं कि संशयवादियों को उनका खंडन करना या सामान्य या फ्रायडियन मनोविज्ञान द्वारा समझाना मुश्किल लगता है, और ये सपने अपने आप में एक वर्ग हैं, किसी भी यांत्रिक योजना या संयोग से उनका हिसाब लगाना असंभव है।

बड़ी संख्या में सपने मृत व्यक्तियों से संबंधित होते हैं, जिनमें आमतौर पर ऐसे व्यक्तियों से संचार शामिल होता है, और प्रथम दृष्टया व्याख्या यह है कि वे निर्जीव की कार्रवाई के कारण होते हैं। आगे आने वाले मामले इस बिंदु पर बहुत निश्चित प्रभाव डालते हैं।

इस अध्याय में प्रस्तुत मामलों को एकत्र करना आसान था; हालाँकि एक दर्जन से अधिक उद्धृत किए गए हैं और मुझे यकीन नहीं है कि मैंने उपलब्ध सर्वोत्तम को शामिल किया है, एक अन्य संकलक संभवतः अलग-अलग उदाहरणों का चयन करेगा, समान रूप से अच्छे या बेहतर। मनोवैज्ञानिक अनुसंधान सोसायटी की कार्यवाही में सैकड़ों उदाहरण हैं; वास्तव में, इस प्रकार के सपनों के विषय पर कई किताबें प्रकाशित हो सकती हैं, और अमेरिकन सोसाइटी फॉर साइकिकल रिसर्च और एनाल्स डेस साइंसेज साइकिक्स की पत्रिकाओं में अभी भी कई किताबें हैं!

केस नं. **1**

पर्थ मामला

यह मामला रेव। यह एक कैथोलिक पादरी चार्ल्स मैके द्वारा काउंटेस ऑफ श्रुस्बरी को भेजे गए एक पत्र के अंश से लिया गया है:

"जुलाई, 1838 में, मैंने पर्थशायर मिशन का कार्यभार संभालने के लिए एडिनबर्ग छोड़ दिया। पर्थ पहुंचने पर, मुझे एक प्रेस्बिटेरियन महिला, ऐनी सिम्पसन ने बुलाया, जो एक सप्ताह से अधिक समय से एक पादरी से मिलने के लिए बेहद उत्सुक थी। (इस महिला ने कहा कि हाल ही में एक महिला की मृत्यु हो गई थी [तारीख नहीं दी गई]। मलॉय नाम का एक व्यक्ति, जो ऐनी सिम्पसन को कुछ हद तक जानता था, 'कई रातों तक उसके पास आया' और उसे पुजारी के पास जाने की सलाह दी जो मृतक को भुगतान करेगा तीन और दस पैसे की राशि, जो मृतक को किसी व्यक्ति को देनी थी, जिसका नाम नहीं बताया गया है।)

"मैंने पूछताछ की, और पाया कि उस नाम की एक महिला की मृत्यु हो गई थी, जो धोबी का काम करती थी और रेजिमेंट का पालन करती थी। पूछताछ करने के बाद मुझे एक किराना व्यापारी मिला, जिसके साथ उसने लेन-देन किया था, और उससे पूछा कि क्या मलॉय नाम की एक महिला का कर्ज था कुछ भी हो, उसने अपनी किताबें निकालीं, और मुझसे कहा कि वह उसे तीन और दस सेंट देना चाहती है। इसके बाद प्रेस्बिटेरियन महिला मेरे पास आई और कहा कि उसे अब कोई परेशानी नहीं है।

केस नं**. 2.**

सर्वा मामला**.**

मेरी पत्नी का एक भाई, जो अब मर चुका है, सारावाक में रहता था, और जिस समय का मैं उल्लेख कर रहा हूँ, वह राजा, सर जेम्स ब्रुक के साथ रह रहा था। निम्नलिखित गर्ट्रूड एल बाय जैकब द्वारा द किंग ऑफ सारावा के दूसरे खंड का एक अंश है, पृष्ठ 238: "मिस्टर वेलिंगटन (मेरी पत्नी का भाई) श्रीमती मिडलटन और उनके बच्चों की रक्षा के एक साहसी प्रयास में मारे गए थे।

ऐसा प्रतीत होता है कि चीनियों ने मिस्टर वेलिंगटन को राजा का बेटा समझकर उनका सिर काट दिया।" और अब सपने के बारे में; एक रात मुझे मेरी पत्नी ने जगाया, जो अगले सपने से अपनी नींद से डर गई थी। उसने वह देखा उसका क्षत-विक्षत भाई बिस्तर के नीचे खड़ा है, उसका सिर उसके बगल में एक ताबूत पर पड़ा है। मैंने अपनी पत्नी को सांत्वना देने की पूरी कोशिश की, जो काफी समय से बहुत परेशान थी, और आखिरकार वह फिर से सो गई एक ऐसे ही सपने से.

सुबह और उसके बाद कई दिनों तक वह अपने सपने का जिक्र करती रही और अपने भाई के बारे में दुखद खबर की आशंका जताती रही। और अब कहानी का सबसे अजीब हिस्सा आता है। जब यह समाचार इंग्लैंड पहुंचा तो मैंने लगभग समय की गणना की और पाया कि यह उस यादगार रात के साथ मेल खाता है जिसका मैंने उल्लेख किया है।

केस नं. **3.**

ब्रिक्सहैम मामला.

इस मामले के तथ्यों की पुष्टि रेव आर.बी.एफ. द्वारा की गई, एलरिंगटन, लोअर ब्रिक्सहैम, डेवोनशायर के पादरी ने संबंधित गवाहों के अच्छे चरित्र की गवाही दी:

"1881 के शुरुआती वसंत में, ब्रिक्सहैम की श्रीमती बार्न्स, जिनके पति समुद्र में थे, ने सपना देखा कि उनकी मछली पकड़ने वाली नाव एक स्टीमर से टकरा गई थी। उनका लड़का उनके साथ था और उन्होंने सपने में पुकारा, 'लड़का मदद करो!'

इसी समय बगल वाले कमरे में सो रहा दूसरा बेटा दौड़कर आया और चिल्लाया, 'पापा कहां हैं?' उसने पूछा कि उसका क्या मतलब है, जब उसने कहा कि उसने स्पष्ट रूप से अपने पिता को आते हुए और अपने भारी जूतों से दरवाजे को लात मारते हुए सुना है, जैसा कि वह समुद्र से लौटने पर करता था।

लड़के के बयान और उसके अपने सपने ने महिला को इतना भयभीत कर दिया कि अगली सुबह उसने श्रीमती स्ट्रॉन्ग और अन्य पड़ोसियों को अपने डर के बारे में बताया। "बाद में ख़बर आई कि उसके पति के जहाज़ को एक स्टीमर ने टक्कर मार दी और वह और लड़का डूब गए।"

केस **4.**

विंगफील्ड मामला**.**

निम्नलिखित पत्र श्री फ्रेडरिक विंगफील्ड, बेले-इले-एन-टेरे, कोट्स-डु-नॉर्ड द्वारा 20 दिसंबर, 1883 को लिखा गया है: "गुरुवार, 25 मार्च, 1880 की रात, मैं देर तक पढ़ने के बाद आदत, बिस्तर पर चला गया.

मैंने सपना देखा कि मैं अपने सोफे पर लेटा हुआ पढ़ रहा था, जब मैंने ऊपर देखा तो मैंने देखा कि मेरा भाई रिचर्ड विंगफील्ड-बेकर मेरे सामने कुर्सी पर बैठा है। मैंने सपना देखा कि मैंने उससे बात की, लेकिन उसने जवाब में सिर्फ सिर हिलाया, उठकर कमरे से बाहर चला गया।

जब मैं उठा तो मैंने पाया कि मैं अपने बिस्तर के पास एक पैर ज़मीन पर और दूसरा पैर बिस्तर पर रखकर खड़ा हूँ और अपने भाई से बात करने और उसका नाम लेने की कोशिश कर रहा हूँ। “उसकी उपस्थिति की वास्तविकता का आभास इतना मजबूत था और सपने में देखा गया पूरा दृश्य इतना ज्वलंत था कि मैं अपने भाई को खोजने के लिए अपने शयनकक्ष से बाहर भागा।

मैंने उस कुर्सी की जांच की जहां मैंने देखा था। मैं वापस आकर बिस्तर पर बैठ गया, और इस उम्मीद में सोने की कोशिश करने लगा कि यह दृश्य दोबारा आएगा, लेकिन मेरा मन बहुत उत्तेजित था, बहुत दर्दनाक रूप से विचलित था, मुझे याद आ रहा था कि मैंने क्या सपना देखा था। हालाँकि मैं सुबह सो गया था, लेकिन जब मैं उठा, तो मेरे सपने का प्रभाव हमेशा की तरह स्पष्ट था - और, मैं जोड़ सकता हूँ, यह इस समय भी उतना ही मजबूत और स्पष्ट है। बुरे दृश्य के बारे में मेरी समझ इतनी प्रबल थी कि मैंने तुरंत इस 'दृश्य' के बारे में अपनी ज्ञापन पुस्तिका में नोट कर लिया, और ये शब्द जोड़ दिए, 'भगवान न करे।'

"तीन दिन बाद मुझे खबर मिली कि मेरे भाई, रिचर्ड विंगफील्ड-बेकर, की ब्लैकमोर वेले हाउंड्स के साथ शिकार करते समय गिरने से लगी भयानक चोटों के प्रभाव से, गुरुवार शाम 25 मार्च, 1880 को रात 8:30 बजे मृत्यु हो गई थी।

"मैं केवल यह जोड़ूंगा कि मैं इस शहर में लगभग बारह महीने रहा हूं; हाल ही में मेरे भाई के साथ मेरी कोई बातचीत नहीं हुई थी; मैं जानता था कि वह स्वस्थ है और वह एक उत्कृष्ट घुड़सवार है। मैंने तुरंत यह बात किसी भी करीबी को नहीं बताई मित्र - दुर्भाग्य से उस समय यहाँ कोई नहीं था - लेकिन मैंने अपने भाई की मृत्यु का समाचार पाकर वह कहानी बताई और उसकी प्रविष्टि अपनी ज्ञापन पुस्तिका में दिखाई।

सबूत के तौर पर, बेशक, यह बेकार है; लेकिन मैं आपका सम्मान करता हूं कि जो परिस्थितियां मैंने बताई हैं, वे सकारात्मक सत्य हैं।" बाद के एक पत्र में श्री विंगफील्ड ने लिखा: "मैंने कभी भी इसी प्रकृति का कोई अन्य चौंकाने वाला सपना नहीं देखा था, न ही ऐसा कोई सपना देखा था जिसके साथ मैं जागा था। वास्तविकता और असुविधा की अनुभूति, और जिसका प्रभाव मेरे जागने के बाद भी लंबे समय तक बना रहा। न ही मुझे किसी अन्य अवसर पर इंद्रियों में कोई भ्रम हुआ है।"

मिस्टर विंगफील्ड के मित्र प्रिंस लुसिएन फॉसिनी ने हर विवरण में उपरोक्त की पुष्टि की। 30 मार्च, 1880 के टाइम्स मृत्युलेख में, श्री आर.बी. विंगफील्ड-बेकर, ऑर्सेट हॉल, एसेक्स की 25 तारीख को मृत्यु होने की सूचना दी गई थी। एसेक्स इंडिपेंडेंट ने भी यही तारीख बताई और कहा कि श्री बेकर ने लगभग नौ बजे अंतिम सांस ली।

केस नं. **5.**

मैकेंजी मामला**.**

"मैं ग्लासगो में एक बहुत पुराने मैकेनिकल व्यवसाय का मालिक हूं, जिसकी एक शाखा लंदन में है, जहां मैं इस अवधि के दौरान रहा हूं, और दोनों स्थानों पर मेरी पेशेवर प्रतिष्ठा उच्चतम स्तर की है। "लगभग पैंतीस साल पहले मैंने एक नाजुक दिखने वाले लड़के ने रॉबर्ट मैकेंजी को काम पर रखा था, जो लगभग तीन या चार साल की सेवा के बाद, अचानक चले गए

- जैसा कि मुझे बाद में पता चला - कुछ पुराने लोगों की स्वार्थी सलाह के कारण जो वेतन कम करने की कोशिश कर रहे थे। पकड़े जाने से बचने के लिए करते थे इस भयावह प्रणाली का अभ्यास - मेरा मानना है कि सीमित व्यवसायों में काम करने वाले श्रमिकों के बीच यह एक आम तरीका है।

कुछ साल बाद, पार्लियामेंट रोड में ग्रेट वर्क हाउस (स्कॉटिश पूअरहाउस) के गेट से गुजरते समय, मेरी नज़र अठारह साल के एक युवक पर पड़ी, जो सार्वजनिक सड़क पर सूखी रोटी का एक टुकड़ा खा रहा था, और भूख से मर रहा था। . मर रहा है. "मुझे लगा कि मैं उसके चेहरे की विशेषताओं को जानता हूं, इसलिए मैंने उससे पूछा कि क्या उसका नाम मैकेंजी नहीं है।

वह तुरंत बहुत उत्साहित हो गया, उसने मुझे नाम से संबोधित किया, और मुझसे कहा कि उसके पास कोई रोजगार नहीं है; कि उसके पिता और माँ, जो लोग पहले उनका समर्थन करते थे, अब वे दोनों 'ग़रीब घर' के कैदी हैं - जिस पर वह स्वयं कोई दावा नहीं कर सकता था, क्योंकि वह युवा था और इस काम के लिए उसके पास कोई शारीरिक अयोग्यता नहीं थी - और वह सचमुच बेघर और भूख से मर रहा था।

उसने मुझे बताया कि मैट्रन उसे हर दिन सूखी रोटी का एक टुकड़ा देती थी, लेकिन नियमों के अनुसार, उसे नियमित रखरखाव देने की हिम्मत नहीं करती थी। दुःख की पीड़ा में उसने मुझे बुरी सलाह के तहत छोड़ने पर खेद व्यक्त किया, और जब मैंने अप्रत्याशित रूप से उसे वापस लेने की पेशकश की तो वह शब्दों से परे कृतज्ञता से भर गया।

"इतना कहना पर्याप्त है कि उन्होंने अपना काम फिर से शुरू कर दिया, और, परिस्थितियों के अनुसार, मैंने उनकी प्रगति को सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ किया। यह सब केवल प्राकृतिक बात थी; लेकिन मालिक और नौकर के सामान्य संबंधों और उनके बीच का अंतर था यह: कार्यशाला में मेरे प्रवेश के प्रत्येक अवसर पर, जहाँ तक संभव हो, वह मेरी हरकतों पर नज़र रखना कभी बंद नहीं करता था।

जब भी मैं उसकी ओर देखता हूं तो मुझे एक पीला, सहानुभूतिपूर्ण चेहरा दिखाई देता है, जिसकी बड़ी, उदास आंखें सचमुच मेरी ओर तरस रही होती हैं। जैसा कि स्माइक ने निकोलस निकलबी के प्रति किया था, मैं 'उसके अस्तित्व का ध्रुव तारा' हूं। ऐसा प्रतीत होता था, और समय बीतने के साथ कृतज्ञता की यह तीव्रता कभी कम नहीं हुई।

इसके अलावा उन्हें कभी अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का साहस नहीं हुआ. ऐसा लगता है कि उसकी मर्दानगी, उसकी वैयक्तिकता और आत्म-पुष्टि, अभाव के कारण ख़त्म हो गई है। दैनिक जीवन की अधिक सामान्य चिंताओं को छोड़कर, जाहिर तौर पर मैं ही उनका एकमात्र विचार और विचार था। "1862 में मैं लंदन में बस गया और तब से कभी ग्लासगो नहीं गया। रॉबर्ट मैकेंज़ी और मेरे काम करने वालों ने धीरे-धीरे अपनी पहचान खो दी।

लगभग दस से बारह साल पहले मेरे स्टाफ ने अपनी वार्षिक दावत और बॉल का आयोजन किया था। यह हर साल शुक्रवार शाम को आयोजित किया जाता था। मैकेंज़ी ने, हमेशा की तरह शर्मीली और दूरदर्शी, उत्सव में शामिल होने से इनकार कर दिया और मेरे फोरमैन से बुफ़े में सेवा करने की अनुमति मांगी। सब कुछ ठीक रहा और शनिवार को जश्न का अगला दिन मनाया गया।

हालाँकि, यह सब मुझे तब पता चला जो मैं अब बताने जा रहा हूँ। "अगले मंगलवार की सुबह, सुबह 8 बजे से ठीक पहले, कैंपडेन हिल पर मेरे घर में, मुझे निम्नलिखित अभिव्यक्ति हुई; मैं इसे एक सपना नहीं कह सकता, लेकिन मैं सामान्य शब्दावली का उपयोग करूंगा।

मैंने सपना देखा, लेकिन सामान्य सपनों की अस्पष्टता के बिना, रूपरेखा को धुंधला किए बिना या एक चीज से दूसरी चीज तक तेजी से जाते हुए, कि मैं अपनी मेज पर बैठा था, एक अज्ञात सज्जन के साथ व्यापारिक बातचीत में व्यस्त था जो मेरा दोस्त था। दाहिने हाथ पर खड़ा था. मेरे सामने, रॉबर्ट मैकेंज़ी आगे बढ़े, और नाराज़ महसूस करते हुए, मैंने उनसे कुछ हद तक तीखेपन से पूछा, क्या उन्हें नहीं पता था कि मेरी सगाई हो चुकी है। वह अत्यधिक अनिच्छा के साथ थोड़ी दूर चला गया, फिर से मेरी ओर मुड़ा, जैसे कि तत्काल बातचीत का इच्छुक हो, जब मैंने उससे उसके शिष्टाचार की कमी के बारे में और भी अधिक तीखेपन से बात की।

इस पर, जिस व्यक्ति से मैं बात कर रहा था, उसने छुट्टी ले ली और मैकेंजी एक बार फिर आगे आए। "'यह सब क्या है, रॉबर्ट?' मैंने कुछ गुस्से में कहा, 'क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि मेरी सगाई हो गई है?' "'हां, सर,' उसने जवाब दिया, 'लेकिन मुझे आपसे तत्काल बात करने की ज़रूरत है।' "'क्या हुआ?' मैंने कहा, 'इतना महत्वपूर्ण क्या हो सकता है?'

'मैं आपको बताना चाहता हूं, सर,' उसने जवाब दिया, 'मुझ पर एक ऐसा काम करने का आरोप लगाया गया है जो मैंने नहीं किया, और मैं चाहता हूं कि आप इसे जानें, और आपको बताएं, और आप जो कुछ भी हैं उसके लिए मुझे माफ कर दें। पर आरोप लगाया गया, क्योंकि मैं निर्दोष हूं।' "मैंने कहा, 'क्या?' वही उत्तर मिला.

"फिर मैंने स्वाभाविक रूप से पूछा, 'लेकिन मैं आपको कैसे माफ कर सकता हूं अगर आप मुझे नहीं बताएंगे कि आप पर क्या आरोप लगाया गया है?' "मैं स्कॉटिश बोली, 'ये'यु सुने केन' में उनके जोरदार जवाब को कभी नहीं भूल सकता।' (आपको जल्द ही पता चल जाएगा।) “यह प्रश्न और उत्तर कम से कम दो बार दोहराया गया था - मुझे यकीन है कि उत्तर तीन बार दोहराया गया था - सबसे उग्र स्वर में।

इस पर मैं जाग गया, और उस आश्चर्य और घबराहट की स्थिति में था जो इतना उल्लेखनीय सपना, एक मात्र सपना, पैदा कर सकता है, और सोच रहा था कि इस सब का क्या मतलब है जब मेरी पत्नी बहुत उत्साहित हो गई। वह अचानक मेरे शयनकक्ष में घुस आई और हाथ में एक खुला पत्र पकड़ते हुए चिल्लाई, 'ओह, जेम्स, यहाँ श्रमिकों की गेंद का भयानक अंत है! रॉबर्ट मैकेंजी ने आत्महत्या कर ली है।'

"अब जब मैं इस दृश्य के अर्थ के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त हो गया, तो मैंने तुरंत शांति और दृढ़ता से कहा, 'नहीं, उसने आत्महत्या नहीं की है।' "'आप यह कैसे जान सकते हैं?' 'क्योंकि वह यहां मुझे बताने आया है।' “मैंने जानबूझकर उचित स्थान पर इसका उल्लेख नहीं किया है ताकि कहानी खराब न हो, जैसे ही मैंने मैकेंज़ी को देखा तो मैं उसके चेहरे की अजीब उपस्थिति से चकित हो गया।

उसका रंग अवर्णनीय रूप से हल्का नीला था, और उसके माथे पर धब्बे दिखाई दे रहे थे जो पसीने के धब्बे जैसे लग रहे थे। मैं इसका कारण तो नहीं बता सका, लेकिन मेरे मैनेजर ने मुझे अगली पोस्ट में बताया कि आत्महत्या के बारे में लिखना गलत था। "शनिवार की रात, मैकेंज़ी ने घर जाते समय, एक्वा फोर्टिस (जिसका उपयोग वह मनोरंजन के लिए बनाए गए पक्षी पिंजरों की लकड़ी को रंगने के लिए किया था) से भरी एक छोटी सी काली बोतल उठा ली, गलती से इसे व्हिस्की समझ लिया, और शराब को एक गिलास में डाल दिया इसे भरकर एक ही घूंट में पी लिया और रविवार को अत्यधिक पीड़ा से उसकी मृत्यु हो गई।

तो, यहाँ उसकी बेगुनाही का समाधान था जिसके लिए उस पर आरोप लगाया गया था - आत्महत्या - क्योंकि उसने अनजाने में एक्वा फोर्टिस, एक घातक जहर पी लिया था। "अभी भी उसके चेहरे के अजीब रंग पर विचार करते हुए, मैंने एक्वा फोर्टिस द्वारा विषाक्तता के लक्षणों पर कुछ अधिकारियों से परामर्श करने के बारे में सोचा, और श्री जे. एच. वॉल्श की घरेलू चिकित्सा और सर्जरी, पृष्ठ 172, 1 में सल्फ्यूरिक एसिड का उल्लेख है। विषाक्तता के लक्षणों के तहत पाया गया ये शब्द: 'एक्वा जोर्टिस सल्फ्यूरिक के समान प्रभाव पैदा करता है, एकमात्र अंतर यह है कि बाहरी दाग, यदि कोई हैं, भूरे के बजाय पीले होते हैं।' यह सल्फ्यूरिक एसिड के संकेत को संदर्भित करता है, 'आमतौर पर मुंह के बाहर भूरे रंग के धब्बे के रूप में।'

इस वैज्ञानिक विवरण के साथ अपने तथ्यों को समायोजित करने की कोई इच्छा न होने के कारण, मैं स्वतंत्र रूप से उद्धरण देता हूं, केवल यह कहते हुए कि श्री वाल्श की पुस्तक में अंश पढ़ने से पहले, मुझे इन लक्षणों के बारे में थोड़ी सी भी जानकारी नहीं थी। था, और मैं समझता हूं कि वे काफी हद तक मेरे द्वारा देखे गए लक्षणों से मेल खाते हैं, जैसे, उल्लेखनीय पसीने से ढका हुआ पीला चेहरा, और धब्बे (विशेष रूप से माथे पर), जिन्हें मैंने सपने में बड़े पसीने के धब्बे के रूप में सोचा था।

यह थोड़ा आश्चर्य की बात नहीं लगी कि मुझे इन लक्षणों के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी और फिर भी मुझे उन पर ध्यान देना चाहिए। "इस मामले पर बोलते हुए मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है, मैं उन संशयवादियों से बहुत निराश हूं जो इसे भ्रम मानते हैं, क्योंकि मेरा सपना बुधवार की सुबह मेरे प्रबंधक से एक पत्र प्राप्त होने के बाद आया होगा जिसमें मुझे कथित आत्महत्या की सूचना दी गई थी यह व्याख्या इतनी बेतुकी है कि इसके लिए किसी गंभीर उत्तर की आवश्यकता नहीं है।

"मेरे प्रबंधक ने पहली बार सोमवार को मौत के बारे में सुना - मुझे उस दिन उपरोक्त के रूप में लिखा - और (दृश्य) मंगलवार सुबह हुआ, डिलीवरी के ठीक 8 बजे से पहले, इसलिए तीन बार जोरदार ढंग से, 'आप सुन सकते हैं।' "मैं पूरे मामले का श्रेय भुखमरी की भयावह स्थिति से बचाए जाने के लिए मैकेंज़ी की व्यथापूर्ण कृतज्ञता को देता हूं, और, मेरी राय में, मैंने कुछ भी रंग नहीं डाला है, और अपने पाठकों को अपने निष्कर्ष निकालने के लिए छोड़ दिया है।"

कथावाचक की पत्नी एस.पी.आर. पुष्टि की गई कि उनके पति ने उन्हें मैकेंजी की उपस्थिति और उनके बयान के बारे में सूचित किया था कि उन्होंने आत्महत्या नहीं की है, जब वह मंगलवार की सुबह अपने प्रबंधक का पत्र पढ़ने से पहले ही बेडरूम में दाखिल हुईं।

केस **6.**

वॉन गोएर्ट्ज़ मामला**.**

"काउंटेस वॉन गोएर्ट्ज़, मेरी दादी, की मृत्यु बेस्सारबिया में हमारे वर्षों के दौरान हुई थी। ... मैंने उन्हें कभी नहीं देखा था और उनके बारे में बहुत कम जानता था लेकिन मैंने हमेशा सुना था कि वह मेरे पिता से बहुत स्नेह करती थीं। उनके बीच की यह गहरी भावना प्रकट हुई थी एक दिलचस्प और जिज्ञासु तरीका.

एक सुबह, उनकी मृत्यु की खबर मिलने से ठीक पहले, मेरे पिता ने मुझसे कहा: "'तुम्हारी दादी मर गई हैं।' मेरे प्रश्न के उत्तर में कि क्या उन्हें कोई पत्र मिला था, उन्होंने उत्तर दिया: 'नहीं, मुझे कोई पत्र नहीं मिला है, लेकिन मुझे पता है कि वह मर चुकी है, क्योंकि कल रात मैंने एक सपना देखा था जिसमें वह मेरे पास आई थी मेरे लिए कॉफी, और कहा: "यह आखिरी बार है जब मैं तुम्हारे लिए कॉफी लाऊंगा, बेटा, क्योंकि आज मैं मर रहा हूं।"

"निश्चित रूप से मैंने अपने पिता को सांत्वना देने की कोशिश की, और हालाँकि मैं तब केवल एक छोटा लड़का था, मैंने उन्हें सपनों पर विश्वास न करने की सलाह दी। हालाँकि, वह आश्वस्त रहे कि वह मर चुकी है और मुझे मेल का इंतजार करने के लिए कहा। यह मेल आया था हर सुबह एक विशेष दूत द्वारा, जो इसे अस्सी मील दूर एक स्टेशन से लाता था, जिसके पास मार्ग में घोड़ों की कतारें थीं, और इस प्रकार यात्रा बारह घंटे में पूरी करने में सक्षम थी।

अगली सुबह कोई खबर नहीं थी. तीसरे दिन मुझे मेल-बैग में जर्मन पोलैंड की संपत्ति से एक टेलीग्राम मिला, जहाँ मेरी दादी रहती थीं। मैंने तार निकाला और अपने पिता के पास ले गया। यह दादी की मृत्यु की घोषणा थी, ठीक उसी क्षण वह उसके सपने में आयीं।"

केस नं. **7.**

रुबिनस्टीन मामला**.**

महान पियानोवादक और संगीतकार रुबिनस्टीन (1829-1894) के शिष्य लिलियन निकिया ने मृत्यु संधि की यह कहानी बताई:

"मैं एक जंगली, तूफ़ानी रात में रुबिनस्टीन के साथ रात्रि भोज पर था; मौसम सेंट पीटर्सबर्ग (अब लेनिनग्राद) के लिए भी भयानक था। घर के चारों ओर हवा चल रही थी, और रुबिनस्टीन, जो सवाल पूछना पसंद करते थे, ने मुझसे पूछा कि वे क्या करते हैं मैंने उत्तर दिया, 'खोयी हुई आत्माओं का विलाप' अपने मन में प्रस्तुत करें। इसके बाद धार्मिक चर्चा शुरू हुई.

"'वहाँ एक भविष्य हो सकता है,' उन्होंने कहा। "'एक भविष्य है,' मैंने चिल्लाया, 'एक महान और सुंदर भविष्य; अगर मैं पहले मर जाऊं तो आपके पास आऊंगा और इसे साबित करूंगा।' "वह बहुत गंभीरता से मेरी ओर मुड़ा। 'ठीक है, लिलोस्चा, यह एक सौदा है; और मैं तुम्हारे पास आऊंगा।'

"छह साल बाद पेरिस में एक रात जब मैं उठा तो पीड़ा और निराशा की एक चीख मेरे कानों में गूँज रही थी, एक ऐसी चीख जिसके बारे में मुझे आशा है कि यह मेरे जीवनकाल में कभी नहीं दोहराई जाएगी। रुबिनस्टीन का चेहरा मेरे चेहरे के करीब था, हर कदम पर उसका चेहरा विकृत हो जाता था डर, निराशा, दर्द, पछतावा और गुस्सा, मैं चौंक गया, सारी लाइटें जला दीं और एक पल के लिए मेरा हर अंग कांप उठा, जब तक कि मैंने अपना डर दूर नहीं किया और फैसला नहीं किया कि यह केवल एक सपना था।

मैं उस पल के लिए हमारे समझौते को पूरी तरह से भूल गया था। "पेरिस में समाचार हमेशा देर से आते हैं, और दोपहर में प्रकाशित ले पेटिट जर्नल में उनकी अचानक मृत्यु का पहला विवरण शामिल था।" चार साल बाद, टेरेसा कैरेनो, जो रूस से आई थीं, और अमेरिका का दौरा कर रही थीं - मैं उनसे अक्सर सेंट पीटर्सबर्ग में रुबिनस्टीन की खाने की मेज पर मिलती थी - ने मुझे बताया कि रुबिनस्टीन की पीड़ा की चीख के साथ मृत्यु हो गई, जिसका वर्णन करना असंभव है। तब मुझे पता चला कि मृत्यु में भी रुबिनस्टीन ने, जैसा कि वह हमेशा करते थे, अपनी बात रखी थी।"

केस नं. **8.**

सी मामला.

इस मामले के तथ्य मुझे एक महिला ने बताए थे, जिसकी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा पर मेरे पास संदेह करने का ज़रा भी कारण नहीं है। यह उनके ही घर में हुआ था और समुद्र में खोया हुआ युवा इंजीनियर उनका भाई था। यहाँ उनकी अपनी कहानी है:

"1914 के वसंत में, मेरे भाई डी, जिसकी उम्र इक्कीस साल थी, ने और अधिक अनुभव प्राप्त करने और थोड़ी सी दुनिया देखने के लिए एक इंजीनियर के रूप में कनाडा जाने का फैसला किया, और उसके बाद ही एक अच्छा करियर बनाने का फैसला किया, जिसमें उन्होंने तैयारी की थी इसके लिए खुद पढ़ाई और मेहनत की।

"मेरे पिता के प्रभाव से उन्हें हैलिफ़ैक्स, कनाडा में कमीशन किए गए एक लाइटशिप पर इंजीनियर के रूप में नियुक्ति मिली। यह जहाज, हैलिफ़ैक्स लाइट शिप नंबर 19, शुक्रवार, 24 अप्रैल को ग्रीनॉक, स्कॉटलैंड से रवाना हुआ और 22 मई को हमें इसकी सूचना मिली। कंपनी को बताया कि जहाज न्यूफ़ाउंडलैंड के सेंट जॉन्स में सुरक्षित रूप से पहुंच गया था, इसलिए डी के बारे में कोई आशंका नहीं थी।

"शुक्रवार, 22 मई को, मेरी माँ ने बहुत बेचैन रात बिताई, इस दौरान उन्होंने डी को बार-बार 'माँ, माँ' कहते हुए सुना - जब उसके पास ऐसा करने का समय नहीं होता था तो उसे संबोधित करने का उसका सामान्य तरीका था। मेरी माँ को यकीन था कि कुछ न कुछ डी के साथ हुआ था और अगली सुबह उसने अपना अनुभव अपनी बहन को बताया, जो उस समय घर पर थी।

मेरी बहन ने यह कहते हुए इसे टाल दिया कि डी ठीक हो जाएगा क्योंकि जहाज 17 मई को सेंट जॉन्स पहुंच गया था। फिर भी, मेरी बहन के तर्कों के बावजूद, मेरी मां ने कहा कि डी ने उसे बुलाया था और उसे कुछ बुरा होने का डर था। "बाद में, हमें कनाडा से सूचित किया गया कि जहाज सेंट जॉन्स पहुंच गया था, लेकिन हैलिफ़ैक्स की अपनी यात्रा पूरी करने के लिए 19 मई को उस बंदरगाह से रवाना हो गया था।

22 मई को रात 10 बजे, तूफान के दौरान जहाज चट्टानों से टकराया और सभी यात्रियों सहित डूब गया, कुछ के शव कभी नहीं मिले; मेरे भाई का शव भी इनमें से एक था. यह तट से एक मील की दूरी पर हुआ, लेकिन जिन ग्रामीणों ने संकट के संकेत देखे वे तूफान के कारण कुछ भी करने में असमर्थ थे। "जब हमने सुना कि डी का जहाज सेंट जॉन पहुंच गया है तो हमारी जो भी चिंता थी वह गायब हो गई; निश्चित रूप से वह अब सुरक्षित होगा।

"उसी वर्ष के अंत में मेरी माँ को एक और अनुभव हुआ। अगस्त 1914 में युद्ध छिड़ गया और मेरे दूसरे भाई, जो केवल उन्नीस वर्ष का था, को तुरंत बुलाया गया क्योंकि वह आर.एन.वी.आर. का सदस्य था। जिस रात वह चला गया, मेरी माँ थी स्वाभाविक रूप से बहुत परेशान थी - उसका एक बेटा गायब था, माना जाता है कि वह डूब गया था, और उसका दूसरा लड़का अब चला गया था - कोई नहीं जानता था कि वह कहाँ था।

"माँ कहती है कि वह सपना नहीं देख रही थी जब डी बिस्तर के नीचे दिखाई दी (विभिन्न कारणों से माँ उस रात लड़के के शयनकक्ष में सो रही थी)। उसने उसकी ओर देखा और कहा, 'चिंता मत करो, माँ, मैं करूँगा बी का ख्याल रखना.' इससे उन्हें बहुत सांत्वना मिली और यह तर्क दिया जा सकता है कि यह महज संयोग था, लेकिन तथ्य यह है कि मेरा भाई बी पूरे युद्ध से बिना किसी खरोंच के वापस आ गया।

"वह रॉयल नेवी के बचाव अनुभाग में एक इंजीनियर अधिकारी थे - एक बेहद खतरनाक और जोखिम भरी शाखा। जिन दो जहाजों को उन्होंने बचाया था और जिन पर वह थे, उन पर टॉरपीडो द्वारा हमला किया गया था, लेकिन वह दोनों अवसरों पर बच गए, इस तथ्य के बावजूद कि वह तैरना नहीं आता था।"

केस नं. **9.**

चैफिन विल केस**.**

हम निम्नलिखित मामले के लिए अपने कनाडाई सदस्यों में से एक के आभारी हैं। एक अखबार की रिपोर्ट द्वारा इस ओर ध्यान आकर्षित करने के बाद, उन्होंने राज्य (उत्तरी कैरोलिना) में रहने वाले एक वकील से उनकी ओर से तथ्य प्रस्तुत करने के लिए कहा, जहां घटनाएं घटी थीं। जांच के निर्देश दिए। तथ्यों को पहले से ही एक विवादित कानूनी मामले में सबूत के रूप में प्रस्तुत किया गया था, इसलिए उन्हें दो अवसरों पर सबूतों को छांटने और तौलने के लिए पेशेवर रूप से प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा जांच से गुजरना पड़ा।

हमारे कनाडाई सदस्य, श्री जे. मैकएन। एबरडीन, उत्तरी कैरोलिना के अटॉर्नी-एट-लॉ जॉनसन ने सोसायटी को एक पूरी रिपोर्ट भेजी है, जिसमें (1) मूल समाचार पत्र लेख, (2) डेवी काउंटी, एन.सी. (3) कार्यवाही के आधिकारिक रिकॉर्ड शामिल हैं। सुपीरियर कोर्ट में और (3) श्री जॉनसन द्वारा हलफनामे में कहा गया है कि उन्होंने मामले में कुछ प्रमुख व्यक्तियों के साथ साक्षात्कार आयोजित किए थे, साथ ही दोनों व्यक्तियों ने खुद भी हलफनामे दिए थे। निम्नलिखित आंशिक रूप से इन दस्तावेज़ों का सारांश है, और आंशिक रूप से उनमें से उद्धरण हैं।

इस पूरे मामले को वो लोग पढ़ सकते हैं जो ऐसा करना चाहते हैं वो सोसायटी के कमरों में जाकर पढ़ सकते हैं। 1 वसीयतकर्ता जेम्स एल. चैफिन, डेवी काउंटी, एनसी में एक किसान था। वे शादीशुदा थे और उनके चार बेटे थे, जॉन ए. चैफिन, जेम्स पिंकनी चैफिन, मार्शल ए. चैफिन और अबनेर कोलंबस चैफिन। 16 नवंबर, 1905 को, वसीयतकर्ता ने दो गवाहों

द्वारा विधिवत सत्यापित एक वसीयत बनाई, जिसके तहत उसने अपना खेत अपने तीसरे बेटे, मार्शल को दे दिया, जिसे उसने एकमात्र निष्पादक नियुक्त किया। विधवा और तीन अन्य बेटों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया था।

कुछ साल बाद ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपनी संपत्ति के इस स्वभाव से असंतुष्ट थे, और 16 जनवरी, 1919 को उन्होंने एक नई वसीयत बनाई, जो इस प्रकार थी: "उत्पत्ति के 27वें अध्याय को पढ़ने के बाद, मैं, जेम्स एल. चैफिन, बनाता हूँ मेरी अंतिम वसीयत और वसीयतनामा, और यह यहाँ है कि मेरे शरीर का उचित अंतिम संस्कार करने के बाद, मेरी छोटी सी संपत्ति मेरे चार बच्चों के बीच समान रूप से विभाजित की जाएगी, यदि वह जीवित है, तो व्यक्तिगत और अचल संपत्ति दोनों को समान रूप से विभाजित किया जाना चाहिए; वह जीवित नहीं है, तो उसके बच्चों को हिस्सा दिया जाना चाहिए और यदि वह जीवित है, तो आप सभी को अपनी माँ का ख्याल रखना चाहिए।

अब यह मेरी आखिरी वसीयत और वसीयतनामा है. मेरे हस्ताक्षर और मुहर का साक्ष्य दें। "जेम्स एल. चैफिन। यह 16 जनवरी, 1919 है।"

यह दूसरी वसीयत, हालांकि अप्रमाणित है, उत्तरी कैरोलिना के कानून के अनुसार, केवल वसीयतकर्ता के अपने हाथ से लिखी होने के कारण वैध होगी, बशर्ते कि पर्याप्त सबूत पेश किए जाएं कि यह वास्तव में उसकी अपनी लिखावट है। वसीयतकर्ता ने अपनी वसीयत लिखने के बाद, उसे एक पुरानी पारिवारिक बाइबिल के दो पन्नों के बीच रखा, जो पहले उसके पिता रेव नाथन एस की थी। यह चैफिन से थी, पन्नों को इस तरह से मोड़ा गया था कि एक तरह का पॉकेट का गठन किया गया.

इस प्रकार मोड़े गए पन्नों में उत्पत्ति का 27वां अध्याय था, जो बताता है कि कैसे छोटे भाई जैकब ने बड़े भाई एसाव का उत्तराधिकारी बनाया, और अपना जन्मसिद्ध अधिकार और अपने पिता का आशीर्वाद जीता। जैसा कि याद होगा, पहली वसीयत के तहत एकमात्र लाभार्थी एक छोटा भाई था। जहां तक पता लगाया जा सकता है, वसीयतकर्ता ने अपनी मृत्यु से पहले कभी भी इस दूसरी वसीयत के अस्तित्व के बारे में किसी को नहीं बताया था, लेकिन अपने ओवरकोट की अंदर की जेब में उसने कागज का एक रोल सिल दिया था, जिस पर उसने लिखा था, "मेरे पिता की वसीयत में उत्पत्ति अध्याय 27 पढ़ें।" पुरानी बाइबिल।" 7 सितंबर, 1921 को वसीयतकर्ता की गिरने से मृत्यु हो गई।

उनके तीसरे बेटे, मार्शल ने उसी वर्ष 24 सितंबर को पहली वसीयत का प्रोबेट प्राप्त किया। माँ और अन्य तीन भाइयों ने इस वसीयत का विरोध नहीं किया, क्योंकि उन्हें ऐसा करने का कोई वैध कारण नहीं पता था। इस बिंदु से श्री जॉनसन द्वारा 21 अप्रैल, 1927 को क्षेत्र की अपनी यात्रा पर प्राप्त शपथपत्रों के शब्दों का पालन करना सुविधाजनक होगा। वसीयतकर्ता के दूसरे बेटे, जेम्स पिंकनी चैफिन के बयान का उद्धरण "मैं अपने सभी में कभी नहीं मैंने सुना है कि मेरे पिता ने 1905 की तारीख के बाद कोई वसीयत बनाई थी।

मुझे लगता है कि यह जून 1925 की बात है, जब मुझे बहुत ज्वलंत सपने आने लगे, जिसमें मेरे पिता मेरे बिस्तर के पास दिखाई दिए, लेकिन कोई मौखिक संचार नहीं किया। कुछ समय बाद, मुझे लगता है कि यह जून, 1925 का आखिरी हिस्सा था, वह फिर से मेरे बिस्तर के पास प्रकट हुए, उसी तरह के कपड़े पहने हुए थे जैसा मैंने उन्हें जीवन में अक्सर पहने हुए देखा था, एक काला ओवरकोट पहने हुए, जिसे मैं उनका अपना कोट जानता था।

इस बार मेरे पिता की आत्मा ने मुझसे बात की; इस प्रकार उसने अपने ओवरकोट को पकड़ लिया और उसे वापस खींच लिया और कहा, 'तुम्हें मेरी वसीयत मेरे ओवरकोट की जेब में मिलेगी,' और फिर गायब हो गया। अगली सुबह जब मैं उठा तो मुझे पूरा यकीन हो गया कि मेरे पिता की आत्मा मेरे सामने प्रकट हो गई है।

किसी भी गलती को स्पष्ट करने के उद्देश्य से। मैं अपनी मां के पास गया और ओवरकोट की तलाश की, लेकिन पाया कि वह गायब था। माँ ने कहा कि उसने ओवरकोट मेरे भाई जॉन को दे दिया था, जो मेरे घर से लगभग बीस मील उत्तर-पश्चिम में याडकिन काउंटी में रहता था। मुझे लगता है कि यह 6 जुलाई को था, जो पिछले पैराग्राफ में वर्णित घटनाओं के बाद का सोमवार था, मैं याडकिन काउंटी में अपने भाई के घर गया और कोट पाया।

अंदर की जेब की जांच करने पर मैंने पाया कि अस्तर एक साथ सिल दिया गया था। मैंने तुरंत टांके काटे, और मुझे अपने पिता की लिखावट में धागे से बंधा कागज का एक छोटा सा रोल मिला, और उस पर केवल निम्नलिखित शब्द थे: 'मेरे पिता की पुरानी बाइबिल में उत्पत्ति का 27 वां अध्याय पढ़ें।' "इस समय मैं इतना आश्वस्त था कि रहस्य को सुलझाया जाना चाहिए, कि मैं किसी गवाह की उपस्थिति के बिना बाइबल की जांच

करने के लिए अपनी मां के घर जाने को तैयार नहीं था, और मैंने एक पड़ोसी, श्री थॉमस ब्लैकवेल्डर से मेरे साथ जाने के लिए कहा। कहा, मेरी बेटी और श्री ब्लैकवेल्डर की बेटी भी मौजूद थीं।

जब हम माँ के घर पहुँचे, तो पुरानी बाइबल मिलने से पहले हमें बहुत खोजबीन करनी पड़ी। आख़िरकार हमने इसे ऊपर के कमरे के शीर्ष ब्यूरो दराज में पाया। किताब इतनी जर्जर थी कि जब हमने उसे बाहर निकाला तो वह तीन टुकड़ों में टूट गयी। श्री ब्लैकवेल्डर ने उत्पत्ति की पुस्तक उठाई, और पन्ने पलटे जब तक कि वह उत्पत्ति के 27वें अध्याय तक नहीं पहुंच गए, और वहां हमने पाया कि दो पृष्ठ एक साथ मुड़े हुए थे, बाएं हाथ का पृष्ठ दाहिनी ओर मुड़ा हुआ था, और दाहिनी ओर का पृष्ठ मुड़ा हुआ था। बाईं ओर, एक जेब बनाई, और इस जेब में श्री ब्लैकवेल्डर को एक वसीयत मिली, जिसकी जांच की गई थी [अर्थात दिसंबर, 1925 में जांच की गई थी]।

"दिसंबर, 1925 के महीने में, चैफिन बनाम चैफिन मामले की सुनवाई से लगभग एक सप्ताह पहले, मेरे पिता फिर से मेरे सामने आये और बोले, 'मेरी पुरानी वसीयत कहां है?' और मुझे बहुत गुस्सा आया कि मैं केस जीत जाऊंगा, और मैंने अपने वकील को इस बैठक के बारे में बताया। “मेरे कई दोस्त यह नहीं मानते कि जीवनयापन के लिए दूसरों के साथ संवाद करना संभव है, लेकिन मुझे यकीन है कि मेरे पिता वास्तव में ऐसा करेंगे।” इनमें से अनेक अवसरों पर मुझे ऐसा प्रतीत हुआ और मैं आज भी इस पर विश्वास करता हूँ।

"मेरा नाम थॉमस ए. ब्लैकवेल्डर है। मैं अड़तीस साल का हूं और एच.एच. ब्लैकवेल्डर का बेटा हूं। मेरा घर कैलिहान टाउनशिप में एक फार्म पर है, उस स्थान से लगभग एक मील दूर जहां 1921 में जेम्स एल. चैफिन की मृत्यु हुई थी, मुझे लगता है कि यह था 6 जुलाई, 1925 को, जब मेरे पड़ोसी श्री जे.पी. चैफिन मेरे घर आए और मुझसे अपने साथ अपनी मां के घर चलने के लिए कहा, तो उन्होंने बताया कि उनके पिता ने उन्हें सपने में दर्शन दिए थे और बताया था कि वह कैसे वहां जा सकते हैं उसकी वसीयत।

श्री चैफिन ने उसी समय मुझे बताया कि उनके पिता की मृत्यु लगभग चार साल पहले हुई थी और उन्होंने उन्हें सपने में दर्शन देकर कहा था कि उन्हें अपने पुराने ओवरकोट की छाती की जेब में देखना चाहिए और वहां उन्हें कुछ मिलेगा। महत्वपूर्ण। तुम्हें कुछ मिलेगा. मिस्टर चैफिन ने आगे बताया कि वह इस ओवरकोट के पास गए और उन्हें कागज की एक पट्टी

मिली। उसके पिता की लिखावट में, और वह चाहता था कि मैं उसके साथ उसकी माँ के घर जाऊँ और बाइबल की जाँच करूँ, और थोड़ी देर बाद हमें वह घर की दूसरी मंजिल पर एक ब्यूरो दराज में मिली। हमने बाइबिल निकाली, जो काफी पुरानी थी और तीन अलग-अलग टुकड़ों में थी। मैंने पुस्तक के तीन टुकड़ों में से एक लिया, और श्री चैफिन ने अन्य दो टुकड़े ले लिए, लेकिन ऐसा हुआ कि जो टुकड़ा मेरे पास था उसमें उत्पत्ति की पुस्तक थी।

मैंने पन्ने पलटे और अध्याय 27 पर आया, और वहां हमें अंदर की ओर मुड़े हुए दो पन्ने मिले, और इन दो पन्नों में एक कागज लिखा हुआ था, जिस पर जेम्स एल. का नाम लिखा हुआ था, जिसे श्री जॉनसन की आखिरी वसीयत और वसीयतनामा माना जा रहा था। श्री जॉनसन के स्वयं के कथन से प्रतीत होता है कि, श्री जे.पी. चैफिन और श्री ब्लैकवेल्डर के अलावा, श्रीमती जे.पी. चैफिन, उनकी पंद्रह वर्षीय बेटी, और वसीयतकर्ता की विधवा बाइबिल इसकी खोज के समय मौजूद थी, और दूसरी वसीयत प्रोबेट के लिए लाई गई थी।

पुत्र, मार्शल, जिसने पहली वसीयत साबित की, अपने पिता की मृत्यु के एक वर्ष के भीतर मर गया; उनका एक बेटा था, आर. लेफ्ट एम. चैफिन, जिसे दूसरी वसीयत साबित करने के लिए एक मुकदमे में प्रतिवादी बनाया गया था, और जो नाबालिग होने के कारण, उसकी मां द्वारा अभिभावक विज्ञापन लिटेम और अगले दोस्त के रूप में प्रतिनिधित्व किया गया था। मामला दिसंबर 1925 में सुनवाई के लिए आया। जूरी ने शपथ ली और फिर अदालत ने मामले को स्थगित कर दिया।

वकीलों में से एक ने घोषणा की कि अंतराल के दौरान मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समायोजन किया गया था, और नई वसीयत को बिना किसी विरोध के प्रोबेट में स्वीकार किया जाएगा। निम्नलिखित पीठासीन न्यायाधीश के कार्यवृत्त की आधिकारिक प्रति से लिया गया है: सहमति से निर्णय जे.एल. चैफिन की वसीयत, विलेख के संबंध में। उत्तरी कैरोलिना, डेवी काउंटी। सुपीरियर कोर्ट में.

दिसंबर अवधि, 1925 निर्णय, डिक्री: यह मामला सुनवाई के लिए आ गया है, और सुना जा रहा है, और निम्नलिखित मुद्दे जूरी को प्रस्तुत किए गए हैं, "क्या कागज 16 जनवरी, 1919 दिनांकित है, और मृतक का प्रत्येक भाग - जे .एल. चैफिन की अंतिम वसीयत और वसीयतनामा?" उत्तर - "हाँ।" और जूरी ने उक्त मुद्दे का सकारात्मक उत्तर दिया है, अब यह वादी

के वकीलों के प्रस्ताव पर ई. एच. मॉरिस, ए. एच. प्राइस और जे. ई. बुस्बी की ओर मुड़ता है, जिसने आदेश दिया, निर्णय लिया और फैसला सुनाया कि जेम्स एल चैफिन की उक्त अंतिम वसीयत और वसीयत को डेवी काउंटी के सुपीरियर कोर्ट के क्लर्क के कार्यालय में वसीयत की किताब में दर्ज किया जाएगा, और वसीयत, दिनांक 16 नवंबर, 1905, और प्रमाणित 24 सितंबर, 1921 को क्रमांक 2 दिया जाएगा। , पृष्ठ 579, जेम्स एल., मृतक, जिसे चैफिन की अंतिम वसीयत और वसीयतनामा माना जाता है, को एतद्द्वारा रद्द, निरस्त और शून्य किया जाता है।

जब मुकदमा शुरू हुआ, तो मार्शल की विधवा और बेटा दूसरी वसीयत को चुनौती देने के लिए तैयार थे। हालाँकि, लंच ब्रेक के दौरान उन्हें दूसरी वसीयत दिखाई गई। दस गवाह यह गवाही देने को तैयार थे कि दूसरी वसीयत वसीयतकर्ता की लिखावट में थी, और विधवा और बेटे ने इसे देखते ही स्वीकार कर लिया।

बहरहाल, उन्होंने तुरंत अपना विरोध वापस ले लिया. जनता, जो एक कड़वे पारिवारिक झगड़े को देखने की उम्मीद में अदालत में एकत्र हुई थी, निराश होकर लौट आई। श्री जॉनसन ने अपने बयान में कहा: “मैंने अपने कौशल और क्षमता के अनुसार, जिरह और अन्य माध्यमों से यह स्वीकार करने की कोशिश की कि संभवतः वहां कुछ हो सकता है।

या कोट की जेब में रखे कागज के बारे में, जो सपने में दिखाई दिया था: लेकिन मैं उसके विश्वास को डिगाने में पूरी तरह असफल रहा। उत्तर शांतिपूर्ण था: 'नहीं, ऐसी व्याख्या असंभव है। जब तक मेरे पिता की आत्मा नहीं आई तब तक हमने वसीयत के अस्तित्व के बारे में कभी नहीं सुना।' स्पष्ट रूप से, उनमें से किसी को भी, वसीयतकर्ता की मृत्यु की तारीख पर, दूसरी वसीयत के किसी भी उल्लेख की सचेत याद नहीं थी, अन्यथा वे पहली वसीयत को बिना विरोध के साबित नहीं होने देते।

न ही यह ऐसा मामला था, जिसका यदि एक बार उल्लेख किया जाता, तो दूसरी वसीयत (जनवरी, 1919) और वसीयतकर्ता की मृत्यु (सितंबर, 1921) के बीच के थोड़े समय के दौरान भुला दिया जाता। ...मैं इन लोगों की स्पष्ट ईमानदारी से बहुत प्रभावित हुआ, जो समृद्ध परिस्थितियों में ईमानदार, सम्मानित देश के लोगों की तरह दिखते थे।

केस नं. **10.**

बीडे का मामला**.**

नॉर्थ डकोटा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ओ.आर. लिब्बी ने मामले के बारे में डॉ. वाल्टर एफ को बताया। न्यायाधीश ने प्रिंस को बुलाकर बेडे के चरित्र की गवाही इस प्रकार दी:
"मैं जज बेडे को लगभग बीस वर्षों से जानता हूं, और वह असाधारण बौद्धिक क्षमता वाले व्यक्ति हैं... उन्होंने भारतीयों के बीच एक मिशनरी के रूप में लंबे समय तक काम किया... जज बेडे ने भारतीयों के बीच कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। अवलोकन किए हैं, और जाहिर तौर पर उनका पूरा विश्वास हासिल कर लिया है, मेरा मानना है कि नृवंशविज्ञानी अपने रिकॉर्ड को अद्वितीय और मूल्यवान मानते हैं।"

जज बेडे का विवरण इस प्रकार है: "4 फरवरी, 1926 को, सुबह लगभग 7:15 बजे, मेरी पत्नी, जिसे मैंने दस साल से अधिक समय से नहीं देखा था, एक बार छोड़कर और फिर थोड़ी दूरी से, मेरे सामने आई, जबकि मैं अपने शयनकक्ष में खाट पर सो रहा था या आंशिक रूप से सो रहा था, मैंने पूछा (ऐसा लग रहा था जैसे कह रहा हो), 'आप दरवाजा बंद करके अंदर कैसे आये?' उसने कहा, 'ओह, मैं अंदर हूं, ठीक है।' फिर उसने कहा (कहती हुई) 'मैं इस दुनिया में कभी खुश नहीं रही, ये तो मैं तुम्हें बता चुकी हूं कि अब मैं उस गलती से बाहर आ गई हूं और खुश हूं।'

मैंने कहा, 'यह अच्छा है।' मेरे मन में विचार आया कि मुझे उससे कहता रहना चाहिए कि मैं उसके लिए घर में एक और कमरा बनवाऊंगा, क्योंकि उस समय मैंने इसका मतलब यह समझा था कि वह मेरे साथ आएगी और रहेगी, जैसा कि मैंने उससे कहा था। लेकिन ठीक उसी समय एक लगभग बहरे सिओक्स इंडियन कांग्रेगेशनल मंत्री (मैं एपिस्कोपेलियन हूं) ने दरवाजे पर जोरदार दस्तक दी, जो एक बच्चे की मृत्यु के कारण मेरी सहायता मांगने आए थे, और मैं पूरी तरह से जाग गया, और श्रीमती .बीडे चला गया था. .

सोफ़े से उठने का प्रयास करने पर मैंने स्वयं को इतना कमज़ोर पाया कि मैं मुश्किल से दरवाज़े तक पहुँच सका (पता नहीं क्यों); और लगभग 10 बजे, जब मैं सोफ़े पर ही था, एक टेलीग्राम लाया गया जिसमें लिखा था, 'आज सुबह 7:15 बजे माँ का निधन हो गया।' समय में अंतर के कारण यह कहना असंभव है कि 'प्रेत' मृत्यु के समय था, या कुछ समय पहले, या कुछ समय बाद।

संचार (बातचीत) एक प्रकार का फ़्लैश था जिसके द्वारा एक संपूर्ण विचार निश्चित रूप से संप्रेषित किया जाता था, न कि केवल वास्तव में बोले गए शब्द, जिसके लिए नगण्य समय की आवश्यकता होती थी। उसने वैसे ही कपड़े पहने थे जैसे मैंने उसे दस साल पहले देखा था, हालाँकि उसने पोशाक की एक पूरी तरह से अलग शैली अपनाई थी, जैसा कि मुझे बाद में पता चला।"

केस नं. **11**।

बायफ़्लीट मामला**.**

"मां की तरह, श्रीमती बायफ़्लीट भी मानसिक रूप से बीमार थीं, और जब मैंने उनका मातृ-सत्कार किया, तो मैंने उन्हें बहुत व्यथित पाया। उस रात एक सपने में उन्होंने जैक (उनका बेटा) को देखा, जो अभी-अभी घर लौटा था, जैसा कि उनकी परंपरा थी घर लौटकर, वह उसके शयनकक्ष में आया, अपनी नाविक टोपी उतार दी और उसे देखकर मुस्कुराया। उसके व्यवहार से उसे कुछ हद तक यकीन हो गया कि वह मर चुका है।

"जब उसने मुझे सपना बताना समाप्त कर दिया, तो जॉर्ज बायफ़्लीट (उसके पति) अंदर आए और मुझसे कहा कि (मेरे) पिताजी ने कहा था कि अगर मैं घर जाना चाहता हूं, तो मुझे शाम 5 बजे तक गांव पहुंचना होगा। पर यह सुनकर, मैंने सुझाव दिया कि अब एक गिलास बीयर पीने का समय हो गया है, और बूढ़े आदमी को गाँव के पब में ले गया, वहाँ उसने

मुझे बताया कि उसने भी अपनी पत्नी जैसा ही सपना देखा था, लेकिन उसने अपनी पत्नी को इसके बारे में नहीं बताया था। मैंने नहीं बताया.

उसने जैक को अपने कमरे में आते देखा था, और उसे इतना यकीन हो गया कि यह वही लड़का है, इसलिए वह बिस्तर से बाहर निकला और उसके पीछे-पीछे नीचे गया और एक गिलास व्हिस्की पी, जो घर लौटने पर पिता और पुत्र के बीच एक रस्म थी। यह एक अनुष्ठान था. "पिताजी समय पर आ गए और जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मुझे पता चल गया कि वह बहुत परेशान थे।

बूढ़ा जैक, उसका घोड़ा, रुका ही था कि पब में पिताजी ने अचानक कहा, 'यह नए साल की बहुत खूनी शुरुआत है। दुर्जेय को टॉरपीडो से उड़ा दिया गया है।' बायफ़्लीट ने अपनी बीयर गटक ली और दूसरी बीयर लेने से इनकार करते हुए हमें अपने साथ घर जाने के लिए कहा। जैसे ही श्रीमती बाइफ्लीट ने बुरी खबर सुनी, उन्होंने घोषणा की कि जैक जहाज के साथ डूब गया है।

पिताजी ने कहा, 'यह बकवास है; 'जैक को दूसरे जहाज पर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया था, और आप यह जानते हैं।' हालाँकि, कोई भी उसे यह विश्वास नहीं दिला सका कि जैक की हत्या नहीं हुई थी, इस तथ्य के बावजूद कि वह दूसरे जहाज में शामिल होने के लिए गया था, उसके सपने में उसके पास एच.एम.एस. था। दुर्जेय लिखा गया था.

उनका अनुमान सच साबित हुआ. नौकायन से पहले आखिरी क्षण में, जैक बायफ्लीट ने फॉर्मिडेबल पर एक बीमार साथी की जगह लेने के लिए स्वेच्छा से काम किया, और दो घंटे के भीतर जहाज एक खदान या टारपीडो द्वारा डूब गया।

केस नं**. 12.**

ऑस्ट्रियाई मामला**.**

यह मामला, जिसे सोसायटी फॉर साइकिकल रिसर्च के एक ऑस्ट्रियाई सदस्य द्वारा सोसायटी के ध्यान में लाया गया था, संबंधित बैरोनेस एक्स,

उसकी एक पुरानी दोस्त। बैरोनेस लंबे समय से बीमार थे और 29 अप्रैल, 1930 को रात 11:20 बजे (ऑस्ट्रियाई समय) वियना में पीड़ा में उनकी मृत्यु हो गई।

श्रीमती एफ., जो उस समय स्कॉटलैंड में रहती थीं और जिनके बैरोनेस के साथ बहुत करीबी संबंध थे, को मृत्यु की एक मुद्रित सूचना मिली जिसमें केवल "29 अप्रैल, 1930 की शाम" लिखा था - समय का उल्लेख नहीं किया गया था।

जब श्रीमती एफ को यह खबर मिली तो उन्होंने तुरंत बैरन को लिखा क्योंकि वह यहां आईं और मुझे अलविदा कहा, यह इस प्रकार था: मंगलवार की शाम को मैं बहुत थका हुआ महसूस करते हुए बिस्तर पर गया और गहरी नींद में सो गया।

लगभग 11:15 बजे मैं उठा जब किसी ने मेरे माथे पर चुंबन किया और जब मैंने ऊपर देखा तो मैंने बैरोनेस को अपने बिस्तर के किनारे पर खड़ा देखा; ऐसा लग रहा था मानो वह कुछ कहना चाहती हो, या मेरे बोलने या प्रतिक्रिया देने का इंतजार कर रही हो, लेकिन मैं बहुत हैरान था, डर नहीं रहा था, मैं अवाक था, इसलिए हम एक-दो मिनट तक वहीं खड़े एक-दूसरे को देखते रहे। इसके बाद बैरोनेस गायब हो गई। उसका चेहरा इतना उदास और प्रश्नवाचक था कि मैं उसकी ओर देख ही नहीं सका।

मैं इसे भूल नहीं सकता. मैंने अभी जो लिखा है वह भ्रम नहीं बल्कि सत्य है। मैंने मिस्टर एफ को यह बात बुधवार की सुबह बताई और उन्होंने कहा, 'तुम सपना देख रहे थे।' , , , मैंने वास्तव में बैरोनेस को उतना ही स्पष्ट रूप से देखा जितना मैं उस कागज को देखता हूं जिस पर मैं अब लिख रहा हूं और मैं पूरी तरह से जाग रहा था। श्रीमती एफ ने कहा था कि उन्होंने 29 अप्रैल को बैरोनेस को देखा था, और उन्होंने इस घटना को केवल एक सपना माना था, हालांकि उनकी पत्नी ने अन्यथा सोचा था।

बाद में, जब श्रीमती एफ से पूछा गया कि उन्होंने दर्शन का समय कैसे निर्धारित किया, तो उन्होंने उत्तर दिया कि बैरोनेस के गायब होने के तुरंत बाद हॉल-घड़ी ने आधे घंटे बाद बजाई और जब उन्होंने अपना आपा संभाला और शयनकक्ष की घड़ी की ओर देखा तो उसमें " घंटा ग्यारह दिखा रहा था (अर्थात घंटे की सूई ग्यारह और बारह के बीच थी): इसलिए मैंने इसे 11:15 और 11:30 के बीच देखा।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि देखे जाने के समय, ऑस्ट्रियाई और ब्रिटिश (ग्रीष्मकालीन) समय एक ही था, और मृत्यु के बारे में जानने से पहले श्रीमती एफ द्वारा उल्लिखित 11:15 वियना में मृत्यु के वास्तविक समय के बहुत करीब था।

केस नं. **13.**

मिशिगन बुलेवार्ड मामला.

इस घटना को उत्तरजीविता सिद्धांत के प्रत्यक्ष समर्थन में उद्धृत नहीं किया गया है, हालांकि जीवित रहने के पक्ष में साक्ष्य अक्सर इस प्रकार की दूरदर्शिता से प्राप्त होते हैं। कड़ाई से बोलते हुए, इस मामले के लिए सबसे अधिक दावा यह किया जा सकता है कि यह दर्शाता है कि कैसे एक अमेरिकी पत्रकार आइरीन कुह्न के जीवनकाल में, अप्रत्याशित रूप से, दिव्यदृष्टि की एक झलक ने केवल एक बार काम किया। जिन्होंने यूरोप और चीन में अमेरिकी पत्रकारिता की ओर से काम किया।

बाद के देश में उनकी मुलाकात एक अमेरिकी पत्रकार, बर्ट एल. कुह्न से हुई और उन्होंने उनसे शादी कर ली, और जब उनका बच्चा दो सप्ताह का हो गया, तो उनकी इच्छा के विरुद्ध और मुख्य रूप से अपने पति को खुश करने के लिए, वह छुट्टियों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका लौट आईं। बच्चा उसके साथ. , जबकि उनके पति चीन में ही रहे।

वह एक दिसंबर की दोपहर को मिशिगन बुलेवार्ड, शिकागो में चल रही थी, जब "अचानक और बिना किसी चेतावनी के आकाश, बुलेवार्ड, लोग, झील, सब कुछ गायब हो गया, मेरी दृष्टि से पूरी तरह और तेजी से मिट गया जैसे कि मेरे सामने, आँख बंद करके, किसी अँधेरे थिएटर में चलचित्र के परदे की भाँति फैला हुआ।

वसंत की हरियाली में तीन युवा पेड़ एक साथ खड़े थे; बहुत दूर, पेड़ों और बाड़ों के पीछे, फ़ैक्टरी के धुएँ के ढेर आसमान में कालिख के गुबार उगल रहे थे। पेड़ों के पार लोगों का एक छोटा सा घेरा खड़ा था, पुरुष और

महिलाएं, जिनमें से मुट्ठी भर लोग काले कपड़े पहने हुए थे। और घास के किनारे एक बजरी वाली सड़क पर एक लिमोजिन रुकी, जिसमें से दो आदमी बाहर निकले और मुड़े और काले कपड़े पहने एक महिला की ओर हाथ बढ़ाया, जो अब कार से बाहर निकल रही थी। वह महिला मैं ही थी.

"मैंने देखा कि मैं अपनी इच्छा के विरुद्ध उस समूह की ओर बढ़ रहा था जो अब मुझे लेने के लिए अलग हो गया था। मैंने कोई आवाज़ नहीं की, लेकिन उनके पास जाने की आवश्यकता के विरुद्ध संघर्ष किया। मैंने एक कदम आगे बढ़ाया और फिर गेन्डी स्थिर खड़ा रहा। दोनों व्यक्तियों ने इशारा किया मैं एक-एक कदम आगे बढ़ता गया, आख़िरकार मैं दूसरों के बीच पहुँच गया, और घास में एक छोटा सा छेद देखा - लगभग दो फीट वर्ग का छेद। यह बहुत बड़ा नहीं था।

"मैंने एक बार देखा और उसकी ओर पीठ कर ली, भागना चाहता था, लेकिन किसी अप्रतिरोध्य शक्ति ने उसे वहीं रोक रखा था। वहां एक छोटा सा बक्सा था, जिसे कोई, अब झुककर, असीम कोमलता के साथ धरती में रख रहा था - एक बक्सा इतना छोटा और प्रकाश जिसे मैं बमुश्किल महसूस कर सका। मैं कहाँ था? मैं इस छोटे से बक्से को जमीन में क्यों रखने दे रहा था जिसमें मेरे लिए इतनी कीमती चीज़ थी कि मैं बोल नहीं सकता था या हिल भी नहीं सकता था।

ये लोग - कौन थे? फिर मैंने अपने पति के परिवार के सभी चेहरे देखे, आंसुओं से सने हुए और उदास। सन्नाटा चीख रहा था और मुझे तोड़ रहा था। मैं हर तरफ देखा। पूरा परिवार वहीं था. बस वही गायब था. फिर मुझे पता चला कि बक्से में क्या है, और मैं बिना आवाज़ किए घास पर गिर पड़ा।" जब दृश्य गायब हो गया तो वह इतनी बीमार लग रही थी, जब वह एक लैंप पोस्ट के सामने झुक कर खड़ी थी, तभी एक अजनबी ने उसकी मदद की। ऐसा करने के लिए आगे आया .

उसने एक टैक्सी बुलाई और उसे उसके जीजा के कार्यालय में ले जाया गया, जो उसकी शक्ल देखकर चौंक गया और उसे व्हिस्की का एक अच्छा घूँट पिलाया। वह जल्द ही उस घटना को अपने दिमाग से निकाल कर वापस लौट आई - बस एक बहुत ही उत्साही कल्पना का टुकड़ा, उसके अकेलेपन का परिणाम - लेकिन वह इसे नहीं भूली। उनकी छुट्टियाँ फरवरी तक जारी रहीं, जब उन्होंने वैंकूवर से रवाना होने का फैसला किया।

जहाज पर सवार व्यक्ति ने उसे यात्री एजेंट से संपर्क करने की सलाह दी, जिसने संपर्क करने पर शिकागो में कुह्न परिवार से एक टेलीग्राम निकाला: "कृपया श्रीमती बर्ट एल. कुह्न को सलाह दें, उनके पति खतरनाक रूप से बीमार हैं, इसलिए "यह है बेहतर होगा कि वे यात्रा न करें।" जैसे ही कनाडा की रानी उनके बिना चली गईं, उन्हें एक और टेलीग्राम मिला: "बर्ट मर चुका है।"

वह शिकागो लौट आईं, जहां उन्होंने मिरर में नौकरी की पेशकश स्वीकार कर ली; इस बीच, उनके पति की अस्थियाँ उनके जन्म के शहर में उनके पिता की अस्थियों में शामिल होने के लिए शिकागो भेजी जा रही थीं। "और 30 मई को, सभी व्यवस्थाएँ पूरी होने के बाद, मैं अपने दो भाइयों के साथ एक लिमोज़ीन में रोज़हिल कब्रिस्तान गया, जिन्हें मैंने पहले कभी नहीं देखा था।

"हम पूरे शहर में कब्रिस्तान के दरवाज़ों से गुज़रे और एक जगह रुक गए। सबसे पहले लोग बाहर निकले और मेरी मदद करने के लिए इंतज़ार करने लगे। मैंने अपना पैर ज़मीन पर रखा और किसी चीज़ ने मुझे रोक दिया। एक पल के लिए मैं खो गया, मुझे पता ही नहीं चला आख़िर क्या देखना, दूर तक ताज़ी पत्तियों वाले तीन छोटे पेड़ थे और मेरे पैर सीसे से भरे हुए थे।

"बर्ट के भाइयों ने मुझे धीरे से आगे बढ़ने के लिए कहा। मैंने देखा कि एक तरफ काले कपड़े पहने शोक मनाने वालों का एक समूह इंतजार कर रहा था। मैं रुक गया। " 'आपको पूरी कब्र खोलने की ज़रूरत नहीं थी, है ना? ' मैंने पूछ लिया। "'आपको कैसे मालूम?' पॉल ने आश्चर्य से पूछा, "बर्ट की राख वाले बक्से को रखने के लिए बस एक छोटा सा चौकोर छेद है, है ना?" मैंने ज़ोर दिया।

"पॉल का चेहरा उसके प्राकृतिक भूरे रंग के नीचे सफ़ेद था।" 'हाँ यह सही है। उन्होंने कहा कि राख के एक छोटे से डिब्बे के लिए पूरी कब्र को खोलना मूर्खता होगी। लेकिन तुम्हें कैसे पता?' उन्होंने जोर देकर कहा. "मैंने उत्तर नहीं दिया। मैं मिशिगन बुलेवार्ड पर दिसंबर के उस दिन के बारे में सोच रहा था जब मैंने समय के पुल के पार भविष्य की ओर देखा..." कहीं कोई यह न सोचे कि आइरीन कुह्न एक महिला थी जिसने सपना देखा था और यह राय जल्द ही बदल जाएगी उसकी किताब पढ़ रहा हूँ.

इस घटना से पहले उनका जीवन रोमांच और उत्साह से भरपूर होते हुए भी व्यावहारिक तरीके से जीया जाता था, उनकी भावनाओं और संवेदनाओं को हमेशा सख्त नियंत्रण में रखा जाता था।

अध्याय दो

प्रेतवाधित घर

प्रेतवाधित घरों जैसी जिज्ञासाओं की जांच में कोई अंधविश्वास नहीं है; यदि घटनाएं घटित होती हैं, जैसा कि अक्सर आरोप लगाया जाता है, तो उनकी जांच करना, रिकॉर्ड करना और अध्ययन करना मनोवैज्ञानिक शोधकर्ता का कर्तव्य है, और कई मामलों में यह पूरी तरह से शांत, शांत और न्यायिक तरीके से किया गया है।

वैज्ञानिक उपकरणों के माध्यम से दृश्य और श्रवण घटनाओं के स्थायी रिकॉर्ड प्राप्त करने और पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ तरीके से होने वाली हर चीज का निरीक्षण करने का प्रयास किया गया है।

इस प्रकार की घटना के लिए विभिन्न सिद्धांत सामने रखे गए हैं। सामान्य संस्करण यह है कि यह प्रत्यक्ष कार्रवाई के कारण होता है, जबकि अन्य का मानना है कि इस प्रकृति का कुछ "वातावरण" घरों में मौजूद होता है, जो सभी निवासियों के दिमाग और इंद्रियों को इस प्रभाव को महसूस करने के लिए पर्याप्त संवेदनशील बनाता है। चाहना।

जीवित और मृत व्यक्तियों से टेलीपैथी अन्य सिद्धांत हैं, जबकि भौतिकवादियों का मानना है कि पूरी घटना को प्राकृतिक कारणों, चूहों, हवा, गर्मी, ठंड और चरमराती बोर्डों आदि द्वारा समझाया जा सकता है, और यदि ये स्पष्टीकरण पूरी श्रृंखला को कवर नहीं करते हैं, तो मतिभ्रम और कल्पना से बात पूरी हो जाती है। फिर भी, तथ्य यह है कि आकृतियों को देखा गया है, और जानवरों - जो सिद्धांतों के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं - ने असाधारण तरीकों से कार्य किया है, साथ ही भौतिक ध्वनियों को सुना है, सभी सिद्धांतों को अमान्य कर देता है।

अंतिम निर्णय क्या होगा यह तो भविष्य ही तय कर सकता है। इनग्राम की द हॉन्टेड हाउसेज एंड फैमिली ट्रेडिशन्स ऑफ ग्रेट ब्रिटेन के अनुसार, इस देश में कम से कम 150 प्रेतवाधित घर हैं। भूत-प्रेत का सबसे पुराना ज्ञात मामला पोसानियास का है, जो एक गद्दार जनरल था, जिसे स्पार्टा के एथेना के मंदिर में बंदी बना लिया गया था और वह भूख से मर गया था। उनकी मृत्यु के बाद मंदिर में भयानक आवाजें सुनाई देने लगीं, लेकिन वे तब पूरी तरह बंद हो गईं जब एक जादूगर आया और उसकी आत्मा को अपने कब्जे में ले लिया।

एक प्रकार की भूतिया आवाज़ जो अपनी ही श्रेणी में है, वह है भिक्षु-पूर्व भूत जो आमतौर पर आपदा या मृत्यु की भविष्यवाणी करता है, और यूरोप के कई पुराने महलों में एक पारंपरिक भूत होता है जिसकी उपस्थिति अक्सर एक भूतिया रूप के रूप में देखी जाती है।

सामान्यतः मृत्यु का दूत माना जाता है। रॉयल पैलेस, बर्लिन की व्हाइट लेडी, शॉनब्रुन की व्हाइट लेडी, नॉरफ़ॉक कैसल की डार्क लेडी और विंडसर कैसल की ग्रे लेडी पारंपरिक और प्रसिद्ध हैं। बर्लिन का भुतहापन अच्छी तरह से प्रमाणित है; ऐसा माना जाता है कि वह ऑर्लेमुंडे की काउंटेस एग्नेस का भूत है जिसने उसके दो बच्चों की हत्या कर दी थी।

वह 1589 में प्रिंस इलेक्टर जॉन जॉर्ज की मृत्यु से आठ दिन पहले और 1619 में सिगिस्मंड की मृत्यु से तेईस दिन पहले दिखाई दी थीं। महल के बगीचों में देखे जाने के तुरंत बाद 1850 में काउंट फ्रेडरिक विलियम की हत्या करने का प्रयास किया गया था। शॉन ब्राउन व्हाइट लेडी का भी ऐसा ही रिकॉर्ड है; इसकी उपस्थिति 1867 में मेक्सिको के सम्राट मैक्सिमिलियन की मृत्यु से पहले की है, मेयरलिंग नाटक से पहले, और 1889 में पूर्व आर्क-ड्यूक जॉन ऑर्थ की मृत्यु की सूचना मिलने से पहले।

हाल ही में नवंबर 1930 में, बर्लिन की अदालतों के सामने यह सवाल आया कि क्या किसी व्यक्ति को अपने परिसर में अपने परिवार के भूतों को रखने का अधिकार है। ग्यारह वर्षीय लुसी रेगुलस्की पर उसके चाचा की आत्मा का साया होने का आरोप था और चूंकि घर बदनाम हो गया था, इसलिए मालिक ने अपने किरायेदारों को बेदखल करने के लिए आवेदन किया। अदालत ने किरायेदार हेर रेगुलस्की के पक्ष में फैसला सुनाया; वह संपत्ति का मूल्य कम किये बिना जितने चाहे उतने भूत रख सकता था।

केस नं. **14.**

डी मामला**.**

1873 में एक जुलाई की सुबह मैंने जो देखा उसका संक्षेप में वर्णन करते हुए, मैं सबसे पहले उस कमरे का वर्णन करूँगा जिसमें मैंने इसे देखा था। यह एक शयनकक्ष है, जिसके दोनों ओर खिड़कियाँ, विपरीत दिशा में एक दरवाज़ा और एक चिमनी है। यह कमरा डी शहर से कुछ मील दूर एक घर की ऊपरी मंजिल पर है.

एक सुबह. , , जैसे ही मैंने अपनी आँखें खोलीं, मुझे अपने सामने एक महिला की आकृति दिखाई दी, जो झुकी हुई थी और जाहिरा तौर पर मेरी ओर देख रही थी। उसके सिर और कंधों पर एक साधारण भूरे रंग का ऊनी शॉल लपेटा हुआ था। उसकी बाहें मुड़ी हुई थीं, और वे एक शॉल में भी लिपटी हुई थीं, मानो गर्मी के लिए। मैंने भय से उसकी ओर देखा और चिल्लाने का साहस नहीं किया, कहीं ऐसा न हो कि मुझे उस भयानक चीज़ को बोलने या कार्य करने के लिए उकसाना पड़े। , , ,

शायद केवल कुछ सेकंड के बाद - मैं अनुमान नहीं लगा सका कि इसमें कितना समय लग सकता है - वह उठी और वापस खिड़की की ओर चली गई, मेज पर खड़ी हो गई और धीरे-धीरे। अब मैं शपथ ले सकता हूं कि मैंने इस परिस्थिति का जिक्र अपने भाई या नौकर से नहीं किया, क्योंकि यदि मैं ऐसा करता तो वह नौकर, जिसे हम इतना महत्व देते थे, शायद चला गया होता।

ठीक एक पखवाड़े बाद, मैंने देखा कि मेरा भाई नाश्ते के समय बहुत परेशान था। उसने कहा, 'मुझे एक भयानक दुःस्वप्न आया है।' 'मैंने इसे आज सुबह-सुबह देखा, ठीक वैसे ही जैसे मैं तुम्हें देखता हूं। एक बुरी दिखने वाली बूढ़ी चुड़ैल, अपने सिर और हाथों को लबादे में लपेटे हुए, मेरे ऊपर झुकी हुई थी।' 'ओह, हेनरी,' मैंने कहा, 'मैंने एक पखवाड़े पहले भी यही चीज़ देखी थी।'

उसने उत्तर दिया, 'तुमने मुझे क्यों नहीं बताया?' 'मुझे डर था कि तुम मुझ पर हँसोगे,' मैंने कहा। 'यह कोई हंसी की बात नहीं है,' उसने कहा, 'क्योंकि इससे मुझे बहुत घबराहट होती है।'

लगभग चार साल बाद, चार या पाँच साल का एक लड़का, जो ड्राइंग रूम में अकेला रह गया था, पीला और कांपता हुआ बाहर आया और मेरी बहन से पूछा, 'वह बूढ़ी औरत कौन है जो ऊपर गई थी?' मेरी बहन ने उसे समझाने की कोशिश की कि वहाँ कोई बूढ़ी औरत नहीं थी, और हालाँकि उन्होंने घर के हर कमरे की तलाशी ली, लेकिन बच्चे ने केवल इतना कहा कि बुढ़िया 'ऊपर चली गई थी।'

एक सज्जन जिनसे हम पड़ोस में परिचित थे, जब हमने पहली बार उन्हें बताया कि हमने क्या देखा, तो वे चौंक गए और पूछा कि क्या हमने कभी नहीं सुना कि कई साल पहले उस घर में एक महिला की हत्या कर दी गई थी और यह कहा गया था कि घर प्रेतवाधित है।" मामले के सभी गवाह एस.पी.आर. की कार्यवाही में प्रकाशित होने के समय जीवित थे और प्रोफेसर हेनरी सिडगविक और सर विलियम एफ. बैरेट को व्यक्तिगत रूप से जानते थे।

केस नं**. 15.**

मॉर्टन मामला**.**

यह मामला एफ. डब्ल्यू. एच. मायर्स ने अपनी मित्र मिस आर. सी. मॉर्टन, जो कि वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्राप्त महिला थी, को सौंपा। छह लिखित और हस्ताक्षरित बयानों के साथ-साथ मूल मुखबिर द्वारा इसकी बहुत अच्छी तरह से पुष्टि और पुष्टि की गई थी:

यह घर लगभग 1860 में बनाया गया था; पहले रहने वाले श्री एस. थे जो एंग्लो-इंडियन थे, जो लगभग सोलह वर्षों तक इसमें रहे। इस अनिश्चित

वर्ष के दौरान, उसने अपनी पत्नी को खो दिया, जिससे वह बहुत जुड़ा हुआ था, और अपने दुःख को दूर करने के लिए शराब पीना शुरू कर दिया।

उनकी दूसरी पत्नी, मिस आई.एच., उन्हें उनकी व्यभिचारी आदतों से छुटकारा दिलाने की आशा रखती थी, लेकिन इसके बजाय उन्हें शराब पीने की आदत भी विकसित हो गई और उनका विवाहित जीवन लगातार झगड़ों से कड़वा हो गया, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर हिंसक दृश्य सामने आते थे। .

14 जुलाई, 1876 को श्री एस की मृत्यु से कुछ महीने पहले, उनकी पत्नी उनसे अलग हो गईं और क्लिफ्टन में रहने चली गईं। वह उनकी मृत्यु के समय वहां मौजूद नहीं थीं और जहां तक ज्ञात है, उसके बाद वह कभी घर नहीं आईं। 23 सितंबर, 1878 को उनकी मृत्यु हो गई।

श्री एस की मृत्यु के बाद यह घर एक बुजुर्ग सज्जन श्री एल द्वारा खरीदा गया था, जिनकी घर में प्रवेश करने के छह महीने के भीतर अचानक मृत्यु हो गई। उसके बाद घर कुछ वर्षों तक खाली पड़ा रहा - शायद चार साल तक।" मिस मॉर्टन ने कहानी जारी रखी: "मेरे पिता ने मार्च, 1882 में घर लिया था, तब हममें से किसी ने भी घर के बारे में कुछ भी असामान्य नहीं सुना था। हम अप्रैल के अंत में घर में आये और अगले जून तक मैंने पहली बार भूत देखा।

मैं अपने कमरे में चला गया, लेकिन अभी बिस्तर पर नहीं गया था कि मैंने दरवाजे पर किसी की आवाज़ सुनी और कमरे के पास गया और सोचा कि यह मेरी माँ हो सकती है। जब मैंने दरवाज़ा खोला तो मुझे कोई नहीं दिखा; लेकिन गलियारे से कुछ कदम नीचे चलने के बाद मुझे सीढ़ियों के शीर्ष पर काले कपड़े पहने एक लंबी महिला की आकृति दिखाई दी। कुछ क्षणों के बाद वह सीढ़ियों से नीचे आई और मैं उत्सुकतावश कुछ दूर तक उसके पीछे चल दिया।

अगले दो वर्षों के दौरान - 1882 से 1881 तक - मैंने यह आकृति लगभग आधा दर्जन बार देखी, पहले लंबे अंतराल पर, और बाद में कम अंतराल पर, लेकिन मैंने इन दिखावे का जिक्र केवल एक मित्र से किया, जिसने इस बारे में बात नहीं की। जहां तक हमारी जानकारी है, इस अवधि में यह केवल तीन बार ही किसी अन्य को दिखाई दिया।

1. 1882 की गर्मियों में मेरी बहन श्रीमती ने एक आकृति देखी, जब उसने सोचा कि यह दया की बहन थी, जो घर में आई थी, और कोई जिज्ञासा नहीं जगी। वह 6:30 बजे डिनर के लिए सीढ़ियों से नीचे आ रही थी, पहले से ही काफी रोशनी थी, तभी उसने देखा कि एक आकृति उसके सामने हॉल को पार कर ड्राइंग-रूम में जा रही है।

2. 1883 की शरद ऋतु में रात के लगभग 10 बजे घर की नौकरानी ने इसे देखा, जिसने घोषणा की कि कोई घर में घुस आया है; उसका विवरण मेरे द्वारा देखे गए विवरण से काफी मेल खाता था। "3. 18 दिसंबर, 1883 को या उसके आसपास, इसे मेरे भाई और एक अन्य छोटे लड़के ने ड्राइंग-रूम में देखा था। वे बाहर छत पर खेल रहे थे जब उन्होंने ड्राइंग-रूम में खिड़की के पास एक आकृति देखी, वे यह देखने के लिए अंदर भागे कि यह कौन हो सकता है जो इतनी बुरी तरह रो रहा है।

उन्हें ड्राइंग रूम में कोई नहीं मिला और पार्लर की नौकरानी ने उन्हें बताया कि घर में कोई नहीं आया था। "पहली बार के बाद, मैंने कई बार ड्राइंग-रूम तक उस आकृति का पीछा किया, जहां वह अलग-अलग समय पर खड़ी होती थी, आमतौर पर धनुषाकार खिड़की के दाईं ओर। ड्राइंग-रूम से उसने बगीचे की ओर देखा। वह नीचे चली गई दरवाज़े की ओर जाने वाला रास्ता, जहाँ वह हमेशा गायब रहती थी।

मेरी उनसे पहली बार बात 29 जनवरी, 1884 को हुई थी। मैंने धीरे से ड्राइंग रूम का दरवाज़ा खोला और अंदर चला गया, बस उनके पास खड़ा रहा। वह मेरे पीछे आई और सोफ़े के पास जाकर खड़ी हो गई, तो मैं उसके पास गया और पूछा कि क्या मैं उसकी मदद कर सकता हूँ। वह हिली, और मुझे लगा कि वह बोलने वाली है, लेकिन उसने केवल एक हल्की सी आह भरी और दरवाजे की ओर बढ़ी। मैंने दरवाजे पर उससे दोबारा बात की, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे वह कुछ बोल ही नहीं पा रही हो.

वह हॉल में चली गई और फिर पहले की तरह बगल के दरवाजे से गायब हो गई। "मैंने उसे छूने की भी कोशिश की है, लेकिन वह हमेशा मुझसे बचती रही है। ऐसा नहीं था कि छूने के लिए कुछ भी नहीं था, लेकिन वह हमेशा मुझसे परे लगती थी, और अगर एक कोने के आसपास उसका पीछा किया जाता, तो वह गायब हो जाती। उसके दर्शन लगातार होते गए जुलाई और अगस्त 1884 के महीनों के दौरान, जिसके बाद वे धीरे-धीरे कम हो गए।

1 अगस्त की रात को मुझे वह आकृति दोबारा दिखी. लगभग दो बजे मैंने बाहर उतरते समय पदचाप सुनी। मैं तुरंत उठ कर बाहर चला गया. वह तब सीढ़ियों के शीर्ष पर उतरने के अंत में थी, उसका पार्श्व दृश्य मेरी ओर था। वह कुछ मिनट तक वहीं खड़ी रही, फिर सीढ़ियों से नीचे चली गई और नीचे हॉल में पहुंचकर फिर रुक गई। मैंने ड्राइंग-रूम का दरवाज़ा खोला और वह अंदर गई, कमरे को पार करके मेहराबदार खिड़की में सोफ़े तक गई, कुछ देर वहाँ रुकी, फिर कमरे से बाहर आई, गलियारे से नीचे चली गई और बगीचे के दरवाज़े से गायब हो गई।

मैंने उससे दोबारा बात की, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया. "11 अगस्त की शाम को हम ड्राइंग रूम में बैठे थे, गैस जल रही थी, लेकिन शटर बंद नहीं थे, बाहर रोशनी कम थी, मेरा भाई और एक दोस्त टेनिस खेलना समाप्त कर चुके थे; मेरी सबसे बड़ी बहन, श्रीमती के., और मैं दोनों ने खिड़की से बाहर बालकनी में उस आकृति को देखा।

वह कुछ मिनटों तक वहीं खड़ी रही, फिर अंत तक चली गई और फिर वापस आ गई, जिसके बाद वह गायब हो गई. वह जल्द ही ड्राइंग-रूम में आ गई, जब मैंने उसे देखा लेकिन मेरी बहन ने नहीं देखा। उसी शाम मेरी बहन ई ने उसे सीढ़ियों पर देखा जब वह ऊपरी मंजिल पर एक कमरे से बाहर आ रही थी। "अगली शाम, 12 अगस्त को, जब मैं बगीचे की ओर आ रहा था, मैंने उस आकृति को बगीचे को पार करते हुए, घर के सामने गाड़ी के रास्ते से होते हुए, खुले दरवाजे से होते हुए, हॉल के पार और अंदर जाते देखा। ड्राइंग रूम. वह चली गई, मैं भी उसके पीछे चल रहा था.

वह ड्राइंग-रूम पार कर गई और सामने वाली खिड़की में सोफे के पीछे अपनी सामान्य स्थिति में बैठ गई। मेरे पिता जल्द ही अंदर आये और मैंने उन्हें बताया कि वह वहाँ थी। वह आकृति नहीं देख सका, लेकिन जहाँ मैंने उसे दिखाया, वहाँ चला गया। फिर वह तेजी से पूरे कमरे में, दरवाजे के बाहर और हॉल में उनके पीछे-पीछे चली, हमेशा की तरह बगीचे के दरवाजे के पास गायब हो गई, हम दोनों उसके पीछे-पीछे चल रहे थे।

हमने बगीचे में देखा, सबसे पहले बगीचे का दरवाज़ा खोला, जिसे मेरे पिता ने अंदर आते ही बंद कर दिया था, लेकिन वह दिखाई नहीं दे रही थी। "12 अगस्त को, लगभग 8 बजे और अभी भी काफी उजाला था, मेरी बहन ई. पीछे के ड्राइंग-रूम में गा रही थी। मैंने सुना कि वह अचानक रुक गई, हॉल में आई और मुझे बुलाया। उसने कहा कि जब वह पियानो पर बैठी थी, तो उसने ड्राइंग रूम में अपने पीछे एक आकृति देखी।

मैं उसके साथ कमरे में वापस गया और देखा कि वह आकृति हमेशा की तरह धनुषाकार खिड़की में थी। मैंने उनसे कई बार बात की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. वह वहाँ दस मिनट या पौन घंटे तक खड़ी रही; फिर वह कमरे को पार करके गलियारे से नीचे चली गई और बगीचे के दरवाजे के पास उसी स्थान पर गायब हो गई। "तभी मेरी बहन एम. बगीचे से आई और उसने कहा कि उसने उसे रसोई के बाहर सीढ़ियों से ऊपर आते देखा था। फिर हम तीनों बगीचे में चले गए, जब श्रीमती के. ने पहली मंजिल की खिड़की से आवाज़ दी कि वह थी उसे सामने के लॉन से आते देखा और गाड़ी के रास्ते से बगीचे की ओर जाते देखा।

आज शाम को कुल मिलाकर चार लोगों ने उसे देखा. उस समय मेरे पापा बाहर गए हुए थे और मेरा सबसे छोटा भाई भी बाहर था. "14 अगस्त की सुबह, पार्लर की नौकरानी उसे भोजन कक्ष में लगभग 8.30 बजे देखकर शटर खोलने के लिए कमरे में गई थी। कमरे में बहुत धूप है और सभी शटर बंद होने के बावजूद अभी भी काफी रोशनी है , शटर ठीक से फिट नहीं हो रहे हैं और दरारों से सूरज की रोशनी अंदर आ रही है।

उसने अभी एक शटर खोला ही था कि वह पीछे मुड़ा और उसने उस आकृति को कमरे में पार करते हुए देखा। उस शाम हम सब उसे ढूंढ रहे थे; वास्तव में, जब भी हमने देखने की व्यवस्था की थी और विशेष रूप से इसकी प्रतीक्षा कर रहे थे, हमने कभी कुछ नहीं देखा। "उस वर्ष के शेष और अगले वर्ष, 1885 के दौरान, यह प्रेत हर साल अक्सर देखा जाता था, विशेष रूप से जुलाई, अगस्त और सितंबर के दौरान। इन महीनों में तीन मौतें हुईं, अर्थात् श्री एस। 14 जुलाई, 1876 प्रथम अगस्त में श्रीमती और दूसरी श्रीमती.

प्रेत बिल्कुल एक ही प्रकार के थे, एक ही स्थान पर और एक ही लोगों द्वारा अलग-अलग अंतराल पर देखे गए थे। "मिस्टर मायर्स के सुझाव पर, मैंने आकृति की तस्वीर लेने के प्रयास के लिए एक कैमरा लगातार तैयार रखा, लेकिन कुछ अवसरों पर मैं ऐसा करने में सक्षम था, लेकिन कोई परिणाम नहीं मिला; रात में, आमतौर पर मोमबत्ती की रोशनी में, इतना गहरा इस आंकड़े के लिए लंबे समय तक प्रदर्शन की आवश्यकता होगी और यह मैं हासिल नहीं कर सका।

मैंने उस आकृति के साथ संवाद करने की भी कोशिश की, लगातार उससे बात की और उससे संकेत देने के लिए कहा, लेकिन कोई नतीजा नहीं

निकला। मैंने उसे छूने की कोशिश भी की, लेकिन सफल नहीं हुआ. उसे एक कोने में ले जाने पर, जैसा मैंने एक या दो बार किया, वह गायब हो गई।

1886 की गर्मियों में किसी समय, हमारी नियमित नौकरानी, श्रीमती ट्विनिंग, ने रसोई की सीढ़ियों की ओर जाने वाले दरवाजे पर हॉल में अपने भुगतान की प्रतीक्षा करते समय यह आकृति देखी। जब तक वह अचानक उसकी नज़रों से ओझल नहीं हो गई, जैसा कि कोई वास्तविक आकृति नहीं कर सकती, उसने सोचा कि यह कोई महिला आगंतुक थी जो रास्ता भटक गई थी।

अगले दो वर्षों, 1887 से 1889 के दौरान, यह आकृति शायद ही कभी देखी गई, हालाँकि पदचाप सुनाई दी, लेकिन तेज़ आवाज़ें धीरे-धीरे बंद हो गईं। जहाँ तक मेरी जानकारी है, 1889 से लेकर 1892 तक यह आकृति बिल्कुल भी नहीं देखी गई है; हल्के पदचिह्न कुछ देर तक बने रहे, लेकिन अब वे भी बंद हो गए हैं। बाद में देखा गया तो यह आकृति बहुत कम ठोस हो गई। लगभग 1886 तक यह इतना ठोस और सजीव था कि अक्सर इसे वास्तविक व्यक्ति समझ लिया जाता था। धीरे-धीरे यह कम स्पष्ट होता गया। कभी-कभी इसने प्रकाश को अवरुद्ध कर दिया; हम यह पता नहीं लगा पाये हैं कि इसकी छाया पड़ी या नहीं.

अमूर्तता का प्रमाण

1. मैंने कई बार बिस्तर पर जाने से पहले, सबके कमरे में चले जाने के बाद, सीढ़ियों पर अलग-अलग ऊंचाई पर बारीक रस्सियाँ बाँधी हैं। मैंने कम से कम दो बार आकृतियों को रस्सियों से गुजरते और उन्हें बरकरार रखते हुए देखा है।

2. आकृति का अचानक और पूरी तरह गायब हो जाना, जबकि वह अभी भी पूरी तरह से दिखाई दे रही थी।

3. इस आंकड़े को छू पाना नामुमकिन है. जब वह गायब हो गई, तो मैंने बार-बार उसका पीछा किया और अचानक उस पर झपटने की कोशिश की,

लेकिन कभी भी उसे छूने या उसके पास अपना हाथ ले जाने में सफल नहीं हुआ, वह आकृति मेरे स्पर्श से बच गई।
4. वह उस कमरे में प्रकट हुई, जिसका दरवाज़ा बंद था। "दूसरी ओर, उस आकृति को देखने की इच्छा से नहीं बुलाया गया था, क्योंकि हर बार जब हमने उसे देखने के लिए विशेष व्यवस्था की, तो हमने उसे कभी नहीं देखा। कई बार हम उसे देखने की उम्मीद में रात में जागते रहे, लेकिन व्यर्थ - मेरे पिता, मेरे दोस्त के साथ तीन या चार बार, और मेरी बहनें दोस्तों के साथ एक से अधिक बार; इनमें से किसी भी अवसर पर कुछ भी नहीं देखा गया जब हम बात कर रहे थे या आकृति के बारे में सोच रहे थे द्वितीय श्रीमती कहा जाता है जिसके आधार ये हैं:

1. घर का पूरा इतिहास ज्ञात है, और यदि हम इस आकृति को पिछले रहने वालों में से किसी से जोड़ना चाहते हैं, तो वह एकमात्र व्यक्ति है जो किसी भी तरह से आकृति से मिलता जुलता है।

2. विधवा वेश में सबसे पहले श्रीमती एस. शामिल नहीं।

3. हालाँकि हममें से किसी ने भी दूसरी श्रीमती एस के बारे में नहीं सुना था। उसे देखा नहीं था, लेकिन उसे जानने वाले कई लोगों ने उसे हमारे विवरण से पहचान लिया था। जब मुझे कई चित्रों में से एक चित्र दिखाया गया, तो मैंने पाया कि उसकी एक बहन आकार में सबसे समान थी और बाद में मुझे बताया गया कि दोनों बहनें बहुत हद तक एक जैसी थीं।

4. उसकी सौतेली बेटी और अन्य लोगों ने हमें बताया कि उसके पास सामने वाले ड्राइंग-रूम का विशेष उपयोग था, जिसमें वह लगातार देखी जाती थी, और उसके बैठने की जगह हमारे जैसी ही स्थिति में रखे गए सोफे पर थी।

5. यह आकृति निस्संदेह घर से जुड़ी हुई थी, इसे किसी ने कहीं और नहीं देखा था, न ही उन्हें कोई अन्य भ्रम था।

घर में जानवरों का व्यवहार

"हमारे पास इस बात पर विश्वास करने के लिए मजबूत आधार हैं कि भूत को दो कुत्तों ने देखा था। मुझे दो बार याद है कि हमारा कुत्ता सीढ़ियों के नीचे चटाई पर दौड़ता हुआ आया है, अपनी पूंछ हिला रहा है और अपनी पीठ झुका रहा है, जैसा कि कुत्ते तब करते हैं जब वे ऐसा होने की उम्मीद करते हैं वह उछल पड़ा, मानो वहाँ खड़े किसी व्यक्ति की चापलूसी कर रहा हो, लेकिन अचानक सोफ़े के नीचे फिसल गया, उसकी टाँगों के बीच की पूँछ गायब हो गई।

इसकी हरकतें अनोखी थीं और दर्शकों को किसी भी विवरण से ज्यादा चौंकाने वाली लगीं। "निष्कर्ष में, आकृति की उपस्थिति से उत्पन्न भावनाओं के बारे में, उनका वर्णन करना बहुत मुश्किल है; कुछ अवसरों पर मुझे किसी अज्ञात चीज़ पर विस्मय की भावना महसूस होती है, साथ ही इसके बारे में और अधिक जानने की तीव्र इच्छा भी होती है। मिश्रित, था मज़बूत।

बाद में, जब मैं अपनी भावनाओं का अधिक बारीकी से विश्लेषण करने में सक्षम हुआ और पहली नवीनता ख़त्म हो गई, तो मुझे नुकसान की भावना महसूस हुई, जैसे कि मैंने आकृति के कारण शक्ति खो दी हो। अधिकांश अन्य उत्तरदाता ठंडी हवा महसूस करने के बारे में बात करते हैं, लेकिन मैंने स्वयं इसका अनुभव नहीं किया है। "आर.सी.मॉर्टन।"

केस नंबर**. 16.**

एघम मामला**.**

इस मामले की पुष्टि अंग्रेजी कवि और नाटककार स्टीफन फिलिप्स (1868-1915) ने की थी, जो विंडसर के पास एघम में उनके द्वारा किराए पर लिए गए घर के बारे में बताते हैं:

मैं वहां शांति और एकांत के लिए गया था, और फिर भी, हालांकि कई लोग मेरा उद्देश्य जानते थे, किसी में भी यह कहने का साहस नहीं था कि उस स्थान को प्रेतवाधित माना जाता था। हमें, मेरे परिवार को और मुझे, बहुत जल्दी पता चल गया। जैसे ही हम उस जगह पर पहुंचे, हमें अजीब सी आवाजें घेरने लगीं. खटखटाना और खटखटाना, धीमे और तेज़ क़दमों की आवाज़, जल्दी करना, छिपकर भागना और ऐसा लगता है मानो किसी व्यक्ति का पीछा किया जा रहा हो और उसे पकड़ लिया गया हो और फिर उसका गला घोंट दिया गया हो या उसका गला घोंट दिया गया हो।

दरवाज़े खटखटाए जा रहे थे और अनजाने में खोले और बंद किए जा रहे थे, मानो किसी अदृश्य हाथ से। मैं अध्ययन कक्ष में चुपचाप बैठा लिख रहा होता और दरवाजा बिना किसी आवाज के खुल जाता। ये अपने आप में एक अलग बात है. रात के अँधेरे में कल्पना से भरे आदमी के लिए इतना काफी था. हालाँकि, यह स्पष्टीकरण के लिए अतिसंवेदनशील था: 'यह केवल एक मसौदा है,' मैंने खुद से कहा, जैसा कि मैंने अपनी सांस रोककर देखा था, लेकिन ड्राफ्ट कभी-कभी ऐसे नहीं होते हैं।

दरवाज़े के हैंडल को घुमाओ, और मुझे आश्चर्य हुआ कि दरवाज़ा खुलते ही हैंडल घूम जाएगा, और कोई हाथ दिखाई नहीं देगा। "ऐसा बार-बार हुआ। घर में सभी ने आवाज़ें सुनीं और समान संवेदनाओं का अनुभव किया। "मेरी छोटी बेटी ने मुझे बताया कि उसने एक छोटे बूढ़े आदमी को घर के चारों ओर रेंगते हुए देखा था, लेकिन उसे ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला। , , , "आम रिपोर्ट और स्थानीय परंपरा के अनुसार, पचास साल पहले एघम में हमारे घर के पास एक बूढ़े किसान ने एक बच्चे का गला घोंट दिया था। यह परंपरा मैंने अपने अनुभवों के बाद सीखी, पहले नहीं।"

. . "अगर यह सच है कि आसपास कोई भूत घूम रहा है, तो यह बहुत कुछ बताता है। "बेशक, हमने घर का पट्टा छोड़ दिया और एक झटके में वहां से निकल गए। नौकर इतनी जल्दी चले गए कि उन्होंने अपना सामान भी नहीं लिया। बक्से, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि वे कितने डरे हुए थे।

तब से घर में कोई अन्य किरायेदार नहीं रहा, और मुझे पता चला कि मेरे आने से पहले शायद ही कोई किरायेदार रहा हो। "एक समझदार व्यक्ति के रूप में मैं हमारे अनुभवों के किसी भी प्रशंसनीय स्पष्टीकरण को स्वीकार करने के लिए तैयार हूं। वास्तव में, चूंकि घर अभी भी 'किराए का' है और अभी भी प्रेतवाधित कहा जाता है, मुझे बहुत खुशी होगी यदि मनोवैज्ञानिक

अनुसंधान सोसायटी जैसी एक सम्मानित संस्था इस मामले को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए.

केस नं. **17.**

छह घर**.**

जब रेव्ह ए. जब एच. सेसे तेरह वर्ष के थे, तब वह और उनका भाई बाथ के पास एक घर में दोस्तों से मिलने गए थे, जिसे उन्होंने अभी-अभी लिया था, और वहाँ कुछ ऐसी घटनाएँ घटीं जिन्होंने उनकी स्मृति पर एक अमिट छाप छोड़ी:

एक गुरुवार की दोपहर जब रोशनी कम हो रही थी, मैंने अपनी किताबें बंद कर दीं और रात का खाना तैयार करने के लिए ऊपर चला गया, जबकि वहां अभी भी इतनी रोशनी थी कि मैं मोमबत्तियों की मदद के बिना ऐसा कर सकता था। मैं खिड़की के सामने खड़ी शौचालय की मेज के सामने अपने बाल ब्रश कर रही थी, तभी मैं दाहिनी ओर मुड़ी और देखा कि ड्रेसिंग रूम के प्रवेश द्वार पर कुछ कदम की दूरी पर एक आदमी खड़ा है।

मैं अब भी उसे देख सकता हूं, जब वह मेरे सामने खड़ा था, साफ मुंडा चेहरा, सुंदर चेहरे की विशेषताएं, बीच में गहरे भूरे बाल, और ठोड़ी के नीचे एक गहरे बटन वाला कोट, एक ओरिएंटल स्टंबौली या पादरी का कोट। की तरह था। बटन सोने का था; और दोनों कलाइयों पर सोने का बटन भी था. "इस दृश्य की अचानकता ने मुझे स्वाभाविक रूप से चौंका दिया, और एक पल के लिए भी कल्पना किए बिना कि यह एक साधारण व्यक्ति से ज्यादा कुछ नहीं था, जिसने घर में अपना रास्ता ढूंढ लिया था, मैं सुबह के कमरे में भाग गया और वहां अपने मेजबानों को बताया कि वहां एक अजीब बात है ऊपर आदमी.

स्वाभाविक रूप से मेरा मज़ाक उड़ाया गया, और कहा गया कि दिन-ब-दिन घर के अंदर किताबें पढ़ने से मेरी 'नसें' चिढ़ जाती थीं। रात्रि भोज समाप्त होने तक मुझे विश्वास हो गया कि वास्तव में यही मामला था। "अगले रविवार को मैं सुबह जल्दी उठ गया। लकड़ी की आग लगभग बुझ चुकी थी, लेकिन उसमें अभी भी इतनी रोशनी थी कि वस्तुओं की रूपरेखा स्पष्ट हो सके। मंद रोशनी में मैंने एक मानव आकृति को पैर की ओर चलते देखा बिस्तर और बिस्तर तथा बुझती आग के बीच एक-दो क्षण तक वहीं खड़ा रहा।

मैंने अपने भाई हर्बर्ट से, जो मेरे साथ बिस्तर पर था और संयोग से जाग भी रहा था, पूछा कि वह कौन था। उसने भी आकृति को देखा और उत्तर दिया, 'यह केवल लिजी है' - हमारे मेजबानों की बेटी, जिसका कमरा हमारे कमरे के करीब था, और इसलिए हम दोनों करवट लेकर फिर से सो गए। सुबह मैंने अपनी परिचारिका श्रीमती बॉयड को बताया कि उनकी बेटी रात के दौरान हमारे शयनकक्ष में आई थी।

उन्होंने जवाब दिया, 'वह वहां क्या कर रही होगी?' और फिर यह हमारी यादों से गायब हो गया जब तक कि श्रीमती बॉयड ने मुझे अगली शरद ऋतु की याद नहीं दिला दी। "अगली घटना जिसके बारे में मुझे पता है वह वसंत ऋतु में श्रीमती हर्बर्ट द्वारा घर की यात्रा थी। एक निश्चित रविवार की सुबह उन्होंने पूछा कि क्या वह अपना कमरा बदल सकती हैं, क्योंकि उस सुबह उन्हें एक अप्रिय अनुभव हुआ था।

उसने देखा कि एक आदमी ड्रेसिंग रूम से बाहर आया, बिस्तर के किनारे से चला गया और फिर नीचे झुक गया ताकि वह उसके पैर से छिप जाए। वह यह देखने के लिए बिस्तर से उठी कि वहाँ कौन है, और उसे कुछ दिखाई नहीं दिया। पूरी कहानी को सुनने वालों को स्वाभाविक रूप से एक सपना लगा। "अगले सितंबर में बॉयड्स की विवाहित बेटी और उसके पति ने अदालत का दौरा किया।

कुछ दिनों बाद हम वहाँ दोपहर का भोजन कर रहे थे, और मैंने श्रीमती होल्ट से उनके द्वारा अभी-अभी प्राप्त अनुभवों का कुछ सजीव वर्णन सुना। उन्होंने सुनसान कमरे पर कब्ज़ा कर लिया और वह ड्रेसिंग रूम के पास वाले बिस्तर के किनारे सोयी। पिछले शुक्रवार की सुबह उसे जल्दी जगा दिया गया। उसके माथे पर 'एक ठंडा, चिपचिपा हाथ' रखा गया था।

उसने अपनी आँखें खोलीं और देखा कि एक गहरे भूरे रंग का आदमी उसके पीछे से छोटे ड्रेसिंग रूम में भाग रहा है। उसने अपने पति को जगाया, जिसने उसे बताया कि उसने एक बुरा सपना देखा है; लेकिन उन्होंने दोबारा बिस्तर के उस तरफ सोने से इनकार कर दिया. अगली रात श्री होल्ट दांत दर्द के कारण सो नहीं पाए और इसलिए, जैसा कि उन्होंने अपनी पत्नी से कहा, यदि कोई भूत होते, तो उन्होंने उन्हें देखा होता।

हालाँकि, शनिवार की रात तक, उनके दाँत का दर्द दूर हो गया था, और उनकी नींद सामान्य से अधिक अच्छी थी। वह अपनी पत्नी द्वारा वर्णित उसी 'ठंडे, चिपचिपे हाथ' को महसूस करके चौंक गया और जैसे ही उसने अपनी आँखें खोलीं, उसने उसी आकृति को ड्रेसिंग रूम में वापस जाते देखा। उसने अपनी घड़ी की ओर देखा तो पाया कि चार बज रहे थे। वह बिस्तर से उठा और ठंडे पानी से अपना चेहरा और सिर धोया; फिर बिस्तर पर आकर एक-दो पल के लिए उस पर बैठा। इससे पहले कि वह लेट पाते, 'आकृति' ड्रेसिंग रूम से लौट आई और उनके कंधे के पास खड़ी हो गई.

वह उसे खिड़की के फ्रेम से मापने में सक्षम था, लेकिन मुझे याद नहीं है कि उसने क्या कहा था कि उसकी सही ऊंचाई क्या थी। हालाँकि, 'आकार' के बारे में उनका वर्णन बिल्कुल वैसा ही था जैसा मैंने देखा था, यहाँ तक कि तीन सोने के बटन भी। जैसे ही वह उसे देखता रहा, वह आकृति धीरे-धीरे नज़रों से ओझल हो गई। "अब यह बात फैलने लगी कि दरबार में कोई भूत है, और हमारे दोस्तों के पुराने नौकरों ने उन्हें छोड़ने की धमकी दी। परिणामस्वरूप, सर्दियों के दौरान, उन्होंने वह जगह छोड़ दी और कहीं और निवास करने लगे। उस दिन से इसके बारे में मैंने इसके या इसके रहने वालों के बारे में कुछ भी नहीं सुना है, चाहे वह प्रेतवाधित हो या अन्यथा।"

केस नं**. 18.**

नया गिनी मामला**.**

"एक रात, मॉर्टन के घर पर, मुझे एक अजीब और उत्सुक अनुभव हुआ। मैं मेज पर बैठा था, एक लंबा प्रेषण लिख रहा था, मेरा पूरा ध्यान उसी पर था; मेरी मेज कमरे के बीच में थी, और मेरे दाहिनी ओर और वहाँ बायीं ओर दो

दरवाजे थे, एक सामने की ओर खुलता था और दूसरा घर के पीछे के बरामदे की ओर खुलता था, दोनों साधारण लकड़ी की कुंडी से बंद और बंधे हुए थे, जो संभवतः स्प्रिंग लॉक की तरह अपने आप नहीं खुल सकते थे ;

जिस कमरे में मैं था उसका फर्श सागौन के भारी तख्तों से बना था, जो एक साथ कील ठोककर बनाए गए थे, बरामदे का फर्श देशी तार से जोड़े गए ताड़ के लट्ठों से बना था। जैसे ही मैं लिख रहा था, मुझे पता चला कि दोनों दरवाजे खुले थे और - मुश्किल से सोच पा रहा था कि मैं क्या कर रहा था - उठ गया, दोनों को बंद कर दिया और लिखना जारी रखा; कुछ मिनट बाद, मैंने घर की ओर जाने वाले चोर रास्ते पर क़दमों की आहट सुनी; वे खड़खड़ाते ताड़ के बरामदे से होकर गुजरे, मेरा दरवाजा खुला और कदम कमरे के पार चले गए, और जैसे ही मैंने अपने प्रेषण से अपनी आँखें उठाईं - दूसरा दरवाजा खुल गया, और वे बरामदे के पार चले गए और फिर से बरामदे में आ गए। गया।

मैंने पहले तो इस पर थोड़ा ध्यान दिया, मेरा दिमाग उस विषय पर लगा हुआ था जिसके बारे में मैं लिख रहा था, लेकिन आधा यह सोच रहा था कि पोरुमा या जियोर्गी, जो दोनों रसोई में थे, कमरे से गुज़र चुके थे; हालाँकि, मैं फिर उठा और बिना दूसरी बार सोचे दोनों दरवाजे बंद कर दिए। "थोड़ी देर के बाद, फिर से कदमों की आहट सुनाई दी, बरामदे पर जोरदार धमाका हुआ, बरामदे पर चरमराने की आवाज आई; फिर से मेरा दरवाज़ा खुला और चरमराहट फर्श पर बूट वाले पैरों की थपथपाहट में बदल गई।

जैसे ही मैंने यह देखने के लिए देखा कि यह कौन है, आवारा मेरी कुर्सी के पीछे से गुजरा और कमरे को पार करके दरवाजे तक गया, जो खुल गया; ट्रम्प की आवाज़ फिर से चरमराहट में बदल गई और चरमराहट मूंगे पर धमाके में बदल गई। मैं इस बिंदु पर बहुत हैरान हो रहा था, लेकिन, थोड़ा सोचने के बाद, मैंने फैसला किया कि मेरी कल्पना मेरे साथ खेल रही थी, और जब मैंने सोचा था कि मैंने वास्तव में दरवाजे बंद नहीं किए थे। हालाँकि, मैंने यह सुनिश्चित किया कि इस बार मैंने उन्हें बंद कर दिया, और अपना काम फिर से जारी रखा।

एक बार फिर पूरी बात दोहराई गई, केवल इस बार मैं मेज से उठा, अपना लैंप हाथ में लिया, और फर्श पर उन जगहों को ध्यान से देखा जहाँ से आवाज़ें आ रही थीं, लेकिन कुछ भी नहीं देख सका। “फिर मैं बाहर बरामदे में गया और जियोर्गी और पोरुमा को बुलाया।

वहाँ लोगों को बुलाओ, फिर जेल में जाओ और मनिगुगु (जेलर) और उसके सभी वार्डरों को भेजो; तब अपनी प्रजा के लिथे सियाई (एक जलयान) भेज; मेरा मतलब इस सब बकवास की तह तक जाना है।' द्वारपाल ने आकर शपथ खाई, कि उस ने दस बजे फाटक बन्द कर दिया है, कि उस समय से पहिले केवल सरकारी लोगोंको छोड़ और कोई न निकला हो; तब से, जब तक जॉर्जी उसके पास नहीं गया, वह अपने कुछ दोस्तों के साथ बरामदे में बैठा था, और कोई भी उसकी जानकारी के बिना वहां से नहीं गुजर सकता था।

तभी जेल और सियाई के लोग आये और मैंने उनसे कहा कि कोई बदमाश मेरे साथ चालें चल रहा है और मैं उसे पकड़ना चाहता हूँ। "पहले उन्होंने घर की तलाशी ली, यह कोई बड़ा काम नहीं था, क्योंकि वहां सादगी से सुसज्जित केवल तीन कमरे थे; जब यह काम पूरा हो गया, तो मैंने घर के नीचे लालटेन के साथ चार लोगों को तैनात किया, जिन्हें जमीन पर खोजा गया। मैंने अन्य लोगों को घर के नीचे तैनात किया। पीछे, सामने और किनारे, जब तक कि चूहे के लिए घर में प्रवेश करना या बाहर निकलना असंभव नहीं हो गया, जिसके बाद पोरुमा, जियोर्गी और मैंने अपने कमरे का दरवाज़ा बंद कर दिया और अंदर बैठ गए।

ठीक वैसा ही फिर हुआ; क़दमों की आवाज़ लोगों की उस कतार से होकर आ रही थी, ठीक उसी तरह जैसे किसी भारी बूट वाले आदमी की आवाज़ मेरे कमरे से आती है, फिर ताड़ के बरामदे में आती है, जहाँ - अब तेज़ रोशनी में - हम उन जगहों के गड्ढों को देख सकते हैं . देख सकता था कि आवाज़ कहाँ से आ रही है, जैसे कोई आदमी वहाँ कदम रख रहा हो। 'अच्छा, आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?' मैंने अपने आदमियों से पूछा.

उत्तर था, 'कोई भी जीवित व्यक्ति बिना देखे नहीं जा सकता।' 'यह या तो किसी मृत व्यक्ति की आत्मा है या शैतान की।' 'किसी मरे हुए आदमी की आत्मा हो या शैतान की, मेरे लिए सब एक समान है,' मैंने टिप्पणी की; 'अगर उसे मेरे कमरे में घूमने का मन हो, तो वह अकेले ऐसा कर सकता है; रात के लिए मेरा सामान सियाई ले जाओ। 'अगले दिन मैंने अरमित की तलाश की। 'क्या आप भूतों के बारे में कुछ जानते हैं?' मैंने पूछ लिया। 'क्योंकि ऐसा कुछ मोरेटन हाउस में घुस गया है।'

'मोरेटन ने एक या दो बार इस तरह का संकेत दिया,' आर्मिट ने कहा, 'लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं कहा; मैं आऊंगा और आज रात तुम्हारे साथ बिताऊंगा, और हम जांच करेंगे।' अर्मित आया, लेकिन कुछ भी असामान्य

नहीं हुआ; न ही मैंने इसके बारे में दोबारा कभी सुना, और एक साल बीतने से पहले ही घर को गिरा दिया गया।

जब मोरेटन वापस आया, तो मैंने उसे अपना अनुभव बताया; और फिर उसने मुझे बताया कि एक रात, जब वह अपने झूले में सो रहा था, तो कदमों की आवाज से उसकी नींद खुल गई, जैसा कि मैंने बताया है, और उसने गुस्से से चिल्लाकर पूछा कि वहां कौन था।

उसका झूला शोर मचाता हुआ दीवार से जोर से टकराया।

उन्होंने कहा, 'मुझे इसके बारे में कुछ भी कहने की परवाह नहीं थी,' क्योंकि मैं उस समय अकेला था।
और नहीं चाहता था कि उसका मज़ाक उड़ाया जाए।

"मैंने कहानी वैसी ही बताई है; मैं अपने पाठकों पर, जो गुप्त या मानसिक शोध में रुचि रखते हैं, यह तय करने के लिए छोड़ता हूं कि वे क्या राय बनाएंगे। मैं केवल इतना कहता हूं कि कहानी, जैसा कि मैंने इसका वर्णन किया है, बिल्कुल सच है।

केस नंबर **19.**

बोर्ले रेक्टरी केस**.**

यह आलोचना कि प्रेतवाधित घरों का अच्छा विवरण अतीत की बात है, इस मामले पर लागू नहीं हो सकता; क्योंकि यह मामला बिल्कुल ताज़ा है, इसकी जांच 1929 से 1939 तक विभिन्न क्षेत्रों के 100 लोगों द्वारा की गई थी: विश्वविद्यालय के छात्र, बी.बी.सी. अधिकारी, पादरी, डॉक्टर,

वैज्ञानिक, परामर्शदाता इंजीनियर और सैन्यकर्मी इत्यादि, इनमें से किसी को भी इस विषय में तब तक कोई दिलचस्पी नहीं थी जब तक उन्होंने अपनी जांच शुरू नहीं की, जो कि मानसिक अनुसंधान के इतिहास में प्रेतवाधित हो गया है।

सर्वोत्तम सिद्ध मामला माना जाता है। इस पुस्तक में, बोर्ले रेक्टरी की भयावहता को रेखांकित करने के अलावा और कुछ करना असंभव है, और पूरी जानकारी जानने के इच्छुक पाठकों को हैरी प्राइस के रिकॉर्ड से परामर्श लेना चाहिए।

जून 1929 में, उस महीने की 10 तारीख को डेली मिरर में एक रिपोर्टर का बयान प्रकाशित होने के बाद, मिस्टर प्राइस को उस अखबार के संपादक ने बोर्ले रेक्टोरी में भूत-प्रेतों की जांच का प्रभार लेने के लिए कहा था। श्री प्राइस का पहला विचार उस स्थान के इतिहास के बारे में कुछ पता लगाना था। इसे 1863 में दो - शायद अधिक - पुराने आवासों की नींव पर बनाया गया था, जिनमें से एक, परंपरा के अनुसार, एक मठ था।

स्थानीय किंवदंती यह घोषणा करती है कि मठ में एक भाई और ब्यूरेस में ननरी में एक युवा नौसिखिया को अन्य भिक्षुओं द्वारा भागने के कार्य में पकड़ा गया था और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी।

पुरुष का सिर काट दिया गया, जबकि महिला को मठ की दीवारों के भीतर जिंदा दफना दिया गया। रेव. हेनरी बुल 1862 से 1892 तक पहले रेक्टर थे, और उनके बेटे, रेव. हैरी बुल 1892 से 1927 तक रेक्टर के पद पर रहे। रेव. गाइ ई. स्मिथ 1928 से 1930 तक रेक्टर रहे, उसके बाद रेव. एल. रहे। ए. फॉयस्टर 1930 से 1935 तक रेक्टर थे। 1 प्राइस, हैरी, द मोस्ट हॉन्टेड हाउस इन इंग्लैंड (लंदन: लॉन्गमैन्स, ग्रीन एंड कंपनी लिमिटेड)

घर, बिशप ने फैसला किया कि कोई और रेक्टर वहां नहीं रहना चाहिए, और 1936 में बोर्ले और लिंटन के जीवन को एक में मिला दिया गया, रेव ए सी हेनिंग दोनों पारिशों के मंत्री के रूप में कार्यरत थे। 1938 में इसे कैप्टन डब्ल्यू. एच. ग्रेगसन को बेच दिया गया, जिनके हाथों में यह फरवरी 1939 में आग से नष्ट होने तक रहा।

रेव हैरी बुल की तीन जीवित बहनों से, श्री प्राइस को भूतों के विवरण प्राप्त हुए: घंटियाँ बजाई गईं, वस्तुएं रहस्यमय तरीके से गायब हो गईं और फिर से प्रकट हुईं, और एक नन की आकृति एक अवसर पर चार व्यक्तियों

द्वारा देखी गई थी। सामूहिक रूप से देखा गया. रेव्ह. एल. ए. फ़ॉइस्टर ने कहानी जारी रखी: रेव्ह. हैरी बुल की आकृति कई बार देखी गई, सामान ले जाया गया, मिट्टी के बर्तन तोड़ दिए गए, खिड़कियाँ तोड़ दी गईं, घंटियाँ बजाई गईं, और आवाज़ों और कदमों की आवाज़ सुनी गई।

एक अवसर पर श्रीमती फॉयस्टर की आंख पर एक अज्ञात हमलावर ने जोरदार प्रहार किया था और एक अन्य अवसर पर उनके सिर पर धातु का एक टुकड़ा फेंका गया था। अदृश्य हाथों ने विभिन्न दीवारों पर संदेश लिखे, जो स्पष्ट रूप से मैरिएन (श्रीमती फ़ॉइस्टर) को संबोधित थे, जैसे: "मैरिएन लाइट मास प्रार्थना," "मैरिएन कृपया मदद करें," "मैरिएन एट गेट हेल्प एनफैंट बिलो मी," "लाइट 'राइट मास' और 'रिसीव मास', सडबरी की लेडी व्हाइटहाउस, ओ.एस.बी. जो बुल, जो रेक्टरी के विभिन्न रहने वालों के साथ मित्रवत थे, ने पिछले बयानों की पुष्टि की और थोड़ा और जोड़ा: लेडी व्हाइटहाउस के दस्ताने और छत्र बिस्तर से उछल गए थे और डोम पर गिरे थे रिचर्ड की गोद। दरवाजे अपने आप बंद हो गए थे और स्कर्टिंग बोर्ड से धुआं निकल रहा था।

डॉम रिचर्ड ने कहा, "जब मैंने अपनी नजरें दीवार के उस हिस्से की ओर घुमाईं, जो लैंडिंग से उभरी हुई थी, तो मैं दीवार के एक स्पष्ट हिस्से पर पेंसिल में लिखा एक नया संदेश देखकर आश्चर्यचकित रह गया। यह लिखा हुआ था, लेकिन काफी सुपाठ्य था, इस प्रकार: 'प्रार्थना करें और हल्के ढंग से प्रार्थना करें, श्रीमान।' थोड़ी देर बाद जब मैं उस स्थान पर वापस आया तो दूसरी लिखावट के नीचे 'यहाँ' शब्द बिल्कुल स्पष्ट रूप से लिखा हुआ था।"

आख़िरकार, लेडी व्हाइटहाउस फ़ॉयस्टर्स को आर्थर हॉल में उसके साथ रहने के लिए मना लेती है। रेक्टरी में दूल्हे-माली, श्री एडवर्ड कूपर से, मैंने अन्य बातों के अलावा, श्री प्राइस से एक काली गाड़ी की कहानी सुनी, जिसे दो घोड़े खींच रहे थे और दो आदमी ऊंची टोपी पहने हुए थे। जून 1929 में, मिस्टर प्राइस और उनके सचिव ने रेक्टरी का पहला दौरा किया।

उन्होंने घर की छत से लेकर तहखाने तक तलाशी ली और श्री वी.सी. वॉल के साथ उस भयानक दुर्घटना के बारे में अटकलें लगा रहे थे जो उन्होंने अभी-अभी सुनी थी, तभी, "हम मुख्य सीढ़ी से नीचे उतरे और हॉल तक पहुंचे, हमें कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा था, तभी एक और दुर्घटना की आवाज सुनाई दी और हमने पाया कि एक लाल कांच की कैंडलस्टिक, जिसे हमने ब्लू रूम के मेंटलपीस पर देखा था, मुख्य सीढ़ियों से नीचे फेंक दी गई थी,

लोहे के चूल्हे से टकराई और अंततः हॉल के फर्श पर हजारों टुकड़ों में टूट गई मोमबत्ती हमारे सिर के ऊपर से गुजर गई। हमने फिर से खोजा और कुछ नहीं मिला। और पूरी पार्टी सीढ़ियों पर बैठ गई।

कुछ मिनट बाद हमने सीढ़ियों से कुछ खड़खड़ाते हुए सुना... और पूरी रोशनी में निम्नलिखित चीजें सीढ़ियों से नीचे गिरीं: पहले कुछ सामान्य समुद्र तट के कंकड़, फिर स्लेट का एक टुकड़ा, फिर कुछ और कंकड़।" 13 अक्टूबर, 1931 को, मिस्टर प्राइस, मिसेज हेनरी रिचर्ड्स, मिसेज ए. पील, गोल्डनी और मिस मे वॉकर के साथ रेक्टरी में लौट आए, जो अभी भी फॉयस्टर परिवार के कब्जे में था।

पार्टी कार्यक्रम के लिए उचित समय पर पहुंची: चेम्बरटीन वाइन का एक गिलास काली स्याही में बदल दिया गया, और एक खाली क्लैरट की बोतल सीढ़ियों से नीचे फेंक दी गई, जो उनके पैरों के पास टुकड़ों में बिखर गई; उसके बाद, घंटियाँ, नल आदि का बजना महज एक एंटीक्लाइमेक्स था! मई, 1937 तक, श्री प्राइस, कभी-कभार रेक्टरी का दौरा करते हुए, घटनाओं के बारे में रिपोर्ट प्राप्त कर रहे थे, लेकिन उस महीने की 19 तारीख को उन्हें रेव. ए. से रिपोर्ट प्राप्त हुई। उन्होंने सी. हेनिंग से एक के लिए घर का पट्टा लेने का निर्णय लिया। वर्ष।

इसके बाद, उन्होंने टाइम्स में एक विज्ञापन दिया जिसमें बुद्धिमान, आलोचनात्मक और निष्पक्ष पर्यवेक्षकों को अपनी जांच में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्हें लगभग 200 उत्तर मिले, जिनमें से उन्होंने 40 का चयन किया - सभी बिल्कुल अजनबियों से। किसी भी प्रकार की अभिव्यक्ति होने पर उनका मार्गदर्शन करने के लिए उन्हें निर्देशों की एक पुस्तक प्रदान की गई थी। फिर उन्होंने जोड़ियों में काम करना शुरू किया। 2 जून, 1937 को, मिस्टर प्राइस और मिस्टर एलिक होवे चुपचाप बैठे हुए थे, जब उन्होंने छोटी, तेज धमाकों की एक श्रृंखला सुनी और एक चौथाई घंटे बाद दो जोरदार "धमाकों" से चौंक गए।

"कल्पना के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा।" 16 जून को, एक तंबाकू के डिब्बे को उसके चारों ओर की चाक लाइन से तीन इंच आगे ले जाया गया और जहां उसे छोड़ा गया था, वहां से सात फीट दूर एक छोटा डिब्बा रखा गया था। श्री मार्क केर-पीज़, जिनेवा में एक समर्थक-वाणिज्यदूत, छुट्टी पर घर आए, जब पेंट्री में खाना खाते समय उन्हें पता चला कि वह अंदर से बंद है। सौभाग्य से उनकी चाबी दरवाजे के अंदर थी।

28 जून को सुबह 11:40 बजे, उन्होंने ब्लू रूम में मेंटलपीस पर एक स्क्रू लगाया, और इसे बहुत सावधानी से चाक से बजाया; और सुबह 11:45 पर, मेंटलपीस को देखते हुए, उसने देखा कि पहिये के एक तरफ से एक पेंच हटा दिया गया था, यह तब हुआ जब वह कमरे से केवल कुछ गज की दूरी पर था। दीवारों पर पेंसिल के निशान दिखाई दिए, प्रत्येक पर अंकित और दिनांकित; फिर भी उसकी आँखों के सामने हर दिन नए निशान आते रहते थे।

21 सितंबर को, अपने चचेरे भाई, श्री रूपर्ट हैग के साथ ड्यूटी पर रहते हुए, लगभग पचास पाउंड वजनी कोयले की एक बोरी को अठारह इंच की दूरी तक ले जाया गया, जिसका मूल स्थान फर्श पर एक दाग से दर्शाया गया था। 28 जुलाई, 1937 को प्रोफेसर सी. ई. एम. जोड ने दीवारों की गहन जांच के बाद एक ऐसा निशान पाया जो पहले वहां नहीं था।

यही बात अन्य पर्यवेक्षकों के साथ भी हुई: चाक के निशानों के बाहर लिखावटें हटा दी गईं, पैर हिलाने की आवाजें सुनाई दीं, हवा रहित दिनों में दरवाजे बंद कर दिए गए, दीवारों पर नई पेंसिल लाइनें दिखाई दीं, घंटियां बजाई गईं और चाबियां रहस्यमय तरीके से खो गईं। अलग-अलग तरीके से घुमाया गया. अक्टूबर, 1937 में, श्री एस. एच. ग्लेनविले, उनके बेटे रोजर, श्री ए. जे. कथबर्ट और श्री मार्क केर-पीज़ ने "आत्माओं" का परीक्षण करने के लिए एक सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया।

उन्होंने एक प्लैंचेट का उपयोग किया, जिससे उन्हें पता चला कि जिस नन का शरीर रेक्टरी ग्राउंड में दफनाया गया था, वह भूतों का कारण था। 1667 में उनकी हत्या कर दी गई थी और जब वह पृथ्वी पर थीं, तब वह उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना चाहती थीं। उन्होंने पिछले रेक्टरों के जीवन के बारे में भी बहुत सारी जानकारी प्राप्त की, जिसका स्पष्ट कारणों से खुलासा नहीं किया जा सकता है।

पांच महीने बाद, मिस ग्लेनविले और उनके भाई ने प्लैंचेट को आज़माया और इस बार एक नया "संचारक" सामने आया; उसका नाम "सनेक्स एम्योर्स" था और उसने हॉल में आग लगाकर रेक्टरी को जलाने की धमकी दी थी।

19 मई, 1938 को मिस्टर प्राइस की रेक्टरी की लीज समाप्त हो गई। 27 फरवरी, 1939 को, धमकी के ठीक ग्यारह महीने बाद, रेक्टरी में आग लग

गई, जो बिल्कुल वैसे ही शुरू हुई जैसे सैनेक्स एम्योर्स ने भविष्यवाणी की थी। कैप्टन डब्ल्यू एच ग्रेगसन, उस समय रेक्टरी के मालिक थे।

आग लगने के बाद, एक अखबारवाले ने बताया कि एक कांस्टेबल ने आग लगने की सुबह लगभग चार बजे "भूरे रंग की एक महिला और बॉलिंग कैप पहने एक आदमी" को अपने सामने आँगन से गुजरते हुए देखा था। कैप्टन ग्रेगसन ने कहा कि आग लगने के समय घर में कोई महिला नहीं थी; वह बिल्कुल अकेला था. कैप्टन ने कहा, "आग इसलिए लगी, क्योंकि किताबों का एक बड़ा ढेर (जिसे मैं मुख्य हॉल में साफ और छांट रहा था) एक लैंप पर गिर गया और उसे पलट दिया।

किसी भी रहस्यमय प्रभाव का एकमात्र सुझाव इस तथ्य में निहित है कि मैंने पुस्तकों को बहुत सावधानी से ढेर किया था, और सामान्य सामान्य ज्ञान के अनुसार उन्हें गिरे बिना अपने ढेर में रहना चाहिए था।" श्री प्राइस ने रेक्टरी घटना के बारे में अपनी राय इस प्रकार व्यक्त की . व्यक्त: ". , , क्या बोर्ले रेक्टरी प्रेतवाधित है या नहीं? मेरे अपने प्रश्न का उत्तर है 'हाँ, निश्चित रूप से!' जिस उत्साह के साथ मैं अपनी प्रतिज्ञान में प्रवेश करता हूं, उसे ठंडे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

लेकिन तब पाठक ने ऊपर से कांच की मोमबत्ती नहीं फेंकी, जबकि उसे पता था कि उसे फेंकने वाला कोई नहीं है! पाठक ने दो दरवाजों से एक साथ दो चाबियाँ गिरते नहीं देखीं, जबकि वह उन्हें देख रहा था, यह जानते हुए कि कोई नश्वर हाथ ऊर्जा प्रदान नहीं कर रहा था। पाठक ने मेरी तरह लगभग 100 लोगों का साक्षात्कार नहीं लिया है, जिन्होंने समान अभिव्यक्तियों का अनुभव किया है।

लेकिन मैं उनसे कहूंगा कि जल्दबाजी में निर्णय देने से पहले मेरे मोनोग्राफ में प्रस्तुत सभी सबूतों को बहुत सावधानी से तौलें।" श्री प्राइस इस घटना की अपनी व्याख्या के बारे में कहते हैं, "। , , स्पिरिट परिकल्पना वह है जो बोर्ले रेक्टोरी में देखी गई कई घटनाओं को सर्वोत्तम रूप से कवर करती है।"

अध्याय 3

स्टेज शो प्रेत

एंड्रयू लैंग ने लिखा, "दिखावटी दृश्यों के बारे में केवल एक बात निश्चित है।"
"अर्थात, वे दृश्यमान हैं। उन्हें वास्तव में देखा जा सकता है।" शायद यही वह बिंदु है जिस पर औसत व्यक्ति उनसे विवाद करेगा और तर्क देगा कि भूत जैसी कोई चीज़ नहीं होती: विज्ञान ने उन्हें दूर कर दिया है। फिर भी, अजीब बात यह है कि आज पहले से कहीं अधिक भूतों की खबरें आती हैं। वस्तुतः, ऐसे हजारों मामले रिकॉर्ड में हैं, स्पष्ट हैं, अच्छी तरह से प्रमाणित और प्रलेखित हैं।

कुछ साल पहले, एक सांख्यिकीय जांच से आश्चर्यजनक तथ्य सामने आया कि लगभग दस में से एक व्यक्ति ने किसी मनोवैज्ञानिक घटना का अनुभव किया था (या सोचा था)।

1882 में एस.पी.आर. भूत-प्रेत की एक व्यवस्थित जांच शुरू की गई और मायर्स, गुरनी और पॉडमोर ने परिणामों को अपनी पुस्तक, फैंटम्स ऑफ द हॉन्टिंग में शामिल किया। बेतरतीब ढंग से चुने गए 5,705 व्यक्तियों में से 702 ने अच्छे मामले प्रस्तुत किए, जिससे पता चला कि "मृत्यु और प्रेत के बीच संबंध महज संयोग के कारण नहीं है।" बाद में, 1889 में, एस.पी.आर. एक ही विषय पर 32,000 उत्तरों की समीक्षा की गई और एक बार फिर संयोग-संयोग को खारिज कर दिया गया और पिछले निष्कर्ष की पुष्टि की गई।

अमेरिकी एसपीआर और फ्रांसीसी वैज्ञानिक फ्लेमरियन ने एक जनगणना की, जिसके परिणाम समान निकले। भूत क्या हैं? क्या वे मतिभ्रम हैं? ऐसा सिद्धांत वर्षों पहले सामने रखा गया था और आज भी उस पर विश्वास किया जाता है। अथवा क्या वे निर्जीव की प्रत्यक्ष क्रिया के कारण हैं? या वे... प्रेतों की कहानियाँ मनुष्य के इतिहास जितनी ही पुरानी हैं, और सभी प्राचीन लेखों - ग्रीक, रोमन, यहूदी, मध्ययुगीन और प्राच्य - में उनके असंख्य वर्णन हैं। वे अमीर और गरीब दोनों के साथ होते हैं।

यह ज्ञात है कि जोसेफिन सेंट हेलेना में नेपोलियन के सामने आई थी और उसे अपनी आसन्न मृत्यु की चेतावनी दी थी। मोजार्ट ने एक प्रेत को देखा जिसने उसे एक रिक्विम लिखने का आदेश दिया और अक्सर इसकी प्रगति के बारे में पूछताछ करने आया। उन्होंने इसे अपने अंतिम संस्कार में बजाए जाने के लिए समय पर पूरा किया। क्या प्रेत अंतरिक्ष में किसी वस्तुनिष्ठ क्षेत्र पर कब्जा करते हैं या हैं?

क्या भूत के मन द्वारा व्यक्त विचार वास्तविक होते हैं? पुराने स्कूल ने पूर्व सिद्धांत को स्वीकार कर लिया, भले ही असामान्य कपड़ों में भूत देखे जाते थे। मानसिक अनुसंधान का आधुनिक स्कूल दूसरे सिद्धांत को स्वीकार करता है, और यह वास्तव में दोनों की बेहतर व्याख्या है: यह कपड़ों के लिए भी जिम्मेदार है।

विचार यह है कि अवतारी व्यक्ति, कमोबेश सफलतापूर्वक, टेलीपैथी की प्रक्रिया द्वारा अपने बारे में एक निश्चित जानकारी स्थापित करता है, और आध्यात्मिक मन कमोबेश सच्चा भ्रम पैदा करता है। जब यह याद किया जाता है कि वे अक्सर ऐसी जानकारी देते हैं जो बाद में सत्य पाई जाती है, जो देखने वाले को नहीं पता थी, तो उसे कल्पना के काल्पनिक उत्पाद के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है।

आम जनता भूतों के बारे में सोचती है, फिर भी वे पूरी तरह से अलग प्रकार की घटना हैं। भूत अक्सर एक ही स्थान पर नियमित अंतराल पर दिखाई देते हैं, शायद ही कभी जानकारी प्रदान करते हैं या दर्शकों पर ध्यान देते हैं। उनकी यात्राएँ निरर्थक और उद्देश्यहीन लगती हैं, लेकिन दृश्य पूरी तरह से अलग हैं: वे एक बार प्रकट होते हैं, कभी-कभी दो बार, फिर कभी नहीं। वे जानकारी देते हैं, कभी-कभी मृत्यु की चेतावनी देते हैं, अक्सर किसी अनुपस्थित मित्र के निधन की चेतावनी देते हैं, और कभी-कभी ग़लती को सही करने की चेतावनी देते हैं।

केस नंबर **20**

ब्रौघम केस**: 1** दिसंबर **1799** को**,** लॉर्ड ब्रौघम।

जो उस समय इक्कीस वर्ष का था, अपने कुछ मित्रों के साथ स्वीडन की यात्रा पर था। वह कहते हैं: "हम नॉर्वे जाने का फैसला करके गोथेनबर्ग के लिए निकले। सुबह लगभग एक बजे, एक अच्छी सराय में पहुंचकर, हमने रात के लिए रुकने का फैसला किया। कल की ठंड से थका हुआ होने के कारण, मैं वार्मअप करने गया सोने के लिए जाने से पहले।

पानी के स्नान का लाभ उठाकर बहुत खुश था, और यहाँ मेरे साथ एक बहुत ही उल्लेखनीय घटना घटी - इतनी उल्लेखनीय कि मुझे कहानी शुरू से बतानी होगी। 'हाई स्कूल छोड़ने के बाद, मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ विश्वविद्यालय में कक्षाओं में भाग ले रहा था। भाग लेने गया था.

वहाँ कोई देवत्व वर्ग नहीं था, लेकिन हम अक्सर अपनी सैर के दौरान कई गंभीर विषयों पर चर्चा करते थे और अनुमान लगाते थे - दूसरों के बीच, आत्मा की अमरता और भविष्य की स्थिति पर। यह प्रश्न, और संभावना, मैं भूतों के चलने के बारे में नहीं कहूंगा,

लेकिन मृतकों का जीवितों के सामने प्रकट होना बहुत अटकलों का विषय था; और हमने वास्तव में अपने खून से एक समझौता करने की मूर्खता की, जिसके अनुसार हममें से जो भी पहले मरेगा, वह दूसरे के सामने प्रकट हो जाएगा, और इस प्रकार 'मृत्यु के बाद जीवन' के बारे में हमारे जो भी संदेह होंगे, उनका समाधान हो जाएगा। .

कॉलेज में हमारी कक्षाएँ समाप्त होने के बाद, जी भारत चले गए, जहाँ उन्हें सिविल सेवा में नियुक्त किया गया। वह मुझे कभी-कभार ही लिखते थे, और कुछ वर्षों के बाद मैं उन्हें लगभग भूल ही गया था; इसके अलावा, उनके परिवार का एडिनबर्ग से बहुत कम संबंध था, मैंने शायद ही कभी उनके बारे में कुछ देखा या सुना हो, या उनके माध्यम से उनके बारे में, इसलिए स्कूल की सारी घनिष्ठता ख़त्म हो गई थी और मैं उनके अस्तित्व को लगभग भूल गया था। अभी तो गया था.

जैसा कि मैंने कहा था, मैंने गर्म पानी से स्नान किया था और उसमें लेटे हुए ठंड से राहत का आनंद ले रहा था, मैंने अपना सिर घुमाया और उस

कुर्सी की ओर देखा जिस पर मैंने अपने कपड़े रखे थे, जैसे ही मैं स्नान से बाहर निकलने वाला था। जी कुर्सी पर बैठे थे और शांति से मेरी तरफ देख रहे थे. मुझे नहीं पता कि मैं स्नान से कैसे बाहर आया, लेकिन जब मैं स्नान के पास आया, तो मैंने अपने आप को फर्श पर पड़ा हुआ पाया। भूत - या जो भी वह था - जिसने जी का रूप ले लिया था, गायब हो गया था।

"इस दृश्य ने मुझे इतना स्तब्ध कर दिया कि मैं इसके बारे में या यहां तक कि स्टुअर्ट से भी बात करने को इच्छुक नहीं था; लेकिन इसका मुझ पर जो प्रभाव पड़ा वह इतना स्पष्ट था कि इसे आसानी से भुलाया नहीं जा सकता; और मैं इतना प्रभावित हुआ कि मैंने यहां पूरी बात लिखी है कहानी, 19 दिसंबर की तारीख और सभी विवरण, इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं सो गया था, और यह दृश्य मेरी आंखों के सामने इतना स्पष्ट रूप से दिखाई दिया कि मैं एक पल के लिए भी संदेह नहीं कर सकता था; जी से वर्षों तक कोई संवाद नहीं हुआ, न ही कुछ ऐसा हुआ जिससे मैं उन्हें याद कर सकूं।

हमारी स्वीडिश यात्रा के दौरान जी. या भारत से संबंधित कोई बात नहीं हुई, या उनसे या उनके परिवार के किसी सदस्य से संबंधित कोई बात नहीं हुई। मुझे तुरंत हमारी पुरानी बातचीत और हमारे बीच हुआ सौदा याद आ गया। मैं इस धारणा को अपने मन से नहीं निकाल सका कि श्रीमान की मृत्यु हो गई होगी, और मेरे सामने उनकी उपस्थिति को मुझे भविष्य की स्थिति का प्रमाण मानना था; फिर भी मुझे लगा कि मुझे पूरा यकीन है कि यह सब एक सपना था; और इसका प्रभाव इतना दर्दनाक और इतना अमर था कि मैं इसके बारे में बात करने के लिए खुद को तैयार नहीं कर सका

लॉर्ड ब्रोघम ने बाद में लिखा कि "एडिनबर्ग लौटने के तुरंत बाद, भारत से एक पत्र आया जिसमें जी की मृत्यु की घोषणा की गई, और बताया गया कि उनकी मृत्यु 19 दिसंबर को हुई थी।"

केस नंबर **21.**

लैन केस**.**

इस दिलचस्प मामले की असामान्य विशेषता यह है कि इसमें हाल ही में मृत व्यक्ति का एक उदाहरण शामिल है जो एक मरते हुए व्यक्ति को चेतावनी दे रहा है, और प्राप्तकर्ता को संचारक की मृत्यु के बारे में पूरी तरह से जानकारी नहीं थी। "पिछले 27 नवंबर को, फॉसेस-डु-टेम्पल स्ट्रीट में नंबर 34 (चौथी मंजिल) पर रहने वाली 66 साल की मैडम गुएरिन नाम की एक बूढ़ी महिला थोड़ी बीमार थीं, डॉक्टर ने सोचा कि उन्हें पाचन संबंधी हल्का सा दौरा पड़ा है .

सुबह के पाँच बजे थे; मैडम गुएरार्ड, उनकी विधवा बेटी, सुबह जल्दी उठी थी, दीपक जलाया था और अपनी माँ के बिस्तर के पास आग जला रही थी। काम करते समय बेटी ने अपनी मां से कहा, 'क्यों, मैडम लैन देश से वापस आ गई होंगी।'

(यह मैडम लेन, साठ साल की एक अच्छे स्वभाव वाली मोटी महिला थीं, जो 40,000 फ़्रैंक की आय के साथ सेंट-लुई और सेंट-क्लाउड की सड़कों के कोने पर एक किराने की दुकान से सेवानिवृत्त हुई थीं और एक घर में रहने वाली पहली थीं बुलेवार्ड ब्यूमरैचिस पर नया घर फर्श पर रहता था।) 'मुझे आज उसे देखने अवश्य जाना चाहिए,' मैडम गुएरार्ड ने कहा। 'ऐसा करने से कोई फायदा नहीं है,' उसकी माँ ने कहा। 'क्यों मां?'

'वह एक घंटे पहले मर गई।'

'क्यों माँ, क्या मतलब है तुम्हारा? क्या तुम सपना देख रहे हो?'

'नहीं, मैं जाग रहा हूं। मैं सोया नहीं हूं, लेकिन जैसे ही चार बजे
मैंने मैडम लैन को वहां से गुजरते हुए देखा और उन्होंने मुझसे कहा, "मैं जा रही हूं, क्या आप आ रहे हैं?"

'बेटी को लगा कि उसकी मां ने सपना देखा है और वह दिन में मैडम लैन से मिलने गई, लेकिन उसे पता चला कि सुबह 4 बजे उसकी मौत हो गई थी। 'उसी शाम मैडम गुएरिन को खून की उल्टी हुई और डॉक्टर ने कहा, 'वह

चौबीस घंटे जीवित नहीं रहेंगी।' अगले दिन दोपहर में उसे दोबारा दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई.

"मैं मैडम गुएन को जानता था, और यह कहानी मुझे मैडम गुएरार्ड ने सुनाई थी, जो एक पवित्र, अच्छी महिला थीं।"

केस नं. **22**

द मैरिएट केस.

समुद्री उपन्यासों के महान लेखक, अपने पिता, कैप्टन फ्रेडरिक मैरियट (1792-1848) की जीवनी में फ्लोरेंस मैरियट ने इस घटना का जिक्र किया है, जिसे उन्होंने अपने जीवन के अंत में सुना था: "मेरे पिता अपने जीवन के अंतिम पंद्रह वर्ष नॉरफ़ॉक में लैंगहम में उनकी अपनी संपत्ति पर खर्च किया गया था, और उनके देश के दोस्तों में रेन्हम हॉल के सर चार्ल्स और लेडी टाउनशेंड थे।

जिस समय मैं बात कर रहा हूं उस समय शीर्षक और संपत्ति हाल ही में बदल गई थी, और नए बैरोनेट ने पूरे हॉल को फिर से रंगा, रंगा और सुसज्जित किया था, और अपनी पत्नी और दोस्तों की एक बड़ी कंपनी के साथ कब्जा करने के लिए नीचे आए थे। लेकिन उनके आगमन के तुरंत बाद, उनकी चिड़चिड़ाहट के कारण, अफवाहें फैल गईं कि घर प्रेतवाधित था, और उनके सभी मेहमान (जैसा कि चित्र में दिखाया गया है), घर वापस जाने के लिए बहाने बनाने लगे।

यह सब एक भूरी महिला के कारण हुआ था, जिसका चित्र एक शयनकक्ष में लटका हुआ था, और जिसमें वह भूरे रंग की साटन पोशाक पहने हुए थी, जिसमें पीले रंग की सजावट थी और गर्दन के चारों ओर एक रफ था - एक बहुत ही हानिरहित, मासूम दिखने वाली लड़की। लेकिन उन सभी ने घोषणा की कि उन्होंने उसे घर के चारों ओर घूमते देखा है - कुछ गलियारे में, कुछ उसके शयनकक्ष में, कुछ निचले परिसर में, और न तो मेहमान और न ही नौकर हॉल में रहेंगे।

बैरोनेट स्वाभाविक रूप से इस बात से बहुत परेशान था और उसने मेरे पिता के सामने अपनी व्यथा व्यक्त की, और मेरे पिता इस चाल से नाराज थे, उनका मानना था कि उनके साथ खिलवाड़ किया गया है। उस समय नॉरफ़ॉक में बहुत तस्करी और अवैध शिकार था, जैसा कि वह अच्छी तरह से जानता था, काउंटी का मजिस्ट्रेट होने के नाते, और उसे यकीन था कि इनमें से कुछ लुटेरे टाउनशेंड को फिर से हॉल से दूर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इसलिए उसने अपने दोस्तों से उसे अपने साथ रहने और भुतहा कमरे में सोने के लिए कहा, और उसे यकीन था कि वह उन्हें इस संक्रमण से छुटकारा दिला सकता है।

उन्होंने उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और उन्होंने उस कमरे पर कब्ज़ा कर लिया जिसमें फैंटम का चित्र लटका हुआ था और जिसमें वह अक्सर देखा जाता था और वह हर रात अपने तकिये के नीचे एक भरी हुई रिवॉल्वर रखकर सोता था। हालाँकि, उन्होंने दो दिनों तक कुछ नहीं देखा और तीसरी रात उनके रुकने की सीमा थी।

लेकिन तीसरी रात, जब वह बिस्तर पर जाने के लिए अपने कपड़े उतार रहा था, तो दो युवकों (बैरोनेट के भतीजे) ने उसके दरवाजे पर दस्तक दी, और उसे अपने कमरे में आने के लिए कहा (जो गलियारे के दूसरे छोर पर था), और पूछा लंदन से आने वाली नई बंदूक के बारे में अपनी राय देने के लिए। मेरे पिता अपनी शर्ट और पतलून में थे, लेकिन चूंकि देर हो चुकी थी और सभी लोग आराम करने चले गए थे, इसलिए वह उनके साथ जाने के लिए तैयार हो गए।

जैसे ही वे कमरे से बाहर जा रहे थे, उसने अपनी रिवॉल्वर उठाई, 'बस अगर हमें ब्राउन लेडी मिल जाए,' उसने हंसते हुए कहा। जब बंदूक की परीक्षा समाप्त हो गई, तो युवकों ने उसी भावना से घोषणा की कि वे मेरे पिता के साथ फिर से आएंगे, 'यदि आपको ब्राउन लेडी मिल गई,' तो उन्होंने हंसते हुए दोहराया। अतः तीनों सज्जन एक साथ लौट आये। "गलियारा लंबा और अंधेरा था, क्योंकि रोशनी बंद थी, लेकिन जब वे इसके बीच में पहुंचे तो उन्होंने दूसरी तरफ एक दीपक की चमक देखी।

'महिलाओं में से एक नर्सरी देखने जा रही है,' युवा टाउनशेंड ने मेरे पिता से फुसफुसाया। अब, उस गलियारे में शयनकक्ष के दरवाजे एक-दूसरे के सामने थे, और प्रत्येक कमरे के बीच में एक जगह के साथ एक दोहरा दरवाजा था, जैसा कि कई पुराने जमाने के ग्रामीण घरों में होता है। मेरे पिता (जैसा कि मैंने कहा) केवल शर्ट और पतलून में थे, और उनकी मूल

विनम्रता ने उन्हें बहुत असहज महसूस कराया, इसलिए वह बाहरी दरवाजे में से एक के अंदर फिसल गए (उनके दोस्तों ने उनका उदाहरण लिया), ताकि महिला तक छुप सकें गुजर जाता है.

मैंने उसे यह कहते हुए सुना है कि कैसे उसने उसे दरवाजे की दरार से आते हुए देखा, जब तक कि वह उसके कपड़े के रंग और शैली को पहचानने के लिए पर्याप्त करीब नहीं आ गई, उसने उस आकृति को 'द ब्राउन लेडी' कहा, जिसे पेंटिंग की प्रतिकृति के रूप में पहचाना गया। उसकी उंगली उसके रिवॉल्वर के ट्रिगर पर थी और वह रुककर उससे पूछने ही वाला था कि वह वहां क्यों आया है, तभी वह आकृति अपने आप उस दरवाजे के सामने रुक गई जिसके पीछे वह खड़ा था और उसने जलते हुए दीपक को उसके चेहरे की ओर कर दिया। पकड़कर, वह जानबूझकर उसकी ओर देखकर मुस्कुराई।

इस हरकत से मेरे पिता, जो स्वभाव से किसी भी तरह से मेमना नहीं थे, इतने क्रोधित हुए कि वह झटके से गलियारे में कूद पड़े और रिवॉल्वर सीधे उनके चेहरे पर तान दी। वह आकृति तुरंत गायब हो गई - वह आकृति जिसे तीन आदमी कई मिनटों तक एक साथ देख रहे थे - और गोली गलियारे के दूसरी तरफ कमरे के बाहरी दरवाजे से होकर गुजर गई।

मेरे पिता ने फिर कभी ब्राउन लेडी के साथ हस्तक्षेप करने का प्रयास नहीं किया, और मैंने सुना है कि वह आज भी परिसर में घूमती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसने उस समय ऐसा किया था।" रेनहैम हॉल के मालिक सर चार्ल्स टाउनशेंड ने मिस लूसिया सी. स्टोन को बताया कि "मैं इस पर विश्वास किए बिना नहीं रह सकता, जैसा कि उसने (ब्राउन लेडी) मुझे कल बताया था, वह मेरे कमरे में दाखिल हुई रात।" मिस स्टोन ने यह भी बताया कि सर चार्ल्स के चचेरे भाई कर्नल लॉफ्टस ने हॉल में रहने के दौरान भूत को देखा था।

वेस्ट रैनहैम के रेक्टर रेव. डब्ल्यू हैं। पी.एम. मैकलीन के अनुसार, भूत को 1903 में भी देखा गया था। नोट.—केस नंबर 36, पृष्ठ 76 भी देखें।

केस नंबर **23.**

बेल्लामी केस**.**

"जब वह एक स्कूली छात्रा थी, मेरी पत्नी ने अपने एक साथी के साथ एक समझौता किया था कि जो भी पहले मर जाएगा, ईश्वर की इच्छा से वह जीवित लोगों को दिखाई देगा। 1874 में मेरी पत्नी, जिसने न तो अपने स्कूल के दोस्त को देखा था और न ही उसके बारे में सुना था, मुझे खबर मिली उसकी मौत का.

इस खबर ने उन्हें उनके बीच हुए समझौते की याद दिला दी और फिर वह इसके बारे में सोचने लगीं और मुझसे इस बारे में बात करने लगीं। मैं अपनी पत्नी के साथ इस समझौते के बारे में जानता था, लेकिन मैंने कभी उसकी सहेली की फोटो नहीं देखी थी, न ही उसके बारे में कुछ सुना था। "एक या दो रात बाद हम चुपचाप सो रहे थे; कमरे में तेज आग जल रही थी और एक मोमबत्ती जल रही थी।

मैं अचानक उठा और देखा कि एक महिला उस बिस्तर के पास बैठी है जिस पर मेरी पत्नी गहरी नींद में सो रही थी। मैं बिस्तर पर बैठ गया और उसकी तरफ देखने लगा. मैंने उसे इतनी स्पष्टता से देखा कि मुझे उसका रूप और दृष्टिकोण अभी भी याद है। यदि मेरे पास एक कलाकार का कौशल होता तो मैं कैनवास पर उसकी छवि बना सकता था। मुझे याद है कि उसके बालों को जिस तरह सावधानी से स्टाइल किया गया था, उससे मैं विशेष रूप से प्रभावित हुआ था; इसे एक खास भव्यता के साथ व्यवस्थित किया गया था।

मैं नहीं बता सकता कि मैं कितनी देर तक उसे देखता रहा, लेकिन जैसे ही यह अजीब दृश्य गायब हो गया, मैं यह देखने के लिए बिस्तर से उठ गया कि क्या बिस्तर पर लटके कपड़े कोई ऑप्टिकल भ्रम पैदा कर रहे हैं। लेकिन मेरे और दीवार के बीच मेरी दृष्टि रेखा में कुछ भी नहीं था। चूँकि मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि यह एक भ्रम है, मुझे संदेह नहीं था कि मैंने वास्तव में एक प्रेत देखा है।

“मैं बिस्तर पर वापस आ गया और तब तक वहीं रहा जब तक कि मेरी पत्नी कुछ घंटों बाद जाग नहीं गई। फिर मैंने उसे वह चेहरा बताया जो मैंने

देखा था। रंग-रूप, कद-काठी, सब कुछ बिल्कुल मेरी पत्नी के चेहरे जैसा था।

मेरे बचपन के दोस्त की यादें ताज़ा हो गईं। मैंने अपनी पत्नी से पूछा कि क्या उसकी सहेली की शक्ल-सूरत में कोई खास बात है; उसने तुरंत जवाब दिया, 'हां, स्कूल में हम उसके बालों को लेकर चिढ़ाते थे, जिन्हें वह हमेशा बहुत सावधानी से कंघी करती थी।' इसी बात ने मुझे प्रभावित किया. "मुझे यह भी कहना चाहिए कि मैंने पहले कभी भूत नहीं देखा था और तब से नहीं देखा है।" "रेव. आर्थर बेलामी, ब्रिस्टल।"

केस नंबर **24** रेड

केस **1** यह मामला**.**

जिसकी गारंटी पहली प्रमुख अमेरिकी महिला मूर्तिकार हैरियट होस्मर ने दी थी, यह तब हुआ जब वह इटली में अपनी कला का अध्ययन कर रही थी और मई, 1862 के अटलांटिक मासिक में और बाद में फैंटम्स ऑफ द लिविंग में प्रकाशित हुई: "रोजा नाम एक इतालवी लड़की है कुछ समय तक मेरे साथ काम किया, लेकिन अंततः उसे अपनी बहन के पास घर लौटना पड़ा क्योंकि वह बीमार पड़ गई थी। जब मैं घोड़े पर सवार होकर अपना सामान्य व्यायाम करने जाता था तो मैं अक्सर उसे देखने के लिए फोन करता था।

एक बार मैंने शाम 6 बजे के आसपास फोन किया और पाया कि वह पिछले कुछ समय से कहीं अधिक स्वस्थ थे। मैंने उसके ठीक होने की उम्मीद बहुत पहले ही छोड़ दी थी, लेकिन उसके चेहरे पर ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे मुझे तत्काल कोई ख़तरा महसूस हो। मैंने उसे इस उम्मीद के साथ छोड़ दिया कि मैं उसे कई बार फिर से मिलने के लिए बुलाऊंगा। उन्होंने

एक विशेष प्रकार की शराब की बोतल पीने की इच्छा व्यक्त की, जिसे मैंने अगली सुबह खुद लाने का वादा किया।

"शाम के शेष समय में मुझे यह याद नहीं है कि जब मैं उससे अलग हुआ था तो रोज़ा मेरे विचारों में थी या नहीं। मैं अच्छे स्वास्थ्य और शांत मूड में आराम करने गया था। लेकिन मैं गहरी नींद से उठा और मुझे यह महसूस हुआ कमरे में कोई था, मुझे लगा कि मेरी नौकरानी के अलावा कोई भी अंदर नहीं आ सकता, जिसके पास मेरे कमरे के दो दरवाजों में से एक की चाबी थी - दोनों दरवाजे बंद थे।

मैं कमरे के फर्नीचर को अस्पष्ट रूप से पहचान सकता था। मेरा बिस्तर कमरे के बीच में था और उसके पैर के चारों ओर पर्दा लगा हुआ था। यह सोच कर कि परदे के पीछे कोई होगा, मैंने पूछा, 'कौन है?' लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. तभी अगले कमरे की घड़ी में पाँच बज गये; और उसी क्षण मैंने देख लिया

मेरे बिस्तर के पास खड़ी रोजा की आकृति; और किसी तरह, हालांकि मैंने यह कहने की हिम्मत नहीं की कि यह भाषण के माध्यम से था, उसके माध्यम से मैं इन शब्दों से अवगत हुआ: 'एडेसो बेटा गेलिस, बेटा संतुष्ट!' और इसके साथ ही वह आकृति गायब हो गई। "नाश्ते की मेज पर मैंने अपने दोस्त से कहा जो मेरे साथ अपार्टमेंट में रहता था, 'रोजा मर गई है।' 'आपका क्या मतलब है?'

उसने पूछा; 'जब आप कल उससे मिलने आए थे तो आपने मुझसे कहा था कि वह बेहतर दिख रही है।' मैंने उसे सुबह की घटना बतायी और कहा कि मुझे लगा कि रोजा मर गयी है। वह हँसी और बोली कि मैंने यह सब सपना देखा था। मैंने उसे आश्वस्त किया कि मैं जाग रहा हूं। वह इस बारे में मज़ाक करती रही और मुझे थोड़ा गुस्सा आया कि वह सोचती रही कि यह एक सपना है जबकि मैं जाग रहा था।

इस प्रश्न का समाधान करने के लिए मैंने एक दूत को बुलाया और उसे यह पता लगाने के लिए भेजा कि रोजा की मृत्यु कैसे हुई। वह इस उत्तर के साथ लौटा कि वह उस सुबह पाँच बजे मर गयी। "मैं उस समय वाया बबिनो में रह रहा था।"

केस नं. **25.**

रसेल मामला.

यह मामला कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स के प्रोफेसर एडम्स को भेजा गया था, जिन्होंने इसे एफ. बहुत अच्छे स्वास्थ्य और बहुत ही संदिग्ध स्वभाव के, उसने बताया कि उसने एक ऐसे व्यक्ति का भूत देखा जो अभी-अभी मरा था। "गाना बजानेवालों के बास गायक श्री रसेल को शुक्रवार सुबह दस बजे सड़क पर दौरा पड़ा; ग्यारह बजे उनके घर पर उनकी मृत्यु हो गई।

मेरी पत्नी ने, उनकी मृत्यु के बारे में जानने पर, मेरे बहनोई को उनके अंतिम संस्कार में बजाए जाने वाले संगीत पर चर्चा करने के लिए गायक मंडल के नेता, श्री रीव्स के घर भेजा। वे करीब डेढ़ बजे गायक दल के नेता के घर पहुंचे। अचानक उसे बरामदे में एक चौंका देने वाली आवाज सुनाई दी। कोई अभी-अभी चिल्लाया था, 'हे भगवान!' सीढ़ियों के बीच में एक सीढ़ी पर बैठा गाना बजानेवालों का नेता, अपनी शर्ट की आस्तीन पहने हुए, बहुत डरा हुआ लग रहा था।

"जब मिस्टर रीव्स अपने कमरे से बाहर आए, तो उन्होंने मिस्टर रसेल को सीढ़ियों पर खड़े देखा, उनका एक हाथ उनके माथे पर था और दूसरे हाथ में संगीत का रोल था। गाना बजानेवालों का नेता उनकी ओर बढ़ा, लेकिन भूत गायब हो गया। फिर उन्होंने उपर्युक्त विस्मयादिबोधक कहा "श्रीमान।" रसेल की मौत के बारे में कुछ भी पता नहीं चला.

"यह सबसे प्रामाणिक भूत-कहानी है जो मैंने कभी सुनी है। मैं इन सभी लोगों को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं और उनकी ईमानदारी की गारंटी दे सकता हूं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि गायक मंडली के नेता ने व्यक्तिपरक या वस्तुपरक रूप से कुछ देखा; इससे वह बीमार पड़ गया कई दिनों तक, हालाँकि उनका स्वास्थ्य हमेशा अच्छा था "उनकी व्यक्तिगत राय में, श्री रसेल बहुत नियमित आदतों वाले, बहुत वफादार और बहुत भरोसेमंद व्यक्ति थे; उन्होंने बिना वेतन के कई वर्षों तक गायक मंडली में गाना गाया; उनके अंतिम विचार शायद ये रहे होंगे: 'मैं गायन मंडली के नेता को कैसे बताऊं कि मैं कल शाम को अभ्यास नहीं कर सकता?'

बिना होश में आए एक घंटे के भीतर ही उनकी मृत्यु हो गई। "यह परिकल्पना उसके खुद को संभालने के तरीके से सही साबित होती है; इससे

उसकी बीमारी (सिरदर्द) और अपना कर्तव्य निभाने की इच्छा दोनों का पता चलता है।"डब्ल्यू। एम.डब्ल्यू. डेविस, रेक्टर।" सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल के एक रिपोर्टर ने बाद में घटना का श्री रीव्स संस्करण प्रकाशित किया:

"शुक्रवार की सुबह एडविन रसेल, एक प्रसिद्ध अंग्रेज, स्टटर और मेसन स्ट्रीट्स के कोने पर आ रहे थे, जब उन्हें दौरा पड़ा। और दोपहर से पहले उनकी मृत्यु हो गई। वह हमारे शहर में दस वर्षों से रह रहे थे और उनका सम्मान किया जाता था। व्यापार जगत। वह प्रोटेस्टेंट एपिस्कोपल चर्च का सदस्य था और उसकी बास आवाज़ शानदार थी।

इस कारण से वह सेंट ल्यूक चर्च के गायक मंडल के लिए एक बड़ी संपत्ति थे, और चर्च के रेक्टर, रेव डब्ल्यू एम डब्ल्यू डेविस नए गायक मंडल के नेता हैरी रीव्स के साथ लगातार संपर्क में थे। "मिस्टर रीव्स के साथ वह सनसनीखेज घटना घटी, जिसके बारे में लोग बात कर रहे हैं। मैंने कैलिफोर्निया स्ट्रीट में उनकी बहन, श्रीमती कैवनघ के घर पर उनका साक्षात्कार लिया, और उन्होंने मुझे निम्नलिखित विवरण दिया: "मैंने रसेल को उनके निधन से पहले शनिवार को देखा था। मौत। देखा। वह आया था.

रिहर्सल करना. मैंने उससे पूछा कि मुझे अच्छा सिगार कहाँ मिलेगा और वह मुझे एक अच्छी सिगार की दुकान में ले गया। फिर मैंने उसे रिहर्सल करने के लिए अपने घर - या, बल्कि, मेरी बहन के घर - आमंत्रित किया और हमने अगले शनिवार को मिलने की व्यवस्था की। मैंने शुक्रवार दोपहर तक इस मामले के बारे में और कुछ नहीं सोचा।

जैसा कि रविवार को गाने के चयन के लिए एक या दो दिन पहले अपने संगीत संस्करणों को देखने की मेरी परंपरा है, मैंने दो ते देउम्स को चुना। मैं अपने कमरे से बाहर आया, और सीढ़ियों पर, अब आधी रोशनी में, मैंने अपने मित्र श्री रसेल को देखा, जो इतने वास्तविक, इतने जीवंत थे कि मैं तुरंत आगे आया और स्वागत में अपना हाथ उनकी ओर बढ़ाया। "'उसके एक हाथ में संगीत का रोल था और दूसरा उसके चेहरे के सामने था।

यह वास्तव में वह था. मुझे इस बात पर पूरा यकीन है. खैर, वह बादल की तरह पिघल गया जो हवा में गायब हो जाता है। "'मैं उससे बात करने जा रहा था लेकिन मैं स्तब्ध रह गया। मैं दीवार के खिलाफ गिर गया और चिल्लाने लगा, "हे भगवान!" मेरी बहन, मेरी भतीजी और एक अन्य

व्यक्ति मेरे पास आए। मेरी भतीजी ने पूछा, "अंकल हेनरी, मामला क्या है?" मैं समझाना चाहता था लेकिन समझा नहीं सका।

तब मेरी भतीजी ने मुझसे कहा, "क्या आप जानते थे कि मिस्टर रसेल मर चुके हैं?" इससे मुझे सचमुच सदमा लगा। मैंने इस रसेल को उसकी मृत्यु के तीन घंटे बाद देखा और मैं आपको भी उस कुर्सी पर देखता हूं।' ,

केस नंबर **26**

कोर्ट ड्रेस मामला**.**

"मेरी मां ने अपने माता-पिता की सहमति के बिना, बहुत कम उम्र में शादी कर ली थी। मेरी दादी ने कसम खाई थी कि वह अपनी बेटी को फिर कभी नहीं देख पाएंगी। शादी के कुछ हफ्ते बाद लगभग 2 बजे मेरी मां की मृत्यु हो गई, दरवाजे पर जोरदार दस्तक से वह जाग गईं। मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरे पिता नहीं उठे। मेरी माँ ने मेरे पिता से दोबारा बात की, इसलिए वह उठी और खिड़की खोली, तो उसे आश्चर्य हुआ कि उसकी माँ पूरी अदालत की पोशाक में सीढ़ियों पर खड़ी थी और उसे देख रही थी .

मेरी माँ ने उन्हें बुलाया, लेकिन मेरी दादी भौंहें चढ़ाते हुए और सिर हिलाते हुए गायब हो गईं। "इस समय मेरे पिता जाग गए और मेरी माँ ने उन्हें बताया कि क्या हुआ था। वह खिड़की के पास गए लेकिन कुछ नहीं देखा। मेरी माँ को यकीन था कि मेरी दादी, इतनी रात में भी, उन्हें माफ करने के लिए आई थीं और उन्होंने उनसे अनुरोध किया पिता ने उसे अंदर जाने दिया और दरवाज़ा खोला लेकिन वहाँ कोई नहीं था।

उसने मेरी माँ को आश्वस्त किया कि वह सपना देख रही थी और आख़िरकार उसे विश्वास हो गया कि यह सच है। "अगली सुबह नौकरों से पूछताछ की गई, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं सुना, और यह मेरे माता-पिता के दिमाग में शाम तक चला गया, जब उन्होंने सुना कि मेरी दादी पिछली रात एक गेंद पर पूरी कोर्ट ड्रेस में थीं - मुझे लगता है कि वह केंसिंग्टन पैलेस में थी, लेकिन मैं निश्चित रूप से नहीं जानता - कि वह अस्वस्थ

महसूस करते हुए घर लौटी, और अपनी छोटी बीमारी के दौरान सुबह 2 बजे उसकी मृत्यु हो गई। माँ का नाम नहीं लिया।"

केस नंबर **27.**

हार्फोर्ड केस**.**

"12 मई, 1884। "जब मेरे पुराने मित्र जॉन हार्फोर्ड, जो आधी सदी तक वेस्लीयन प्रचारक रहे थे, जून 1851 में मरने वाले थे, उन्होंने मुझे फोन किया, और जब मैं उनके बिस्तर के पास गया तो उन्होंने कहा, 'मैं हूं। ख़ुशी है कि तुम आये, मित्र हैपरफ़ील्ड; मैं तब तक शांति से नहीं मर सकता जब तक मुझे यह विश्वास नहीं हो जाता कि मेरी पत्नी की तब तक देखभाल और देखभाल की जाएगी जब तक कि उसे दूसरी दुनिया में मेरे साथ रहने के लिए नहीं बुलाया जाता।

मैं तुम्हें कई वर्षों से जानता हूं, और अब मैं चाहता हूं कि तुम वादा करो कि जब तक वह मेरे बाद जीवित रहेगी, तुम उसकी भलाई का ख्याल रखोगे।' मैंने कहा, 'मैं जो कुछ भी कर सकता हूं वह करूंगा, इसलिए आप शांत रहें।' उसने कहा, 'मैं तुम पर भरोसा कर सकता हूं,' और इसके तुरंत बाद, महीने के 20वें दिन, वह प्रभु में सो गया। "मैंने उसके मामलों को प्रबंधित किया, और जब सब कुछ तय हो गया तो विधवा के पक्ष में संतुलन था, लेकिन उसे रखने के लिए पर्याप्त नहीं था।

मैंने उसे एक छोटी सी झोपड़ी में रखा, कुछ दोस्तों को उसके मामले में दिलचस्पी दिखाई और देखा कि वह आराम से रहती थी। थोड़ी देर बाद श्रीमती हार्फोर्ड का पोता आया और उसने बुढ़िया को ग्लॉस्टरशायर में अपने घर ले जाने का प्रस्ताव रखा, जहाँ वह स्कूल मास्टर के पद पर था। अनुरोध उचित लगा. मैं सहमत हो गया, बशर्ते वह जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो; और युवक ने इसे अपने अनुसार ले लिया। समय बीतता गया। हमारे बीच कोई पत्र-व्यवहार नहीं हुआ.

मैंने अपने मरणासन्न मित्र के प्रति अपना कर्तव्य पूरा कर दिया था और मामला ख़त्म हो गया। "लेकिन एक रात जब मैं सुबह बिस्तर पर लेटा हुआ था, मेरे दिमाग में व्यवसाय और अन्य मामले थे, मुझे अचानक होश आया कि कमरे में कोई है। तब कर्ट ने कहा कि वहाँ मेरा दिवंगत मित्र खड़ा था, जो मुझे दिखाई दिया। उदास और परेशान आँखों से मुझे कोई डर नहीं लगा, लेकिन आश्चर्य और विस्मय ने मुझे चुप करा दिया। उसने मुझसे स्पष्ट और स्पष्ट रूप से कहा, 'मित्र हार्परफील्ड, मैं तुम्हारा मित्र हूँ।' मैं इसलिए पास आया हूं क्योंकि तुमने मेरी पत्नी से मिलने का वादा पूरा नहीं किया.

वह मुसीबत में है और उसे जरूरत है।' मैंने उसे आश्वासन दिया कि मैंने अपना कर्तव्य निभाया है और मुझे नहीं पता था कि वह किसी परेशानी में है, और मैं उसकी देखभाल करने वाला और उसकी देखभाल करने वाला पहला व्यक्ति बनूंगा। वह संतुष्ट नजर आया और मेरी नजरों से ओझल हो गया. “मैंने अपनी पत्नी को जगाया, जो मेरे बगल में सो रही थी, और उसे बताया कि क्या हुआ था।

नींद हमसे दूर थी और जागते ही मैंने जो पहला काम किया, वह था अपने पोते को एक पत्र लिखना। जवाब में उन्होंने मुझे बताया कि उत्पीड़न के कारण उन्हें अपने पद से वंचित कर दिया गया था, और वह बहुत मुश्किल में थे, यहाँ तक कि उन्होंने अपनी दादी को संघ में भेजने का फैसला किया था। इसके बाद मैंने कुछ पैसे भेजे और बुढ़िया से अनुरोध किया कि वह मुझे भेज दे।

"वह आई, और उसे फिर से एक घर मुहैया कराया गया और उसकी ज़रूरतें पूरी की गईं। ये हालात वैसे ही हैं जैसे घटित हुए थे। मैं घबराया हुआ आदमी नहीं हूं; न ही मैं अंधविश्वासी हूं। जिस समय मेरा पुराना दोस्त मेरे पास आया, मैं जाग रहा था , शांत और शांत। उपरोक्त बिल्कुल सत्य है और कोई अतिशयोक्ति नहीं है।"

केस नंबर **28.**

लकड़ी का खोल।

एस.पी.आर. के श्री एडमंड गुरनी। इस मामले की जांच की और गवाहों और गवाहों दोनों से पूरी मौखिक गवाही ली।

घटना का वर्णन दो पत्रों में किया गया है: "15 सितंबर," तथ्य बस यही हैं। मैं 1885 की शुरुआत में मदीरा के एक होटल में सो रहा था। वह चमकदार चांदनी रात थी। खिड़कियाँ खुली थीं और पर्दे लगे हुए थे। मुझे लगा कि कोई मेरे कमरे में है. आँखें खोलने पर मैंने देखा कि लगभग पच्चीस साल का एक युवक, फलालैन पहने हुए, मेरे बिस्तर के किनारे पर खड़ा था और अपने दाहिने हाथ की पहली उंगली से उस जगह की ओर इशारा कर रहा था जहाँ मैं लेटा हुआ था।

मैं अपने आप को आश्वस्त करने के लिए कुछ सेकंड के लिए वहां लेटा रहा कि वास्तव में कोई वहां था। फिर मैं उठ कर बैठ गया और उसकी तरफ देखने लगा. मैंने उसके चेहरे के भाव इतने स्पष्ट रूप से देखे कि मैंने उन्हें एक तस्वीर में पहचान लिया जो कुछ दिनों बाद मुझे दिखाई गई थी। मैंने उससे पूछा कि वह क्या चाहता है; उसने कुछ नहीं कहा, लेकिन उसकी आँखों और हाथों ने मुझे बताया कि मैं उसकी जगह पर था।

जब उसने कोई जवाब नहीं दिया तो मैं उठा और उस पर मुक्का मारा, लेकिन मैं उस तक नहीं पहुंच सका, और जब मैं बिस्तर से बाहर निकलने वाला था तो वह धीरे से दरवाजे के माध्यम से गायब हो गया, जो बंद था, और उसकी नजरें मुझ पर थीं समय. "पूछने पर मुझे पता चला कि जो युवा साथी मुझे दिखाई दिया था वह उस कमरे में मृत था जिसमें मैं रह रहा था। "जॉन ई. हस्बैंड्स।" "चर्च टेरेस, विस्बेक।

8 अक्टूबर, 1886. "मडीरा में मिस्टर हस्बैंड्स द्वारा देखी गई आकृति एक युवा साथी की थी, जिसकी कुछ महीने पहले उसी कमरे में अप्रत्याशित रूप से मृत्यु हो गई थी, जिसमें मिस्टर हस्बैंड्स रह रहे थे। दिलचस्प बात यह है कि मिस्टर हस्बैंड्स ने कभी नहीं सुना था उसके या उसकी मृत्यु के बारे में। उसने आकृति देखने के अगले दिन सुबह मुझे कहानी सुनाई, और मैंने विवरण से उस युवा साथी को पहचान लिया।

इसका मुझ पर बहुत असर हुआ, लेकिन मैंने उसे या किसी और को इसके बारे में नहीं बताया। मैं तब तक भटकती रही जब तक कि मैंने मिस्टर हस्बैंड्स को मेरे भाई को वही कहानी सुनाते हुए नहीं सुना; हमने मिस्टर हसबैंड्स को छोड़ दिया और एक साथ कहा, 'उसने मिस्टर डी को देखा है।' "कई दिनों तक इस विषय पर कुछ नहीं कहा गया, फिर अचानक मैंने उसे तस्वीर दिखाई।

मिस्टर हस्बैंड्स ने तुरंत मुझसे कहा, 'यह वही युवा साथी है जो कल रात मेरे सामने आया था, लेकिन उसने अलग तरह के कपड़े पहने थे' - एक पोशाक का वर्णन करते हुए वह अक्सर पहनता था - 'एक क्रिकेट सूट (या टेनिस) जो गले में बंधा हुआ था' एक नाविक गाँठ. मुझे कहना होगा कि श्रीमान. पति सबसे व्यावहारिक लोग होते हैं, और वह आखिरी व्यक्ति होता है जिसके पास कोई 'आत्मा' आने की उम्मीद करती है।

"के. फॉल्कनर।" श्री गुर्नी ने बताया कि मिस्टर हस्बैंड्स और मिस फॉकनर का साक्षात्कार लिया गया और उनका सारांश यह निकला: "वे दोनों पूरी तरह से व्यावहारिक हैं और चमत्कारों के अंधविश्वासी प्रेम से जितना संभव हो उतना दूर हैं। ... जहां तक मैं समझ सकता हूं, मिस्टर हस्बैंड्स का अपना यह दृष्टिकोण पूरी तरह से सही है - कि वे अपने साथ होने वाली किसी भी चीज़ को गलत महत्व देने वाले या कल्पना द्वारा तथ्यों को विकृत करने की अनुमति देने वाले अंतिम लोग हैं, उनकी दृष्टि का विवरण कमरे में था इससे पहले कि उसे घटित मृत्यु के बारे में कोई जानकारी होती।"

केस नं**. 29.**

सेंट लुइस मामला**.**

यह विवरण बोस्टन के श्री एफ. ने दिया था। इसे जी द्वारा अमेरिकन सोसाइटी फॉर साइकिकल रिसर्च को भेजा गया था। प्रोफेसर जोशिया रॉयस और डॉ. रिचर्ड हॉजसन उन्हें अच्छी तरह से जानते थे और उनके उच्च चरित्र की पुष्टि करते हैं:

"सर:" 11 जनवरी, 1888। "मानसिक घटनाओं की वास्तविक घटनाओं के लिए आपकी सोसायटी के हाल ही में प्रकाशित अनुरोध के जवाब में, मैं सम्मानपूर्वक निम्नलिखित उल्लेखनीय घटना को आपकी प्रतिष्ठित सोसायटी के विचारार्थ प्रस्तुत करता हूं, इस आश्वासन के साथ कि और यह घटना बनी है मेरे पूरे जीवन की संयुक्त घटनाओं की तुलना में मेरे दिमाग पर एक अधिक शक्तिशाली प्रभाव।

मैंने कभी भी अपने परिवार और कुछ घनिष्ठ मित्रों के बाहर इसका उल्लेख नहीं किया, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि बहुत कम लोग इस पर विश्वास करेंगे, या फिर इसे उस समय मेरे मन की किसी अव्यवस्थित स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराएँगे; लेकिन मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि मेरा स्वास्थ्य कभी इतना अच्छा नहीं था या मेरा सिर और मस्तिष्क पहले कभी इतना साफ नहीं था।

"1867 में, मेरी इकलौती बहन, जो अठारह वर्ष की थी, की सेंट लुइस, मिसौरी में हैजा से अचानक मृत्यु हो गई। उसके प्रति मेरा लगाव बहुत गहरा था, और मेरे लिए आघात बहुत गहरा था। उसकी मृत्यु के एक वर्ष बाद लेखक एक व्यावसायिक यात्री बन गया, और 1876 में, जब मैं अपनी एक पश्चिमी यात्रा पर था, यह घटना घटी।

"मैंने मिसौरी के सेंट जोसेफ शहर में 'ड्रम' बजाया था, और अपने ऑर्डर भेजने के लिए पेसिफिक हाउस में अपने कमरे में गया था, जो असामान्य रूप से बड़े थे, इसलिए मैं वास्तव में बहुत खुश मूड में था। मेरे विचार, बेशक, यह जानते हुए कि मेरा घर मेरी सफलता से कितना खुश होगा, मैं अपनी दिवंगत बहन के बारे में नहीं सोच रहा था, या किसी भी तरह से अतीत पर विचार नहीं कर रहा था।

दोपहर का समय था, और सूरज मेरे कमरे में ख़ुशी से चमक रहा था। जब मैं सिगरेट पीने और ऑर्डर लिखने में व्यस्त था, मुझे अचानक एहसास हुआ कि कोई मेरी बायीं ओर मेज पर एक हाथ रखकर बैठा था। मैंने तुरंत पीछे मुड़कर देखा और अपनी मृत बहन का चेहरा स्पष्ट रूप से देखा, और कुछ सेकंड के लिए मैंने सीधे उसके चेहरे को देखा; और मुझे इतना यकीन हो गया कि यह वही है, इसलिए मैं खुशी से उछल पड़ा, उसका नाम पुकारा और जैसे ही मैंने ऐसा किया वह प्रेत तुरंत गायब हो गया।

स्वाभाविक रूप से, मैं स्तब्ध और आश्चर्यचकित था, मुझे अपनी इंद्रियों पर लगभग संदेह हो रहा था; लेकिन मेरे मुँह में सिगार और मेरे हाथ में

कलम और मेरे पत्र पर अभी भी गीली स्याही के साथ, मैंने खुद को संतुष्ट किया कि मैं सपना नहीं देख रहा था और जाग रहा था। मैं उसे छूने के काफी करीब पहुंच गया, अगर यह एक शारीरिक संभावना होती, और उसके चेहरे की विशेषताओं, हाव-भाव और पोशाक आदि का विवरण नोट किया।

वह जीवित लग रही थी. उसकी आँखें मुझे दयापूर्वक और बिल्कुल स्वाभाविक रूप से देख रही थीं। उसकी त्वचा इतनी सजीव थी कि मैं उसकी सतह पर चमक या नमी देख सकता था, और कुल मिलाकर, जीवित होने के अलावा उसकी उपस्थिति में कोई बदलाव नहीं आया था। “अब मेरे बयान की सबसे उल्लेखनीय पुष्टि हुई है, जिस पर उन लोगों द्वारा संदेह नहीं किया जा सकता है जो जानते हैं कि मैंने जो कहा वह वास्तव में हुआ था।

इस मुलाकात ने, या आप इसे जो भी कहें, मुझ पर इतना प्रभाव डाला कि मैं अगली ट्रेन से घर चला गया, और अपने माता-पिता और अन्य लोगों की उपस्थिति में, मैंने उन्हें बताया कि क्या हुआ था। मेरे पिता, जो दुर्लभ विवेकशील और बहुत व्यावहारिक व्यक्ति थे, मेरा उपहास करने पर उतारू थे, क्योंकि उन्होंने देखा कि मैं जो कुछ कहता था उस पर मैं कितनी गंभीरता से विश्वास करता था; लेकिन वे भी आश्चर्यचकित रह गए जब मैंने बाद में उन्हें अपनी बहन के चेहरे के दाहिनी ओर एक चमकदार लाल रेखा या चोट के बारे में बताया, जिसे मैंने स्पष्ट रूप से देखा था।

जब मैंने इसका जिक्र किया तो मेरी मां कांपते हुए अपने पैरों पर खड़ी हो गईं और लगभग बेहोश हो गईं, और जैसे ही उन्होंने खुद को पर्याप्त रूप से संभाला, उनके चेहरे से आंसुओं की धारा बह रही थी, उन्होंने कहा कि मैंने वास्तव में ऐसा किया था क्योंकि किसी भी जीवित प्राणी को नहीं बल्कि खुद को उस खरोंच के बारे में पता था जो उन्हें गलती से लगी थी। मेरी बहन की मृत्यु के बाद दयालुता का कुछ कार्य करते समय बनाया गया।

उन्होंने कहा कि उन्हें अच्छी तरह से याद है कि उन्हें यह सोचकर कितना दर्द हुआ था कि उन्होंने अनजाने में अपनी मृत बेटी की विशेषताओं को विकृत कर दिया होगा और, यह बिल्कुल भी नहीं जानते हुए कि उन्होंने पाउडर आदि की सहायता से सभी छोटी-मोटी खरोंचों को ठीक कर दिया था। कैसे निशानों को सावधानी से मिटा दिया गया था, और उस दिन से आज तक उसने कभी किसी इंसान से इसका जिक्र नहीं किया था।

सबूत के तौर पर, न तो मेरे पिता और न ही हमारे परिवार में किसी ने इसकी खोज की थी और वे निश्चित रूप से इस घटना से अनजान थे, फिर भी/ने खरोंच को इतना उज्ज्वल देखा जैसे कि यह अभी बनाया गया हो। "मेरी मां पर इतना अजीब प्रभाव पड़ा कि आराम करने के बाद भी वह उठीं और कपड़े पहने, मेरे पास आईं और मुझसे कहा कि कम से कम उन्हें पता था कि मैंने अपनी बहन को देखा था। कुछ हफ्ते बाद मेरी मां की मृत्यु हो गई, खुश होकर उन्हें विश्वास था कि वह फिर से मिलेंगी उनकी प्यारी बेटी एक बेहतर दुनिया में है।"

बाद में, डॉ. हॉजसन को मिस्टर एफ से मिलवाया गया। जी के पिता और भाई से घटना की पुष्टि करने वाले पत्र प्राप्त हुए, जैसा उन्होंने कहा था।

केस नंबर **30.**

विन्सचर केस**.**

"लगभग एक साल पहले विंसचर नाम के एक शराब बनाने वाले की पड़ोसी गांव में मृत्यु हो गई, जिसके साथ मेरे मैत्रीपूर्ण संबंध थे। उनकी मृत्यु एक छोटी बीमारी के बाद हुई, और चूंकि मैं शायद ही कभी उनकी बीमारी या उनकी मृत्यु के बारे में कुछ नहीं जानता था।

उनकी मृत्यु के दिन मैं किसान के रूप में अपने काम से थककर नौ बजे सोने चला गया। यहां मुझे ध्यान देना चाहिए कि मेरा आहार मितव्ययी प्रकार का है: बीयर और वाइन मेरे घर में दुर्लभ चीजें हैं, और हमेशा की तरह, उस रात मैंने पानी पिया। बहुत स्वस्थ शरीर होने के कारण मैं लेटते ही सो गया। सपने में मैंने मृतक को ऊंची आवाज में पुकारते हुए सुना, 'बेटा, जल्दी करो और मुझे मेरे जूते दो।'

"मैं इससे उठा, और देखा कि, हमारे बच्चे की खातिर, मेरी पत्नी ने लाइट जला रखी थी। मैंने खुशी से अपने सपने पर विचार किया, मन में सोचा कि विंसचर, जो एक अच्छे स्वभाव वाला वाला था, एक विनोदी व्यक्ति था यार, जब मैंने उसे इस सपने के बारे में बताया तो वह कैसे हँसा।

अभी भी इसके बारे में सोच रहा था, मैंने अपनी खिड़की के ठीक नीचे विंसचर की डांट की आवाज़ सुनी। मैं तुरंत सुनने के लिए बिस्तर पर बैठ गया, लेकिन उसने क्या कहा, यह समझ नहीं आया। शराब बनाने वाले को क्या चाहिए? मैंने सोचा, और मुझे यकीन था कि मैं उस पर बहुत क्रोधित था कि उसने रात में हंगामा किया, क्योंकि मैंने सोचा था कि उसके मामलों को निश्चित रूप से कल तक के लिए टाला जा सकता है।

"अचानक वह लिनन प्रेस के पीछे से कमरे में आता है, मेरी पत्नी और बच्चे के बिस्तर के पास लंबे कदमों से चलता हुआ; जैसा कि उसकी आदत है, हर समय अपनी बाहों से बेतहाशा इशारा करते हुए, वह चिल्लाता है, 'हेर ओबेरामटमैन, आप क्या कहते हैं इस बारे में? मैं आज दोपहर पांच बजे मर गया।' इस जानकारी से आश्चर्यचकित होकर मैंने कहा, 'ओह, यह सच नहीं है!' उन्होंने जवाब दिया, 'वास्तव में जैसा मैं आपको बता रहा हूं, और आप क्या सोचते हैं?'

वे मुझे मंगलवार दोपहर दो बजे ही दफना देना चाहते हैं," वह हर वक्त अपने हाव-भाव से अपनी बात पर जोर देते रहे. अपने आगंतुक के इस लंबे भाषण के दौरान मैंने यह देखने के लिए स्वयं का परीक्षण किया कि क्या मैं सचमुच जाग रहा हूँ और कोई सपना तो नहीं देख रहा हूँ।

"मैंने खुद से पूछा: क्या यह एक भ्रम है? क्या मेरा दिमाग पूरी तरह से अपनी क्षमताओं के नियंत्रण में है? हां, वहां रोशनी है, वहां जग है, वहां दर्पण है, और वहां शराब बनाने वाली मशीन है; और मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा। फिर यह विचार आया मेरे मन में, अगर वह जाग गई और हमारे शयनकक्ष में शराब बनाने वाली मशीन को देखा तो वह क्या सोचेगी? मैं अपनी पत्नी की ओर मुड़ा, और मैंने उसके चेहरे से, जो मेरी ओर था, देखा कि वह अभी भी सो रही थी, मुझे बड़ी राहत महसूस हुई बहुत पीला लग रहा था.

मैंने शराब बनाने वाले से कहा, 'हेर विंशर, हम चुपचाप बात करेंगे, ताकि मेरी पत्नी न जगे; तुम्हें यहाँ पाकर उसे बहुत बुरा लगेगा। जिस पर विन्शर ने धीमी और शांत आवाज़ में उत्तर दिया: 'डरो मत, मैं तुम्हारी पत्नी को कोई नुकसान नहीं पहुँचाऊँगा।' चीजें वास्तव में घटित होती हैं जिनके लिए हमें कोई स्पष्टीकरण नहीं मिलता - मैंने मन में सोचा, और विंसचर से कहा: 'अगर यह सच है कि आप मर चुके हैं, तो मुझे बहुत खेद है; मैं तुम्हारे बच्चों का ख्याल रखूंगा.'

विंसचर मेरे पास आया, अपनी बाहें फैलाईं, और अपने होंठ हिलाए जैसे कि वह मुझे गले लगा लेगा; तो मैंने धमकी भरे लहजे में कहा, और भौंहें सिकोड़कर उसकी ओर लगातार देखा: 'इतने करीब मत आओ, यह मुझे अप्रिय लगता है,' और उसे दूर भगाने के लिए अपना दाहिना हाथ उठाया, लेकिन इससे पहले कि मैं उसे छूता, वह भूत गायब हो गया था.

सबसे पहले मैंने अपनी पत्नी को देखा कि क्या वह अभी भी सो रही है। वह सो रही थी. मैं उठा और अपनी घड़ी की ओर देखा; बारह बजकर सात मिनट हुए थे. मेरी पत्नी जाग गई और मुझसे पूछा: 'आपने इतनी ऊंची आवाज में किससे बात की?' 'क्या तुम्हें कुछ समझ आया?' मैंने कहा था। 'नहीं,' उसने जवाब दिया और वापस सो गई।

“मैं इस अनुभव को सोसायटी फॉर साइकिकल रिसर्च के सामने प्रस्तुत कर रहा हूं, इस विश्वास के साथ कि यह टेलीपैथी के वास्तविक अस्तित्व के लिए एक नए सबूत के रूप में काम कर सकता है।

मुझे आगे बताना चाहिए कि शराब बनाने वाले की मृत्यु उस दोपहर पाँच बजे हुई, और उसे अगले मंगलवार को दो बजे दफनाया गया। "कार्ल डिग्नोविटी,

(भूमि स्वामी)

डूबो और रुको,

"दिसम्बर 12, 1889।" श्लेसियन।" एफ. डब्ल्यू. एच. मायर्स को लिखे एक पत्र में, मामले पर रिपोर्ट करने वाली फ्राउलिन श्नेलर (पीड़ित की भाभी) ने लिखा, "जर्मनी में दफनाने का सामान्य समय मृत्यु के तीन दिन बाद है। आवेदन करने पर यह समय बढ़ाया जा सकता है. इसका कोई विशेष समय तय नहीं है।”

बातचीत में फ्राउलिन श्नेलर ने अपने बहनोई को एक मजबूत व्यावहारिक समझ और बेहद सक्रिय आदतों वाला व्यक्ति बताया। एस.पी.आर. सिगिस्मंड, क्रेइस सागन के "स्टैंडेसबीमटे" से "स्टरब्यूरकुंडे" प्राप्त हुआ,

जो प्रमाणित करता है कि कार्ल विंसचर की मृत्यु शनिवार, 15 सितंबर, 1888 को शाम 4:30 बजे हुई और मंगलवार, 18 सितंबर, 1888 को दोपहर 2 बजे उन्हें दफनाया गया।

हेर डिग्नोविटी ने बाद में 18 जनवरी, 1890 को लिखा: "फ्राउ विंसचर ने मुझे बताया कि विंसचर की मृत्यु के तुरंत बाद मृत्यु-कक्ष में दफ़नाना निर्धारित किया गया था, क्योंकि दूर के रिश्तेदारों को टेलीग्राम द्वारा बुलाया जाना था। विंसचर फेफड़े अपनी बीमारी के दौरान उनके विचार बहुत अधिक थे मेरे साथ व्यस्त था, और वह अक्सर सोचता था कि अगर मुझे पता चले कि वह कितना बीमार है तो मुझे क्या कहना चाहिए।"

अंत में, फ्राउ डिग्नोविटी (जन्म श्नेलर) ने 18 जनवरी, 1890 को पॉस से लिखा: "मैं पुष्टि करता हूं कि मेरे पति ने मुझे 16 सितंबर, 1888 की सुबह बताया था कि शराब बनाने वाले विंसचर ने उन्हें उनकी मृत्यु की सूचना दी थी।"

केस नं**. 31.**

बेलास्को केस**.**

डेविड बेलास्को न्यूयॉर्क में बेलास्को थिएटर के मालिक और प्रबंधक थे, और अपने स्वयं के नाटक, द रिटर्न ऑफ पीटर ग्रिम के निर्माण के संबंध में जारी एक पुस्तिका में, उन्होंने निम्नलिखित बयान दिया: "मेरी मां ने मुझे आश्वासन दिया कि मृतक वे अपनी मृत्यु के समय मेरे पास वापस आते हैं।

एक रात, एक लंबी, थका देने वाली रिहर्सल के बाद, मैं अपने न्यूपोर्ट स्थित घर में थका हुआ बिस्तर पर सोने गया और गहरी नींद में सो गया। हालाँकि, लगभग तुरंत ही, मैं उठा और उठने का प्रयास किया, लेकिन उठ नहीं सका, और फिर अपनी प्रिय माँ (जिन्हें मैं सैन फ्रांसिस्को में जानता था) को अपने पास खड़ा देखकर बहुत चौंक गया।

जब मैंने बोलने और बैठने का प्रयास किया तो वह मेरी ओर प्यार भरी, आश्वस्त करने वाली मुस्कान के साथ मुस्कुराई, मेरा नाम बताया - वही नाम जो वह मुझे बचपन में बुलाती थी - 'डेवी, डेवी, डेवी', और फिर नीचे झुककर मुझे चूमना शुरू कर दिया। ; फिर वह थोड़ा दूर हटी और बोली, 'ऐसा मत करो, सब ठीक है और मैं खुश हूं,' फिर दरवाजे की ओर बढ़ी और गायब हो गई।

"अगले दिन मैंने अपने परिवार को घटना बताई और विश्वास व्यक्त किया कि मेरी माँ मर चुकी है। कुछ घंटों बाद (मैं अभी भी ज़ोज़ा के रिहर्सल का निर्देशन कर रहा था) मैं अपने स्टाफ के एक सदस्य के साथ ब्रेक के दौरान दोपहर का भोजन कर रहा था। जिसने मुझे कुछ दिया पत्र और तार जो वह थिएटर के बॉक्स-ऑफिस से लाया था, उनमें से एक तार भी था जिसमें मुझे बताया गया था कि पिछली रात, जब मैंने उसे कमरे में देखा था, मेरी प्यारी माँ की मृत्यु हो गई थी।

बाद में मुझे पता चला कि मरने से ठीक पहले वह उठी, मुस्कुराई और तीन बार बुदबुदाई, 'डेवी, डेवी, डेवी।' "मुझे पता है कि ऐसे अनुभवों को कुछ लोगों द्वारा 'विचार स्थानांतरण' के सिद्धांत पर समझाया जाता है, लेकिन मेरे लिए ऐसी व्याख्या पूरी तरह से अपर्याप्त है। मुझे यकीन है कि मैंने उसे देखा है। और इसी तरह के अन्य अनुभवों ने इस ज्ञान की पुष्टि की है कि जिसे हम अलौकिक कहते हैं आख़िरकार, अलौकिक से कुछ अधिक है।

फिर, इस विषय पर लंबे समय तक विचार करने के बाद, मैंने मृतकों की वापसी से संबंधित वास्तविकता के बारे में एक नाटक लिखने का निश्चय किया।"

केस नंबर **32.**

बॉयर**-**बोवर केस**.**

19 मार्च, 1917 की सुबह, आर.एफ.सी. के कैप्टन एल्ड्रेड बोवर फ्रांस के ऊपर से उड़ान भर रहे थे। गोली मार दी गई थी, वह कलकत्ता के ग्रांड होटल

में ठहरी हुई थी, इस बात से अनजान थी कि उसका भाई फ्रांस में था; वहां पहले से ही था.

18 जनवरी, 1918 को, उन्होंने अपनी माँ को लिखा: "अब मैंने आपको यह पहले कभी नहीं बताया क्योंकि मुझे डर था कि आप समझ नहीं पाएंगी। जब बच्चे का जन्म हुआ तो एल्ड्रेड बहुत चिंतित थी और मैं केवल उसके बारे में सोच सकती थी। 19 मार्च को, मैं सिलाई कर रही थी और बच्चे से बात कर रही थी; जोन (एक और बच्चा) लिविंग रूम में था और उसे लगा कि मुझे पीछे मुड़ना चाहिए और मैंने ऐसा किया ताकि मैं एल्ड्रेड को देख सकूं और वह बहुत प्यारा, शरारती लग रहा था उसके चेहरे को देखो.

मैं उसे देखकर बहुत खुश हुआ और उससे कहा कि मैं बच्चे को किसी सुरक्षित जगह पर रखूंगा, फिर हम बात करेंगे। 'यहाँ आना अच्छा होगा,' मैंने कहा, फिर से पीछे मुड़कर उसे गले लगाने और चूमने के लिए अपने हाथ आगे बढ़ाए, लेकिन एल्ड्रेड जा चुका था। मैंने उसे बुलाया और उसकी तलाश की। मैंने उसे फिर कभी नहीं देखा। पहले तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मेरा दिमाग है। फिर मैंने एक पल के लिए सोचा कि शायद उसे कुछ हो गया होगा और मेरे ऊपर एक भयानक डर छा गया।

फिर मैंने सोचा कि मैं कितना मूर्ख हूं और यह जरूर मेरा दिमाग ही चालें खेल रहा होगा। लेकिन अब मुझे पता है कि यह एल्ड्रेड था, और वह बच्चे के नामकरण के समय चर्च में हर समय वहाँ था, क्योंकि मुझे लगा कि वह वहाँ था और मुझे पता था कि वह वहाँ था, केवल मैं उसे देख नहीं सका। ... जब मैंने अपने भाई की मृत्यु के बारे में सुना, तो मैंने एक या दो महीने तक अपने भाई के बारे में जो सपना देखा था, उसके बारे में किसी को नहीं बताया। , ,

मेरे पति मेरे साथ नहीं थे, और मैंने उन्हें इस बारे में नहीं लिखा, क्योंकि वह ऐसी बातों पर विश्वास नहीं करते थे।" 5 जून, 1918 को, कैप्टन बोवर-बोवर की बहन, श्रीमती चेटर ने लिखा: "। , , एक सुबह जब मैं बिस्तर पर ही था, लगभग 9:15 बजे, वह (बच्चा) मेरे कमरे में आया और बोला, 'अंकल एली-बॉय नीचे हैं।'

हालाँकि मैंने उसे बताया कि वह फ़्रांस में था, उसने ज़ोर देकर कहा कि उसने उसे देखा है। उस दिन बाद में मैं अपनी माँ को पत्र लिख रहा था और मैंने इसका उल्लेख किया, इसलिए नहीं कि मैंने इसके बारे में बहुत सोचा,

बल्कि यह दिखाने के लिए कि बेटी अभी भी अपने चाचा के बारे में सोचती और बात करती थी, जिनसे वह मुझसे बहुत प्यार करती थी।

कुछ दिन बाद हमें पता चला कि जिस तारीख को मेरा भाई गायब था, वह मेरी चिट्ठी की तारीख थी. यह पत्र तब से नष्ट कर दिया गया है।" "एली-बॉय" बचपन से ही कैप्टन बोयर-बोवर का पसंदीदा नाम था, और उनकी भतीजी बेट्टी उस समय केवल तीन साल से थोड़ी कम थी।

कैप्टन बोयर-बोवर की मां ने लिखा: "श्रीमती वॉटसन, एक बुजुर्ग महिला, जिन्हें मैं कई वर्षों से जानता हूं, ने अठारह महीने तक मेरे साथ पत्र-व्यवहार न करने के बाद, 19 मार्च की दोपहर को मुझे लिखा और कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि वह लिखना चाहिए क्योंकि वह सोचती है कि मैं एल्ड्रेड के बारे में बहुत चिंतित हूं... और मैंने अपने उत्तर में उससे पूछा कि वह एल्ड्रेड के बारे में क्या महसूस करती है, और उसने इस आशय का उत्तर दिया: जिस दिन उसने लिखा था उस दोपहर, चाय के समय के बारे में, उसके पास एक निश्चित था और भयानक अहसास हुआ कि वह मारा गया है।"

दो सप्ताह बाद, 19 मार्च, 1917 को, श्रीमती स्पीयरमैन ने अखबार में अपने भाई का नाम "लापता सूची" में देखा। हालाँकि, उनकी माँ को 23 मार्च, 1917 को सूचना मिली कि उन्हें आधिकारिक तौर पर लापता घोषित कर दिया गया है, लेकिन उनकी मृत्यु का पता 10 मई, 1917 तक नहीं चला, जब उनका शव मिला।

केस नं. **33.**

शंक मामला**.**

अमेरिकी सैन्य अकादमी के पूर्व प्रोफेसर, कर्नल सी.डी.डब्ल्यू. विलकॉक्स ने डॉ. वाल्टर एफ. से विवाह किया। प्रिंस ने लिखा: "एक दिन (लगभग 1900), बोस्टन हार्बर में फोर्ट वॉरेन में तैनात दूसरी आर्टिलरी (मेरी पुरानी रेजिमेंट) के कैप्टन ए.डी. शंक की पत्नी श्रीमती ए.डी. शंक ग्यारह बजे रो

पड़ीं सुबह उन्होंने कहा, उन्होंने अपने बेटे को फिलीपींस में युद्ध में मरते देखा है, जहां वह जवान विद्रोह के दौरान सेवा कर रहा था।

उसके परिवार या दोस्तों का कोई भी प्रयास उसे शांत नहीं कर सका। बाद में युद्ध विभाग से एक टेलीग्राम आया जिसमें खबर थी कि युवक मारा गया है और देशांतर के अंतर को ध्यान में रखते हुए, यह पाया गया कि दिया गया समय श्रीमती शेंक की उपस्थिति के समय से मेल खाता है। मैंने यहां जो कुछ दिया है वह मेरी उस स्मृति का है जिसे हम सभी एक उल्लेखनीय घटना मानते थे।"

डॉ. प्रिंस ने वाशिंगटन डी.सी. का दौरा किया, श्रीमती शेंक की बेटी श्रीमती चार्ल्स सी. स्मिथ का पता प्राप्त किया, जिन्होंने इस गवाही के साथ इसकी पुष्टि की: "मेरी मां एक सुबह टाइबी द्वीप पर सवाना के बाहर, फोर्ट स्क्रेवेन, जॉर्जिया में सिलाई कर रही थीं। वह वह कुर्सी से उठी और थोड़ा रोई, क्योंकि उसने कहा, 'ओह, मैंने तुम्हारे भाई को गायब होते देखा क्योंकि वह पीछे की ओर गिर गया था।'

"वह पूरे दिन बेचैन रही, न ही हम उसकी चिंता को शांत कर सके। जब शाम के अखबार आए, तो उन्होंने फिलीपींस में संघर्ष के बारे में बताया, और हमने उनसे कागजात छुपाए। अगली सुबह (मेरी स्क्रैप-बुक से कॉपी की गई) यह नोटिस सामने आया : 'लेफ्टिनेंट शेंक के नेतृत्व में अमेरिकियों की एक स्काउटिंग पार्टी पर फिलिपिनो घात लगाकर हमला किया गया।

चार लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए. उसके बाद, जनरल ओटिस की रिपोर्ट आने तक अधिक पुष्ट रिपोर्टें जारी रहीं: 'पच्चीसवीं इन्फैंट्री, 29 जनवरी, 1900, सुबिग, लूजोन के पास, प्रथम लेफ्टिनेंट विलियम टी. शेंक की हत्या कर दी गई।' "यह लगभग वही समय और दिन था जब मेरी मां को उनकी दिवंगत उपस्थिति महसूस हुई। मेरी मां हमेशा अपने छह बच्चों में से एक के बहुत करीब थीं, जिसका बाद में युद्ध में बहादुरी के लिए मरणोपरांत उल्लेख किया गया।" एलिजाबेथ शेंक स्मिथ।"

डॉ. प्रिंस ने युद्ध विभाग में आवेदन किया, जिसने लेफ्टिनेंट शेंक की मृत्यु की तारीख की पुष्टि की - लेकिन घंटे की नहीं। घटना का स्थान फोर्ट वॉरेन में नहीं था, जैसा कि कर्नल विलकॉक्स ने कहा था, बल्कि फोर्ट स्क्रेवेन में था। यह त्रुटि घटना की मानसिक उत्पत्ति से अलग है, और इसे समझना

आसान है, जब यह पता चला कि कैप्टन शेंक 1897-98 में फोर्ट वॉरेन में तैनात थे, और वहां से फोर्ट स्क्रेवेन चले गए।

और भी अधिक जब, जैसा कि कर्नल विलकॉक्स ने बाद में लिखा, यह पता चला कि उनका मुखबिर, उनका और कैप्टन शेंक का एक भाई अधिकारी, फोर्ट वॉरेन में भी था।

केस**-34.**

बायर्स केस**.**

यह मामला वाशिंगटन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर होरेस जी द्वारा लिखा गया था। बायर्स, पीएच.डी., एल.एल.डी. जिन्होंने इस प्रकार लिखा: "हमारे पहले बच्चे के जन्म से लगभग तीन दिन पहले मेरी पत्नी बहुत घबराई हुई और संवेदनशील स्थिति में थी।

वह अचानक बिस्तर पर बैठ गई और 'दादी' कहकर मुझे जगाया। हम उस समय सिएटल में रहते थे, और मेरी पत्नी की दादी, जिनके द्वारा उसका पालन-पोषण किया गया था, शिकागो में थीं। मैंने पूछा कि उत्तेजना का कारण क्या था और मुझे बताया गया कि उसकी दादी बिस्तर के किनारे खड़ी थी और उसे ध्यान से देख रही थी। ऐसा सपना शायद कोई उल्लेखनीय बात नहीं है, लेकिन सच तो यह है कि अगली सुबह मुझे एक टेलीग्राम मिला जिसमें बताया गया कि दादी की पिछली रात मृत्यु हो गई थी।

उपरोक्त तथ्य केवल तथ्य हैं। मैं इस घटना को एक अजीब संयोग या दो संवेदनशील दिमागों के बीच टेलीपैथी के लंबी दूरी के उदाहरण के अलावा और कुछ नहीं समझा सकता। मेरे पास मृत्यु के घंटों या दृष्टि के संबंध में कोई सटीक डेटा नहीं है।" अनुरोध पर, प्रोफेसर बायर्स की पत्नी ने भी 14 मार्च, 1929 को लिखा: "मि. बायर्स ने मुझसे अपने अनुभव का अपना संस्करण जोड़ने के लिए कहा है, जिसे हमने हमेशा महसूस किया है, मानसिक टेलीपैथी।

“परिचय के तौर पर, कृपया मुझे यह कहने दीजिए कि मैं इकलौती पोती थी और जब से मुझे याद है, मैं अपनी दादी के साथ रहती हूँ; और जब मेरी मां की मृत्यु हो गई, तो मेरी दादी ने मेरी देखभाल की जिम्मेदारी संभाली। मुझे विश्वास और ज़िम्मेदारी की एक मजबूत भावना महसूस हुई, क्योंकि यह मेरी और मेरी माँ की अपनी इच्छा थी, जो उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले एक बातचीत के बाद व्यक्त की गई थी, कि मुझे उनके साथ रहना जारी रखना चाहिए।

इसके अलावा, तारीख बताना आसान था, क्योंकि यह वह रात थी जब वह, मेरी दादी, मेरी सबसे बड़ी बेटी के जन्म से तीन दिन पहले मर गईं। "यह 2 जून की रात थी, शायद 3 जून, 1904 की सुबह, क्योंकि मुझे याद नहीं है कि मैंने उस समय देखा था। मेरी दादी बीमार थीं और कुछ हफ्तों से शिकागो के सेंट ल्यूक अस्पताल में भर्ती थीं। मुझे लगा कि मैं उसके साथ रहना चाहता था, लेकिन परिस्थितियों के कारण, वह जानता था और मैं जानता था कि यह असंभव था।

वैसे भी, मुझे एहसास नहीं था कि वह कितनी बीमार थी। मैं इतना जाग गया था कि मुझे एहसास हुआ कि वह मेरे ऊपर झुक रही थी, कुछ समय से वहाँ थी, मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रही थी। मैंने एक आकृति देखी, लेकिन अंधेरा होने के कारण उसे देख नहीं सका, लेकिन मुझे पता था कि यह वही थी और वह मुझसे कुछ कहना या पूछना चाहती थी। मैंने अपना हाथ उसकी गर्दन के चारों ओर लपेटने के लिए उठाया, और किसी भी भौतिक उपस्थिति की अनुपस्थिति ने मुझे चौंका दिया।

मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं डर के कारण चौंक गया था, बल्कि यह हताशा के कारण था, क्योंकि मुझे हमेशा ऐसा लगता था जैसे वह मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रही थी। "मुझे नहीं लगता कि यह वह थी और वह मुझसे कुछ कहना या पूछना चाहती थी। मुझे मेरी दादी की मृत्यु का समय पता है। हमें 3 जून की दोपहर को सिएटल में टेलीग्राम मिला। लेकिन मेरे पति ने मुझे उनकी मृत्यु के बारे में बताया फिर कई सप्ताह बाद तक नहीं बताया गया, जब 'दृष्टि' पर विचार करते हुए, मैंने अपने पति से पूछा कि क्या उनकी मृत्यु की रात ऐसा हुआ था, और उन्होंने तुरंत बहुत ही निश्चित उत्तर दिया, जैसे कि वे दोनों इसके बारे में सोच रहे हों चीजें एक साथ।"

प्रश्नों के उत्तर में प्रोफेसर बायर्स ने कहा कि उनकी पत्नी को यह अनुभव 3 जून की सुबह 3 बजे हुआ था, यह निश्चित रूप से एक सपना नहीं था,

बल्कि जागते समय एक "दर्शन" था, और जहाँ तक वह जानते थे, , कभी नहीं और न ही किसी अन्य समय वह इसी तरह की किसी धारणा के कारण रात में चिल्लाई थी। प्रोफेसर बायर्स के अनुसार, टेलीग्राम अगली सुबह आ गया; श्रीमती बायर्स के अनुसार, अगली दोपहर। लेकिन वे स्पष्ट हैं कि, किसी भी कीमत पर, यह अगले दिन आया, और दादी की मृत्यु उसी रात हुई जिस रात वह सपना देखा था।

वह बूढ़ी थी - सत्तर साल की - और कई हफ्तों से अस्पताल में थी और उसके गंभीर रूप से बीमार होने की जानकारी नहीं थी; उनकी मृत्यु अप्रत्याशित थी.

केस नंबर **35.**

मैककोनेल केस**.**

इस मामले में, उदाहरण के लिए, यह देखा जाएगा कि मृत्यु और प्रेत के बीच समय का पत्राचार आर.एफ.सी. है। (आर.ए.एफ.) को कई सक्षम गवाहों द्वारा अच्छी तरह से प्रमाणित किया गया है।

7 दिसंबर, 1918 को अपराह्न 3:25 बजे, लेफ्टिनेंट डेविड मैककोनेल की मृत्यु हो गई जब उनकी मशीन स्कैम्पटन, लाइन्स से टैडकास्टर के लिए उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना देखी गई, और उसकी घड़ी, जो अपराह्न 3:25 पर बंद हो गई थी, ने सटीक समय निर्धारित किया।

11 दिसंबर को उनके अंतिम संस्कार में, उनके पिता ने सुना कि स्कैम्पटन में उनके एक दोस्त लेफ्टिनेंट लार्किन ने दुर्घटना के समय उनके बारे में एक सपना देखा था, उन्होंने उन्हें एक पत्र लिखा, जिसका उन्होंने उत्तर दिया: "डेविड [मैककोनेल], अपने उड़ने वाले कपड़ों में, मशीन गन अभ्यास के लिए मशीन को 'एरियल रेंज' में ले जाने के इरादे से लगभग 11 बजे हैंगर में गया, वह 11:30 बजे फिर से कमरे में आया और मुझे बताया कि वह नहीं गया रेंज में जाओ, बल्कि वह 'ऊंट' को टैडकास्टर ड्रोम में ले जा रहा था।

उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि मैं चाय के समय तक वापस आ जाऊंगा।" फाड़ना।' वह बाहर गया और आधे मिनट के बाद खिड़की पर दस्तक दी और मुझसे अपना नक्शा देने को कहा, जो वह भूल गया था। दोपहर के भोजन के बाद, मैंने दोपहर का समय चूल्हे की आग के सामने बैठकर लिखने और पत्र पढ़ने में बिताया। [अपसामान्य में किसी भी पूर्व विश्वास को अस्वीकार करने के बाद, उन्होंने जारी रखा] जैसा कि मैंने कहा था, मैं आग के सामने बैठा था, कमरे का दरवाजा मेरी पीठ पर था, लगभग आठ फीट की दूरी पर। मैंने गलियारे में किसी को चलते हुए सुना;

दरवाज़ा उस सामान्य शोर और खड़खड़ाहट के साथ खुला जो डेविड हमेशा करता था; मैंने उसका 'हैलो, लड़के!' सुना। सुनी और मैं अपनी कुर्सी पर आधे-आधे मुड़े और देखा कि वह दरवाजे पर खड़ा है, आधा कमरे के अंदर और आधा कमरे के बाहर, दरवाज़े का कुंडा हाथ में पकड़े हुए। उसने पूरे उड़ने वाले कपड़े पहने हुए थे, लेकिन नेवी कैप के साथ, उसके रूप में कुछ भी असामान्य नहीं था।

उसकी टोपी उसके सिर पर पीछे की ओर खिसकी हुई थी और वह मुस्कुरा रहा था, जैसा कि वह हमेशा तब करता था जब वह कमरे में आया और हमारा स्वागत किया। उसका 'हैलो, लड़का!' जवाब में मैंने टिप्पणी की, 'हैलो! क्या आप वापस आ रहे हैं?' उन्होंने जवाब दिया, 'हां, हम सुरक्षित पहुंच गए, यात्रा अच्छी रही.' मुझे ठीक से नहीं पता कि उन्होंने किन शब्दों का इस्तेमाल किया, लेकिन उन्होंने कहा, 'यह एक अच्छी यात्रा थी' या 'यह एक शानदार यात्रा थी' या ऐसा ही कुछ। जब वह बोलता रहा तो मैं उसे देखता रहा।

उसने कहा, 'अच्छा, चीयर्स!' उसने शोर मचाते हुए दरवाजा बंद किया और बाहर चला गया। मैंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और सोचा कि वह शायद दूसरे कमरे में अपने दोस्तों से मिलने गया होगा या अपने कुछ फ्लाइंग गियर, हेलमेट, चश्मे आदि के लिए हैंगर में वापस चला गया होगा, जिसे वह भूल गया होगा। मेरे पास कोई घड़ी नहीं थी, इसलिए समय के बारे में निश्चित नहीं था, लेकिन मुझे यकीन था कि यह सवा तीन से साढ़े तीन बजे के बीच था, क्योंकि कुछ ही देर बाद लेफ्टिनेंट गार्नर-स्मिथ कमरे में आए और तब सवा चार बज रहे थे। रह रहा था।

उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैक (डेविड) जल्द ही वापस आएंगे, हम आज शाम लिंकन जा रहे हैं।' मैंने उत्तर दिया, 'वह वापस आ गया है, वह

कुछ मिनट पहले कमरे में था।' उसने कहा, 'क्या वह चाय पी रहा है?' और मैंने उत्तर दिया कि मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि उसने (मैक) अपने कपड़े नहीं बदले हैं, लेकिन वह शायद दूसरे कमरे में है। इसके बाद गार्नर-स्मिथ ने कहा, 'मैं उसे ढूंढने की कोशिश करूंगा।'

फिर मैं कमरे में गया, चाय पी और फिर कपड़े पहन कर लिंकन के पास गया। एल्बियन होटल के धूम्रपान कक्ष में मैंने अधिकारियों के एक समूह को बात करते हुए सुना, और उनकी बातचीत और 'क्रैश', 'टैडकास्टर' और 'मैककोनेल' शब्द भी सुने। मैं उनके साथ शामिल हो गया, और उन्होंने मुझे बताया कि स्कैम्पटन छोड़ने से ठीक पहले, खबर आई थी कि मैककोनेल 'ऊंट' को टैडकास्टर ले जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गए और मारे गए।

उस समय मुझे विश्वास नहीं हुआ कि टैडकास्टर यात्रा के दौरान उनकी हत्या कर दी गई थी। मेरी धारणा यह थी कि मेरे उसे देखने के बाद वह फिर से ऊपर चला गया था, क्योंकि मुझे यकीन था कि मैं 3:30 बजे ऊपर गया था। स्वाभाविक रूप से मैं कुछ और निश्चित सुनने के लिए उत्सुक था, और बाद में शाम को मैंने सुना कि टैडकास्टर यात्रा के दौरान उसकी हत्या कर दी गई थी। , ,

"उनकी बातचीत के विवरण की पुष्टि लेफ्टिनेंट गार्नर-स्मिथ ने की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह 3:45 बजे हुई थी, और एक अन्य अधिकारी ने लिखा कि लेफ्टिनेंट लार्किन ने उन्हें अगली सुबह घटना के बारे में बताया।" "नेवी कैप" का उल्लेख - एक महत्वपूर्ण विवरण - श्री मैककोनेल द्वारा समझाया गया है: "मेरे बेटे डेविड को पिछली सेवा के साथ अपने संबंध पर गर्व था। नौसेना उड़ान सेवा की पूरी किट होने के कारण, वह हवाई अड्डे के चारों ओर हमेशा नौसेना उड़ान वर्दी पहनते थे और ड्रोम में केवल तीन लोगों में से एक थे जिन्होंने प्रवेश करने के लिए समान पाठ्यक्रम का पालन किया था। , ,

लेफ्टिनेंट लार्किन को उस आदमी की पहचान के बारे में कोई संदेह नहीं था जिसे उन्होंने देखा था, और बाद में लिखा था कि जिस कमरे में वह बैठा था वह छोटा था; बिजली का चूल्हा जल रहा था और खुले चूल्हे में अच्छी आग भी जल रही थी। "मैं बता सकता हूं कि रोशनी विशेष रूप से अच्छी और उज्ज्वल थी, और कमरे में कोई छाया या आधी छाया नहीं थी।" ,

इस मामले में, डब्ल्यू. एच. साल्टर ने इस सिद्धांत को सामने रखा कि लंबी उड़ान से थके हुए लेफ्टिनेंट मैककोनेल को शायद पता नहीं था कि वे दुर्घटनाग्रस्त हो रहे थे, लेकिन उन्होंने कल्पना की होगी कि वे सुरक्षित रूप से टैडकास्टर तक पहुंच गए थे और स्कैम्पटन लौट आए थे। आ गए हैं।

केस नं. **36.**

रेन्हम हॉल मामला**.**

यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे जुड़े लोगों को मानसिक अनुसंधान की किसी भी शाखा में कोई रुचि नहीं थी और घटना के समय उनके मन में भूत-प्रेत के बारे में कोई विचार नहीं था। यह घटना तब घटी जब कैप्टन प्रोवांड, कला निर्देशक और श्री इंद्रे शिरा, इंद्रे शिरा लिमिटेड, कोर्ट फ़ोटोग्राफ़र, 49 डोवर स्ट्रीट, पिकाडिली, लंदन, डब्ल्यू.आई. की फर्म, अपने नियमित काम के हिस्से के रूप में और किसी विशेष परिस्थिति में नहीं, बल्कि टाउनशेंड के मार्क्वेस की सीट, रेनहैम हॉल, नॉरफ़ॉक की तस्वीरें ले रहे थे।

लेडी टाउनशेंड ने उन्हें पूरी जगह की तस्वीरें खींचने का काम सौंपा था। 19 सितंबर, 1936 को सुबह आठ बजे के तुरंत बाद, उन्होंने मैदान और घर की बड़ी संख्या में तस्वीरें लेना शुरू कर दिया और दोपहर चार बजे तक वह ओक सीढ़ियों की तस्वीर लेने के लिए तैयार थे। कैप्टन प्रोवांड ने सीढ़ियों की एक तस्वीर ली, जबकि मिस्टर शिर्रा ने लाइट जलाई और जैसे ही कैप्टन दूसरे एक्सपोज़र के लिए ध्यान केंद्रित कर रहे थे, मिस्टर शिर्रा - हाथ में टॉर्च पिस्तौल - कैमरे के पीछे उनके बगल में खड़े थे, सीढ़ियों की ओर देख रहे थे। थे।

"एक अलौकिक कफन" को सीढ़ियों से धीरे-धीरे नीचे जाते हुए देखकर, वह उत्साह से चिल्लाया, "जल्दी! जल्दी! वहाँ कुछ है! क्या आप तैयार हैं?" कैप्टन ने "हाँ" का उत्तर देते हुए लेंस से टोपी हटा दी और श्री शिरा ने साशा बल्ब द्वारा संचालित टॉर्च पिस्तौल को एक सेकंड के पचासवें हिस्से की गति से दबाया।

कैप्टन प्रोवांड मिस्टर शिरा के व्यवहार से आश्चर्यचकित हुए और उन्होंने अपने सिर से ध्यान हटाने योग्य कपड़ा हटाकर पूछा, "इतनी उत्तेजना का कारण क्या है?" श्री शिरा ने उत्तर दिया कि उन्होंने सीढ़ियों से उतरते हुए एक पारदर्शी आकृति को स्पष्ट रूप से देखा था, जिसके माध्यम से सीढ़ियों को देखा जा सकता था। कप्तान हँसा और बोला कि वह अवश्य ही कल्पना कर रहा होगा, क्योंकि अब कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है; लेकिन श्री शिरा ने कहा कि उन्होंने एक बहुत ही वास्तविक अलौकिक दृश्य देखा है।

लंदन वापस जाते समय उन्होंने इस घटना पर बार-बार बहस की और चर्चा की, कैप्टन प्रोवांड ने कहा कि सेशन रूम के बाहर एक वास्तविक भूत की तस्वीर प्राप्त करना असंभव था - ऐसा नहीं है कि उन्हें उस तरह का अनुभव हुआ था - और वह वसीयत करेंगे। एक कोर्ट फ़ोटोग्राफ़र के रूप में उनकी प्रतिष्ठा दाँव पर थी।

उनके बयान पर तीस साल के अनुभव वाले एक पत्रकार ने टिप्पणी की. श्री शिरा ने स्वीकार किया कि उनके पास फोटोग्राफी में कैप्टन प्रोवन के समान कौशल और ज्ञान नहीं था, न ही उन्हें मानसिक फोटोग्राफी में कोई दिलचस्पी थी, लेकिन उन्होंने दृढ़ता से पुष्टि की कि उन्होंने सीढ़ियों पर एक आकृति देखी थी जो कैमरे के सामने आई थी। मानसिक क्षण. लेंस द्वारा पकड़ लिया गया होगा.

जैसा कि अन्य लोगों ने किया है जब दोनों पक्ष अड़े रहे, उन्होंने इस पर शर्त लगाने का फैसला किया और हाथ मिलाते हुए प्रत्येक पर 5/5 की शर्त लगाने पर सहमत हुए। वे अंधेरे कमरे में एक साथ थे क्योंकि एक के बाद एक नकारात्मक बातें विकसित हो रही थीं। अचानक कैप्टन प्रोवांड ने कहा, "हे भगवान, आख़िरकार सीढ़ियों पर एक नकारात्मक चीज़ है!" श्री शिरा ने देखा और एक तीसरे पक्ष को गवाह के रूप में बुलाने का फैसला किया, श्री बेंजामिन जोन्स, ब्लेक, सैंडफोर्ड और ब्लेक के प्रबंधक, रसायनज्ञ जिनके परिसर नीचे थे।

मिस्टर जोन्स, डेवलपर से नकारात्मक को हटाते हुए और हाइपो बाथ में डालते हुए देखने के लिए समय पर पहुंचे, उन्होंने घोषणा की कि यदि उन्होंने वास्तव में नकारात्मक को ठीक होते नहीं देखा होता तो वे बाद वाली तस्वीर को वास्तविक नहीं मानते। श्री जोन्स कुछ अनुभव के साथ एक शौकिया फोटोग्राफर थे और अक्सर अपनी प्लेटें और फिल्में स्वयं बनाते थे। श्री शिर्रा ने अपना लेख इस प्रकार समाप्त किया: "मिस्टर जोन्स, कैप्टन प्रोवांड और मैं इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि नकारात्मक

को किसी भी तरह से संशोधित नहीं किया गया है। कई विशेषज्ञों द्वारा इसकी आलोचनात्मक जांच की गई है।

भूतिया आकृति के प्रकट होने का कारण कोई नहीं बता सकता। लेकिन यह वहां बिल्कुल स्पष्ट है - और मैं अभी भी उस £5 भुगतान की प्रतीक्षा कर रहा हूं! "इंद्र शिरा।" कंट्री लाइफ के संपादक ने श्री हैरी प्राइस को आलोचना के लिए तस्वीर सौंपी, जिन्होंने नकारात्मक की जांच की और फोटोग्राफरों से जिरह की, लेकिन उनके बयानों में कोई बदलाव नहीं किया जा सका। "मैं उनकी कहानी का खंडन नहीं कर सका," श्री प्राइस ने लिखा, "और मुझे उन पर अविश्वास करने का कोई अधिकार नहीं था। यदि तस्वीर नकली है तो केवल दो लोगों के बीच मिलीभगत से एक 'भूत' तस्वीर को पहचाना जा सकता है। हो सकता है।

नकारात्मक में किसी भी प्रकार की कोई जालसाजी नहीं की गई है। (16 दिसंबर, 1936), पृष्ठ 673। यह सर्वाइविंग डेथ तस्वीर 7% इंच x 6% इंच है।

श्री शिर्रा ने अपने विवरण में जरा भी अतिशयोक्ति नहीं की है: यह एक निश्चित मानव आकृति है जो सफेद कपड़े पहने नन से भिन्न नहीं है, उसका चेहरा, हाथ और पैर दिखाई नहीं दे रहे हैं, हालांकि पोशाक की तहें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। देखा जा सकता है और आकाशीय रूप से सीढ़ियाँ दिखाई देती हैं। [केस संख्या 22, पृष्ठ 54 देखें।]

केस नंबर **37.**

द ग्रेट डनमो केस**.**

यह दुर्लभ है कि किसी को भूत के बारे में वास्तव में प्रथम श्रेणी की कहानी मिलती है। मेरे संदेहवादी दोस्त हमेशा कहते हैं कि लोग ऐसी चीज़ों के बारे में बहुत खुलकर बात करते हैं, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढना हमेशा मुश्किल होता है जिसने वास्तव में इसका अनुभव किया हो।

मैं व्यक्तिगत रूप से कई ऐसे लोगों को जानता हूं जिनके समान अनुभव हुए हैं, लेकिन मुझे भूत दिखने का कोई ऐसा विवरण नहीं मिला जो उतना निर्णायक हो जितना मैं बताने जा रहा हूं। मेरे घर से कुछ मील की दूरी पर, ग्रेट डन मो के बाजार शहर के पास, एक महिला रहती थी, जिसने एक शाम (सोमवार, 5 दिसंबर, 1938) अपने पति को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मार ली।

उस समय वे दोनों घर में अकेले थे, और अगली सुबह 7:45 बजे तक उनका पता नहीं चला, जब नौकर, जो दिन में आया था, बगीचे में महिला का शव देखने के लिए घर पहुंचा। उसने तुरंत पुलिस को सूचित किया, जो 8:30 बजे एक डॉक्टर के साथ घटनास्थल पर थे, जिन्होंने प्रमाणित किया कि वे दोनों पिछली शाम से मर चुके थे।

रेडियो भी बंद नहीं किया गया था. इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि इन दोनों लोगों की मौत सुबह 8:30 बजे हुई थी. एक पति और पत्नी, दोनों मेरे दोस्त (जो अपना नाम नहीं बताना चाहते थे) ने मुझे निम्नलिखित जानकारी दी: खोज की सुबह, वे 9:30 बजे की ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन जा रहे थे। वे रात करीब 9:20 बजे उस घर से गुजरे जहां हादसा हुआ था।

जैसे ही वे घर के पास पहुंचे, उन्होंने उस महिला को फुटपाथ पर उनकी ओर आते देखा जिसने खुद को गोली मारी थी। सबसे पहले उसे कार चला रहे आदमी ने देखा, जिसने बगल में बैठी अपनी पत्नी से कहा, "ओह, वहाँ श्रीमती हैं। उसे देखकर मुझे डर लगता है।" उसकी पत्नी ने उत्तर दिया, "ओह, ऐसा ही है," क्योंकि उसने भी इसे देखा था।

जब वे गुज़रे तो वह पहचानने के लिए मुस्कुराया, हालाँकि उसे याद नहीं कि उसने प्रतिक्रिया दी या नहीं। उन्होंने इस मामले के बारे में और कुछ नहीं सोचा और लंदन में पूरा दिन बिताने के बाद घर लौटने पर उन्होंने एक शाम का अखबार खरीदा जिसमें उन्होंने इस त्रासदी की कहानी पढ़ी। यह पहली बार था जब उन्होंने इसके बारे में सुना था और मेरा दोस्त घर लौटने पर पुलिस के पास गया और उन्हें बताया कि बताए गए समय पर महिला की मृत्यु नहीं हो सकती थी।

क्योंकि उन्होंने और उनकी पत्नी ने उन्हें 9:20 पर देखा था. हालाँकि, पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे उस सुबह 8:30 बजे घर पर आए थे, और डॉक्टर ने प्रमाणित किया था कि जिस महिला को उन्होंने देखा था वह पिछली शाम को मर गई थी। मेरे दोस्तों ने मुझे ऐसी कहानी सुनाई,

जिसके तथ्यों पर दोनों सहमत हैं. उन्हें ज़रा भी संदेह नहीं था कि जिस महिला को उन्होंने देखा था वह श्रीमती थी जिसने पिछली शाम अपने पति और फिर खुद को मार डाला था।

उसकी पोशाक में ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे मेरे दोस्तों को आश्चर्य हो, और जब मैंने पूछा कि क्या वह खुश या उदास लग रही थी तो मुझे बताया गया, "वह हमेशा की तरह वैसी ही दिख रही थी।" मृत्यु के समय के बारे में ये सभी विवरण जांच में सामने आए और स्थानीय समाचार पत्र में पाए गए। यह एक दिलचस्प मामला है, क्योंकि जब मेरे दोस्तों ने भूत देखा तो उन्हें नहीं पता था कि महिला मर गई है और केवल सात घंटे बाद उन्हें पता चला कि जिस महिला को उन्होंने सुबह फुटपाथ पर चलते देखा था, वह पिछली शाम को मर गई थी। यह किया गया था.

क्योंकि वे ट्रेन से यात्रा कर रहे थे, उन्हें पता था कि उन्होंने उसे किस समय देखा था और पुलिस और डॉक्टर यह प्रमाणित करने में सक्षम थे कि जब वे एक घंटे पहले घर पहुंचे तो महिला मर चुकी थी। मेरे दोनों दोस्तों ने भूत देखा और उन्हें पूरा यकीन है कि यह मृत महिला श्रीमती थीं। इस प्रकार हमारे पास दो गवाह हैं जिन्होंने एक ही समय में भूत देखा, जो सबूत को काफी मजबूत करता है।

मैं कल्पना नहीं कर सकता कि टेलीपैथी को यहां स्पष्टीकरण के रूप में लाया जा सकता है। दोनों गवाह विश्वसनीय हैं और उन पर भरोसा किया जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब उन्होंने महिला को देखा तो वह मर चुकी थी, इसलिए यहां हमारे पास मृत्यु के बाद किसी व्यक्ति को देखने का एक और उदाहरण है।

यह कई युगों से एकत्रित साक्ष्यों के पहाड़ में एक और पत्थर है, और यह साबित करता है कि पृथ्वी पर हमें समय-समय पर अन्य दुनिया के निवासियों की झलक मिलती रहती है। मेरा मानना है कि आदिमानव के समय से ही सभी धर्मों का कारण भूतों का प्रकट होना रहा है।

अध्याय 4

मृत्यु शय्या दर्शन

भौतिक घटनाओं का यह वर्ग - कई मरते हुए व्यक्तियों को मृत मित्रों के कथित दर्शन, जिनमें से कुछ की मृत्यु उनके लिए अज्ञात है - सबसे अधिक ध्यान देने योग्य है, और ऐसे मामले, यदि तथ्यों के रूप में पर्याप्त हैं और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हैं, तो उनके पास है जबरदस्त वैज्ञानिक महत्व. यह मान लेना स्वाभाविक होगा कि मृत्यु संकटों में अक्सर सभी प्रकार के मतिभ्रम होते हैं और उन्हें ऐसे ही खारिज किया जा सकता है, लेकिन जब हम पाते हैं कि मरने वाले व्यक्ति असाधारण जानकारी देते हैं जिसे टेलीपैथी द्वारा नहीं बताया जा सकता है या संयोग से जाना जा सकता है, तो यह स्पष्ट है कि यह तथ्य विशेष महत्व रखता है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद मानव व्यक्तित्व के अस्तित्व के सिद्धांत को सबसे मजबूत समर्थन देता है।

यह खेदजनक है कि यह अत्यंत दुर्लभ प्रकार की घटना है, परंतु इस प्रकृति के मामलों को आदेश के अनुसार प्रस्तुत नहीं किया जा सकता; हम उन्हें तभी स्वीकार कर सकते हैं जब वे घटित हों। निस्संदेह, पारिवारिक दायरे में ऐसे अनगिनत उदाहरण छिपे हैं जो कभी सामने नहीं आए; हर कोई ऐसी पवित्र चीजों को ठंडी और संदिग्ध दुनिया में प्रदर्शित करने की जल्दी में नहीं है, सच्चाई के कारण भी नहीं।

प्रोफेसर चार्ल्स रिचेट, जिन्होंने अपने जीवन के अंत तक उत्तरजीवितावादी सिद्धांत का विरोध किया, ने कहा कि जब मृत्यु-शैया के दर्शन के मामले उनके ध्यान में आए, खासकर जब एक छोटा बच्चा शामिल था, तो उन्हें उत्तरजीवितावादी सिद्धांत के प्रति आश्वस्त किया गया। मना करना असहज लगा. उन्होंने महसूस किया कि यह मानसिक अनुसंधान के विशाल क्षेत्र में सबसे शुद्ध प्रकार की घटना थी।

द पी इन डेरियन में मिस फ्रांसिस पावर कोबे ने ऐसे मामलों का अच्छी तरह से वर्णन किया है जब मृत दोस्त एक नए आगंतुक का स्वागत करने आते हैं: "मरने वाला आदमी चुपचाप लेटा होता है, जब अचानक, मरने की

क्रिया में, वह ऊपर देखता है - कभी-कभी बिस्तर पर बैठ जाता है - और खाली जगह को देखता है, आश्चर्य की अभिव्यक्ति कभी-कभी खुशी में बदल जाती है, और कभी-कभी गहन आश्चर्य और आश्चर्य की पहली भावना में समाप्त होती है।

यदि कोई मरता हुआ व्यक्ति कोई अप्रत्याशित लेकिन तुरंत पहचानने योग्य दृश्य देखता है जिससे उसे बहुत आश्चर्य या खुशी होती है, तो उसका चेहरा इस तथ्य को बेहतर ढंग से प्रकट नहीं कर सकता है।

यह घटना घटित होती है, मृत्यु वास्तव में घटित हो रही होती है, और किसी अज्ञात दृश्य को देखते समय भी आँखें चमक उठती हैं।" मृत्यु-शैया के दृश्यों की एक अनूठी विशेषता पर ध्यान दिया जाना चाहिए, और वह यह है कि मरने वाला व्यक्ति केवल उन लोगों को देखने का दावा करता है जो मर चुके हैं। उसके सामने, जबकि यदि मतिभ्रम काम कर रहा होता, तो वह यह भी कल्पना कर सकता था कि उसने किसी ऐसे व्यक्ति को देखा जो अभी भी जीवित है, लेकिन कमरे से अनुपस्थित है।

ऐसा होने के बारे में हम कम ही सुनते हैं. कभी-कभी ऐसी मृत्युशैया का दृश्य जीवित रहने के संदेह करने वालों को आश्वस्त करने के लिए पर्याप्त होता है; इस प्राकृतिक मानसिक घटना के एक उदाहरण का प्रदर्शन दुनिया के सभी सेकेंड-हैंड मामलों के बराबर है - चाहे वे कितने भी प्रमाणित क्यों न हों।

केस नंबर **38.**

एडवर्ड केस**.**

इस मामले की पुष्टि श्री हेंसले वेजवुड ने की थी, जिन्होंने कई साल पहले द स्पेक्टेटर को इसकी सूचना दी थी: "एक युवा लड़की, जो मेरी करीबी रिश्तेदार थी, तपेदिक से मर रही थी और कुछ दिनों तक किसी भी चीज़ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही थी। वह वहीं लेटी हुई थी आधी-अधूरी, हार न मानते हुए, जब उसने अपनी आँखें खोलीं और ऊपर की ओर देखते हुए धीरे

से कहा, 'सुसान और जेन और एलेन,' मानो तीन बहनों की उपस्थिति को पहचान रही हो जो पहले इसी बीमारी से मर चुकी थीं।

"फिर एक छोटे से विराम के बाद उसने कहा, 'और एडवर्ड भी,' एक भाई का नाम लेते हुए, जिसे तब भारत में स्वस्थ और जीवित माना जाता था, जैसे कि उसे लोगों के बीच देखकर आश्चर्य हुआ हो। उसने और कुछ नहीं कहा। और कुछ ही देर बाद डूब गई। " पोस्ट के दौरान भारत से पत्र प्राप्त हुए, जिसमें कहा गया कि एडवर्ड की बहन की मृत्यु से एक या दो सप्ताह पहले एक दुर्घटना के परिणामस्वरूप मृत्यु हो गई थी।

"यह घटना मुझे एक बड़ी बहन ने बताई थी, जो मरने वाली लड़की की देखभाल करती थी, और प्रेत के समय बिस्तर पर मौजूद थी।"

केस नंबर **39.**

जूलिया केस**.**

निम्नलिखित विवरण के लेखक कर्नल बी. हैं, जो एक प्रसिद्ध आयरिश लिंगकर्मी हैं। वह बताते हैं कि उनकी पत्नी ने अपनी बेटियों के साथ गाना शुरू किया था। मिस एक्स, जो एक सार्वजनिक गायिका के रूप में प्रशिक्षण ले रही थीं, लेकिन जो अंततः उस क्षमता में सामने नहीं आईं, उन्होंने मिस्टर जेड से शादी की।

छह या सात साल बाद श्रीमती बी, जो मर रही थीं, ने अपने पति की उपस्थिति में उन आवाज़ों के बारे में बात की जिन्हें उन्होंने गाते हुए सुना था, उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें उस दिन कई बार सुना था और उनमें से एक आवाज़ वह थी जिसे वह जानती थीं, लेकिन याद नहीं आ रहा था कि आवाज किसकी थी. कर्नल बी कहते हैं, "अचानक वह रुकी और मेरे सिर की ओर इशारा करते हुए बोली, 'क्यों, वह कमरे के कोने में है; यह जूलिया है वह प्रार्थना कर रही है।

देखना; वह जा रही है.' मैंने पीछे मुड़कर देखा लेकिन कुछ नज़र नहीं आया. श्रीमती बी ने फिर कहा, 'वह चली गई।' ये सब बातें (गाना सुनना और

गायकों को देखना) मुझे किसी मरते हुए व्यक्ति की कल्पनाएँ प्रतीत हुईं। "दो दिन बाद, टाइम्स उठाते हुए, मैंने मिस्टर जेड की पत्नी जूलिया जेड की मृत्यु का रिकॉर्ड देखा। मैं इतना आश्चर्यचकित था कि अंतिम संस्कार के एक या दो दिन बाद मैं मिस्टर के पास गया और पूछा कि क्या श्रीमती,

केस नं. **40.**

एस्प्ले मामला.

यह मामला एडमंड गुरनी और फ्रेडरिक डब्ल्यू के बीच था। एच. मायर्स एस.पी.आर. द्वारा रेव सी.जे. टेलर द्वारा लिखित एक पेपर में दिया गया था, जिन्होंने इसे सीधे कथावाचक एच.के. से प्राप्त किया था। पादरी, जो गुमनाम रहना चाहते थे:

"2 और 3 नवंबर, 1870 को, मैंने अपने दो सबसे बड़े लड़कों, डेविड एडवर्ड और हैरी को स्कार्लेट ज्वर के कारण खो दिया, जिनकी उम्र क्रमशः तीन और चार साल थी।

"हैरी की मृत्यु 2 नवंबर को एबॉट्स लैंगली में हुई, जो एस्प्ले में मेरे आश्रम से चौदह मील दूर था, डेविड की अगले दिन एस्प्ले में मृत्यु हो गई। इस आखिरी बच्चे की मृत्यु से लगभग एक घंटे पहले, वह बिस्तर पर बैठ गया, और नीचे की ओर इशारा किया बिस्तर पर स्पष्ट रूप से कहा गया, 'छोटा हैरी मुझे बुला रहा है।' इस तथ्य की सच्चाई के बारे में मुझे यकीन है और नर्स ने भी इसे सुना है।" (हस्ताक्षरित) जेड, एच के पादरी।"

फ्रैंक पॉडमोर ने श्री टेलर के साथ पत्रों और बातचीत में निम्नलिखित विवरण प्राप्त किए: "श्री जेड (पादरी) ने मुझसे कहा कि डेविड को यह नहीं पता होना चाहिए कि हैरी मर चुका है, और उन्हें यकीन था कि डेविड को यह नहीं पता था। श्रीमान।" ज़ेड स्वयं उपस्थित था और उसने सुना कि लड़का क्या कह रहा था।

केस नंबर **41.**

ओगल केस**.**

"मेरे भाई, जॉन एल्किन ओगल की मृत्यु 17 जुलाई, 1879 को लीड्स में हो गई। अपनी मृत्यु से लगभग एक घंटे पहले उन्होंने अपने भाई को देखा, जिनकी लगभग सोलह साल पहले मृत्यु हो गई थी, और स्थिर रुचि के साथ 'जो! जो' की ओर देखा। !' और तुरंत उत्साहपूर्ण आश्चर्य से चिल्लाया, 'जॉर्ज हैनली!'

"मेरी मां, जो लगभग चालीस मील दूर मेलबर्न से आई थीं, जहां जॉर्ज हैनली रहते थे, इस पर आश्चर्यचकित हुईं और मेरी भाभी की ओर मुड़कर पूछा कि क्या किसी ने जॉन को जॉर्ज हैनली की मौत के बारे में बताया था। उन्होंने कहा, 'नहीं एक,' और मेरी मां ही एकमात्र व्यक्ति थीं जिन्हें इस तथ्य के बारे में पता था, मैं वहां मौजूद थी और उन्होंने यह सब देखा।

"(हस्ताक्षरित) हैरियट एच. ओगल।" पूछताछ के जवाब में मिस ओगल ने कहा: "जब जॉन ए. ओगल ने रिकॉर्ड किए गए शब्द कहे तो वह न तो व्याकुल थे और न ही बेहोश थे। जॉर्ज हैनली जॉन ए. ओगल के परिचित थे, कोई करीबी, परिचित मित्र नहीं। हैनली की मृत्यु का उल्लेख नहीं किया गया था उसकी सुनवाई पर।"

केस नं**. 42.**

प्रिसिला केस**.**

वेल्स के डीन, डॉ. ई.एच. प्लमट्री ने मामला द स्पेक्टेटर को भेजा, जिसने इसे 26 अगस्त, 1882 को प्रकाशित किया: "हमारे समय के सबसे अग्रणी विचारकों और धर्मशास्त्रियों में से एक की माँ अप्रैल 1854 में अपनी मृत्यु-शय्या पर लेटी थीं।

वह कुछ दिनों तक लगभग पूरी तरह बेहोशी की हालत में थी। उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले, उनके होठों से ये शब्द निकले, 'वहाँ वे सभी हैं - विलियम, एलिजाबेथ, एम्मा और ऐनी।' फिर थोड़ी देर बाद "विलियम एक बेटा था जो शैशवावस्था में ही मर गया था, और जिसका नाम कई वर्षों तक माँ के मुँह से कभी नहीं निकला था। प्रिसिला की मृत्यु दो दिन पहले हुई थी, लेकिन उसकी मृत्यु, हालांकि परिवार को ज्ञात नहीं थी, उसे सूचित नहीं किया गया था इसके बारे में।"

केस **43.**

एफ मामला**.**

"एफ की मृत्यु की सूचना बोस्टन के सुबह के अखबार में थी और मैं (डॉ. रिचर्ड हॉजसन) बैठक में जाते समय इसे देखने के लिए निकला। पहला लेख मैडम एलिसा की ओर से आया, मेरी अपेक्षा के बिना। उसने स्पष्ट और दृढ़ता से लिखा , यह समझाते हुए कि एफ उसके साथ था लेकिन सीधे बात करने में असमर्थ था, वह मुझे बताना चाहती थी कि उसने एफ को उस तक पहुंचने में कैसे मदद की।

"उसने कहा कि वह उसकी मृत्यु शय्या पर मौजूद थी और उसने उससे बात की थी; और उसने वही दोहराया जो उसने कहा था, अभिव्यक्ति का एक असामान्य रूप, और संकेत दिया कि उसने उसे सुना और पहचाना।" इस बात की पुष्टि उस वक्त संभव हो सकी थी. यह एकमात्र तरीका मैडम एलिसा और मेरे एक बहुत ही घनिष्ठ मित्र और एफ के निकटतम जीवित रिश्तेदार द्वारा किया गया था।

"मैंने बैठने की घटना अपने दोस्त को बताई और एक या दो दिन बाद इस दोस्त को, मृत्यु-शैया पर मौजूद एक रिश्तेदार ने मुझे लापरवाही से बताया कि एफ ने मरते समय कहा था कि उसने मैडम एलिसा को देखा था जो उससे बात कर रही थी और वह वही दोहरा रही थी जो वह कह रही थी। "रिश्तेदार ने जो अभिव्यक्ति मेरे मित्र को दोहराई वह वही थी जो मुझे श्रीमती पाइपर की समाधि के दौरान मैडम एलिजा से मिली थी, जब

मृत्यु-शैया की घटना निश्चित रूप से मेरे साथ पूरी तरह से घटित हो चुकी थी। अज्ञात थी।"

केस नंबर **44.**

जेनी मामला**.**

यह डॉ. मिनोट जे हैं। सैवेज के अधिकार पर एक सिद्ध मामला है, जो मरने वाले लोगों के नाम और पते जानता था।

"पड़ोसी शहर में दो छोटी लड़कियाँ रहती थीं, जेनी और एडिथ, एक लगभग आठ साल की और दूसरी थोड़ी बड़ी। वे सहपाठी और करीबी दोस्त थीं। जून, 1889 में, दोनों डिप्थीरिया से बीमार पड़ गईं। बुधवार की दोपहर को, जेनी मृत।

एडिथ के माता-पिता और उसके डॉक्टर ने उससे इस तथ्य को छिपाने के लिए विशेष प्रयास किए कि उसका छोटा दोस्त चला गया था। उसे डर था कि इस जानकारी का उसकी अपनी स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यह साबित करने के लिए कि वे सफल थे और उसे पता नहीं था, यह उल्लेख किया जा सकता है कि शनिवार, 8 जून को दोपहर में, जैसे ही वह अपने आस-पास होने वाली हर चीज से बेखबर हो गई, उसने भेजने के लिए अपनी दो तस्वीरें चुनीं और पूछा उसके परिचारकों ने उसे अलविदा कहा।

"शनिवार, 8 जून की शाम साढ़े छह बजे उसकी मृत्यु हो गई। वह उठी और अपने दोस्तों को अलविदा कहा, और उन लोगों के बारे में बात कर रही थी जो मर रहे थे और उन्हें कोई डर नहीं लग रहा था। उसे लगा कि उसके सभी दोस्त मर गया है।

अब तक ये सामान्य मामलों की तरह ही था. लेकिन अब अचानक, और हर तरह के आश्चर्य के साथ, वह अपने पिता की ओर मुड़ी और बोली, 'क्यों, पापा, मैं जेनी को अपने साथ ले जा रही हूँ!' फिर उसने कहा, 'क्यों पापा!' क्यों पापा! तुमने मुझे नहीं बताया कि जेनी यहाँ थी!' और तुरंत उसने

स्वागत के लिए अपनी बाहें खोलीं और कहा, 'ओह, जेनी, मुझे बहुत खुशी है कि तुम यहां हो।' ,

केस नं. **45.**

नोटरी मामला**.**

सख्त अर्थों में, यह मामला इस अध्याय के दायरे से परे है, लेकिन चूंकि यह एक शिशु की मृत्यु शय्या से संबंधित है, इसलिए इसका श्रेय तीन साल की एक लड़की को प्रेत द्वारा देखे गए दृश्य को दिया जाता है। यह रोम में विक्टर इमैनुएल लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन सिग्नोर पेलुसी द्वारा रिपोर्ट किया गया था, और लूस ई ओम्ब्रा, 1920 में प्रकाशित किया गया था: "तीन साल की एक छोटी लड़की, हिप्पोलाइट नोटरी, आंशिक रूप से लकवाग्रस्त, चार महीने के अपने छोटे भाई के साथ वह थी वही कमरा जहाँ कोई मर रहा था।

दोनों बच्चों के पिता, मां और दादी मौजूद रहीं. शिशु की मृत्यु से लगभग पंद्रह मिनट पहले, नन्ही हिप्पोलाइट ने अपनी बाहें फैलाकर कहा, 'देखो, माँ, आंटी ओल्गा।' यह आंटी ओल्गा माँ की छोटी बहन थी, जिसने एक साल पहले प्यार में निराशा के कारण आत्महत्या कर ली थी। माता-पिता ने पूछा, 'आप आंटी ओल्गा को कहाँ देखते हैं?' बच्चे ने उत्तर दिया, 'वहां, वहां!' और बिस्तर से उठकर मौसी के पास जाने की जिद करने लगा।

उसने उसे उठने दिया, वह एक खाली कुर्सी की ओर भागी, और जब दृश्य कमरे के दूसरे हिस्से में चला गया तो वह बहुत निराश हुई। "बच्चा मुड़ा और एक कोने की ओर इशारा करते हुए बोला, 'आंटी ओल्गा वहां पर हैं।' फिर वह चुप हो गई और बच्चा मर गया।”

केस नंबर **46.**

मूर मामला.

ऐसा माना जाता है कि इस मामले में कोई सबूत नहीं है, लेकिन न्यूयॉर्क शहर के डॉ. विल्सन, जिन्होंने इस मृत्यु-शैया दृश्य को देखा था, ने घोषणा की कि यह उस तरह का सबसे खूबसूरत उदाहरण था जो उन्होंने कभी देखा था।

श्री जेम्स मूर, एक प्रसिद्ध अमेरिकी टेनर, मर रहे थे, और डॉ. विल्सन, जो मृत्यु के समय कमरे में मौजूद थे, ने इस घटना का वर्णन इस प्रकार किया: "फिर कुछ ऐसा हुआ जिसके बारे में मुझे अपने मरने के दिन तक कभी पता नहीं चला। विल भूलने में सक्षम होना, कुछ ऐसा जो पूरी तरह से अवर्णनीय है।

हालाँकि वह बिल्कुल तर्कसंगत और समझदार दिखाई देता था जैसा कि मैंने अब तक किसी भी आदमी को देखा है, मैं इसे केवल ऐसे व्यक्त कर सकता हूँ जैसे कि उसे किसी अन्य दुनिया में ले जाया गया हो; और यद्यपि मैं इस मामले को अपने आप को संतोषजनक ढंग से नहीं समझा सकता, मुझे पूरा यकीन है कि वह स्वर्ण नगरी में प्रवेश कर चुका है - क्योंकि उसने पहले से कहीं अधिक मजबूत आवाज में कहा, 'माँ वहाँ है।

क्यों माँ, तुम मुझसे मिलने आई हो? नहीं, नहीं, मैं तुमसे मिलने आ रहा हूं. बस रुको, माँ, मेरा काम लगभग पूरा हो चुका है। मैं इसे छोड़ सकता हूं. रुको माँ.' उसके चेहरे पर अवर्णनीय खुशी की अभिव्यक्ति थी, और जिस तरह से उसने ये शब्द कहे उसने मुझे पहले कभी इतना प्रभावित नहीं किया था, और मुझे भी उतना ही यकीन है कि उसने अपनी माँ को देखा और उससे बात की। कि मैं यहाँ बैठा हूँ.

अपनी माँ के साथ उनकी बातचीत को सुरक्षित रखने के लिए और अपने जीवन की सबसे अजीब घटना का रिकॉर्ड रखने के लिए, मैंने तुरंत उनके द्वारा कहे गए हर शब्द को लिख लिया। यह मेरे द्वारा अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत मौतों में से एक थी।"

सितंबर, 1924 के अपने अंक में, सैन पाओलो के रिव्यू वर्देदे ई लूज़ ने उस चौंकाने वाली घटना पर टिप्पणी की जिसमें मरणासन्न एडमंडा लाज़ारे

नायिका थी। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले, रोगी ने अपने पिता को बताया कि उसने बिस्तर के पास परिवार के कई सदस्यों को देखा, जिनमें से सभी की कुछ साल पहले मृत्यु हो गई थी। पिता ने इस घोषणा के लिए प्रलाप की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन एडमिना ने नए सिरे से जोर दिया और अदृश्य "आगंतुकों" में अपने भाई अल्फ्रेडो का नाम लिया, जो उस समय 423 किलोमीटर दूर सिसल बंदरगाह के लाइटहाउस में कार्यरत था।

पिता इन दृश्यों की काल्पनिक प्रकृति के प्रति अधिक से अधिक आश्वस्त होते जा रहे थे, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि उनका बेटा अल्फ्रेडो पूरी तरह से स्वस्थ था, क्योंकि कुछ दिन पहले ही उसने अपने बारे में सबसे अच्छी खबर भेजी थी। एडमिना की उसी शाम मृत्यु हो गई, और अगली सुबह उसके पिता को एक टेलीग्राम मिला जिसमें युवा अल्फ्रेडो की मृत्यु की सूचना दी गई। जिस लड़की की मौत हुई वह अपने भाई की मौत के समय भी जीवित थी।

मामला । **47.**

एडमिना केस**.**

सितंबर, 1924 के अपने अंक में, सैन पाओलो के रिव्यू वर्डेड ई लूज़ ने उस आश्चर्यजनक घटना पर टिप्पणी की है जिसमें मरणासन्न अदामिना लज़ारे नायिका थीं। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले, रोगी ने अपने पिता से कहा कि उसने बिस्तर के पास परिवार के कई सदस्यों को देखा, सभी कुछ साल पहले मर चुके थे। पिता ने चरम सीमा में इस घोषणा को प्रलाप की स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया, लेकिन एडमिना ने नए सिरे से जोर दिया, और अदृश्य "आगंतुकों" में से अपने भाई अल्फ्रेडो का नाम लिया, जो उस समय 423 किलोमीटर की दूरी पर प्रकाशस्तंभ पर कार्यरत था। सिसल का बंदरगाह. पिता को इन दृश्यों की काल्पनिक प्रकृति के बारे में अधिक से अधिक विश्वास हो गया था, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि उनका बेटा अल्फ्रेडो बिल्कुल स्वस्थ था, क्योंकि कुछ दिन पहले ही उसने अपने बारे में सबसे अच्छी खबर भेजी थी। उसी शाम एडमिना की मृत्यु हो गई, और अगली सुबह उसके पिता को एक टेलीग्राम मिला जिसमें युवा

अल्फ्रेडो की मृत्यु की सूचना दी गई। मरने वाली लड़की अपने भाई की मृत्यु के समय भी जीवित थी।

केस नं. **48.**

मूडी मामला.

1899 में जब प्रसिद्ध अमेरिकी उपदेशक डी.एल. मूडी मर रहा था, इसलिए उन्हें अपने आखिरी दिन यह कहते हुए सुना गया:

"पृथ्वी पीछे हट रही है; आकाश मेरे सामने खुल रहा है।" परिचारकों का पहला आवेग उसे उस सपने से जगाने का प्रयास करना था जिसमें वह दिख रहा था।

"नहीं, यह कोई सपना नहीं है, विल," उसने दोहराया। "यह सुंदर है। यह एक समाधि की तरह है। यदि यह मृत्यु है, तो यह मधुर है।" फिर उन्होंने पूरी तर्कसंगतता के साथ बातचीत की कि उनकी मृत्यु के बाद उनके काम के बारे में क्या किया जाना चाहिए। फिर उसका चेहरा खिल उठा और उसने ख़ुशी से भरी आवाज़ में कहा: "ड्वाइट!

आइरीन! मैं बच्चों के चेहरे देखता हूं," पिछले साल भगवान ने उनके जीवन से दो छोटे पोते-पोतियों को हटा दिया।

फिर वह बेहोश हो गया, होश में आया और बोला: "इस सबका क्या मतलब है? तुम सब यहाँ क्या कर रहे हो?" फिर, स्थिति को समझते हुए, उन्होंने कहा: "यह एक बहुत ही अजीब बात है। मैं मृत्यु के द्वार से आगे निकल गया हूं और स्वर्ग के द्वार तक पहुंच गया हूं। और यहां मैं फिर से वापस आ गया हूं।"

केस नंबर **49.**

ड्यूरोक केस**.**

सर विलियम एफ. बैरेट ने अपनी पुस्तक डेथ बेड विज़न्स में इस और इस मामले को उद्धृत किया है: "मेरे चाचा, एम. पॉल ड्यूरोक, मेरी चाची और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अमेरिका जाने के लिए 1893 में पेरिस छोड़ गए। जब वे वेनेजुएला आए, जब मैं में था, मेरे चाचा को पीला बुखार हो गया और 24 जून, 1894 को काराकस में उनकी मृत्यु हो गई। "अपनी मृत्यु से ठीक पहले, और अपने पूरे परिवार से घिरे रहने के दौरान, उन्हें लंबे समय तक प्रलाप का सामना करना पड़ा, इस दौरान उन्होंने कुछ लोगों के नाम पुकारे दोस्त फ़्रांस में चले गए और जिनसे वह मिल रहा था।

'ठीक है, ठीक है, तुम भी, और तुम, तुम भी।' "हालाँकि घटना से स्तब्ध होकर, जब ये शब्द बोले गए थे तब किसी ने इन्हें कोई असाधारण महत्व नहीं दिया, लेकिन बाद में जब परिवार पेरिस लौटा तो उन्हें उन लोगों के अंतिम संस्कार के निमंत्रण कार्ड मिले जिनके नाम मेरे चाचा ने अपनी मृत्यु से पहले लिए थे। और जो लोग उससे पहले मर गए थे, इसलिए इनका असाधारण महत्व हो गया।

हाल ही में मैं इस घटना में जीवित बचे केवल दो लोगों, मेरे चचेरे भाई जर्मेन और मौरिस ड्यूरोक की गवाही एकत्र करने में सक्षम हुआ हूं।" जर्मेन ने इस प्रकार पुष्टि की: "आप मुझसे मेरे गरीब पिता की मृत्यु के बारे में विस्तृत जानकारी मांग सकते हैं। पूछ रहे हैं. मुझे अच्छी तरह याद है कि वह मर रहा था, हालाँकि यह कई साल पहले की बात है।

जिस बात में आपकी रुचि हो सकती है वह यह है कि उन्होंने हमें स्वर्ग में कुछ लोगों को देखने और उनके साथ लंबी बातचीत करने के बारे में बताया। फ्रांस लौटने पर हम उन्हीं लोगों के अंतिम संस्कार के कार्ड पाकर आश्चर्यचकित रह गए, जिन्हें उसने अपनी मृत्यु के समय देखा था। मौरिस, जो मुझसे उम्र में बड़े थे, आपको इस विषय पर अधिक जानकारी दे सकते हैं।"

“मेरे पिता की मृत्यु के संबंध में, जिसके बारे में आप मुझसे पूछ रहे हैं, जो कई वर्ष पहले हुई थी, मुझे याद है कि उनकी मृत्यु से कुछ क्षण पहले मेरे पिता ने अपने एक पुराने साथी-एम. का नाम पुकारा था। एचेवेरी, जिनके

साथ उनका लंबे समय से कोई संपर्क नहीं था, पत्राचार द्वारा भी नहीं, और चिल्लाए, 'आह आप भी,' या कुछ इसी तरह का वाक्यांश।

पेरिस में घर लौटने पर ही हमें इस सज्जन का अंतिम संस्कार कार्ड मिला। मेरे पिता ने शायद अन्य नामों का उल्लेख किया होगा, लेकिन मुझे वे याद नहीं हैं।"

केस नंबर **50.**

बी केस लेडी बैरेट।

मामले को सर विलियम एफ. बैरेट के ध्यान में लाया गया, जिन्होंने इसे अपनी पुस्तक, डेथ बेड विज़न्स, कवर्ड पेज 10 में शामिल किया।

यह तब हुआ जब लेडी बैरेट क्लैप्टन में मदर हॉस्पिटल में एक मरीज की देखभाल कर रही थी, जहां वह प्रसूति सर्जनों में से एक है। उन्हें रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर, डॉ. फिलिप्स से एक जरूरी संदेश मिला कि वह एक मरीज श्रीमती बी का इलाज कर रहे हैं। के. के पास आएं, जो प्रसव पीड़ा में थी और हृदय की गंभीर समस्याओं से पीड़ित थी। लेडी बैरेट तुरंत गईं और बच्चे का सुरक्षित जन्म हो गया, हालाँकि उस समय माँ मर रही थी।

अन्य रोगियों को देखने के बाद, लेडी बैरेट श्रीमती बी बन गईं। वह के वार्ड में वापस गईं और निम्नलिखित बातचीत हुई, जिसे जल्दबाजी में लिपिबद्ध किया गया। लेडी बैरेट लिखती हैं: "जब मैंने वार्ड में प्रवेश किया तो श्रीमती बी ने अपना हाथ मेरी ओर बढ़ाया और कहा, 'धन्यवाद, आपने मेरे लिए जो किया है - बच्चे को लाने के लिए धन्यवाद। यह लड़का है या लड़की? '

फिर उसने हल्के से मेरा हाथ पकड़कर कहा, 'मुझे छोड़कर मत जाओ, दूर मत जाओ, क्या?' और कुछ मिनटों के बाद, जब हाउस सर्जन ने कुछ सुधारात्मक उपाय किए थे, वह कमरे के खुले हिस्से की ओर देख रही थी, जो तेज रोशनी में था, और कहा, 'ओह, इसे अंधेरा मत होने दो, यह बहुत अंधेरा है। यह और भी गहरा होता जा रहा है।'

उसके पति और मां को बुलाया गया. अचानक उसने उत्सुकता से कमरे के एक हिस्से की ओर देखा, एक उज्ज्वल मुस्कान उसके पूरे चेहरे को चमका रही थी। 'ओह, सुंदर, सुंदर,' उसने कहा। मैंने पूछा, 'सुंदर क्या है?' 'मैं जो देख रही हूं,' उसने कम तीव्र स्वर में उत्तर दिया। 'आप क्या देखते हैं?' 'सुंदर चमकदार, अद्भुत प्राणी।' दृश्य में उसके गहन तल्लीनता से व्यक्त वास्तविकता की भावना का वर्णन करना मुश्किल है "फिर - एक पल के लिए अपना ध्यान एक स्थान पर केंद्रित करते हुए - उसने लगभग खुशी से कहा, 'क्यों, यह पापा है!

ओह, वे बहुत खुश हैं कि मैं आ रहा हूँ; वे बहुत खुश हैं। यह बहुत अच्छा होगा यदि डब्लू (उसका पति) भी आ सके। उसके बच्चे को देखने के लिए लाया गया। उसने दिलचस्पी से उसकी ओर देखा और फिर बोली, 'क्या तुम्हें लगता है कि बच्चे की खातिर मुझे रुकना चाहिए?' फिर घटनास्थल की ओर घूमकर बोली, 'मैं नहीं जी सकती, मैं नहीं जी सकती; अगर आप देख सकें कि मैं क्या करता हूं, तो आपको पता चल जाएगा कि मैं नहीं रह सकता।' "लेकिन वह अपने पति की ओर मुड़ी, जो अंदर आया था, और कहा, 'आप बच्चे को किसी ऐसे व्यक्ति के पास नहीं जाने देंगे जो उससे प्यार नहीं करता, है ना?'

फिर उसने धीरे से उसे एक तरफ धकेल दिया और कहा, 'मुझे प्यारी चमक देखने दो।' "मैं कुछ ही समय बाद चला गया और मैट्रन ने मेरे बिस्तर के पास मेरी जगह ले ली। वह एक और घंटे तक जीवित रही और अंत तक देखे गए चमकदार रूपों और अपने बिस्तर के पास की गई देखभाल से प्रेतवाधित प्रतीत हुई। बच्चों के बारे में दोहरी चेतना बनाए रखी; उदाहरण के लिए, उसने मैट्रन के साथ व्यवस्था की कि उसके समय से पहले जन्मे बच्चे को तब तक अस्पताल में रखा जाए जब तक वह इतना मजबूत न हो जाए कि उसकी सामान्य घर में देखभाल की जा सके।" (हस्ताक्षरित) फ्लोरेंस ई. बैरेट।"

नोट्स पढ़ने के बाद उपस्थित डॉ. फिलिप्स ने सर विलियम एफ. बैरेट को संबोधित करते हुए कहा कि वह "लेडी बैरेट के विवरण से पूरी तरह सहमत हैं।" सबसे महत्वपूर्ण सबूत अभी आना बाकी था, और यह अस्पताल के मैट्रन द्वारा प्रदान किया गया था, जिसने निम्नलिखित बयान भेजा था: "मैं श्रीमती बी के पति और उनकी मां के साथ उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले मौजूद था।

उसका पति उसके ऊपर झुक कर उससे बात कर रहा था, तभी उसने उसे एक तरफ धकेलते हुए कहा, 'ओह, इसे मत छिपाओ, यह बहुत सुंदर है।' फिर उससे दूर होकर मेरी ओर, मैं बिस्तर के दूसरी ओर था, श्रीमती बी ने कहा, 'ओह, क्यों, वहाँ विदा है,' एक बहन का जिक्र करते हुए जिसकी मृत्यु के बारे में उन्हें तीन सप्ताह पहले नहीं बताया गया था। .

बाद में माँ, जो उस समय मौजूद थीं, ने मुझे बताया, जैसा कि मैंने कहा, कि विदा श्रीमती बी की मृत बहन का नाम था, जिसकी बीमारी और मृत्यु के बारे में वह बिल्कुल अनभिज्ञ थी, क्योंकि वह श्रीमती की देखभाल में गई थी। बी की कब्र बीमारी के कारण इस खबर को सावधानी से छुपाया गया। "(हस्ताक्षरित) मिरियम कैसल, मैट। श्रीमती बी. की मां - श्रीमती क्लार्क - ने सर विलियम एफ. बैरेट को एक स्वतंत्र रिपोर्ट दी: "मैंने सुना है कि आपने मेरी प्यारी बेटी के इस दुनिया से चले जाने के बारे में लिखा है 12 जनवरी, 1924 को जानना चाहते हैं।

"इसका सबसे अद्भुत हिस्सा मेरी प्यारी बेटी विदा की मृत्यु का इतिहास है, जो कुछ वर्षों से विकलांग थी। उसकी मृत्यु 25 दिसंबर, 1923 को हुई, उसकी छोटी बहन की मृत्यु से सिर्फ दो सप्ताह और चार दिन पहले, डोरिस। मेरी बेटी डोरिस, श्रीमती बी, उस समय बहुत बीमार थी, और मदर्स हॉस्पिटल की मैट्रन ने श्रीमती बी को अपनी बहन की मृत्यु के बारे में जानना नासमझी समझा।

इसलिए जब हम उनसे मिलने गए तो हमने शोक मनाना बंद कर दिया और हमेशा की तरह उनसे मिलने गए। उनके सभी पत्र भी उनके अनुरोध पर तब तक रखे गए जब तक कि उनके पति यह नहीं देख लेते कि वे कौन से हो सकते हैं, उसके बाद ही उन्हें देखने की अनुमति दी गई।

यह सावधानी इसलिए बरती गई ताकि बाहरी मित्र उन्हें उनकी हाल की मृत्यु का उल्लेख करते हुए न लिखें, हालाँकि उन्हें अपने स्वास्थ्य की बहुत खतरनाक स्थिति के बारे में पता नहीं था। "जब मेरा प्यारा बच्चा तेजी से डूब रहा था... उसने कहा, 'मैं देख सकती हूं कि डैडी... विदा उनके साथ हैं,' फिर मेरी ओर मुड़कर उन्होंने कहा, 'विदा उनके साथ है।' फिर उसने कहा, 'क्या आप मुझे चाहते हैं, पिताजी?' "आपके सम्मान से,
"(हस्ताक्षरित) मैरी सी. क्लार्क।"

<u>अध्याय 5</u>

<u>स्वचालित लेखन</u>

इस प्रकार के माध्यम को दो समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है;

(1) एक स्वचालित व्यक्ति द्वारा पेंसिल और कागज से किया गया स्वचालित लेखन, जो सम्मोहन में हो भी सकता है और नहीं भी; इस तरह के लेखन को उनके स्वभाव से ही माध्यम के अवचेतन या चेतन मन से उत्पन्न माना जाना चाहिए और उनमें से 95 प्रतिशत, छिपी हुई इच्छाओं और इच्छाओं के अलावा कुछ भी प्रकट नहीं करते हैं, उन्हें बकवास के रूप में सुरक्षित रूप से खारिज किया जा सकता है। है।

माध्यम का यह रूप उन लोगों के लिए एक सुखद शिकारगाह है जिनके पास कल्पना की प्रचुरता है लेकिन आलोचनात्मक क्षमताओं की भारी कमी है; और दुर्भाग्य से लंबे समय से पीड़ित जनता इस प्रकार के व्यक्तियों द्वारा लिखी गई पुस्तकों से अभिभूत है।

(2) ओइजा-बोर्ड, 1 एक उपकरण जिसमें एक "यात्री" और एक बोर्ड होता है जिस पर अक्षर और आंकड़े वर्णमाला और संख्यात्मक रोटेशन में मुद्रित होते हैं, सुविधा के लिए "हां", "नहीं" और "अनिर्णय" शब्द होते हैं। शब्द जोड़े गए हैं. ट्रैवलर आमतौर पर लकड़ी का एक छोटा दिल के आकार का टुकड़ा होता है जो आधा इंच मोटा होता है।

माध्यम - या दोनों का संयोजन - यात्री पर अपना हाथ रखता है और वह बोर्ड पर संदेश को अक्षर-दर-अक्षर लिखते हुए आगे बढ़ता है। लिखावट के संबंध में टिप्पणियों को ओइजा-बोर्ड की कार्यप्रणाली पर भी लागू किया जा सकता है। स्वचालित लेखन, आभास और सपनों की तरह, "पहाड़ों जितना पुराना" है और कई प्राचीन, साथ ही आधुनिक, लेखकों ने घोषणा की है कि उन्होंने अर्ध-ट्रान्स अवस्था में काम किया है। अंकल टॉम्स केबिन की लेखिका हैरियट बीचर स्टोव ने कहा कि उन्होंने वह किताब नहीं लिखी: उनका हाथ किसी अन्य व्यक्तित्व का उपकरण था।

विलियम ब्लेक अपनी महान कविता जेरूसलम की प्रस्तावना में लिखते हैं कि यह उनके लिए लिखी गई थी। "यह दुनिया की सबसे शानदार कविता है; मैं इसकी प्रशंसा कर सकता हूं क्योंकि मैं एक सचिव के अलावा और कुछ भी होने का दिखावा नहीं कर सकता। मैंने इस कविता को तत्काल श्रुतलेख, बारह या कभी-कभी बीस या तीस पंक्तियों से लिखा है, बिना किसी पूर्व विचार के। और मेरी इच्छा के विरुद्ध भी।" स्वचालित लेखन का अब तक का सबसे बड़ा उदाहरण हडसन था। फ्रेंच और जर्मन शब्दों आउट और जा का संयोजन, दोनों का अर्थ "हाँ" है।

टटल के आर्काना ऑफ नेचर का उल्लेख चार्ल्स डार्विन ने अपनी पुस्तक ओरिजिन ऑफ स्पीशीज़ में किया है। क्या महान प्रकृतिवादी को टटल के काम का हवाला दिया होता अगर उन्हें इसकी रहस्यमय उत्पत्ति के बारे में पता होता? दोनों प्रकार के स्वचालित लेखन की प्रेरणा के संबंध में कई सिद्धांत हैं। कुछ माध्यमों का कहना है कि विचार उनके दिमाग पर हावी हो जाता है और वे सामान्य परिस्थितियों में इसे अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं। दूसरों का कहना है कि वे अचेतन अवस्था में हैं और जब तक उन्हें होश नहीं आ जाता तब तक वे अचेतन अवस्था में ही रहते हैं।

हाथ ने क्या बना दिया, कुछ पता ही नहीं। हालाँकि, आलोचक इस तकनीक के प्रति उदासीन हैं; वे संचार को उसकी सामग्री के आधार पर आंकते हैं।

केस नंबर **51.**

हॉल केस**.**

"सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे पास संदेश आने से पहले मैं बहुत कट्टर संशयवादी था, जिसने मुझे बदल दिया। "मेरी बहन, जिससे मैं बहुत जुड़ा हुआ था, कई वर्षों से मिस विंगफील्ड और वास के साथ निकट संपर्क में थी। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ स्नेहपूर्ण मित्रता में जिसके पास बहुत उच्च स्तर की शक्ति थी। 'स्वचालित लेखन.' “अपने पाठकों को यह स्पष्ट करने के लिए, मुझे डर है कि मुझे पारिवारिक इतिहास के मामले में जाना चाहिए जो पूरी तरह से सुखद स्मरण नहीं है।

इस तिथि से कुछ समय पहले, मार्च, 1894 में, मेरा एक भाई जो मुझसे बहुत बड़ा था, जो बहुत समृद्धि के बाद, अत्यधिक गरीबी में पड़ गया था, भत्ते की प्राप्ति के लिए दक्षिण अफ्रीका गया, और यह भत्ता मुझे प्राप्त हुआ . यह पेशकश परिवार की ओर से एक दयालु मित्र, आर्कडेकॉन गॉल के माध्यम से की गई थी, जिसने बहुत अनिच्छा से कुछ हद तक अप्रिय कार्य स्वीकार कर लिया।

"बहुत संक्षेप में कहें तो, मेरा भाई एक शराबी था, और, जैसा कि हमेशा होता है, जो भी पैसा उसके हाथ में आता था वह शराब पीने में खर्च कर देता था। इससे बचने के लिए, आर्कडेकन गॉल ने एक आवास की व्यवस्था की थी जहाँ उस अभागे साथी की देखभाल की जा सके के लिए, खाना खिलाया, कपड़े पहनाए और जहां तक संभव हो, शराब खरीदने के साधन से वंचित कर दिया। सहायता प्राप्त करने वाला व्यक्ति इस बात से बेहद नाराज था कि भुगतान इस तरीके से किया जाना चाहिए, और मांग की कि पैसा सीधे उसे दिया जाना चाहिए।

इस विषय पर हमारे बीच काफ़ी पत्र-व्यवहार हुआ। मैंने पूरी तरह से मना कर दिया. मैं उनका अनुरोध स्वीकार नहीं कर सका और उनके पत्रों का स्वर और भी अप्रिय होता जा रहा था। उन्होंने मुझे यह धमकी देते हुए भी लिखा कि यदि मैंने उन्हें लगभग £50 की राशि नहीं दी, तो वे मेरे खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जैसा कि उन्होंने आरोप लगाया था, मैंने उनके साथ जो समझौता किया था, उसका कर्ज़ है, यदि वे ऐसा करेंगे यदि वह दक्षिण अफ़्रीका जाए तो उसे प्रति सप्ताह £1 दें।

मैंने अपनी बहन को इस पत्राचार का अप्रिय विवरण कभी नहीं बताया, लेकिन निश्चित रूप से वह जानती थी कि वे दक्षिण अफ्रीका में थे, और वह यह भी जानती थी कि आर्कडेकन गैल उनके कारण खुद को परेशान कर रहा था। "शुक्रवार या शनिवार, 9 या 10 मार्च को, मुझे साउथ एरेना से अपने भाई से एक संक्षिप्त और अपमानजनक पत्र मिला, जिसमें फिर से मांग की गई कि भत्ते का भुगतान सीधे किया जाना चाहिए और इनकार करने पर उसे सभी प्रकार की कठिनाइयों और दंडों का सामना करना पड़ेगा। पत्र था संयोगवश, मैंने इसका उत्तर नहीं दिया, और अपनी बहन से इसका उल्लेख नहीं किया, न ही मैंने इसका कोई संदर्भ दिया।

दरअसल, मैं घर में कुछ ही मिनट के लिए था। मुझे एहसास हुआ कि यह मिस विंगफ़ील्ड की शक्तियों को परखने का एक अवसर था। मैंने जेब से पत्र निकाला; यह एक लिफाफे में था. मैंने इसे पते और लेखन के साथ मोड़

दिया; फिर मैंने पूरा पत्र दूसरे लिफाफे में रख दिया जिसे मैंने सील कर दिया। मैंने कुछ भी नहीं लिखा, बाहरी लिफाफे के बाहर कोई लिखावट नहीं थी और मैंने लिफाफा अपनी बहन को सौंप दिया, ताकि वह इसे मिस विंगफील्ड को दे दे और उससे पूछे: 'उस लिफाफे में पत्र का लेखक कहां है' ?'

यह ध्यान देने योग्य बात है कि मैंने सेक्स का कोई जिक्र नहीं किया और मुझे पूरा यकीन है कि मेरी बहन को पता नहीं था कि संलग्न पत्र का लेखक कौन था। काफी देर के बाद अपने आप संदेश आया, 'पत्र का लेखक मर चुका है।' मेरी बहन ने मुझे यह संदेश दिया और स्वाभाविक रूप से मैं इससे काफी आश्चर्यचकित हुआ।

आगे की जांच करने के लिए मैंने एक और प्रश्न पूछा: 'लेखक की मृत्यु कब और कहाँ हुई?' फिर जवाब आया कि उनकी कल दक्षिण अफ्रीका में मृत्यु हो गई है। फिर मैंने सेक्स का कोई जिक्र नहीं किया और पत्र की उत्पत्ति के स्थान का कोई संकेत नहीं दिया, और मुझे याद है कि उत्तर मुझे बहुत हास्यास्पद लगा, जैसा कि दक्षिण अफ्रीका से एक पत्र था जो मुझे अभी मिला था।

एक पल के लिए, याददाश्त की उस अजीब चूक के कारण, जो कभी-कभी हमें परेशान करती है, मुझे यह एहसास नहीं हुआ कि यह पत्र, हालांकि मुझे 9 या 10 मार्च को मिला था, वास्तव में लगभग तीन सप्ताह पहले लिखा गया था। मैं स्पष्ट रूप से स्वीकार करता हूं कि मैं आश्चर्यचकित था, क्योंकि जिस पत्र के बारे में मैं पूछ रहा था वह निस्संदेह दक्षिण अफ्रीका से था, जहां मेरा भाई, जिसके बारे में मैं पूछ रहा था, - जहां तक मुझे पता था - उस समय रहता था। था।

मेरी बहन ने मुझसे पूछा कि क्या मैं कोई और प्रश्न पूछना चाहता हूँ। मैंने बस कहा, 'नहीं,' और कुछ सप्ताह बाद तक मैंने उसे उस पत्र के तथ्यों के बारे में कुछ भी नहीं बताया। शाम को मैं लंदन लौट आया, और सोमवार की सुबह मैंने अपने गोपनीय क्लर्क को अपने भाई को संबोधित एक पत्र लिखा, एक पत्र जो वास्तव में भेजा ही नहीं गया था। अगले शनिवार, 17 मार्च को, मुझे आर्कडेकॉन गॉल से बहुत कम महत्व का एक पत्र मिला; इस पर 5 मार्च की तारीख अंकित है, और लिफाफे पर किम्बर्ली, 5 मार्च, 1894 अंकित है और लंदन 27 मार्च अंकित है, जिस दिन मुझे यह प्राप्त हुआ।

यह पत्र, जो इस समय मेरे हाथ में है, मुझे मेरे भाई के लिए खर्च किए गए धन का हिसाब देता है, लेकिन उसके आचरण की बहुत शिकायत करता है और व्यावहारिक रूप से अनुरोध करता है कि स्टैंडर्ड बैंक ऑफ साउथ अफ्रीका के माध्यम से नियमित धन प्रेषण के लिए निश्चित व्यवस्था की जानी चाहिए। धन। "मुझे जो संदेश मिला था उस पर मैं इतना अविश्वसनीय था कि, हालांकि मुझे याद है कि इस विषय पर कुछ संदेह थे, मैंने वास्तव में 29 मार्च, 1894 को आर्कडेकॉन को एक लंबा पत्र लिखा था, जिसमें मैंने उनके सामने स्थिति प्रस्तुत की थी। इसे स्पष्ट रूप से रखा था और जैसा वे कहेंगे वैसा करने का वादा किया।

मुझे अब उस पत्र का प्रारूप मेरे क्लर्क की लिखावट में प्राप्त हुआ है। 2 अप्रैल, 1894 को, मुझे आर्कडेकॉन गॉल से एक और पत्र मिला, दिनांक 8 मार्च, 1894, जो इस प्रकार शुरू होता है: 'प्रिय महोदय: जब मैंने पिछले सप्ताह लिखा था, तो मैंने नहीं सोचा था कि मुझे यह दुखद कर्तव्य सौंपा जाएगा। इस सप्ताह आपको आपके भाई की मृत्यु के बारे में सूचित करना, जो कल हुई थी,' और उन्होंने आगे कहा कि मेरा भाई उस दिन सुबह मृत पाया गया था और उसे उसी दोपहर को दफनाया जाना था। था।

मुझे यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि इस संचार ने मुझे चौंका दिया, और संचार के हर संभव स्पष्टीकरण पर विचार करने और कल्पना को हर संभव छूट देने के बाद, मैं पूरी तरह से आश्वस्त हो गया कि जो संदेश मुझे 10 मार्च को मिला था, वह इस भौतिक दुनिया से बाहर आया था किसी एजेंसी के माध्यम से.

“टेलीपैथी, दूरदर्शिता और विचार-पठन पूरी तरह से गायब हो गए हैं।

जब मैंने 10 मार्च को सवाल पूछा तो मुझे इस बात की जानकारी नहीं थी कि मेरा भाई मर चुका है. मेरी बहन को नहीं पता था कि मैं अपने भाई के बारे में या अपने भाई द्वारा लिखे गए पत्र के बारे में भी कोई सवाल पूछ रहा हूँ,

और निःसंदेह वह नहीं जानती थी कि वह मर चुका है। मिस विंगफील्ड ने मेरे भाई को कभी नहीं देखा था; मुझे संदेह है कि क्या उसे कभी उसके अस्तित्व के बारे में पता था, और मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि वह उस समय दक्षिण अफ्रीका में था, इसलिए यह तथ्य मुझे शनिवार, 10 मार्च, 1894 को बताया गया कि मेरे भाई की कल दक्षिण अफ्रीका में मृत्यु हो गई। .

मैं पूरी तरह से स्वीकार करता हूं कि यह पूरी तरह से सही नहीं है, क्योंकि वास्तव में उनकी मृत्यु 8 मार्च की सुबह हुई थी; लेकिन मेरी राय में यह मेरे द्वारा निकाले गए निष्कर्ष को कमजोर नहीं करता है, और यह बहुत संभव है कि मेरी बहन ने जो शब्द 'कल' पढ़ा वह 'गुरुवार' रहा हो, जो मृत्यु का दिन था।

यदि मैं यह कहने में सही हूं कि इस घटना को किसी भी प्राकृतिक प्रक्रिया द्वारा समझाया नहीं जा सकता है, तो मेरा मानना है कि मेरा यह विश्वास जारी रखना उचित है, जैसा कि मेरा मानना है, कि यह एक अलौकिक संचार था। "किसी दिन इन घटनाओं की सही व्याख्या सामने आएगी, और यदि यह मेरे द्वारा वर्णित पंक्तियों पर आधारित नहीं है, और इसका कोई अन्य तरीका है जिसमें मृत्यु के बाद जीवित रहना शामिल नहीं है, तो मुझे विश्वास है कि हम कुछ सीखेंगे और भी अधिक अद्भुत, अधिक असंभव, और निश्चित रूप से उन लोगों के लिए कम स्वीकार्य, जो मेरे जैसे, अपने विश्वास में आराम पाते हैं।"

केस नंबर **52.**

पर्ल टाई-पिन केस।

यह मामला श्रीमती ट्रैवर्स-स्मिथ के माध्यम से प्राप्त किया गया था।

मिस सी, जिसे बैठना था, उसका एक चचेरा भाई, ब्रिटिश सेना में एक अधिकारी था, जो श्रीमती ट्रैवर्स-स्मिथ के बैठने से एक महीने पहले फ्रांस में एक लड़ाई में मारा गया था। मिस सी को अपने चचेरे भाई की मृत्यु के बारे में पता था। उसका नाम अप्रत्याशित रूप से ओइजा-बोर्ड पर लिखा गया था और उसका नाम उसके प्रश्न के उत्तर में वापस दे दिया गया था, "क्या आप जानते हैं कि मैं कौन हूं?" फिर निम्नलिखित संदेश दिया गया: “माँ से कहो कि जिस लड़की से मैं शादी करना चाहता हूँ उसे मेरा मोती टाई-पिन दे दें।

मुझे लगता है कि उसके पास यह होना चाहिए।" महिला का पूरा ईसाई नाम और उपनाम सामने आया, जो बहुत ही असामान्य था और श्रीमती

ट्रैवर्स-स्मिथ या मिस सी के लिए पूरी तरह से अज्ञात था। लंदन में एक पता दिया गया था जो गलत साबित हुआ, क्योंकि एक वहां भेजा गया पत्र वापस कर दिया गया, महिलाओं ने सोचा कि चूंकि पता या तो गलत लिखा गया था या काल्पनिक था, इसलिए मामले के बारे में अधिक कुछ नहीं सुना जाएगा, लेकिन छह महीने बाद उन्हें पता चला कि अधिकारी को हिरासत में ले लिया गया था।

फ़्रांस जाने से कुछ समय पहले, और उसी महिला से सगाई कर ली जिसका नाम ओइजा-बोर्ड पर लिखा था। न तो आयरलैंड में उनके परिवार को और न ही उनकी चचेरी बहन, मिस सी को इस तथ्य के बारे में पता था, और उन्होंने उनकी मृत्यु के बाद तक उन्हें कभी नहीं देखा या उनका नाम भी नहीं सुना। इसके बाद, जब युद्ध कार्यालय ने उनका माल आगे नहीं बढ़ाया।

उनमें से उन्हें एक मोती टाई-पिन मिला, और उनकी वसीयत में महिला का नाम उनके निकटतम रिश्तेदार के रूप में उल्लेखित था, दोनों ईसाई और उपनाम बिल्कुल वही था जो बैठक में प्राप्त हुआ था। दोनों महिलाओं ने इस आशय के एक दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए कि संदेश बैठक के समय रिकॉर्ड किया गया था, न कि संदेश के सत्यापन के बाद स्मृति से। यह वक्तव्य सर विलियम एफ. बैरेट को भेजा गया था।

केस नंबर **53.**

ग्लैस्टनबरी केस।

यह एक ऐसा मामला है जिसमें माध्यम तथ्यों को नहीं जान सका, क्योंकि वे दुनिया में किसी को भी ज्ञात नहीं थे। 1907 में, एफ. ब्लीग बॉन्ड और उनके दोस्त, कैप्टन जे. एलन बार्टलेट ने बाथ और वेल्स सूबा में खंडहरों और उनके इतिहास के अध्ययन के लिए बहुत समय समर्पित किया, क्योंकि पूर्व को उस जिले के मानद वास्तुकार का पद प्राप्त करने की उम्मीद थी।

उन्होंने मध्यकालीन लेखकों से लेकर उन्नीसवीं सदी के लेखकों तक, खंडहर हो चुके ग्लैस्टनबरी एबे के बारे में जो कुछ भी पाया वह सब पढ़ा। कैप्टन बार्टलेट के पास स्वचालित लेखन का उपहार था और उनके हाथ से, ग्लैस्टनबरी के एक भिक्षु, जोहान्स (1497-1534) ने उन्हें बहुत सारी जानकारी प्रदान करने का दावा किया था, जो पहले किसी भी प्राधिकारी के पास नहीं थी। इस कारण एडगर चैपल की खोज हुई - जो पूरी तरह से खो गया था, पिछली खुदाई इसके अस्तित्व को प्रकट करने में विफल रही थी।

जनवरी, 1908 में ब्लिग बॉन्ड और बार्टलेट द्वारा खुदाई शुरू करने से पहले आयोजित एक बैठक में मध्ययुगीन अंग्रेजी और लैटिन में चैपल का विस्तृत विवरण दिया गया था। चैपल अभय के पूर्वी छोर पर स्थित था। रेरेडोस के पीछे पाँच कदम की दूरी पर एक दरवाज़ा था। चैपल पूर्व की ओर तीस गज तक फैला हुआ था; चैपल की दीवारें अंत में एक कोण पर थीं। एबॉट बेरे द्वारा बनाया गया पहला भाग सत्तर या बहत्तर फीट लंबा था, और बाद में व्हिटिंग द्वारा पूर्व में बढ़ाया गया था, जो इन विशिष्ट दीवारों वाले अंतिम मठाधीश थे।

इस भाग की नींव ख़राब और पतली थी, छत लाल और सुनहरी थी; और सत्तर फीट लंबे कक्ष में चार खंड थे, इत्यादि। जून 1908 तक खुदाई शुरू नहीं हुई, जोहान्स की भविष्यवाणी के पूरा होने के एक महीने बाद कि एफ.बी.बी. उत्खनन निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति "जब कोयल मेरे जंगल में आती है" प्राप्त होनी चाहिए: और ये सभी कथन, एक के बाद एक, सत्य पाए गए, और कोई पुस्तक या दस्तावेज़ मौजूद नहीं था जो ऐसी जानकारी दे सके। इससे एडगर चैपल की खोज हुई, जो आधी सदी से पुरावशेषों के लिए निराशा का स्रोत था।

माननीय. एवरर्ड फील्डिंग, जो उस समय एस.पी.आर. थे। जो रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन के सचिव थे, उन्होंने इस मामले को बड़ी दिलचस्पी से देखा और ब्लिग बॉन्ड को लिखा कि "इसमें कोई संदेह नहीं है कि एडगर चैपल के बारे में लेखन इसकी खोज से कई महीने पहले हुआ था। यदि आपको याद हो तो मैं उस समय उपस्थित था वह समय था जब मुझे लगता है कि बार्टलेट की स्वचालितता की पुनरावृत्ति शुरू हुई थी, और वह तब था जब आपको इस नौकरी के लिए नियुक्त नहीं किया गया था।

मुझे याद है जब आपको नियुक्त किया गया था, तो आपने मुझे बताया था कि यह कितना दिलचस्प था, क्योंकि तब आप दिए गए कुछ बयानों की जांच करने में सक्षम थे। नहीं, इस बिंदु पर मेरे मन में कोई संदेह नहीं है..."

इस खोज का श्रेय दस्तावेजों के अध्ययन से प्राप्त गुप्त ज्ञान के उद्भव को दिया गया, और नेशनल चर्च के ट्रस्टियों ने कोई कार्रवाई नहीं की; लेकिन 1922 में, जब एब्बी के इतिहास से अपरिचित एक अन्य माध्यम से और खुलासे हुए, तो हार्लेविन की नॉर्मन दीवार की खोज हुई, जिससे ब्लीग बॉन्ड को उत्खनन निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति से राहत मिली।

सभी कार्य छह साल के लिए निलंबित कर दिए गए; एडगर चैपल के कोणीय विस्तार सहित कई स्थलों को हटा दिया गया। पत्थरों को हटा दिया गया, खाइयों को भर दिया गया, जबकि अन्य शिलालेखों को उजागर होने के कारण नष्ट होने दिया गया। मामले की नैतिकता पर समझदार पाठक से बहुत अधिक जोर देने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

मामले को पूरा करने के लिए एफ.बी.बी. निम्नलिखित जोड़ा गया है, जिसे गवाही देने के इच्छुक समरसेट आर्कियोलॉजिकल सोसायटी की परिषद के किसी भी सदस्य द्वारा विस्तार से सत्यापित किया जा सकता है: "जुलाई, 1939 में समरसेट आर्कियोलॉजिकल सोसायटी की वार्षिक बैठक में, परिषद को तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा स्थानांतरित किया गया था। उत्खनन निदेशक के रूप में ब्लिग बॉन्ड के उत्तराधिकारी भी थे, ताकि साइट पर सबूतों को नष्ट करने की मंजूरी देने वाले प्रस्ताव पर सदस्यों का वोट प्राप्त किया जा सके और इस तरह ट्रस्टियों की कार्रवाई को उचित ठहराया जा सके, इस कथित आधार पर कि बॉन्ड ने एक काल्पनिक रिकॉर्ड बनाया था अपने स्वयं के सिद्धांतों को मान्य करने के लिए।" इसके बारे में बॉन्ड को कोई जानकारी नहीं थी और उनसे अपना मामला बताने के लिए नहीं कहा गया।

लेकिन समय पर चेतावनी मिलने पर वह बैठक में शामिल हुए और अपने आलोचकों को संतुष्ट करने और शत्रुतापूर्ण प्रस्ताव को रोकने में सक्षम हुए। इन कार्यवाहियों का कोई विवरण 1939-40 के खंड में मुद्रित नहीं किया गया था: केवल उनके द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव का पाठ, खंडहरों पर सर्वोच्च प्राधिकारी के रूप में, पूरे मामले की गहन जांच करने और, यदि संभव हो तो, बहाल करने के लिए प्रमाण। कार्य कार्यालय बुला रहा था।"

केस नंबर **54.**

धैर्य के लायक मामला.

इस मामले ने न केवल मनोवैज्ञानिक शोधकर्ताओं, बल्कि वैज्ञानिकों और मनोवैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया, और जो लोग जीवित रहने के सिद्धांत का विरोध करते थे, उन्हें एक कठिन मामला दिया गया जब पेशेंस वर्थ - एक किसान लड़की, जिसका प्रारंभिक जीवन डोरसेटशायर, इंग्लैंड में बीता था, और अमेरिका में भारतीयों द्वारा मार डाला गया था। वह सत्रहवीं शताब्दी में वहां चली गईं - श्रीमती जॉन एच. कुरेन, जो सेंट लुइस, मिसौरी की एक माध्यम थीं, के नियंत्रण में थीं।

इस महिला की शिक्षा सीमित थी: उसकी साक्षरता कभी भी अपनी कक्षा की औसत अमेरिकी महिला से अधिक नहीं थी, और वह बहुत कम यात्रा करती थी। उन्होंने सबसे पहले ओइजा-बोर्ड पर प्रदर्शन किया, लेकिन बाद में विभिन्न विषयों पर, अत्यधिक तेजी के साथ, सीधे भाषण में संवाद करना शुरू कर दिया और उत्कृष्ट साहित्यिक योग्यता की कई किताबें लिखीं।

निम्नलिखित रचनाएँ उनके नाम पर हैं: द सॉरी टेल, होप ट्रू-ब्लड, लाइट फ्रॉम बियॉन्ड, द पॉट अपॉन द व्हील, और टेला, तीन शताब्दियों पहले एंग्लो-सैक्सन भाषा में लिखी गई 70,000 शब्दों की कविता, जो साबित करती है कि यह थी यह साबित करने के उद्देश्य से लिखा गया है कि पेशेंस वर्थ एक मध्यम-स्वतंत्र व्यक्तित्व हैं, क्योंकि इसमें उन्होंने ऐसे किसी भी शब्द का उपयोग नहीं किया है जो उनके समय से उपयोग में आए थे - एक उपलब्धि जो उन्हें दुनिया में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति बना देगी। वह इसे अपनी शक्ति से बाहर समझती थी।

डॉ. डब्लू.एफ. प्रिंस ने इसे एक उत्कृष्ट कृति मानते हुए लिखा: "टेलीविजन के पात्र जीवित हैं, हम उन्हें देखते हैं और उन्हें जानते हैं; उनमें से एक दूसरे की प्रतिकृति नहीं है... इसके विपरीत, मैटरलिनक के पात्र - और मैं उनका उल्लेख इसलिए कर सकता हूं क्योंकि ऐसा इसलिए है क्योंकि एक महान लेखक के रूप में उनकी बहुत प्रतिष्ठा है - आमतौर पर हल्के भूत होते हैं और हम सभी इस बात से सहमत हैं कि मैटरलिंक एक महान कलाकार हैं...

लेकिन यह पता चलेगा कि टैल्कम द्वारा आंका गया पेशेंस वर्थ उनसे भी महान है।" ऑक्सफोर्ड के प्रोफेसर शिलर ने टेला की पुरानी भाषा के बारे में टिप्पणी की: "यह निश्चित रूप से प्रभावशाली है कि उनकी कहानियों में से एक, टेला, जो 70,000 शब्दों तक फैली हुई है, 'एंग्लो-सैक्सन मूल के नब्बे प्रतिशत के बराबर' शब्दावली प्रदर्शित करता है, और इसमें 'अमुक' (पहली बार सत्रहवीं शताब्दी के अंत में प्रमाणित) को छोड़कर 1600 के बाद भाषा में प्रवेश करने वाला कोई शब्द नहीं है, और इसमें कोई भी शब्द नहीं है रिकार्ड में गलत वर्तनी है।

जब हमें आगे बताया जाता है कि 'अधिकृत संस्करण' केवल सतहत्तर प्रतिशत एंग्लो-सैक्सन है, और पेशेंस वर्थ के प्रतिशत से मेल खाने के लिए लियामोन (1205) पर वापस जाना आवश्यक है, तो हमें एहसास होता है कि हम आमने-सामने हैं इसे उचित रूप से भाषाई चमत्कार कहा जा सकता है।"

कोरे छंद में 1 और 70,000 शब्दों (270 पृष्ठ) की यह अद्भुत रमणीय कविता, जिसे सक्षम आलोचकों ने मैटरलिंक के समान कार्यों से बेहतर माना था, पैंतीस घंटे के संक्षिप्त समय में लिखी गई थी! एक बार, जब एक उपन्यास के शुरुआती अध्याय खो गए थे, तो पेशेंस वर्थ ने उन्हें फिर से लिखा, और जब गायब दस्तावेज़ पाए गए, तो देखा गया कि जो दूसरा लिखा गया था, वह पहले की हूबहू प्रतिकृति थी।

आलोचकों ने इस मामले पर तीन परिकल्पनाओं के साथ हमला किया: माध्यमिक अवचेतन व्यक्तित्व, अवचेतन चेतना, और ब्रह्मांडीय चेतना। प्रोफेसर शिलर ने तीन परिकल्पनाओं की समीक्षा की, विशेष रूप से बाद वाली, और निष्कर्ष निकाला: "यदि धैर्य परम से चयन के लायक है, तो बाकी सभी भी हैं, और इसलिए, जहां तक यह तर्क जाता है, किसी भी अन्य के समान ही अच्छा है।" एक अच्छी 'आत्मा' बिल्कुल वैसी ही!'

डॉ. डब्लू.एफ. प्रिंस का निष्कर्ष था: "या तो अवचेतन मन की हमारी अवधारणा को मौलिक रूप से बदला जाना चाहिए ताकि उन शक्तियों को शामिल किया जा सके जिनके बारे में हमें अभी तक कोई ज्ञान नहीं है, या फिर कुछ कारण श्रीमती कुरेन के अवचेतन के माध्यम से संचालित होते हैं। यह तथ्य, जो होने जा रहा है , लेकिन इसमें कोई समस्या उत्पन्न नहीं हो रही है, इसे स्वीकार किया जाना चाहिए।”

मैनिटोबा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एलिसन, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से मामले का अध्ययन किया था, ने सोचा कि इसे "इस युग की उत्कृष्ट घटना माना जाना चाहिए" और वाशिंगटन विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर डॉ. अशर ने लिखा, "द सॉरी टेल, 350,000 शब्दों की एक रचना, इसे "सुसमाचार प्रकाशित होने के बाद से जीवन और समय की सबसे बड़ी कहानी" माना जाता है।

पेशेंस वर्थ का एक ऐसी शख्सियत होने का दावा जो कभी इस धरती पर रही हो, पूरी तरह से उनके कार्यों पर निर्भर नहीं करता है - हालांकि उनका मूल्य बहुत बड़ा है - लेकिन इस तथ्य पर कि उनके घर और उनके पर्यावरण के बारे में उनके कुछ बयान सत्यापित किए गए हैं। केस नंबर 55 बटन केस 1 यह केस श्रीमती मार्गरेट डेलैंड द्वारा नवंबर और दिसंबर, 1926 में क्लार्क यूनिवर्सिटी, वॉर्सेस्टर, मैसाचुसेट्स में आयोजित क्लार्क यूनिवर्सिटी संगोष्ठी के लिए लिखा गया था।

"संगोष्ठी के लिए अपने पेपर में, श्रीमती डेलैंड ने वैज्ञानिक छलनी के सरल तर्क का उपयोग किया, जिसके माध्यम से, 'क्लैरवॉयन्स', 'अंतर्ज्ञान', 'संयोग', 'टेलीपैथी' इत्यादि जैसे परिचित टैग के माध्यम से, उन्होंने ओइजा का वर्णन किया - बोर्ड वर्तनी, स्वचालित लेखन, दर्शन आदि की विभिन्न घटनाओं को इस तर्क में सामने रखने का प्रयास करता है कि यदि कोई 'थोड़ा धक्का और तनाव' के बाद भी इस छलनी के जाल से गुजरने से इनकार करता है, तो इसका तार्किक निष्कर्ष यह है कि यह अवशेष अस्तित्व के सिद्धांत का तर्क देता है।

हम उसे इस 'बटन' घटना को अपने शब्दों में बताने देंगे: "मैं एक कहानी जानती हूं," वह कहती है। "। , , यह एक बच्चे के विलाप करने वाले का है। लगभग डेढ़ साल पहले मेरा एक दोस्त - मैं मौली को फोन करूंगा - और मैं बोस्टन में श्रीमती पाइपर के साथ बैठा था, और मौली की बहन लुसी, जो मर चुकी थी, ने पढ़ा (जैसा कि कहा जाता है) मंत्रमुग्ध श्रीमती पाइपर का हाथ था। उसने कहा कि एक दिन पहले उसने अपनी माँ को दूसरे शहर में ऐसा करते देखा था। लेकिन मौली को ठीक-ठीक पता था कि उसकी माँ क्या कर रही है उस समय, उसने, निश्चित रूप से, इस जानकारी का श्रेय श्रीमती पाइपर की दिमाग पढ़ने की क्षमताओं को दिया, फिर एक अन्य व्यक्ति ने लिखना शुरू किया, लेकिन थोड़ी देर के लिए रुका और कहा:

"'लुसी फिर से माँ को ढूंढने गई है और देख रही है कि वह क्या कर रही है।' "मैंने आश्चर्यचकित होकर कहा, 'अब क्या!' कोई उत्तर नहीं मिला; दूसरे

संचारक ने बस उसके मामलों के बारे में लिखना जारी रखा, फिर लगभग बीस मिनट के बाद अचानक रुककर कहा: "'लुसी यहाँ है!' "जहां तक मुझे याद है, मैंने कहा, 'अच्छा, लुसी, क्या तुमने अपनी मां को देखा? वह क्या कर रही थी?' श्रीमती पाइपर के हाथ पर लिखा था: "'माँ ने सुबह की खबर देखी (यहाँ अखबार की तस्वीर थी) और उसे एक छोटी मेज पर रख दिया। कुछ उठाया जो बटनों के बक्से जैसा दिखता था (यहाँ हाथ ने बटन सुझाए थे। सात बनाए छोटे वृत्त बनाएं और उन्हें हिलाएं।

दो-तीन को उठाया और कहीं और रखने के लिए कुर्सी पर बैठ गया। "यह बाद में लुसी की मां को बताया गया, जिन्होंने कहा कि जब यह बोस्टन में लिखा जा रहा था, तो वह शायद एक अखबार पढ़ रही थी; वह आमतौर पर उस घंटे के बारे में ऐसा करती थी, लेकिन वह निश्चित नहीं हो सकती थी। लेकिन वह निश्चित थी कि उसने चुना था बटनों की एक छोटी सी ट्रे उठाई, शायद एक दर्जन, उन्हें हिलाया, क्योंकि (उसे याद आया) कुछ बटन चिपके हुए थे, फिर उसने दो चुने, और उन्हें अपनी छोटी पोती को दे दिया, वह रोम्पर पर सिलाई करने के लिए बैठ गई।

मेरे लिए, बच्चों के ब्लूमर्स के ये बटन छलनी में अवशेष के रूप में पड़े रहते हैं, जब सुनहरे मुकुट या वीणाएँ बाहर निकल जाती थीं! वह साधारण घरेलू दृश्य किसी ने नहीं देखा। बोस्टन में श्रीमती पाइपर को लुसी की मां के बारे में कुछ नहीं पता था, न ही उसके व्यवसाय के बारे में; न ही लूसी की बहन मौली को पता था कि अप्रैल की सुबह ग्यारह बजे कैंब्रिज में क्या हो रहा था। फिर भी यहां एक घटना से मेल खाता एक बयान दिया गया है: 'उसने बटनों का एक बॉक्स उठाया और उन्हें हिलाया।' .

केस नं. **55**

बटन केस**.**

यह मामला श्रीमती मार्गरेट डेलैंड द्वारा क्लार्क विश्वविद्यालय संगोष्ठी के लिए लिखा गया था, जो नवंबर और दिसंबर, 1926 में क्लार्क विश्वविद्यालय, वॉर्सेस्टर, मास में आयोजित किया गया था: "संगोष्ठी के

लिए अपने पेपर में, श्रीमती डेलैंड ने सरल तर्क का उपयोग किया है एक वैज्ञानिक छलनी के माध्यम से, परिचित टैग 'क्लैरवोयंस,' 'अंतर्ज्ञान,' 'संयोग,' 'टेलीपैथी,' आदि के माध्यम से, वह ओइजा-बोर्ड वर्तनी, स्वचालित लेखन, दृष्टि, और की विभिन्न घटनाओं को आगे बढ़ाने के लिए निबंध लिखती है। इसी तरह, इस विवाद में कि यदि कोई 'कुछ धक्का और तनाव' के बाद भी, इस छलनी की जाली से गुजरने से इनकार करता है, तो यह एक तार्किक निष्कर्ष है कि यह अवशेष जीवित रहने के सिद्धांत के लिए तर्क देता है, हम उसे यह बताने देंगे। बटन' घटना उन्हीं के शब्दों में" :

वह कहती हैं, "मैं एक कहानी जानती हूं।" "... यह एक बच्चे के विलाप से संबंधित है। लगभग डेढ़ साल पहले एक दोस्त - जिसे मैं मौली कहूंगा - और मैं बोस्टन में श्रीमती पाइपर और मौली की बहन, लुसी, जिनकी मृत्यु हो गई थी, के साथ बैठे थे।' 'कथित' (जैसा कि कहा जाता है) मंत्रमुग्ध श्रीमती पाइपर के हाथ से लिखने के लिए, उसने कहा कि एक दिन पहले उसने अपनी माँ को ऐसा करते हुए देखा था, लेकिन जैसा कि मौली को ठीक से पता चला था उसकी माँ उस समय क्या कर रही थी, उसने निश्चित रूप से इस जानकारी का श्रेय श्रीमती पाइपर की मन-पढ़ाई को दिया, फिर एक अन्य व्यक्तित्व ने लिखना शुरू किया लेकिन कहने के लिए रुक गया:

केस नं**. 56.**

एक्स केस**.**

17 जून, 1920 को प्रोफेसर जेम्स एच. हिसलोप की मृत्यु के बाद, उनकी सचिव, मिस गर्ट्रूड ओ. टब्बी ने यह मानते हुए कि हिसलोप को अभी भी मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पोस्टमॉर्टम में रुचि होगी, ने क्रॉस-पत्राचार की एक योजना शुरू करने का निर्णय लिया, जिसके लिए आवश्यक था उसका सहयोग. उनकी मृत्यु के पांच घंटे बाद हिसलोप ने रहस्योद्घाटन करने का पहला अवसर जब्त कर लिया।

मिस ट्यूबी ने न्यूयॉर्क की श्रीमती जी से शादी की। सी. सॉन्डर्स के साथ एक अनौपचारिक, मैत्रीपूर्ण बैठक हुई, जिसमें उन्हें प्रासंगिक और अत्यधिक साक्ष्य संबंधी जानकारी दी गई, जबकि माध्यम को हिसलोप की

मृत्यु के बारे में जानकारी नहीं थी। इसके बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका में विभिन्न माध्यमों से, हिसलोप ने हमेशा एक संकेत के साथ अपनी उपस्थिति का संकेत दिया और मिस टब्बी ने अपना जाल एक व्यापक क्षेत्र में फैलाने का फैसला किया, इंग्लैंड और फ्रांस की यात्रा की योजना बनाई ताकि हिसलोप खुद को साबित कर सके। मिस टब्बी बिल्कुल अजनबी थी।

सुरक्षा के लिए, उनके बीच इस बात पर सहमति हुई कि विदेशी धरती पर कोई भी संचार वास्तविक नहीं माना जाएगा - भले ही उसमें स्पष्ट सबूत हों - जब तक कि एक्स का भी संकेत नहीं दिया गया हो। हिसलोप की सच्ची शिष्या मिस टब्बी ने खुद को गुमनामी में छिपा लिया: इंग्लैंड में केवल तीन व्यक्तियों और फ्रांस में किसी को भी उनकी आसन्न यात्रा के बारे में पता नहीं था। लंदन पहुँचकर, मिस ट्यूबी ने 'श्रीमती' से टेलीफोन पर मुलाकात की। हेस्टर ट्रैवर्स-स्मिथ' के लिए एक नियुक्ति की गई थी, जिसमें उन्हें सूचित किया गया था कि उन्हें अमेरिका में एक मित्र ने उनके साथ एक बैठक आयोजित करने की सलाह दी थी।

किसी भी नाम का उल्लेख नहीं किया गया था और उन्हें विश्वास था कि उनकी गुमनामी अच्छी तरह से सुरक्षित थी। बैठक मंगलवार, 8 जुलाई, 1924 को आयोजित की गई थी। मिस टब्बी ने माध्यम को कुछ छोटी वस्तुएं (तेल-रेशम में लिपटे एक कार्डबोर्ड बॉक्स में) दीं, जो हिस्लोप की थीं। नीचे लिखा गया पहला नाम वह था जिसकी मिस ट्यूबी को उम्मीद नहीं थी, "अर्नेस्ट एंस्ली।" हालाँकि उसने पहले भी इस माध्यम से संवाद किया था, उसके नाम की ख़ास बात यह थी कि वह लौरा नाम की महिला की दोस्त थी, जो लंदन में मिस ट्यूबी की परिचारिका थी, जिसके नाम का विशेष रूप से उल्लेख किया गया था और जिसकी उपस्थिति भी वांछित होने के लिए बहुत कुछ छोड़ गई थी।

"अर्नेस्ट" मिस टब्बी से परिचित नहीं था और उसका ईसाई नाम पूछने पर पहले तो उसे गलत उत्तर मिला, "मैरियन", लेकिन जब उसे अपनी गलती के बारे में बताया गया तो उसने उत्तर दिया, "लॉराज़ गर्ट नहीं!" मिस ट्यूबी ने कहा कि ये अभिव्यक्ति बहुत कुछ कहती है. "मैं लौरा के लिए 'गर्ट' था और किसी और के लिए नहीं। उसने मुझे यह कुछ हद तक बेतुका उपनाम हमारे शुरुआती परिचय से दिया था, इससे पहले कि मैं खुद इसके बारे में जानता था। लेकिन 'अर्नेस्ट एंस्ली' इस जीवन से चला गया है। एक पूर्ण अजनबी.

इसलिए उनके लिए मुझे 'गर्ट' कहना पूरी तरह से अनुचित होता, लेकिन मुझे 'लॉराज़ गर्ट' कहना बहुत प्रामाणिक है। श्रीमती ट्रैवर्स-स्मिथ को लौरा और मेरे बीच किसी अंतरंगता के बारे में कभी नहीं बताया गया था, और वह ऐसा नहीं करेंगी।

मिस ट्यूबी का मिशन अजनबियों से संपर्क करना नहीं था, भले ही उनके संचार स्पष्ट थे, इसलिए वह चुपचाप बैठी रहीं और इंतजार करती रहीं। तभी नाटकीय ढंग से पैकेट का स्पष्ट मालिक कुछ प्रश्न पूछने के लिए घटनास्थल पर आया। मिस टब्बी ने नाम पूछकर उत्तर दिया; यह बहुत धीरे-धीरे आया, एक समय में एक पत्र - "हिस्लोप।" फिर जब बैठने वाले ने "हुर्रे! यह अच्छा है" चिल्लाकर अपनी प्रशंसा प्रकट की, तो पूरा नाम, "जेम्स एच. हिसलोप" सामने आया।

इसके बाद एक जानकारी मिली जिसे मिस टब्बी ने बहुत ही गोपनीय माना, लेकिन उसका उल्लेख नहीं किया था। जैसे ही बैठक ख़त्म होने वाली थी, और मिस टब्बी ने लगभग उम्मीद छोड़ दी थी, तभी आवाज़ आई- "एक्स।" बाद में, मिस टब्बी ने इंग्लैंड और फ्रांस में विभिन्न माध्यमों की अपनी जांच जारी रखी, और दौरे के अंत में अपने काम का मूल्यांकन करते हुए पाया कि सत्ताईस माध्यमों से निपटने में उन्हें क्रॉस-रेफरेंस के छत्तीस आइटम मिले थे।

केस नंबर **57.**

थेल्मा केस**.**

1924 की गर्मियों में, जब श्रीमती लिडिया डब्ल्यू एलिसन श्रीमती लियोनार्ड के साथ कई बैठकों में व्यस्त थीं।

एक मित्र, श्रीमती डी क्रेस्पिग्नी की एक आकस्मिक टिप्पणी ने उनका ध्यान एक अन्य माध्यम, श्रीमती हेस्टर ट्रैवर्स-स्मिथ की ओर आकर्षित किया, जिनके बारे में उन्होंने अक्सर सुना था, लेकिन कभी प्रयोग नहीं किया था। श्रीमती डी क्रेस्पिग्नी ने "अपना नाम बताए बिना - केवल 'एक दोस्त के लिए' पूछकर एक बैठक आयोजित की - और मुझे अमेरिका में

श्रीमती एलिसन के जीवन या उसके दोस्तों के बारे में कुछ भी नहीं पता था।" जैसा कि निम्नलिखित उद्धरणों से पता चलता है, श्रीमती एलिसन ने अपनी तीन बैठकों में उत्कृष्ट साक्ष्य प्राप्त किए।

पहली बैठक 27 जून को हुई थी. एल डब्ल्यू.ए. (अपने पति को तम्बाकू की थैली देते हुए): क्या आप मुझे बता सकते हैं कि यह किसकी थैली है? उइजा: एडवर्ड. एल डब्ल्यू. ए.: ठीक है। क्या आप मुझे वह नाम बता सकते हैं जिससे आपको हमेशा बुलाया जाता था? उइजा: नेड. एल डब्ल्यू.ए. : बताओ उस दिन किसकी शादी थी? (कोई जवाब नहीं) एल.डब्ल्यू.ए.: क्या आप बता सकते हैं कि आपको बैग किसने दिया?
उइजा: अनीता. ईजा: अनिता.

एल डब्ल्यू एक। (उत्साहित होकर): यह अद्भुत है. उसने तुम्हें यह कहां दिया? नामकरण के कई असफल प्रयास हुए, इसलिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाया गया। श्रीमती ट्रैवर्स-स्मिथ ने श्रीमती एलिसन के हाथ में एक पेंसिल रखी और उसे अपनी पेंसिल से ढक दिया।

पेंसिल (कागज पर लिखना): नेड लंदन [sic]। (श्रीमती एलिसन कहती हैं: "मुझे पूरा यकीन है कि मैंने पेंसिल की गति को धीमा कर दिया था, जिसे मैंने किसी भी मदद के डर से बहुत कमजोर तरीके से पकड़ रखा था। दैवज्ञ के हाथ ने मेरे हाथ का मार्गदर्शन किया, वास्तव में, मैंने किया यह आगे है.")

एल डब्ल्यू एक। :क्या आप मुझे अपना उपनाम बता सकते हैं? पेंसिल: सभी (स्क्रैप, अपूर्ण रूप से लिखे गए, लेकिन पहचानने योग्य।)
एल डब्ल्यू ए.: क्या आप मुझे अपना मध्य नाम बता सकते हैं?
पेंसिल: लकड़ी.
एल डब्ल्यू एक ठीक।
पेंसिल: एडवर्ड!
एल डब्ल्यू. ए.: क्या आप अंतिम नाम दोबारा आज़माएंगे? (ऐसे कई प्रयास किए गए जो मोटे तौर पर नाम में समान थे इसलिए इस अनुरोध को छोड़ दिया गया।)

पेंसिल: लिडिया. (बैठने वाले व्यक्ति का सही नाम।) पेंसिल: लकड़ी। (कथित संचारक का सही मध्य नाम।)
फिर बीच वाले और बैठने वाले ने आराम किया और चाय पी; बाद वाले ने इस बात का विशेष ध्यान रखा कि वह अपने बारे में जानकारी प्रकट न करे;

फिर ओइजा-बोर्ड फिर से शुरू हुआ, श्रीमती एलिसन ने हल्के से अपनी उंगलियों को माध्यम के हाथ के पीछे रखा।

एल डब्ल्यू. ए. :नेड, क्या यह सचमुच तुम हो? उइजा: मुझे कहना चाहिए कि यह है। एल डब्ल्यू.ए.: ठीक है फिर... कोशिश करें और मुझे अपनी बहन का नाम बताएं?
उइजा: अन्ना. (उपयुक्त।)

एल डब्ल्यू. ए. : अच्छा! और आपकी दूसरी बहन का नाम?
उइजा: मैरी.
एल डब्ल्यू. ए. : बहुत बढ़िया. अब क्या आप मुझे अपना उपनाम बता सकते हैं? उइजा (धीरे-धीरे): एलसेन-एल्सन-एल्सन। 3 जुलाई को अगली बैठक में, श्रीमती एलिसन ने माध्यम से पूछा कि क्या वह बिना हाथ के बोर्ड पर काम करेंगी। श्रीमती ट्रैवर्स कोशिश करतीं और श्रीमती एलिसन पूरी बैठक के दौरान अपने हाथ अपनी गोद में रखतीं। उइजा: एडवर्ड एलिसन यहाँ हैं।

एल डब्ल्यू एक।:। , , क्या आपको ग्रेचेन याद है? (श्रीमती एलिसन द्वारा नोट: "मेरा तरीका विद्रोही था। मुझे लगा कि यदि इस और आखिरी बैठक में दिए गए नाम उस स्रोत से आए हैं जहां से उन्होंने आने का दावा किया है, तो मुझे किसी भी प्रश्न का सही उत्तर मिलना चाहिए, बशर्ते प्रश्न कथित संचारक के साथ एक महत्वपूर्ण संबंध को ध्यान में लाता है।") उइजा: हाँ। एल डब्ल्यू ए.: अच्छा, तो मुझे उसका नाम बताओ? उइजा: एल्सा. , , एल्सी। (सही। बपतिस्मा देने वाले का नाम एल्सा है, लेकिन कथित संचारक सहित उसका परिवार और दोस्त उसे नियमित रूप से एल्सी कहकर बुलाते हैं। वह संचारक और बैठककर्ता दोनों के सबसे करीबी दोस्तों में से एक थी।

दो अन्य बहनों का उल्लेख किया जा सकता है जो केवल आकस्मिक दोस्त थीं।) एल। डब्ल्यू एक। : क्या आपको जैक याद है? जैक और मैरियन? उइजा: हाँ. एल डब्ल्यू एक। :उनका अंतिम नाम क्या था? उइजा: मैके. एल डब्ल्यू एक। : यह सही है। उइजा (स्वाभाविक रूप से): मैकी। एल डब्ल्यू एक। : हाँ, इस बार आपने एक पत्र छोड़ दिया है। उइजा: इसका उच्चारण इस प्रकार किया जाता है। (सही)एल. डब्ल्यू एक। : क्या तुम्हें मेरी माँ याद है? , , , मुझे उसका पहला नाम बताओ? उइजा: पाउला. एल डब्ल्यू एक। :यह भी खूब रही। , , लेकिन मुझे उसका उपनाम बताओ।
उइजा: मूत्रवर्धक.

एल डब्ल्यू ए.: बहुत बढ़िया. लेकिन दूसरा, आप जानते हैं.
उइजा: पोली.
9 जुलाई को तीसरी बैठक की स्थितियाँ दूसरी बैठक के समान ही थीं।
एल डब्ल्यू उ.: मैं आज केवल एक नाम पूछूंगा, फिर हम किसी और चीज़ पर आगे बढ़ेंगे। मुझे अपनी बहन का नाम फिर से बताओ?
उइजा: दे दो।

एल डब्ल्यू. ए.: ठीक है, अब दूसरी बहन? , , , आप उसे विशेष रूप से पसंद करते थे। उइजा: मैरी. एल डब्ल्यू. ए.: यह सही है। अब मुझे उस छोटी लड़की का नाम बताओ (बहुत जोर से), तुम्हारी बहन की बेटी। उइजा: थम (बहुत तेज़)। एल डब्ल्यू. ए. (बीच में टोकते हुए): एक क्षण रुकें। फिर से शुरू करें। उइजा: थेल्मा! (हालिया विवाह प्रश्न का सही उत्तर थेल्मा होगा।

पहली बैठक देखें।) डॉ. वाल्टर एफ. द प्रिंस ने इन बैठकों की समीक्षा करते हुए कहा: "एडवर्ड द्वारा हाल ही में शादी करने वाले व्यक्ति का नाम न बताना अध्यात्मवादी सिद्धांत की एक विलक्षण उपयुक्तता है, हालांकि बाद में जब पूछा गया कि किसका नाम है यह नाम उसने अपनी बहन की बेटी को दिया था। क्योंकि वह अपनी बहन की बेटी का नाम याद रख सकता था, यह उम्मीद नहीं की जा सकती थी कि वह अपने जाने के बाद से जो कुछ भी हुआ था उसे याद कर सकता है, जब तक कि यह एक अनुचित धारणा न हो पृथ्वी पर होने वाली सभी घटनाओं का.

लेकिन श्रीमती एलिसन के मन में अभी भी 'थेल्मा' नाम था जब उन्होंने पूछा कि किसकी शादी हुई है, जैसा कि तब हुआ था जब उन्होंने पूछा था कि उनकी बहन की बेटी कौन है। जीवित लोगों के बीच टेलीपैथी को केवल आत्मिक चेतना के लिए उपयुक्त संघों का ही पालन क्यों करना चाहिए?"

केस नंबर **58.**

ड्रिबल केस**.**

8 मार्च, 1933 को, प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अन्वेषक और लंदन विश्वविद्यालय के मनोवैज्ञानिक जांच परिषद के मानद सचिव श्री हैरी

प्राइस को श्रीमती हेस्टर ट्रैवर्स-स्मिथ के साथ एक निजी बैठक की रिपोर्ट मिली, जिसे वे बहुत सफल बताते हैं और भरोसेमंद।

पूरी तरह से गुमनाम, श्रीमती ग्रेस ड्रिबल, एक अंग्रेज महिला, जिसका विवाह एक डचमैन से हुआ था, बैठक करने वालों में से एक थी; और वह इस बात का बहुत ध्यान रखती थी कि माध्यम को कोई जानकारी न दे। श्रीमती ड्रिबेल ने अपने कुछ मृत "ससुराल वालों" से संपर्क करने के लिए कहा, हालाँकि वह डच भाषा से अनभिज्ञ थीं। उन्हें पहला नाम "लेमन" (उनके पति का भाई) मिला,

फिर "झूठ" (यानी, लुइसा, उनकी पत्नी का पालतू नाम), "लिली" (उनकी बेटी), "जान स्टकिस" (लिली की प्रेमिका) और "अन्ना" (जान की मां) आए। इसके बाद "लीसे", "जैकब", "मोएडर" और "कैंसर" शब्द आए, जिन्हें "लेमैन" से लिया गया दिखाया गया, जिनकी वर्ष 1929 में हॉलैंड के बुसुम में हृदय रोग से मृत्यु हो गई थी।

जब श्रीमती ड्रिबल ने "नींबू" से पूछा: "आपने मुझे किस पालतू जानवर के नाम से बुलाया?" तो जवाब आया, "पैगी माइन काइंड", मोटे तौर पर डच भाषा में "पेग ओह माय हार्ट"। फिर भी असंतुष्ट, श्रीमती ड्रिबेल ने "लेमन" से उसकी मूल भाषा में एक और संदेश चाहा। "उसने" यह कहा: "1\हेब जे लाइफ" (मैं तुमसे प्यार करता हूँ), उसके बाद "लेक्स" (श्रीमती ड्रिबेल के पति), "जैक" (उसका बेटा), "सोफी," "मैरी," और "लिडिया" ", ये सभी मिस्टर ड्रिबेल के थे, जिनकी माँ कैंसर से पीड़ित थीं। चूँकि इस बैठक में दिया गया हर नाम और हर बयान सही था, श्रीमती ड्रिबेल, जो एक बहुत ही तथ्यपरक व्यक्ति थीं, ने यह राय बनाई कि वह किसी न किसी तरह से कुछ मृत व्यक्तियों के साथ संवाद कर रही थीं।

अध्याय 6

ट्रांस फिनोमपहले से

ट्रान्स की वास्तविक प्रकृति अज्ञात है, और मंच पर या भाव-कक्ष में उपस्थित सभी लोगों को इस अवस्था में नहीं माना जा सकता है, क्योंकि वे

अपनी आँखें बंद कर लेते हैं, कराहते हैं, अपने सिर को जोर से हिलाते हैं, और प्रकाश बनाते हैं या बोलते हैं। एक भारी आवाज. फुट स्टॉम्पिंग भी ट्रान्स की पहचान नहीं है; इसे विश्वास के आधार पर लिया जाना चाहिए और माध्यम की क्षमताओं को उसके बयानों की असाधारण सामग्री से आंका जाना चाहिए।

सच्ची ट्रान्स एक प्रकार की नींद है जिसमें माध्यम का सामान्य दिमाग सक्रिय नहीं होता है, बल्कि मृतक की क्रिया या आत्म-सम्मोहन की प्रक्रिया द्वारा लाया जाता है, इस पर विशेषज्ञ सहमत नहीं हैं। डॉ. रिचर्ड हॉजसन और प्रोफेसर विलियम जेम्स ने अमेरिकी माध्यम श्रीमती पाइपर की ट्रान्स प्रतिक्रियाओं की जांच की:

उसकी बांह पर एक जलती हुई माचिस रखी गई थी, उसके मुंह में नमक डाला गया था, जबकि उसे तीव्र अमोनिया सूंघने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने ये सभी शारीरिक परीक्षण पास कर लिए, फिर भी हॉजसन और जेम्स ने केवल अस्थायी रूप से उनकी वास्तविकता को स्वीकार किया। यह उनके संचार के अलौकिक, स्पष्ट चरित्र के कारण था कि श्रीमती पाइपर ने खुद को सही ठहराया और बाद में हॉजसन को जीवित रहने के लिए मना लिया।

एफ. डब्ल्यू. एच. मायर्स ने ट्रान्स के तीन क्रमिक चरणों का वर्णन इस प्रकार किया है: प्रारंभिक चरण में नियंत्रण माध्यम के अपने अवचेतन मन द्वारा प्राप्त किया जाता है; दूसरा चरण तब होता है जब एक निर्जीव प्राणी - आमतौर पर एक नियमित नियंत्रण - अपनी आध्यात्मिक दुनिया के साथ टेलीपैथिक संपर्क बनाता है; और अंतिम चरण तब होता है जब पूरे जीव, मस्तिष्क और शरीर पर एक आक्रमणकारी इकाई - आमतौर पर एक रिश्तेदार - का कब्ज़ा हो जाता है।

ऐसा माना जाता है कि माध्यमों को यह याद नहीं रहता कि जब वे ट्रान्स में होते हैं तो क्या होता है, और सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए उस अवस्था में उनका व्यक्तित्व पूरी तरह से अलग होता है।

केस नंबर **59.**

यूनानी मामला**.**

यह ट्रान्स में एक माध्यम द्वारा ऐसी भाषा बोलने का मामला है जिससे, अपनी सामान्य अवस्था में, वह पूरी तरह से अनभिज्ञ थी। माध्यम लौरा एडमंड्स, न्यायाधीश एडमंड्स की बेटी, सीनेट के अध्यक्ष और न्यूयॉर्क के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, उच्च बुद्धि और निर्विवाद सत्यनिष्ठ व्यक्ति थे।

उन्होंने एक कारण से मानसिक अनुसंधान में प्रवेश किया: यह साबित करने के लिए कि यह बेकार था और जो लोग इसमें रुचि रखते थे वे मूर्ख थे। उनके आश्चर्य की कल्पना तब की जा सकती है जब उनकी बेटी लौरा में मध्यम शक्तियां विकसित हो गईं। वह एक उत्साही कैथोलिक और बहुत धर्मनिष्ठ थी, अपनी मातृभाषा के अलावा फ्रेंच के केवल कुछ शब्द बोलती थी। एक बार, मिस्टर इवेंजेलिड्स, एक यूनानी, एडमंड्स से मिलने आए और बाद में आयोजित एक बैठक में, लौरा, ट्रान्स में, इवान गेलिड्स के एक दोस्त, मिस्टर बोट्ज़ारिस द्वारा नियंत्रित किया गया, जिनकी ग्रीस में मृत्यु हो गई थी।

न्यायाधीश एडमंड्स के अनुसार, इस संचारक ने, आधुनिक ग्रीक में इवेंजेलिड्स से बात करते हुए, उन्हें बताया कि सिटर का बेटा - जिसके बारे में उनका मानना था कि वह अभी भी स्वस्थ और ग्रीस में जीवित है, हाल ही में मर गया था। इवेंजेलिड्स इस घोषणा पर भावुक हो गए और उन्हें शायद ही इस पर विश्वास हुआ, फिर भी बाद में यह कथन बिल्कुल सच पाया गया।

न्यायाधीश एडमंड्स ने अपनी रिपोर्ट का निष्कर्ष निकाला: "इस तथ्य को नकारना असंभव है, यह बहुत प्रसिद्ध था; मैं इसे सूर्य की रोशनी से भी इनकार कर सकता था; न ही मैं इसे भ्रम मान सकता था, जैसा कि यह किसी अन्य में है। यह सच नहीं है दस शिक्षित लोगों के सामने लौरा उन्हें अपने बेटे के बारे में कैसे बता सकती थी? वह ग्रीक कैसे समझ और बोल सकती थी, जो उसने पहले कभी नहीं सुना था?"

केस नंबर **60.**

अंकल जेरी केस**.**

जब श्रीमती पाइपर वर्ष 1889 में संयुक्त राज्य अमेरिका से इंग्लैंड आईं, तो सर ओलिवर लॉज ने उनके साथ बाईस बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की। यह जानकारी जनता के एक निश्चित वर्ग को आश्चर्यचकित कर सकती है, जो मानते हैं कि 1914-18 के युद्ध में उनके बेटे रेमंड की मृत्यु के बाद ही लॉज को मानसिक अनुसंधान में रुचि हुई।

श्रीमती पाइपर की संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रोफेसर विलियम जेम्स और डॉ. रिचर्ड हॉजसन द्वारा कड़ाई से जांच की गई थी और उन्हें वास्तविक माना गया था, लेकिन उन्हें इंग्लैंड भेजना उचित समझा गया, जहां वह पूरी तरह से नए परिवेश में रहेंगी;

वहां प्रत्येक बैठक परीक्षण स्थितियों के तहत आयोजित की गई थी। लॉज ने यह सुनिश्चित किया: उनकी यात्रा के समय उनके घर में नौकर नए थे, उनके पत्रों का निरीक्षण उनके द्वारा किया गया था, और श्रीमती लॉज (जैसा कि वह तब थीं) ने सभी फोटो एलबम और पारिवारिक बाइबिल को दृष्टि से दूर छिपा दिया था।

बाद की बैठकों ने इतने अच्छे परिणाम दिए कि लॉज ने व्यावहारिक रूप से अपने अस्तित्व के सिद्धांत को अपनी घटना के स्पष्टीकरण के रूप में स्वीकार कर लिया। दोस्तों और अजनबियों (पूरी तरह से गुमनाम) को इसकी बैठकों में लाया गया और प्राप्त साक्ष्य का लॉज द्वारा विश्लेषण किया गया।

लॉज द्वारा प्राप्त इन साक्ष्यों में से कुछ को पाठक के लिए सुविधाजनक रूप में संक्षेपित किया गया है; यह यहाँ प्रस्तुत क्रम में नहीं आया, बल्कि कई बैठकों के दौरान थोड़ी मात्रा में आया। श्रीमती लॉज के पिता फिनुइट: "एलेक्स-अलेक्जेंडर, यह उसका नाम है। उसके दिल में कुछ गड़बड़ थी। उसने अपनी पत्नी मैरी से बात करने की कोशिश की, उसकी ओर अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन वह उस तक नहीं पहुंच सका, गिर गया और मर गया।

तब आप (श्रीमती लॉज) एक छोटी सी चीज़ थीं। "उसके दाहिने पैर में घुटने के नीचे दर्द था। उसने एक अधिकारी की वर्दी पहनी थी, लेकिन सेना की नहीं। वह पानी के ऊपर लंबी यात्राएँ करता था। वह जहाजों पर यात्रा करता था, नाव में एक छेद के कारण गिर गया, इस प्रकार उसकी पैर में चोट लग गई, उसका नाम अलेक्जेंडर मार्शल था।" सर ओलिवर लॉज टिप्पणी करते हैं, "मेरी पत्नी के पिता का नाम अलेक्जेंडर था, जिन्हें प्यार से एलेक्स कहा जाता था।

उष्णकटिबंधीय यात्रा के कारण उनका स्वास्थ्य ख़राब हो गया था और वे व्यापारी सेवा में कप्तान थे। शादी के तुरंत बाद वह अपनी अंतिम यात्रा पर निकल पड़े और अपनी पत्नी के जेल जाने से तीन महीने पहले वापस लौटे। तेरह दिनों की कैद के बाद, जो बहुत गंभीर थी और जिसके तनाव के कारण वह बेहोश हो गया था, वह आधे कपड़े पहने हुए, मुंह पर रूमाल रखे हुए, अपनी पत्नी के कमरे में दाखिल हुआ, जो खून से भरा हुआ था।

उसने अपना हाथ उसकी ओर बढ़ाया, रूमाल हटाया और बोलने की कोशिश की, लेकिन हांफते हुए फर्श पर गिर पड़ा। वह बहुत जल्द मर गया. मेरी पत्नी उस समय केवल एक पखवाड़े की थी। "एक बार अपने जहाज़ की पकड़ से नीचे गिरने के कारण उनका पैर टूट गया था, और कुछ मौसम की स्थिति में उन्हें दर्द का सामना करना पड़ा। यह उनका दाहिना पैर था, घुटने के ठीक नीचे। उनका पूरा नाम अलेक्जेंडर मार्शल था, जैसा कि रिपोर्ट किया गया है।" फिनुइट, सर ओलिवर लॉज के एक रिश्तेदार: "आपकी (ओ.एल.) माँ की तरफ एक आंटी ऐनी थीं।

यह उसकी अंगूठी है, तुम्हारी पत्नी को उसका आखिरी उपहार। आपकी माँ की मृत्यु आंटी ऐनी से पहले हो गई थी। आपके पिता की ओर से एक अंकल रॉबर्ट भी हैं।" टिप्पणी करें "मेरी आंटी ऐनी के बारे में बयान सही है और अंगूठी के साथ घटना बिल्कुल सटीक है। मेरी माँ की मृत्यु उसकी बहन एनी से पहले ही हो गयी थी। मेरे पिता का एक भाई था, रॉबर्ट।" श्रीमती लॉज फिनुइट के अन्य रिश्तेदार: "एक श्रीमती व्हाइट आपके पिता से संबंधित थीं।

आपके (श्रीमती एल.) दो पिता थे, एलेक्स एक था, उसका नाम मैं पहले ही बता चुका हूँ; दूसरा था विलियम, जो जीवन में बहुत दुखी व्यक्ति था। उन्हें यहां परेशानी थी (पेट के निचले हिस्से और मूत्राशय की ओर इशारा करते हुए)।" टिप्पणी करें "श्रीमती।" व्हाइट मेरी पत्नी की चाची थी. यह सच है

कि श्रीमती लॉज के सौतेले पिता थे (उन्होंने यह जानकारी दी थी), लेकिन उनका नाम, जैसा कि निश्चित रूप से बताया गया था, सौतेले पिता का नहीं था।

वह अवसाद से पीड़ित थे और उनके मूत्राशय में पथरी थी, जिसके लिए उनकी मृत्यु से ठीक पहले उनका ऑपरेशन किया गया था।" अंकल जेरी "ऐसा हुआ कि मेरे एक चाचा जो लंदन में रहते थे, अब काफी बूढ़े हैं और जीवित बचे तीन लोगों में से एक हैं उनका एक बहुत बड़ा परिवार था, उनका एक जुड़वाँ भाई था जिसकी मृत्यु बीस या उससे भी अधिक वर्ष पहले हो गई थी।

मैंने उनसे इस विषय में रुचि दिखाई और पूछा कि क्या वह मुझे अपने भाई का कोई स्मृति चिन्ह उधार देंगे। एक दिन मुझे सुबह की डाक से एक अनोखी पुरानी सोने की घड़ी मिली, जो उसके भाई ने पहनी थी और उसे बहुत पसंद थी; और उसी सुबह, जब घर में किसी ने इसे नहीं देखा या इसके बारे में कुछ भी नहीं जानता था, मैंने इसे श्रीमती पाइपर को सौंप दिया, जबकि मैं अचेतन अवस्था में था।

“मुझे लगभग तुरंत ही बताया गया कि यह घड़ी मेरे एक चाचा की थी - जिनके बारे में पहले बताया गया था कि उनकी मृत्यु गिरने से हुई थी, जो अंकल रॉबर्ट के बहुत शौकीन थे, जीवित बचे व्यक्ति का नाम - वह घड़ी। अब वह उन्हीं अंकल रॉबर्ट के साथ थी, जिनसे वह बात करने के लिए उत्सुक रहते थे।

कुछ कठिनाई और समय के साथ कई झूठे प्रयासों के बाद फिनुइट ने 'जेरी' नाम पकड़ लिया, जो जेरेमिया का संक्षिप्त रूप है, और उन्होंने जोरदार ढंग से कहा, जैसे कि किसी तीसरे व्यक्ति में बोल रहे हों: 'यह मेरी घड़ी है और रॉबर्ट मेरा है। भाई और मैं यहाँ हैं, अंकल जेरी, मेरी घड़ी।' यह सब पहली बैठक में उसी सुबह हुआ जब घड़ी डाक से आई थी, और वहां मेरे और एक शॉर्टहैंड क्लर्क के अलावा कोई नहीं था, जिससे इस बैठक में पहली बार मेरा परिचय हुआ था, और जिसका पिछला इतिहास मैं अच्छी तरह जानता था. जो वहां मौजूद था.

"इस प्रकार किसी माध्यम से मैं अपने एक मृत रिश्तेदार के संपर्क में आया, जिसे मैं वास्तव में उसके अंधेपन के अंतिम वर्षों में थोड़ा बहुत जानता था, लेकिन जिसके प्रारंभिक जीवन के बारे में मैं कुछ भी नहीं जानता था, मैंने कहा कि इसका छोटा-सा वर्णन करना अच्छा होगा अंकल

रॉबर्ट को उनकी उपस्थिति से अवगत कराने के लिए उनके बचपन की घटनाएं, जिन्हें मैं अत्यंत ईमानदारी के साथ रिपोर्ट करूंगा।

"उन्होंने इस विचार को बहुत अच्छी तरह से समझा और लगातार कई बैठकों के दौरान उन्होंने फिनुइट को कई छोटी-छोटी बातों का उल्लेख करने का निर्देश दिया, जिससे उनका भाई उन्हें पहचान सके। "मेरे दृष्टिकोण से उनका अंधापन, बीमारी और उनके जीवन के प्रमुख तथ्यों के संदर्भ तुलनात्मक रूप से बेकार थे; क्योंकि दो-तिहाई सदी पहले के बचपन के ये विवरण मेरी समझ से बिल्कुल परे थे।

मेरे पिता परिवार के छोटे सदस्यों में से एक थे और इन भाइयों को केवल पुरुषों के रूप में जानते थे।" 'अंकल जेरी' ने नदी में तैरने और डूबने का जोखिम उठाने जैसी घटनाओं को याद किया; स्मिथ के खेत में एक बिल्ली की हत्या; और एक बहुत ही अजीब त्वचा का कब्ज़ा, जैसे कि साँप का, जिसके बारे में उनका मानना था कि यह अब अंकल रॉबर्ट के पास है "ये सभी तथ्य कमोबेश पूर्ण हैं। पुष्टि हो गई है.

लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उसका जुड़वाँ भाई, जिससे मुझे घड़ी मिली थी, और जिसके साथ मैं इस तरह से बातचीत करता था, उसे यह सब याद नहीं था। उसे खाड़ी में तैरने के बारे में कुछ-कुछ याद है, हालाँकि उसने खुद ही इसे देखा था। उसे साँप की खाल और वह बक्सा जिसमें वह रखा था, अच्छी तरह याद है, हालाँकि वह नहीं जानता कि वह अब कहाँ है। लेकिन उसने बिल्ली को मारने से पूरी तरह इनकार कर दिया, और स्मिथ के खेत को याद नहीं कर सका। "हालांकि, उसकी याददाश्त निश्चित रूप से उसे धोखा दे रही है, और वह इतना दयालु था कि उसने अपने एक अन्य भाई, फ्रैंक, जो कॉर्नवाल में रहने वाला एक बूढ़ा व्यक्ति था, को पत्र लिखा।

समुद्री कप्तान से पूछा कि क्या उसे कुछ तथ्यों की बेहतर याद है - निस्संदेह, पूछने के लिए कोई अस्पष्ट कारण बताए बिना। इस जांच का नतीजा यह साबित करना था कि स्मिथ के मैदान का अस्तित्व उनके घर के पास एक जगह के रूप में था जहां उन्होंने बार्किंग, एसेक्स में खेला था; जबकि पूरी कहानी मिल-रेस के पास खाड़ी में तैरने के बारे में थी, जिसमें फ्रैंक और जेरी उस मूर्खतापूर्ण प्रकरण के नायक थे। "बाद में, लॉज ने प्रोफेसर जी.एच. रेंडल को दो बैठकों में बुलाया और उनका परिचय 'रॉबर्ट्स' के रूप में कराया।"

फिनुइट: "आपकी एक पुरानी दोस्त (जी.एच.आर.) थी, एग्नेस नाम की एक महिला, खाँसी से बेहोश हो गई थी। उसकी आँखें भूरी थीं, उसके बाल भूरे थे। उसकी माँ जीवित थी। उसकी बहन हाल ही में एग्नेस की मृत्यु के बाद उसे ले गई थी एक यात्रा पर, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ। वह धीरे-धीरे रक्तस्राव से मर गई। उसने भाई आर्थर को अपना प्यार भेजा, वह उसे सबसे अच्छी तरह जानती थी, चार्ली रैंडल, आर-ए-एन-डी-ए-1।" प्रोफ़ेसर जी. एच. रेंडाल का

टिप्पणी "उपरोक्त कथन बिल्कुल सही हैं। जैसा कि कहा गया है, उनकी मृत्यु का एक अच्छा विवरण है। एग्नेस की कान्स में तपेदिक से मृत्यु हो गई। उसकी लुई नाम की एक दोस्त थी, जो उससे बहुत प्यार करती थी, और वह मेरे भाई आर्थर को सबसे अच्छी तरह जानती थी। मेरा नाम था श्रीमती पाइपर की उपस्थिति में इसका कभी उल्लेख नहीं किया गया और मैं चार्ली रैंडल को जानता था।

एग्नेस की घटना के बारे में कुछ भी पता लगाना असंभव लगता है। उसका एक रिश्तेदार शादीशुदा था, जिसकी इक्कीस साल पहले मृत्यु हो गई थी, जिसके अस्तित्व के बारे में, मेरी राय में, लिवरपूल (जहां बैठक हुई थी) में कोई नहीं जानता था। मुझे अपने चार भाइयों - चार्ली, फ्रेड, आर्थर और अर्नोल्ड - के नाम भी सही मिले, और माँ, सबसे बड़े भाई और (अस्पष्ट रूप से) एक नवजात बहन की मृत्यु का विवरण भी मिला।

अपनी दो बैठकों के संबंध में, मैं घटना की वास्तविकता से पूरी तरह आश्वस्त हूं; संगठित धोखाधड़ी का कोई रास्ता नहीं था. मेरे पास कोई सिद्धांत नहीं है: मृत व्यक्तियों के साथ भ्रमित संचार... प्राप्त तथ्यों के अनुरूप नहीं हैं, लेकिन मेरे दिमाग में ऐसा कुछ भी नहीं आया कि यह एकमात्र स्वीकार्य स्पष्टीकरण था।"

केस नंबर **61.**

क्लेयर केस**.**

29 दिसंबर, 1889 को, श्रीमान और श्रीमती जे. टी. क्लार्क की श्रीमती पाइपर के साथ एक बैठक हुई, और निम्नलिखित एक अंश है: फ़िनुइट:

हाउज़ एम? (नाम का जर्मन उच्चारण जानने की कोशिश करते हुए) आपके एक रिश्तेदार का नाम M है (इस बार नाम का सही उच्चारण करता है)। मैं आपसे युवा अंकल सी के बारे में बात करना चाहता हूं।

उनके साथ कोई है- ई. वह आपका चचेरा भाई है. श्रीमती क्लार्क-क्या वह शरीर में है? फ़िनुइट: नहीं। श्रीमती क्लार्क: उसकी मृत्यु कैसे हुई? फिनुइट: उसके दिल और दिमाग में कुछ गड़बड़ थी। उनका कहना है कि यह एक दुर्घटना थी. वह चाहता है कि आप उसकी बहन को बताएं। एम और ई हैं.

वे E की बहनें और उनकी माँ हैं। उसे यहां (पेट की ओर इशारा करते हुए) दर्द हो रहा है. अब, आपको क्या लगता है मैं यह कैसे जानता हूँ? श्रीमती क्लार्क: मुझे नहीं पता. फ़िनुइट: ई ने मुझे बताया कि उसकी माँ उसकी मृत्यु से बहुत दुखी थी।

वह आपसे विनती करता है, भगवान के लिए, उन्हें बताएं कि यह एक दुर्घटना थी - कि यह उसका सिर था - और उसे वहां चोट लगी थी (छुरा घोंपने का इशारा करते हुए) कि उसे यह अपने पिता से विरासत में मिला है। उसके पिता पागल थे. यहाँ एम है, वह तुम्हारी चाची है। श्रीमती क्लार्क: वह अपने पति के बारे में क्या कहती है?

फिनुइट: वह कहती है कि इसने उसका जीवन बदल दिया है। उसे यह पसंद नहीं कि उसने दोबारा शादी की। श्रीमती क्लार्क: क्या वह उस आदमी से प्यार करती है जिससे उसने शादी की है? फिनुइट: ओह, वह उससे बहुत प्यार करती है, लेकिन उसे यह पसंद नहीं है कि उसने इतनी जल्दी शादी कर ली।

उसने उसकी बहन से शादी की. दो भाइयों ने दो बहनों से शादी की। उनके पति के अब बच्चे हैं. दो लड़के हैं. श्रीमती क्लार्क की व्याख्या इस प्रकार है: "अंकल सी घटना जर्मनी में मेरे चाचा के परिवार का एक चौंकाने वाला विवरण है। नाम और तथ्य सभी सही हैं। पिता अपने जीवन के अंतिम तीन वर्षों में गिरने के कारण मानसिक रूप से परेशान थे एक घोड़ा। बेटे ने दुःख के आवेश में अपने दिल में छुरा घोंपकर आत्महत्या कर ली, जैसा कि वर्णित है।

चाची एम की घटना: दूसरे चाचा के परिवार का सटीक विवरण। उनकी पत्नी नि:संतान मर गई और उन्होंने जल्द ही उसकी बहन से शादी कर ली, जिससे उनके बच्चे हुए। उनके भाई ने पहले तीसरी बहन से शादी की थी।

उन्होंने मुझे जो तथ्य बताए उनमें से कुछ जर्मनी के बाहर किसी को नहीं पता थे - यहां तक कि मेरे पति को भी नहीं। अधिक महत्वपूर्ण घटनाएँ मेरे चाचा और चाची की मृत्यु, और मेरे चचेरे भाई की आत्महत्या, जो अट्ठाईस, पंद्रह और बारह साल पहले हुई थी।

मेरे पति के अलावा इंग्लैंड में केवल दो लोग ही जानते थे। यह बिल्कुल असंभव है कि श्रीमती पाइपर इन व्यक्तियों से प्राप्त जानकारी के माध्यम से तथ्य प्राप्त कर सकती थीं।"

केस नं**. 62.**

डेरहम मामला**.**

एस.पी.आर. संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉ. रिचर्ड हॉजसन ने प्रसिद्ध अमेरिकी माध्यम श्रीमती पाइपर की बारह वर्षों की अवधि तक जांच की, और उन्होंने अपने कुछ परिणाम उस सोसायटी की कार्यवाही2 में प्रकाशित किए। अब नीचे कुछ बैठकों के अंश दिए गए हैं - किसी भी तरह से सर्वश्रेष्ठ नहीं, क्योंकि इनके बारे में पहले ही कहीं और रिपोर्ट किया जा चुका है। डॉ. हॉजसन श्रीमती पाइपर की बैठकों के पूर्ण प्रभारी थे; उनकी अनुमति के बिना कोई भी उनके साथ नहीं बैठ सकता था और उन्होंने सभी नए बैठने वालों को "स्मिथ" के रूप में पेश किया, आमतौर पर उनके साथ नोट लेने वाले के रूप में।

श्री टी.पी. डेरहम डॉ. हॉजसन के बहनोई थे - जिन्होंने उनकी छोटी बहन से शादी की थी - और मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में रहते थे। डॉ. हॉजसन को नियुक्त करने वाले व्यक्ति द्वारा कोई नाम नहीं दिया गया।

मीटिंग के दौरान खुद नोट्स बनाए. श्री डेरहम ने दो बैठकें कीं और उन्हें इस प्रकार संक्षेप में प्रस्तुत किया: “मेरे परिवार का इतिहास, जीवित और मृत, बिना किसी अटकल के, और डॉ. हॉजसन या मेरी ओर से थोड़ी सी भी सहायता के बिना, स्पष्ट रूप से बताया गया था। मुझे लगता है कि मैंने कुछ नहीं कहा और डॉ. हॉजसन ने केवल उन्हें मुद्दे पर लाने के लिए बात की। ...

मैं स्वाभाविक रूप से संशयवादी हूं और, प्रशिक्षण से, अविश्वासी हूं।"

केस नं. **63.**

जी.पी. मामला।

रिकॉर्ड पर सबसे साक्ष्यपूर्ण मामला कौन सा है जिसमें एक मृत व्यक्ति अपनी पहचान साबित करने के लिए वापस आया है? यह एक ऐसा प्रश्न है जो अक्सर पूछा जाता है, और आम तौर पर ऐसे मामलों का न्याय करने के लिए सबसे योग्य लोग इस बात से सहमत होते हैं कि एक सामान्य अमेरिकी नागरिक, जॉर्ज पेलहम (छद्म नाम) ने यह सम्मान दिया। सार्थक कमाई.

यदि ऐसा है, तो भावी पीढ़ियों को उनके प्रति कृतज्ञता का गहरा ऋणी होना चाहिए; क्योंकि स्वयं को साबित करने में उन्हें अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, क्योंकि वे किसी अन्य व्यक्ति - विपरीत लिंग के - के शरीर के माध्यम से तथ्य को साबित करने की कोशिश कर रहे थे। फरवरी 1899 में न्यूयॉर्क में अपने घोड़े से गिरकर उनकी मृत्यु हो गई।

और चार सप्ताह बाद डॉ. हॉजसन द्वारा श्रीमती पाइपर के साथ आयोजित बैठकों में उपस्थित हुए। यह कोई संयोग नहीं था, क्योंकि डॉ. हॉजसन उन्हें जानते थे और वे अक्सर जीवित रहने की संभावना पर चर्चा करते थे - जिसके बारे में पेलहम को संदेह था; लेकिन एक शाम एक बहस के बाद, पेलहम ने घोषणा की कि यदि वह हॉजसन से पहले मर गया और खुद को अभी भी जीवित पाया, तो वह इस तथ्य को उजागर करने के प्रयास में "चीजों को जीवित करेगा"।

कई वर्षों तक उन्होंने संवाद किया और हॉजसन ने बाद में अपने भावों की पूरी श्रृंखला का एक सामान्य सारांश दिया: "मार्च, 1892 में श्री हार्ट से संवाद करते हुए जी.पी. की पहली उपस्थिति में, उन्होंने न केवल खुद को व्यक्त किया और, बैठे-बैठे न केवल नाम न केवल व्यक्ति के बारे में बताया गया, बल्कि उनके कई करीबी दोस्तों के नाम और उनसे संबंधित

सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मामलों का भी विशेष रूप से उल्लेख किया गया।

उसी बैठक में बैठे लोगों के लिए अज्ञात अन्य घटनाओं का भी संदर्भ दिया गया, जैसे श्रीमती पेलहम की जी.पी. के साथ बैठक। के शरीर से स्टड निकालकर मिस्टर हार्ट और जी.पी. को भेजने के लिए मिस्टर पेलहम को दे दिया गया। हॉवर्ड के अपने सबसे करीबी दोस्त, हॉवर्ड की बेटी कैथरीन के साथ संचार की एक उल्लेखनीय स्मृति का पुनरुत्पादन, जब वह जीवित था।

ये बैठे हुए व्यक्तियों के लिए अज्ञात मामलों के बारे में दो प्रकार के ज्ञान के प्राथमिक उदाहरण थे, जिनमें से कई अन्य उदाहरण बाद में दिए गए थे: जी.पी. उनकी मृत्यु के बाद से और उनकी मृत्यु से पहले जो कुछ घटित हुआ था, उससे जुड़ी घटनाओं का ज्ञान जी.पी. व्यक्तित्व से जुड़ी खास यादों का ज्ञान. "एक सप्ताह बाद, श्री वेंस की बैठक में, उन्होंने सिटर के बेटे के बारे में उचित पूछताछ की, और पूछताछ के उत्तर में सही ढंग से निर्दिष्ट किया कि सिटर का बेटा उनके साथ कॉलेज में था, और आगे सिटर के ग्रीष्मकालीन घर का दौरा किया। दिया। विशेष यात्रा के स्थान के बारे में सही विवरण।

यह फिर से बाद के कई उदाहरणों के समानांतर था जहां उचित पूछताछ की गई और जी.पी. के अन्य निजी मित्रों की यादें ताजा हो गईं। लगभग दो सप्ताह बाद उसका सबसे अच्छा दोस्त, हॉवर्ड आया, और उसने सीधे आवाज का उपयोग करते हुए जी.पी. से बात की। व्यक्तिगत स्मृतियों और विशिष्ट ज्ञान और उनसे संबंधित विशिष्ट बौद्धिक और भावनात्मक गुणवत्ता की इतनी पूर्णता दिखाई कि, हालांकि उन्होंने पहले मानसिक अनुसंधान की किसी भी शाखा में कोई दिलचस्पी नहीं ली थी, वह इस विश्वास का विरोध करने में असमर्थ थे कि वह वास्तव में मित्र जी.पी. थे। से बातें कर रहे थे. और यह विश्वास उनके बाद के अनुभवों से और भी मजबूत हुआ।

"उस समय, सबसे महत्वपूर्ण बात जो वह चिंतित थे वह एक निश्चित पुस्तक और कुछ निर्दिष्ट पत्रों का निपटान था, जो प्रकाशन के लिए बहुत निजी मामलों से संबंधित थे। वह उन्हें विशेष रूप से अपने पिता को संबोधित करना चाहते थे, जो वाशिंगटन में रहते थे। आश्वासन दिया कि यह वास्तव में जी.पी. था जो संचार कर रहा था, और उसने जल्द ही कहा

कि उसके पिता ने उसकी फोटो कॉपी करने के लिए ली थी, जैसा कि मामला था।

हालाँकि, श्री पेलहम ने अपनी पत्नी को इस तथ्य के बारे में सूचित नहीं किया। बाद में, उन्होंने घटनाओं की एक श्रृंखला को फिर से दोहराया, जिसके बारे में बैठक करने वालों को पता नहीं था, जिसमें श्रीमती हॉवर्ड अपने घर में क्या कर रही थीं, यह भी शामिल था।

बाद में न्यूयॉर्क में उनके पिता और मां के साथ हुई मुलाकात में निजी पारिवारिक परिस्थितियों का अधिक गहन विवरण सामने आया; और अगली बैठक में, जिसमें उसके पिता और माँ उपस्थित नहीं थे, उसने कुछ निजी कार्यों का विवरण दिया जो उसने अंतरिम रूप से किए थे। उनकी बैठक में, और हावर्ड की विभिन्न बैठकों में, जी.पी. द्वारा प्रस्तुत लेखों के बारे में उचित टिप्पणियाँ की गईं। जीवित थे, या उसके परिचित थे;

उन्होंने अन्य व्यक्तिगत लेखों के बारे में पूछताछ की जो बैठकों में प्रस्तुत नहीं किए गए थे, और उनसे संबंधित घटनाओं की अंतरंग और विस्तृत यादें दिखाईं। व्यक्तिगत प्रकार के संबंधित संघों के साथ लेखों की पहचान से संबंधित बिंदुओं में, जी.पी. जहाँ तक मैं जानता हूँ, संचार कभी विफल नहीं हुआ है। "वह व्यक्तिगत मित्रों की पहचान करने में भी असफल नहीं हुए हैं।

मैं आम तौर पर कह सकता हूं कि जो लोग श्रीमती पाइपर के पास अजनबी के रूप में गए थे, उनमें से संचार करने वाले जी.पी. उनके जीवित जी.पी. दोस्तों को जीवित जीपी की तरह ही चुना गया है। अपेक्षित था. (जी.पी. की पहली उपस्थिति में श्रीमती पाइपर के साथ बैठे कम से कम एक सौ पचास लोगों में से तीस की पहचान कर ली गई है और गलत पहचान का कोई मामला सामने नहीं आया है।)

उन्होंने इन और अन्य दोस्तों की ऐसी यादें प्रदर्शित की हैं जो स्वाभाविक रूप से जी.पी. के पास आती हैं। जी.पी. का व्यक्तित्व, जो निश्चित रूप से अपने आप में यह सुझाव नहीं देता है कि वे अन्यथा उत्पन्न हुए हैं, और जिनके साथ ऐसे भावनात्मक संबंध हैं कि जीवित जी.पी. उनके मन में ऐसे दोस्तों के साथ जुड़ाव था.

"अपने शुरुआती संचारों में से एक में जी.पी. ने स्पष्ट रूप से अपने और अन्य संचारकों के निरंतर अस्तित्व को स्थापित करने की दिशा में अपनी

शक्ति में सभी सहायता प्रदान करने का वचन दिया था, एक वादे के अनुसरण में जो उन्होंने स्वयं मुझसे किया था, जैसा कि मुझे याद है, लगभग दो साल पहले। मृत्यु उन्होंने कहा था कि यदि वह मुझसे पहले मर गए होते और खुद को 'अभी भी विद्यमान' पाते, तो उन्होंने इस तथ्य को साबित करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया होता;

और जहां तक संभव हो, संचार की कठिनाइयों को दूर करने के अपने प्रयास में उनकी दृढ़ता से, बैठकों में मुंशी के रूप में कार्य करने की उनकी निरंतर तत्परता से, उनके परामर्श से उन्होंने जो प्रभाव पैदा किया है - मुझ पर और अन्वेषक पर। कई अन्य सिटर और संचारक - जहां तक मैं एक ऐसी समस्या पर निर्णय ले सकता हूं जो इतनी जटिल है और अभी भी बहुत अस्पष्टता प्रस्तुत करती है।

उन्होंने वह तीक्ष्णता और दृढ़ता प्रदर्शित की है जो जी.पी. यह उनके जीवन की एक विशेष विशेषता थी। "निष्कर्ष में, जी.पी. के इस संचार की अभिव्यक्तियाँ अनियमित या अनियमित प्रकृति की नहीं रही हैं; उन्होंने लगातार जीवंत और दृढ़ व्यक्तित्व के लक्षण प्रदर्शित किए हैं, जो वर्षों के दौरान और एक स्वतंत्र बुद्धि के रूप में प्रकट हुए हैं। समान दिखाता है विशेषताएँ, चाहे जीपी के मित्र बैठकों में उपस्थित हों या नहीं।

मुझे ऐसे कई मामलों के बारे में पता चला, जहां मेरी अनुपस्थिति में जी.पी. उन्होंने उन लोगों को सक्रिय सहायता प्रदान की जिन्होंने पहले कभी उनके बारे में नहीं सुना था, और समय-समय पर वे उन मामलों का संक्षिप्त, प्रासंगिक संदर्भ देते थे जो जी.पी. जीवित थे, हालाँकि मैं नहीं था, और कभी-कभी ऐसे तरीकों से जो संकेत देते थे कि वे कुछ हद तक देख सकते थे कि हमारी दुनिया में क्या हो रहा था, जिनके कल्याण के लिए जी.पी. जीवित लोगों की विशेष रुचि थी।"

केस नं. **64.**

एडमंड्स मामला**.**

निम्नलिखित विवरण डॉ. हॉजसन की सचिव मिस लुसी एडमंड्स द्वारा श्रीमती पाइपर के साथ तीन बैठकों में लिए गए नोट्स का सारांश है: "श्रीमती पाइपर मेरा नाम जानती थीं; कि मैं अंग्रेज़ था; उन्होंने मुझे एस.पी.आर. के कार्यालय में देखा था।" पहली मुलाकात से पहले हमारी बातचीत में मैंने एक भतीजे का जिक्र किया, मुझे लगता है कि वह मेरे बारे में कुछ नहीं जानती थी।

(बैठक के दौरान भतीजे का उल्लेख नहीं किया गया था।) "फिनुइट ने कहा कि मेरे पिता आत्मा में और माँ शरीर में हैं, प्रत्येक की कुछ विशेषताओं का वर्णन करते हुए... फिर जोसेफ। (पिता और माता दोनों का एक भाई जिसका नाम जोसेफ था, वे दोनों मर गए।) 'चार भाई हैं, दो छोटे-छोटे बच्चे हैं - अपने पिता के साथ - बस आप बेहोश हो गए।

(सच।) एक छोटी बच्ची है, जो पिता के बेहोश होने के बाद आई थी (सच।) ऐलिस-एक और छोटी लड़की। (नहीं ऐलिस, एक पल के लिए भूल गया कि लिली का नाम ऐलिस लिलियन है, और मेरा भाई उसे ऐलिस कहता है और उसी नाम से उसे पत्र लिखता है।) हाँ, ऐलिस, आप उसे लिल कहते हैं, लेकिन वह ऐलिस है! 'फ़िनुइट ने मेरी घड़ी पर नज़र डाली।

'तुम्हारे पिता ने इसे तुम्हारी चाची को दिया था और उन्होंने तुम्हें दिया था। (सच है।) "'यहां आपके लिए एक छोटी लड़की है, काफी सुंदर। हल्के बाल और गहरी आंखें-उज्ज्वल। उसे पढ़ाने में आपकी कुछ भूमिका थी। जब वह बीमार थी तो आपने उससे सुना था। वह कहती है कि ऑस्ट्रेलिया उसकी एक चचेरी बहन है , गिदोन, मारिया, मारिया, एम्मा को अपना प्यार भेजती है।

'एम्मा ठीक नहीं हैं - खुश नहीं हैं।' "यह सब सच है। मारिया छोटी लड़की का नाम है; एम्मा माँ का नाम है, और गिदोन भतीजे का नाम है, जिसे अभी तक खोजा नहीं जा सका है। "'दो बच्चे आत्मा में एक जैसे हैं। वे जुड़वां है।' (यह सत्य है।)"

केस नं. **65.**

सैवेज केस**.**

“1885-86 की सर्दियों के दौरान मेरी श्रीमती पाइपर से पहली मुलाकात हुई थी।

मनोहर के आते ही उसके सेनापति फिनुइट ने कहा कि वहाँ बहुत सारे मित्र उपस्थित हैं। उनमें से एक बूढ़ा आदमी था जिसका उन्होंने वर्णन किया, लेकिन केवल सामान्य तरीके से। फिर उसने कहा, 'वह तुम्हारे पिता हैं और तुम्हें जुडसन कहकर बुलाते हैं।' यह तथ्य भी ध्यान में आया कि उसके सिर पर एक अजीब सा गैप था और श्रीमती पाइपर ने मेरे सिर पर उसी स्थान पर अपना हाथ रखा।

"अब आइए उन तथ्यों के बारे में बात करें जो इन दो स्पष्ट रूप से सरल बिंदुओं को महत्व देते हैं। मेरे पिता की पिछली गर्मियों में नब्बे साल और छह महीने की उम्र में मृत्यु हो गई। वह कभी बोस्टन में नहीं रहे थे, और मुझे पूरा यकीन है कि श्रीमती पाइपर कभी भी नहीं थीं फिल्में देखीं और न ही उनमें किसी तरह की दिलचस्पी थी।

वह बिल्कुल भी गंजा नहीं था, लेकिन जब वह काफी छोटा था तब उसके बाल जल गए थे, इसलिए उसके सिर के ऊपर दाहिनी ओर माथे से सिर तक एक इंच चौड़ा और तीन इंच लंबा गैप था। उसने अपने बालों में कंघी करके उसे ढक लिया।

यही वह जगह थी जिसकी ओर श्रीमती पाइपर ने इशारा किया था। "अब उस नाम के बारे में जिसके द्वारा उन्होंने मुझे संबोधित किया था: मुझे मध्य नाम, जुडसन, मेरी सौतेली बहन, मेरे पिता की बेटी, के अनुरोध पर दिया गया था, जो मेरे जन्म के तुरंत बाद मर गई थी। उसकी स्मृति के लिए कोमलता (जैसा कि मैंने हमेशा किया है) विश्वास) पिता हमेशा, जब मैं लड़का था, मुझे जुडसन कहकर बुलाते थे, हालाँकि परिवार के बाकी सभी लोग मुझे मेरे पहले नाम मिनोट से बुलाते थे।

अपने बाद के जीवन में पिताजी भी मुझे मेरे पहले नाम से ही बुलाने लगे। इसलिए कई वर्षों तक किसी ने मुझे मेरे दूसरे नाम से नहीं बुलाया।

इसलिए मुझे स्वाभाविक रूप से आश्चर्य हुआ जब मैंने अचानक उस व्यक्ति को मेरे पिता होने का दावा करते हुए एक बार फिर से मेरा बचपन का पुराना नाम बताते हुए सुना।

मैं सचेत रूप से इन चीज़ों के बारे में नहीं सोच रहा था, और मुझे यकीन है कि श्रीमती पाइपर को उनके बारे में कुछ भी नहीं पता होगा। "इस बीच श्रीमती पाइपर के कंट्रोल ने भी कहा, 'यहाँ कोई है जो कहता है कि उसका नाम जॉन है। वह आपका सौतेला भाई था।' फिर अपने हाथ को अपने मस्तिष्क के आधार पर दबाते हुए, वह इधर-उधर हिलते हुए कराह उठी।

फिर उसने कहा, 'वह कहता है कि वहां अकेले मरना कितना कठिन था। वह माँ को देखना कितना चाहता था। उन्होंने आगे कहा कि गिरने से, सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने से उनकी मौत हो गई. संपूर्ण विवरण अत्यंत यथार्थवादी था। मेरा सौतेला भाई जॉन, मेरी मां का बेटा: - क्योंकि पिता और मां दोनों की दो बार शादी हुई थी - इस मुलाकात से कई साल पहले उनकी मृत्यु हो गई। मिशिगन में एक मिल का निर्माण करते समय वह गिर गया और लकड़ी का एक टुकड़ा उसके सिर के पिछले हिस्से पर लगा।

वह सभी दोस्तों से दूर था और अपनी माँ से बहुत प्यार करता था। मैं इसके बारे में तब तक नहीं सोच रहा था जब तक मुझे नहीं बताया गया कि इसका अस्तित्व है। “बैठक के दौरान और भी बहुत सी बातें हुईं, लेकिन मैंने इनका उल्लेख केवल इसलिए किया क्योंकि, हालांकि सरल, वे बहुत स्पष्ट और प्रभावशाली हैं, और क्योंकि मुझे ऐसा कोई रास्ता नहीं दिखता जिससे श्रीमती पाइपर उन्हें कभी जान सकें।

श्रीमती पाइपर के साथ मेरी अन्य बैठकें हुई हैं। हालाँकि, जो कुछ रिपोर्ट किया गया वह प्रकाशन के लिए बहुत व्यक्तिगत था। लगभग सभी ऐसे किसी भी सिद्धांत पर अस्पष्ट हैं जो कम से कम टेलीपैथी तक विस्तारित नहीं है। "एम.जे. सैवेज।"

केस नं. **66.**

शैलर मामला.

हार्वर्ड के प्रसिद्ध भूविज्ञानी प्रोफेसर एन.एस. श्रीमती पाइपर के साथ अपनी मुलाकात के शैलर के नोट्स का एक अंश निम्नलिखित है: "मेरी पत्नी ने श्रीमती पाइपर को एक उत्कीर्ण मुहर दी, जिसके बारे में वह जानती थी, हालांकि मैं नहीं जानता था, कि यह उसके भाई - रिचमंड, वर्जीनिया की थी। एक सज्जन व्यक्ति की, जिनकी लगभग एक वर्ष पहले मृत्यु हो गई।

श्रीमती पाइपर ने तुरंत मृतक के संबंध में बयान देना शुरू कर दिया, और अगले घंटे के दौरान उन्होंने अपने भाई के मामलों, अपने तत्काल परिवार के मामलों और हार्टफोर्ड, कनेक्टिकट में परिवार के मामलों के बारे में कुछ हद तक करीबी जानकारी दिखाई, जिसके साथ रिचमंड परिवार घनिष्ठ सामाजिक संबंधों में था। ,

मुझे लगता है कि मैंने माध्यम के माध्यम से मेरी पत्नी के भाई के मामलों के बारे में पर्याप्त अजीब जानकारी नहीं दी है। कुछ तथ्य, जैसे, उदाहरण के लिए, उनकी अचानक मृत्यु के बाद उनकी वसीयत की खोज में विफलता से संबंधित तथ्य, बहुत स्पष्ट और नाटकीय रूप से प्रस्तुत किए गए थे।

उनमें वास्तविक जीवन गुणवत्ता थी। इसी तरह, उस आदमी का नाम, जिसे मेरी पत्नी के भाई की बेटी से शादी करनी थी, और जो शादी के लिए तय समय से एक महीने पहले मर गया, उपनाम और ईसाई नाम दोनों के संदर्भ में, सही ढंग से दिया गया था, हालांकि न तो मेरी पत्नी और न ही मुझे याद था ईसाई नाम।"

केस नंबर **67.**

द रिंग केस**.**

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हर्बर्ट निकोल्स ने डॉ. हॉजसन द्वारा उनके लिए एक बैठक की व्यवस्था की थी, और बैठक के बाद उन्होंने अपने मित्र प्रोफेसर विलियम जेम्स को लिखा, जिन्होंने डॉ. हॉजसन को यह अंश भेजा: "वापस आने से ठीक पहले मैंने श्रीमती को लिखा था। पाइपर के साथ एक अद्भुत मुलाकात हुई। जैसा कि आप जानते हैं, मैं अब तक लौडिसियन रहा हूं, लेकिन वह धोखेबाज नहीं है, और वह सबसे बड़ा चमत्कार है जो मैंने कभी देखा है।

मुझे लगता है कि मेरा साक्षात्कार किसी भी अन्य साक्षात्कार से अधिक आश्चर्यजनक है जो मैंने पहले कभी सुना है। मैं एक छद्म नाम के तहत हॉजसन के साथ पत्र द्वारा नियुक्ति के लिए गया था - यहां तक कि वह नहीं जानता था कि मैं कौन था, शायद अब भी नहीं जानता। अधिकांश साक्षात्कार, और अब तक का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा, ऐसा था जिसके बारे में मैं नहीं लिख सकता, लेकिन कभी-कभी आपको इसके बारे में कुछ बताना चाहूंगा।

"मैंने शायद ही उससे कोई सवाल पूछा, लेकिन वह तीन-चौथाई घंटे तक मुझे सबसे चौंकाने वाले तरीके से नाम, स्थान, घटनाएं बताती रही। फिर उसने अचानक बात करना बंद कर दिया और लिखना शुरू कर दिया - यह बहुत ही संक्षिप्त था और संतोषजनक था पूरी तरह से अलग-अलग मामलों के बारे में - ज्यादातर माँ के बारे में (जो हाल ही में बेहोश हो गईं और मर गईं) और उनके पोते-पोतियों को संदेश।

"हालाँकि, यहाँ एक चीज़ है जो आपको दिलचस्प लग सकती है। माँ और मैंने क्रिसमस पर एक-दूसरे को अंगूठियाँ दीं। प्रत्येक ने अपने उपहार पर पहला शब्द अपनी पसंदीदा कहावत के रूप में उकेरा था। मुझे दी गई अंगूठी कई साल पहले खो गई थी। जब एक माँ की मृत्यु हो गई एक साल पहले, जो अंगूठी मैंने उसे दी थी, उसके अनुरोध पर, उसकी उंगली से निकालकर मुझे भेज दी गई थी।

अब मैंने श्रीमती पाइपर से पूछा, 'मम्मा की अंगूठी पर क्या लिखा था?' और जब मैंने सवाल पूछा, तो मेरे हाथ में अंगूठी थी और मेरे दिमाग में

केवल वही अंगूठी थी, लेकिन जैसे ही मेरे मुंह से शब्द निकलने वाले थे, उसने दूसरी अंगूठी - अंगूठी - पर लिखे शब्दों को कागज पर लिख दिया। जो माँ ने मुझे दिया था. और जो कई साल पहले यात्रा के दौरान खो गया था।

चूँकि यह शब्द अजीब था, पहले शायद ही कभी रिंग में लिखा गया हो, और चूँकि उसने इसे इतनी जल्दी लिखा था, यह निश्चित रूप से उत्सुक था। , , , "निकोल्स।"

केस नंबर **68.**

"बहुत निजी**"** मामले कौन एस**.**पी**.**आर**.**

कार्यवाही में सम्मिलित बैठकों की रिपोर्टों का अध्ययन एवं अध्ययन किया है। आपने देखा होगा कि कितनी बार कुछ जांचकर्ताओं ने विभिन्न मामलों के विवरण को इस आधार पर रोक दिया है कि वे प्रकाशन के लिए "बहुत व्यक्तिगत" हैं।

डॉ. हॉजसन ने पाइपर घटना पर अपनी दो रिपोर्टों में बार-बार इस पर टिप्पणी की, और खेद व्यक्त किया कि इस कारण से कई साक्ष्य संबंधी मामलों को रोक दिया गया था, अन्यथा उनकी रिपोर्टों में जीवित साक्ष्य कहीं अधिक मजबूत होते।

उन्होंने लिखा: "पहली बैठकों की कई लिखित रिपोर्टें हैं जिन्हें मैं साक्ष्य के रूप में उपयोग करने में व्यावहारिक रूप से असमर्थ हूं, क्योंकि जांचकर्ताओं की संबंधित निजी मामलों को किसी भी रूप में प्रकाशित करने की अनुमति देने की अनिच्छा और बड़ी मात्रा में पहली बैठकों से उपलब्ध सर्वोत्तम साक्ष्य प्रकाशन के लिए उपलब्ध नहीं है।"

आलोचक कह सकता है, "हम कैसे निश्चित हो सकते हैं कि इस प्रकृति के मामले साक्ष्य हैं? हमारे पास इसके लिए केवल जांचकर्ताओं का शब्द है और क्या हमें बहुत अधिक अनुमान लगाने के लिए नहीं कहा जा रहा है?"

निश्चित रूप से यह मानना अनुचित नहीं है कि इन मामलों की गोपनीयता प्रथम श्रेणी के साक्ष्य का गठन करती है।

यदि संचार निरर्थक या गलत होता, तो बैठे हुए लोग इस तथ्य को दुनिया के सामने घोषित करने में संकोच नहीं करते; इसे छुपाने का कोई उद्देश्य नहीं था क्योंकि अगर यह "बहुत व्यक्तिगत" होता, और परिणामस्वरूप, सत्य और साक्ष्य होता तो ऐसा ही होता। शायद ये बैठककर्ता उस सामग्री को रोकने में थोड़े स्वार्थी थे जिससे मानवता को लाभ होगा - फिर भी यह काफी स्वाभाविक है और हम इसकी निंदा नहीं कर सकते, हालांकि हम चाहते हैं कि वे अधिक परोपकारी हों।

हमें मानव स्वभाव को वैसे ही स्वीकार करना चाहिए जैसा हम उसे पाते हैं और उसका सर्वोत्तम उपयोग करना चाहिए। हर कोई इतना आदर्शवादी नहीं होता कि जीवित रहने के लिए अपने पड़ोसियों को पारिवारिक रहस्य बता सके। अब तीन-चार उदाहरण इसलिए दिए जा रहे हैं ताकि पाठक इस विषय पर अपनी राय बना सकें। पहला उदाहरण श्री हॉवर्ड1 का "जी.पी." मामले की जांच कर रही थी.

हॉवर्ड को पहले ही कुछ अच्छे सबूत मिल चुके थे, फिर भी वह अभी भी झिझक रहा था; वह कुछ तथ्य चाहते थे जो जी.पी. जी.पी. की पहचान के सवाल की पूरी तरह से पुष्टि करने के लिए और एक बैठक में उन्होंने जी.पी. से पूछा। से कहा, "मुझे अपने अतीत के बारे में कुछ बताओ जो केवल आप और मैं जानते हैं। आप कुछ प्रश्नों में असफल रहे हैं; मुझे अपने शब्दों में उत्तर दीजिए।"

जी.पी. लिखना शुरू किया और डॉ. हॉजसन ने इस दृश्य का वर्णन इस प्रकार किया: "'जी.पी.' बेशक, लिखे गए शब्दों का प्रतिलेखन, वास्तविक परिस्थितियों का कोई उचित प्रभाव नहीं देता है; श्रीमती पाइपर के शरीर के ऊपरी हिस्से का निष्क्रिय द्रव्यमान दाहिने हाथ से दूर हो गया, और श्रीमान पर लंगड़ा और बेजान हो गया। हावर्ड का कंधा। दाहिना हाथ, और विशेष रूप से हाथ, गतिशील, बुद्धिमान, निंदनीय, फिर अधीर और उग्र लेखन की दृढ़ता में, 'जी.पी.' इसमें उनके जीवन के बहुत सारे व्यक्तिगत तत्व शामिल हैं जिन्हें यहां पुन: प्रस्तुत करना संभव नहीं है।

मेरे द्वारा कई कथन पढ़े गए, और श्री हॉवर्ड द्वारा सहमति व्यक्त की गई और फिर 'प्राइवेट' लिखा गया और हाथ ने धीरे से मुझे दूर धकेल दिया। "मैं कमरे के दूसरी ओर चला गया और श्री हॉवर्ड ने मेरे हाथ के पास की जगह

ले ली जहां वह लेखन पढ़ सकते थे। बेशक, उन्होंने इसे अकेले नहीं पढ़ा, और यह मेरे अवलोकन के लिए बहुत निजी था।

जैसे ही हाथ प्रत्येक पृष्ठ के अंत तक पहुंचा, उसने उसे ब्लॉक बुक से फाड़ दिया और मिस्टर हॉवर्ड की ओर बेतहाशा फेंक दिया, और फिर लिखना जारी रखा। श्री हॉवर्ड ने मुझे बताया कि वर्णित परिस्थितियों में बिल्कुल वही परीक्षण शामिल है जो उन्होंने मांगा था, और उन्होंने कहा कि वह 'पूरी तरह से संतुष्ट, पूरी तरह से संतुष्ट हैं।'

"कुछ समय बाद डॉ. और श्रीमती ए.बी. थाव2 ने श्रीमती पाइपर के साथ तेरह बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की और बारह हॉजसन द्वारा प्रकाशित की गईं। एक" को बैठकों के अनुरोध पर पूरी तरह से हटा दिया गया, क्योंकि यह बहुत ही व्यक्तिगत था, और इसमें बहुत कुछ शामिल था मृतक के बारे में निजी मामले।"

चूँकि बारह निजी और व्यक्तिगत मामलों से भरे हुए थे, यह इस बात का समर्थन करता है कि प्रेस बैठक में कुछ बहुत ही असाधारण व्यक्तिगत साक्ष्य शामिल होने चाहिए और यह जानकर कोई भी आश्चर्यचकित नहीं हो सकता है कि नवंबर, 1889 से फरवरी, 1890 तक, इस उद्देश्य के लिए 76 बैठकें आयोजित की गई थीं। उसका परीक्षण करने का; बैठकों का पूरा विवरण प्रकाशित करने की अनुमति देते हुए, एफ.डब्ल्यू.एच. मायर्स, 1, जिन्होंने 24 और 25 जनवरी, 1890 को दो बैठकें कीं, ने संक्षेप में इस प्रकार बताया: “मृत मित्रों के बारे में कुछ व्यक्तिगत तथ्य। दिए गए थे, जिनमें से यह व्यावहारिक रूप से असंभव है कि श्रीमती पाइपर कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकें।"

एक अन्य माध्यम के बारे में, श्रीमती विलेट, लॉर्ड बालफोर2 ने लिखा: "विलेट घटना के आधार पर आत्मा संचार के पक्ष में तर्क के साथ न्याय करना असंभव होगा, उन मान्यताओं का उल्लंघन किए बिना जिनका मैं सम्मान करने के लिए बाध्य हूं। पाठक शायद एक हो सकते हैं आश्चर्य हो सकता है कि क्यों, चूंकि विलेट ट्रान्स के माध्यम से संचार इतनी स्पष्ट और सुसंगत प्रकृति का है कि ऐसे साक्ष्य उद्धृत किए गए हैं जो सीधे संचारकों की पहचान साबित करते हैं।

इसका उत्तर यह है कि ऐसे सबूत तो मौजूद हैं, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता. श्रीमती विलेट के स्वचालित आउटपुट का बड़ा हिस्सा प्रकाशन के लिए बहुत व्यक्तिगत है; प्रकाशन से रोकी गई सामग्री बहुत

मजबूत और ठोस प्रकृति की है। यह वास्तव में बेहद निंदनीय है कि गोपनीयता के हित में इतने महत्वपूर्ण सबूतों को प्रकाशित होने से रोका जाना चाहिए।"

केस नं. **69.**

हस्ताक्षरकर्ता **x** मामला**.**

5 अप्रैल, 1904 को आयोजित एक सत्र का यह विवरण पहली बार लूस ई ओम्ब्रा (रोम, 1920) में प्रोफेसर अर्नेस्ट बोज़ानो द्वारा प्रकाशित किया गया था, जो वर्णित कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस महत्वपूर्ण साक्ष्य का प्रकाशन कई वर्षों तक रुका रहा, और मुख्य नायक की मृत्यु के कारण ही संभव हो सका: “5 अप्रैल, 1904 को सत्र आयोजित हुआ।

निम्नलिखित उपस्थित थे: डॉ. ग्यूसेप वेन्ज़ानो, अर्नेस्टो बोज़ानो, कैवेलियर कार्लो पेरेटी, सिग्नोर एक्स, सिग्नोरा गाइडेटा पेरेटी और माध्यम, एल.पी. सत्र रात दस बजे शुरू हुआ। "शुरू से ही, हमने देखा कि माध्यम किसी अज्ञात कारण से परेशान था। 'स्पिरिट गाइड', माध्यम के पिता, लुइगी, प्रकट नहीं हुए और एल.पी. कमरे के बाएं कोने की ओर घबरा गए। इसके तुरंत बाद उन्होंने खुद को मुक्त कर लिया उनका 'आध्यात्मिक नियंत्रण', अपने पैरों पर खड़ा हुआ, और एक अदृश्य दुश्मन के खिलाफ एक अद्वितीय यथार्थवादी और प्रभावी संघर्ष शुरू हुआ।

जल्द ही उन्होंने आतंक की चीखें निकालीं, पीछे हट गए, खुद को फर्श पर गिरा दिया, कोने के चारों ओर देखा जैसे कि भयभीत थे, फिर कमरे के दूसरे कोने में भाग गए, और चिल्लाए: 'वापस! जाना। नहीं, मैं नहीं जाना चाहता. मेरी सहायता करो! मुझे बचाओ!' इस दृश्य के गवाहों को नहीं पता था कि क्या करना है, उन्होंने अपने विचारों को आध्यात्मिक मार्गदर्शक लुइगी पर केंद्रित किया और सहायता के लिए उन्हें बुलाया।

उपाय प्रभावी साबित हुआ, क्योंकि धीरे-धीरे माध्यम शांत हो गया, और कम चिंता के साथ अपार्टमेंट के कोने की ओर देखना शुरू कर दिया; फिर उसकी आँखों में ऐसे भाव प्रकट हुए मानो कोई दूर का दृश्य देख रहा हो, फिर कोई दूर का दृश्य देख रहा हो। आख़िरकार उसने राहत की सांस ली

और बुदबुदाया, 'वह चला गया!' क्या पाशविक चेहरा है!' "इसके तुरंत बाद, आध्यात्मिक मार्गदर्शक लुइगी ने खुद को प्रकट किया।

माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करते हुए उन्होंने हमें बताया कि कमरे में अत्यंत वीभत्स प्रकृति की एक आत्मा थी, जिसके विरुद्ध संघर्ष करना उनके लिए असंभव था; यह कि घुसपैठिये के मन में समूह के एक व्यक्ति के प्रति अतृप्त घृणा थी। तभी माध्यम ने भयभीत स्वर में कहा, 'वह फिर आ गया! मैं अब आपका बचाव नहीं कर सकता. रुकना।' "यह निश्चित है कि लुइगी कहना चाहता था, 'आत्मनिरीक्षण बंद करो,' लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

दुष्ट आत्मा ने हमारे माध्यम पर कब्ज़ा कर लिया था। वह चिल्लाया; उसकी आंखों में गुस्से की झलक थी. उसके हाथ, मानो किसी चीज़ को पकड़ने के लिए उठे हुए हों, किसी जंगली जानवर के पंजे की तरह चल रहे थे, जो अपने शिकार को पकड़ने के लिए उत्सुक हो। और पीड़ित सिग्नोर था, हमारे माध्यम के झाग से ढके होठों से एक खड़खड़ाहट और एक प्रकार की सघन दहाड़ निकली, और अचानक ये शब्द उसके मुंह से फूट पड़े: 'आखिरकार मैंने तुम्हें फिर से पा लिया, तुम कायर! / एक रॉयल मरीन था।

क्या आपको ओपोर्टो में हुई लड़ाई याद नहीं है? तुमने मुझे वहां भर दिया. लेकिन आज मैं अपना बदला लूंगा और तुम्हारा गला घोंट दूंगा।' "ये परेशान करने वाले शब्द तब बोले गए जब मीडियम एल.पी. के हाथों ने पीड़ित का गला पकड़ लिया और उसे स्टील के चिमटे की तरह कस दिया। यह एक भयावह दृश्य था।

सिग्नोर एक्स की पूरी जीभ उसके खुले मुँह से बाहर लटक रही थी; उसकी आंखें उभरी हुई थीं. हम उस अभागे आदमी की मदद करने गये। इस हताश आदमी की सारी ऊर्जा के साथ अपने प्रयासों को मिलाकर, स्थिति ने हमें जो कुछ भी दिया, हम एक भयंकर संघर्ष के बाद, उसे उस हताश पकड़ से मुक्त कराने में सफल रहे।

हमने तुरंत उसे बाहर निकाला और धक्का देकर दरवाजा बंद कर दिया। हमने माध्यम के दरवाज़ों तक पहुंच वर्जित कर दी; हताश होकर, उसने इस अवरोध को तोड़कर अपने दुश्मन के पीछे भागने की कोशिश की। वह बाघ की तरह दहाड़ रहा था. उसे पकड़ने में हम चारों को लग गया।

आख़िरकार वह पूरी तरह से ढह गया और फर्श पर गिर गया। "अगले दिन हम मामले को सुलझाने के लिए निकल पड़े - ऐसी जानकारी की तलाश करने के लिए जो हमें 'ओपोर्टो स्पिरिट' ने जो कहा था उसकी पुष्टि करने में सक्षम बनाए। हम, वास्तव में, पहले से ही आरोप की सच्चाई जानते थे। बिल्कुल निश्चित था, क्योंकि यह उल्लेखनीय था कि हस्ताक्षरकर्ता प्रदान किया गया।

उन्होंने कहा, 'मैं एक रॉयल मरीन था।' और मैं यह भी जानता था कि हस्ताक्षरकर्ता इन तथ्यों के आधार पर मैंने एक सेवानिवृत्त वाइस एडमिरल से अधिक जानकारी मांगी; उन्होंने लिसा में भी लड़ाई लड़ी।

जहां तक डॉ. वेन्ज़ानो का सवाल है, उन्होंने सिग्नोर एक्स के एक रिश्तेदार से पूछताछ की, जिसके साथ सिग्नोर एक्स ने कई साल पहले सभी रिश्ते तोड़ दिए थे। हमने अलग-अलग जानकारी एकत्र की जो आश्चर्यजनक रूप से मेल खाती थी, और जिसे एक साथ लाने पर हम इन निष्कर्षों पर पहुंचे: "सिग्नोर एक्स ने वास्तव में रॉयल मरीन के साथ काम किया था। एक दिन, एक प्रशिक्षण यात्रा पर एक युद्धपोत पर सवार होकर, वह पुर्तगाल के ओपोर्टो में उतरा। कुछ घंटे.

अपने प्रवास के दौरान, जब वह शहर में घूम रहा था, उसने एक सराय से नशे में धुत, उपद्रवी लोगों की आवाज़ सुनी। उसे एहसास हुआ कि भाषा इतालवी थी, और यह महसूस करते हुए कि यह उसके जहाज पर लोगों के बीच झगड़ा था, वह कमरे में गया, अपने लोगों को पहचाना और उन्हें अपने जहाज पर लौटने का आदेश दिया।

शराब पीने वालों में से एक, जो अन्य लोगों की तुलना में अधिक नशे में था, ने उसे जवाब दिया और अपने वरिष्ठ अधिकारी को धमकी देने तक पहुंच गया। उसके रवैये से क्रोधित होकर, अधिकारी ने अपनी तलवार खींची और उस ढीठ व्यक्ति की छाती में घोंप दी; इसके तुरंत बाद उनकी मृत्यु हो गई। इस साहसिक कार्य के परिणामस्वरूप, अधिकारी का कोर्ट-मार्शल किया गया, छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई और, उसकी सजा समाप्त होने के बाद, उसे अपने कमीशन से इस्तीफा देने के लिए कहा गया।

"ये तथ्य हैं; वे दिखाते हैं कि परेशान करने वाली आत्मा झूठ नहीं बोलती थी। उसने रॉयल इटालियन मरीन के रूप में अपनी रैंक सही बताई थी। उसे याद आया कि सिग्नोर हे - और यह एक विशेष रूप से उल्लेखनीय बयान

था - उसने उस स्थान का संकेत दिया था जहां उसकी मृत्यु हुई थी, नाटक की सेटिंग, "एक श्रमसाध्य जांच ने इस सब की प्रामाणिकता की पुष्टि की।

"किस परिकल्पना से उन घटनाओं की व्याख्या की जा सकती है जो इतनी आश्चर्यजनक रूप से सर्वसम्मत हैं - जिनके बारे में हमने 5 अप्रैल, 1904 के सत्र में सीखा था, और जो कई साल पहले पुर्तगाल में हुई थीं?"

केस नंबर **70.**

दक्षिण अफ़्रीका का मामला**.**

इस मामले में एच. डेनिस ब्रैडली बताते हैं कि कैसे एक स्कैंडिनेवियाई सज्जन, जो कई वर्षों तक दक्षिण अफ्रीका में रहे थे, ने उनसे पूछा कि क्या वह किसी विश्वसनीय माध्यम का नाम बता सकते हैं। ब्रैडली, जिन्हें पहले श्रीमती स्केल्स से असाधारण अच्छी प्रशंसा मिली थी, ने स्वाभाविक रूप से अपने आगंतुक को उनकी सिफारिश की, जिन्होंने अध्यात्मवादी नहीं होते हुए भी टुवार्ड्स द स्टार्स और द विजडम ऑफ द गॉड्स पढ़ी थी।

वह एक बुद्धिमान व्यक्ति था और प्रयोग करना चाहता था, क्योंकि हाल ही में उसके जीवन में कुछ महत्वपूर्ण घटनाएँ घटी थीं जिनके बारे में उसने ब्रैडली को इस समय नहीं बताया था। आगंतुक ने स्पष्ट रूप से कहा कि जहां तक विषय का सवाल है, वह बहुत संदिग्ध था, और अपनी पहचान गुप्त रखने के लिए, ब्रैडली ने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि श्रीमती स्केल्स को उसके माध्यम से उसका नाम न पता चले।

आगंतुक बैठक के बाद लौटा और ब्रैडली को अपने मामले की परिस्थितियों से अवगत कराया। वह एक माध्यम से मिलने के लिए उत्सुक था क्योंकि उसकी पत्नी की दक्षिण अफ्रीका में रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी गई थी और हत्यारे का पता नहीं चला था। उनकी पत्नी से आने वाले कथित संचार आश्चर्यजनक थे। माध्यम ने दक्षिण अफ्रीका में उनके घर और खेत का विस्तार से वर्णन किया और उस कमरे का सटीक स्थान और दृश्य बताया जिसमें उनकी पत्नी की हत्या की गई थी।

उस सटीक स्थिति का भी वर्णन किया गया था जिसमें उनकी पत्नी का शव पाया गया था और बयान दिया गया था कि उसे पड़ोसी खेत में काम कर रहे एक काले व्यक्ति ने गोली मार दी थी। बैठा हुआ व्यक्ति इस बात से सहमत था कि वर्णित सभी विवरण बिल्कुल सही थे, सिवाय इसके कि मूल निवासी का अपराध, एक तार्किक अनुमान होने के बावजूद, कभी साबित नहीं किया जा सका।

अध्याय 7

आपसी पत्र-व्यवहार

पारस्परिक पत्राचार का सिद्धांत यह है कि एक माध्यम से दिया गया शब्द या शब्द बाद में दूसरे माध्यम से कहा जाता है, या एक मामले में आंशिक रूप से व्यक्त किया गया विचार दूसरे या तीसरे माध्यम से पूरा और विस्तारित होता है। .

जीवित लोगों के बीच मध्यम संचार से टेलीपैथी की परिकल्पना को हटाने का सिद्धांत एफ.डब्ल्यू. द्वारा प्रस्तावित किया गया था। इसका श्रेय एच. मायर्स के मृत व्यक्तित्व को दिया गया है, क्योंकि 1901 में उनकी मृत्यु के बाद यह देखा गया था कि विभिन्न संवेदनाओं की लिपियों में, खंडित कथन एक-दूसरे के पूरक पाये गये, जिन्हें एकत्रित कर एक साथ रखने पर प्रत्येक उदाहरण में एक सुसंगत विचार पाया गया।

एस.पी.आर. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की शोध अधिकारी मिस ऐलिस जॉनसन इस संबंध को नोटिस करने वाली पहली व्यक्ति थीं। एस.पी.आर. कार्यवाही में ऐसे कई मामले पाए जाते हैं जिन्हें सुलझाने का प्रयास करने वालों की सरलता की आवश्यकता होती है - शास्त्रीय और वैज्ञानिक शिक्षा के लोग।

यह एस.पी.आर. उन्होंने ही सबसे पहले क्रॉस-पत्राचार का उद्घाटन किया था और वैलेंटाइन और श्रीमती क्रैंडन और कुछ फ्रांसीसी संवेदनशील लोगों

के माध्यम से कुछ छिटपुट कार्यों को छोड़कर, किसी अन्य व्यक्ति या संगठन द्वारा इस संबंध में बहुत कम काम किया गया है।

केस नंबर **71.**

होप**,** स्टार और ब्राउनिंग केस।

इस प्रयोग में आठ व्यक्तियों ने भाग लिया, यदि हम मान लें कि मृतक एफ.डब्ल्यू.एच. मायर्स और डॉ. रिचर्ड हॉजसन अभी भी "दूसरी तरफ" पर काम कर रहे थे; लंदन में श्रीमती पाइपर और कैम्ब्रिज में श्रीमती वेराल और मिस वेराल ऑटोमेटिस्ट थीं, जबकि मिस ऐलिस जॉनसन, श्रीमती सिडगविक और श्री जे. हाँ। पिडिंगटन सिटर था।

मिस जॉनसन ने कार्यवाही में विचार व्यक्त किया: 2 "अभी वर्णित क्रॉस-कॉरेस्पोंडेंस के लगभग एक महीने बाद, यानी, अप्रैल, 1906 में, सिद्धांत सामने आया कि क्रॉस-कॉरेस्पोंडेंस दिमागों के बीच होने वाली दूरदर्शिता से परे कुछ का सबूत दे रहा था। ऑटोमैटिस्ट्स की...उसी वर्ष की शरद ऋतु में श्री पिडिंगटन और मैंने, लंदन में होने वाली बैठकों को ध्यान में रखते हुए, मायर्स को संबोधित करने के लिए एक 'लैटिन संदेश' तैयार किया।

संदेश का मूल संस्करण इस प्रकार था: 'हम क्रॉस-पत्राचार की योजनाओं से अवगत हैं जो आप विभिन्न माध्यमों से प्रसारित कर रहे हैं, और हमें उम्मीद है कि आप उनके साथ आगे बढ़ेंगे। ए और बी को दो अलग-अलग संदेश देने का भी प्रयास करें, जिनके बीच कोई स्पष्ट संबंध न हो। फिर जितनी जल्दी हो सके सी को तीसरा संदेश भेजें जिससे छिपा हुआ कनेक्शन सामने आ जाएगा।'

हमने महसूस किया कि यदि प्रयोग सफल हुआ और वांछित प्रकार के पत्राचार हुए, तो वे सभी स्वचालित मशीनों के दिमाग से परे एक दिमाग के लगभग निर्णायक साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे, और उसके दिमाग की पहचान के मजबूत सबूत प्रस्तुत कर सकते हैं।" डॉ. ए. डब्लू. वेराल, एक प्रतिष्ठित शास्त्रीय विद्वान, ने इस पत्र का सिसरोनियन लैटिन में अनुवाद किया:

“डायवर्सिस इंटर्नेंटिस क्वॉड इनविसेम इंटर से रेस्पोंडेंटिया जुमडुडम कॉमिटिस, एट वेहेमेंटर प्रोबामस।

एक बात - यह हमारे लिए सबसे स्वागत योग्य सहायक है, यदि, जब आपको उनमें से दो सौंपे जाते हैं, जिनके बीच लिंक तैयार किया जाता है, तो आप मामले को किसी तीसरे पक्ष के माध्यम से इस तरह से जल्द से जल्द पूरा कर सकते हैं कि खेल पूर्व व्याख्याता में छिपा हुआ है।

यह संदेश, हालाँकि अब एक पैराग्राफ में दिया गया है, बाद में श्रीमती पाइपर को केवल वाक्यों में दिया गया, जैसा कि निम्नलिखित दो या तीन पृष्ठों से देखा जाएगा। श्री जे. हाँ. पिडिंगटन के अनुसार, इस लैटिन संदेश का अंग्रेजी में शाब्दिक अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है:

“इस तथ्य को देखते हुए कि (क्वाड) पिछले कुछ समय से आप विभिन्न मध्यस्थों (या दूतों) को चीजें सौंप रहे हैं जो एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं, हमने आपका डिज़ाइन देखा है, और हम इसे सौहार्दपूर्वक स्वीकार करते हैं। एक और चीज़ जो हमें सबसे अधिक प्रसन्न करेगी (अर्थात, आप हमारी ख़ुशी को बढ़ा देंगे) वह यह होगी कि जब आप दो विशेष व्यक्तियों को कोई बात बताते हैं, जिनके बीच कोई स्पष्ट संबंध नहीं होता है, तो आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके किसी तीसरे व्यक्ति तक पहुँचाते हैं। बात इस तरह पूरी करो कि पहले दो मैसेज में जो कुछ छिपा था, वह सामने आ जाए."

इस स्तर पर यह बताना उचित होगा कि तीनों ऑटोमैटिस्टों को प्रयोग के बारे में क्या ज्ञान था। मिस जॉनसन के अनुसार, (ए) श्रीमती वेराल इससे पूरी तरह परिचित थीं, (बी) मिस वेराल को इसके बारे में कुछ पता होना चाहिए, क्योंकि वह 19 दिसंबर, 1906 की बैठक में उपस्थित थीं, जब संदेश का हिस्सा पढ़ा गया था मंत्रमुग्ध श्रीमती पाइपर। (सी) इस विषय का उल्लेख श्रीमती पाइपर को केवल तब किया गया था जब वह ट्रान्स में थीं, और संदेश ट्रान्स-व्यक्तियों को लैटिन में सुनाया गया था।

क्या तीन ऑटोमेटिस्टों की ओर से अज्ञानता या ज्ञान ने क्रॉस-पत्राचार के मूल्य को प्रभावित किया? मिस जॉनसन ने ऐसा नहीं सोचा था: "ऑटोमेटिस्ट्स के लैटिन संदेश के ज्ञान या अज्ञानता का क्रॉस-पत्राचार के साक्ष्य मूल्य पर कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन इसका स्क्रिप्ट के शब्दों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है।" 17 दिसंबर, 1906 को लंदन में श्री जे. हां. प्रयोग पिडिंगटन द्वारा शुरू किया गया था, जिसमें उन्होंने मायर्स को

लैटिन संदेश के पहले नौ शब्द दिए, प्रत्येक शब्द का अक्षर दर अक्षर उच्चारण किया, और इसे अक्षर दर अक्षर लिखा, एक योजना जिसे उन्होंने लैटिन संदेश पूरा होने तक बनाए रखा।

इसके अलावा, इस बैठक में, श्री पिडिंगटन ने रेक्टर (मायर्स की ओर से कार्य करने वाली श्रीमती पाइपर द्वारा नियंत्रित) पर जोर दिया: "मैं संदेश और इसके सही प्रसारण को बहुत महत्व देता हूं। इस संदेश को लैटिन में भेजना बहुत महत्वपूर्ण है एक उद्देश्य यह देखना है कि क्या मायर्स इसे समझ सकते हैं; यह दिखाने के लिए कि उन्हें इसका एक बुद्धिमान उत्तर भेजना चाहिए, न कि केवल 'मैं समझता हूं' या 'हां' या 'नहीं' जैसा उत्तर, बल्कि ऐसा उत्तर जो यह दर्शाए कि उनके पास है। इसका मतलब समझ गया।"

जब मिस्टर पिडिंगटन कोमिटिस शब्द पर पहुंचे तो घड़ी में बारह बज गए और उसी क्षण कैम्ब्रिज में श्रीमती वेराल ने लिखना शुरू किया: "घूमती हुई कुल्हाड़ियाँ, घूमते हुए गोले, रहस्यमय संगीत बनाते हैं।

गोले घूम गए, सामंजस्य शुरू हो गया, एक सामंजस्यपूर्ण ध्वनि शायद ही कभी मनुष्य ने सुनी हो, फिर आत्मा का राजसी संगीत समग्र की प्रत्येक इकाई से जुड़ गया, नहीं! नहीं! राजसी संगीत, नहीं - आप वह नहीं देख सकते जो मैं चाहता हूँ - फिर से शुरू करें। घूमते हुए गोले, सामंजस्य शुरू हुआ, - 1 अर्थ एफ.डब्ल्यू.एच. मायर्स श्रीमती पाइपर के माध्यम से संवाद करने का दावा करते हैं; मायर्स वी, श्रीमती वेराल के माध्यम से।

मनुष्यों के लिए एक सीधा डायपसन
-
प्रत्येक एकल इकाई ने ईश्वर द्वारा भेजी गई कला के साथ सिम्फनी पर चर्चा करते हुए अपने कई हिस्से बजाए, जब तक कि पूरे का राजसी संगीत नहीं धड़क उठा - और धड़कते हुए आत्मा ने खोई हुई उपस्थिति की ध्वनि के माध्यम से लौ के जलने को देखा। महसूस किया- उपस्थिति में आया।"

श्री पिडिंगटन की राय में पंक्तियाँ "प्रत्येक एकल इकाई ने ईश्वर द्वारा भेजी गई कला के साथ सिम्फनी पर चर्चा करते हुए अपने कई हिस्से बजाए, जब तक कि पूरे का राजसी संगीत ताल पर नहीं धड़क उठा - और ध्वनि के माध्यम से धधकती आत्मा ने ईर्ष्या नहीं देखी

एबॉट ने इस क्रॉस-पत्राचार पर आधारित वोगलर की कविता की ओर इशारा किया, और उन्होंने इस वाक्यांश पर विशेष जोर दिया: "और धड़कती आत्मा ने ध्वनि के माध्यम से लौ को जलते हुए देखा", इस पंक्ति के साथ एक मजबूत संबंध रखा। : "तीन ध्वनियों में से उसने चौथी ध्वनि नहीं बल्कि एक तारा बनाया"

ब्राउनिंग की कविता एबॉट वोग्लर। बाद में यह देखा जाएगा कि कैसे तारे का विचार इस परस्पर-संवाद में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारक बन गया। 19 दिसंबर को, मिस वेराल की उपस्थिति में, श्री पिडिंगटन ने लैटिन संदेश के और शब्द जोड़े, 24 दिसंबर को तेरह और, फिर 31 दिसंबर को उन्होंने रेम शब्द को दूसरे वाक्य में स्थानांतरित कर दिया। इस बैठक में रेक्टर ने कहा, "हमने आपके संदेश को आंशिक रूप से समझा है और इसे आपके मित्र मायर्स तक पहुंचा दिया है और वह इसे प्राप्त करके बहुत खुश हैं।" 2 जनवरी, 1907 को अगली बैठक में, रेक्टर ने लिखा: "हॉजसन अपने अनुवाद में मायर्स की मदद कर रहे हैं" - एक बहुत ही दिलचस्प टिप्पणी, जैसा कि बाद के घटनाक्रम से पता चलता है।

बाद में बैठक में मायर्स ने कहा कि संदेश ने उन्हें प्रभावित किया और उन्होंने इसका अंग्रेजी में अनुवाद करने की पेशकश की, लेकिन श्री पिडिंगटन ने जवाब दिया कि वह ऐसा नहीं चाहते थे; वह मायर्स से बस यही चाहता था। यह एक ऐसा उत्तर था जिससे पता चला कि वह समझ गया था

अर्थ। मायर्स पी. ने उत्तर दिया, "मैं पूरी तरह से समझता हूं और मैं निश्चित रूप से ऐसा करूंगा।"

तब श्री पिडिंगटन ने उन्हें शेष लैटिन संदेश दिया। 16 जनवरी को, श्री पिडिंगटन ने मायर्स पी. को सुझाव दिया कि क्रॉस-पत्राचार देते समय उस पर एक प्रतीक के साथ हस्ताक्षर करना एक अच्छा विचार होगा, जैसे कि एक वृत्त के भीतर एक त्रिकोण, ताकि लिपियों के बीच संबंध दिखाया जा सके जहां इरादा हो। जाना। मायर्स पी. ने सोचा कि यह एक उचित सुझाव है और उन्होंने उत्तर दिया कि उन्हें इसे आज़माने में ख़ुशी होगी।

23 जनवरी को, मायर्स पी. ने कहा, "मैं हमारे लैटिन संदेश के पहले और दूसरे वाक्यों पर गौर करना चाहूंगा... मेरा मानना है कि मैं आपको एक संदेश भेज सकता हूं जो आपको प्रसन्न करेगा यदि मैं इसे स्पष्ट रूप से

समझ सकूं, और उस रात श्रीमती वेराल ने लिखा: "न्याय तराजू पकड़े हुए है। यह शब्द देता है लेकिन अनाग्राम बेहतर होगा।

उसे बताएं कि - चूहा, तारा, तार इत्यादि। इसे अजमाएं। आरटीएटीएस द्वारा इन पांच अक्षरों को पुनर्व्यवस्थित करने या आंसुओं को फिर से घूरने से पहले यह कोशिश की गई है कि सीम वही है वगैरह। "स्केट केट कीट्स स्टेक स्टेक लेता है लेकिन आज रात आपको जो पत्र देने चाहिए वे इतने अधिक नहीं हैं - केवल तीन - एएसटी।" मायर्स पी.

लैटिन संदेश का उल्लेख नहीं किया गया, लेकिन 28 जनवरी और 3 फरवरी को श्रीमती वेराल और मिस वेराल ने क्रमशः लिखा, और इस बात पर जोर दिया गया कि मिस वेराल को अपनी मां की स्क्रिप्ट के बारे में कुछ भी नहीं पता था: श्रीमती वेराल - 28 जनवरी "एस्टर (एक सितारा) रेपस (एक संकेत या आश्चर्य) दुनिया का आश्चर्य और सभी आश्चर्य और एक जंगली इच्छा इसके पंख।

लेकिन यह सब एक ही बात है - विंग्ड डिज़ायर £9005 jtoSeivoc; (जुनून) आशा जो धरती को छोड़कर आकाश की ओर जाती है -एबट वोग्लर उस धरती के लिए बहुत कठिन है जिसने खुद को पाया या खो दिया - आकाश में। यही हमें चाहिए। धरती पर टूटी हुई आवाजें, आकाश में धागे, सी मेजर में इस जीवन का सही आर्क। लेकिन आपकी याददाश्त ग़लत है. एडीबी वह हिस्सा है जो अदृश्य आर्क को पूरा करता है।"

मिस वेराल - 3 फरवरी "एक हरे रंग की जर्किन और नली और डबलट जहां सुबह-सुबह गाने वाले पक्षी अपनी धुन बजाते हैं, थेरेपी\ओएस ई\उत्तेजना (एलियंस से उपचारक) एक मोनोग्राम वर्धमान चंद्रमा याद रखें कि वी\ और तारा गर्जन वाले ओक की तरह खड़ा है मैदान का स्पष्ट उजाड़ प्रकृति द्वारा मनुष्य के कमजोर श्रम के लिए दी गई अवधि के सभी युगों के लिए एक रिकॉर्ड 11 फरवरी को मिस्टर पिडिंगटन को मायर्स पी. ने सूचित किया कि श्रीमती वेराल "होप", "स्टार" और "ब्राउनिंग"। "एक स्क्रिप्ट में उल्लेख किया गया था।

15 फरवरी को मिस वेराल को उनकी मां ने सूचित किया कि परस्पर-संवाद हुआ था और उन्हें "होप", "स्टार" और "ब्राउनिंग" के बजाय "प्लैनेट", "मंगल", "पुण्य" और "कीट्स" शब्द दिए गए थे। . ताकि उनकी स्क्रिप्ट पर असर न पड़े. 17 फरवरी को मिस वेराल ने लिखा: "एंड्रॉस (?) कार्थुसियन

कैंडेलब्रम कई एक साथ एक संकेत था जिसे वह तब समझती थी जब वह इसे देखती थी।

डायपसन 5आईए ज़ाकोव क्वोक, (सभी के माध्यम से लय) क्या कोई कला स्वर्गीय सद्भाव का लाभ नहीं उठा सकती है? e<pr) oidorcou (sic) (जैसा कि प्लेटो कहता है) रहस्यवादी तीन (?)

और उसके ऊपर एक सितारा हैमेलिन शहर में हर जगह चूहे, अब क्या आप समझ गए? हेनरी।" 27 फरवरी को मायर्स पी. ने श्री पिडिंगटन को सूचित किया कि "होप," "स्टार," और "ब्राउनिंग" लैटिन संदेश के उनके उत्तर थे, और 6, 13 और 20 मार्च को श्रीमती वेराल ने कहा कि " इसके अलावा "आशा," "स्टार," और "ब्राउनिंग" शब्दों को एक वृत्त और त्रिकोण दिया गया था।

8 अप्रैल को, जब श्रीमती सेडगविक बैठी थीं, निम्नलिखित बातचीत मायर्स पी. (लैटिन संदेश और कविता का उल्लेख करने के बाद) हुई: एक घेरे के अंदर। श्रीमती एस.: ओह! एक चक्र। हाँ मैं मुझे याद है। मायर्स पी.: जैसा मेरे मन में आया... फिर मैंने एक स्टार बनाया या बनाने की कोशिश की। श्रीमती एस.: मैं समझ गई, आपने एक सितारा बना दिया।

मायर्स पी.: और मैंने किया, ताकि आप समझ सकें कि मुझे संदेश मिल गया। श्रीमती एस.: हाँ. मायर्स पी.: और मैंने यह किया। श्रीमती एस.: हाँ, वहाँ एक तारा बनाया गया था। मायर्स पी.: मैंने इसे बनाया ताकि आप समझ सकें कि मैंने इसे बनाया, साथ ही एक अर्धचंद्र भी। श्रीमती एस.: क्या आपको कविता का नाम याद है?

मायर्स पी.: यही तो मैं यहां कहना चाह रहा हूं। ...मुझे बहुत डर था कि मेरा संदेश समझा नहीं जाएगा, इसलिए मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए एक सितारा बना दिया। श्रीमती एस.: मैं समझती हूँ। मायर्स पी.: मुझे यही समझ आया और मैं आपको फिर से नाम बताने की कोशिश करूंगा। ...मैं रेक्टर को कविता का नाम समझाने के लिए बहुत उत्सुक हूं।

पूर्वगामी से यह देखा जा सकता है कि मायर्स पी. ने घोषणा की कि उसने एक अन्य ऑटोमेटिस्ट के माध्यम से एक तारा और एक अर्धचंद्र बनाया है। मायर्स पी. ने कहा कि जब श्रीमती सिडगविक 24 अप्रैल को लौटीं, तो उनके दिमाग में ब्राउनिंग की कविता एबॉट वोगलर थी। उन्होंने यह भी

कहा कि उन्होंने उत्तर के रूप में "आशा", "स्टार" और "ब्राउनिंग" शब्द दिए थे, फिर जोड़ा:

"अब, प्रिय श्रीमती सिडगविक, भविष्य में तथाकथित मृत्यु के बारे में कोई संदेह या डर नहीं है, क्योंकि ऐसा कुछ नहीं है, क्योंकि निश्चित रूप से इसके परे भी बुद्धिमान जीवन है।"

श्रीमती एस.: हाँ, यह एक बड़ी सांत्वना है। मायर्स पी.: हां, और मैंने आप सभी के लिए इसकी घोषणा करने में मदद की। श्रीमती एस.: आपने सचमुच ऐसा किया।

इस बैठक के अंत में मायर्स पी. ने बताया कि यह "एबट की अनिश्चितता और उनके विश्वास" थे जिन्होंने उन्हें अपने अनुभव की याद दिला दी और उन्हें कविता उद्धृत करने के लिए प्रेरित किया। जब श्रीमती सिडगविक ने उनसे पूछा कि उन्होंने लैटिन संदेश के उत्तर के रूप में एबॉट वोग्लर को क्यों चुना, तो उन्होंने कहा: "मैंने इसे चुना क्योंकि इसमें वर्णित उपयुक्त परिस्थितियाँ मेरे अपने जीवन से अपील करती थीं। समझे?" श्रीमती एस.: मैं समझती हूँ। मायर्स पी.: और मेरे दिमाग में उन विशेष शब्दों के अलावा ऐसा कुछ भी नहीं था जो इस प्रश्न का पूरी तरह से उत्तर दे सके।

7 मई को, फिर से श्रीमती सिडगविक से उन्होंने कहा: "अब एक और शब्द, श्रीमती एस., मेरा उत्तर कविता के बारे में था, और बहुत पहले मैंने अपने उत्तर और संदेश की समझ के लिए उपयुक्त 'संगीत' शब्द दिया था। था।" श्रीमती एस.: हाँ. सही।

मायर्स पी.: आपको जितना संभव हो सके चीजों को जोड़ना होगा। याद रखें कि हम गहरे या छिपे अर्थ के बिना अजीब या विलक्षण शब्द नहीं देते हैं।" 7 मई को, मायर्स पी. ने एबॉट वोगलर के उद्धरण पर जोर दिया: "यदि चौथे के बजाय एक तारा आ गया होता (यहां एक तारे की अधूरी तस्वीर बनाई गई थी)। .. आप तक स्पष्ट रूप से पहुंचने के जुनून में मैंने रेक्टर से मेरे लिए एक सितारा बनवाने की कोशिश की है ताकि कोई गलती न हो" श्रीमती एस.: नहीं, कोई गलती नहीं हो सकती।

मायर्स पी.: क्या आप अब संतुष्ट हैं? श्रीमती एस.: हाँ, बिल्कुल। इस बिंदु पर आइए हम श्रीमती पाइपर के माध्यम से मायर्स के संचार को छोड़ दें और देखें कि श्रीमती वेराल और मिस वेराल की स्क्रिप्ट पर उनका क्या

प्रभाव था। प्रारंभिक बिंदु श्रीमती वेराल की स्क्रिप्ट है जो मिस्टर पिडिंगटन द्वारा रेक्टर को लैटिन संदेश के पहले नौ शब्द देने के साथ शुरू हुई।

"संगीत" या "सद्भाव" इस लिपि का प्रमुख विषय है - "संगीत" चार अलग-अलग बार कहा गया है, जो दिलचस्प हो जाता है जब हम मानते हैं कि मायर्स ने "बहुत समय पहले" कहा था। उन्होंने "संगीत" शब्द गढ़ा। आलोचक पूछ सकते हैं, "हमें श्रीमती वेराल की अहस्ताक्षरित स्क्रिप्ट के लिए मायर्स को यह श्रेय क्यों देना चाहिए?"

श्री पिडिंगटन इस प्रकार उत्तर देते हैं: "हस्ताक्षर के अभाव के बावजूद मुझे 17 दिसंबर की स्क्रिप्ट का श्रेय मायर्स वर्सेज को देने में कोई झिझक नहीं है, क्योंकि यह न केवल इस व्यक्तित्व के कई हस्ताक्षरित संचारों की शैली में है, बल्कि स्वयं श्रीमती वेराल के समान है बताते हैं...इसकी कुछ पदावली निश्चित रूप से एफ.डब्ल्यू.एच. के पद्य अनुवाद से उधार ली गई है।"

एसेज़ क्लासिकल, पृष्ठ 97-100 में प्रकाशित दो ग्रीक भविष्यवाणियों का मायर्स का अनुवाद, संदर्भित कार्य है, और विशेष उद्धरण है: "हे भगवान अवर्णनीय, शाश्वत पिता, घूमते हुए क्षेत्रों पर विराजमान, सूक्ष्म अग्नि, जिनके हृदय में सारी सृष्टि छुपी हुई है, सारी दुनिया का आश्चर्य तुम्हारी आँखों में झलकता है, तुम सभी रूपों में प्रथम नंबर और सामंजस्यपूर्ण पूर्ण हो, और सभी आत्माओं में आत्मा हो, एक बार भगवान की कृपा से यह पर्दा आपकी आँखों से हट गया था विशाल और चक्करदार दुनिया को कवर करता है, जब आपके आस-पास के मैदान सुंदरता से भरे हुए थे।

इस लिपि की पदावली में श्री पिडिंगटन ने सेंट सेसिलिया दिवस के लिए ड्राइडन के भजन के इस उद्धरण का प्रमाण भी देखा: "सद्भाव से, स्वर्गीय सद्भाव से इस सार्वभौमिक ढांचे की शुरुआत हुई। सामंजस्य से लेकर सामंजस्य तक, यह स्वरों के सभी कम्पास के माध्यम से चला गया, मनुष्य में डायपसन पूरी तरह से बंद हो गया।

पवित्र गीतों की शक्ति से गोले हिलने लगे।" श्रीमती वेराल की 17 दिसंबर की स्क्रिप्ट ड्राइडन की कविताओं के विचारों को व्यक्त करने वाली एकमात्र स्क्रिप्ट नहीं थी, क्योंकि मिस वेराल की 17 फरवरी की स्क्रिप्ट में "स्वर्गीय सद्भाव" और "डायपसन" शब्द शामिल थे। जो वास्तव में इसके उद्धरण थे।

श्री पिडिंगटन ने बताया कि यह घटना दोनों लिपियों में घटित हुई, इस तथ्य के अलावा कि श्रीमती वेराल की लिपि का "सद्भाव" स्पष्ट रूप से एक स्वर्गीय सामंजस्य का संकेत देता है। जो इन दोनों लिपियों को एक दूसरे के संपर्क में लाता है।

मिस वेराल की 17 फरवरी की स्क्रिप्ट न केवल श्रीमती वेराल की 17 दिसंबर की स्क्रिप्ट से जुड़ी थी, बल्कि यह 3 फरवरी की स्क्रिप्ट से भी जुड़ी थी, जैसा कि निम्नलिखित आइटम दिखाते हैं: दोनों स्क्रिप्ट में "स्टार" शब्द और इस प्रतीक की एक तस्वीर दिखाई गई थी। देता है, और 3 फरवरी की स्क्रिप्ट में ब्राउनिंग के पाइड पाइपर का पहला संकेत हैमलिन ने "पाई" और "एलियंस से ठीक करने वाला" शब्दों में दिया है।

17 फरवरी की स्क्रिप्ट में इस कविता का एक स्पष्ट संदर्भ है, "हैमलिन शहर में हर जगह चूहे", और इसके अलावा मिस वेराल की इन दो लिपियों में 28 जनवरी की श्रीमती वेराल की स्क्रिप्ट के साथ कुछ समानताएं हैं। जब श्रीमती वेराल मिस्टर पिडिंगटन को बाद की स्क्रिप्ट भेज रही थीं, तो उन्होंने लिफाफे के पीछे एक नोट लिखा था जिसमें बताया गया था कि इसमें जो शब्द थे, यानी "पंखों वाला", "पंखों वाला" और "वोगलर" (वोगेल) का अर्थ "पक्षी" था। "शब्द एक प्रयास हो सकते हैं।

अब, मिस वेराल की 3 फरवरी की स्क्रिप्ट में - मिसेज वेराल की 28 जनवरी की स्क्रिप्ट की तरह - "स्टार" शब्द और ब्राउनिंग का संकेत पहले से ही मौजूद थे, जबकि उनकी 17 फरवरी की स्क्रिप्ट में "यह एक संकेत था कि वह (शब्दों से पहले एक स्टार का चित्रण) "श्रीमती वेराल जब इसे देखेंगी तो समझ जाएंगी" और "इन सबके ऊपर एक सितारा" स्पष्ट रूप से 28 जनवरी की स्क्रिप्ट के "एस्टर" (तारा चिह्न) को संदर्भित करता है।

पाठक ने देखा होगा कि ब्राउनिंग और उनकी कविता एबॉट वोगलर 3 और 17 फरवरी की स्क्रिप्ट में व्याप्त हैं और इस स्क्रिप्ट में "आशा" शब्द उस पंक्ति से पहले आया है जिसमें एबॉट वोगलर का इस तरह उल्लेख किया गया है। स्क्रिप्ट में वाक्यांश "आशा जिसने धरती को छोड़ दिया आकाश के लिए" कविता के वाक्यांश की एक स्पष्ट त्रुटि है जिसमें लिखा है, "वह जुनून जिसने पृथ्वी को आकाश में खोने के लिए छोड़ दिया।

श्रीमती वेराल यह बात जानती थीं और उन्होंने 15 फरवरी को मिस्टर पिडिंगटन को एक पत्र में लिखा था, "जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मैं अच्छी तरह से जानती थी कि यह 'जुनून' होना चाहिए जो जमीन से आसमान तक

जाता है - और मैं इससे नाराज थी यह गलती!" मिस्टर पिडिंगटन को पहले लगा कि स्क्रिप्ट निरर्थक है और यह मायर्स पी. ही थे जिन्होंने 11 फरवरी की बैठक में उन्हें यह कहकर समझाया कि उन्होंने श्रीमती वेराल को "होप", "स्टार" और "ब्राउनिंग" शब्द दिए थे। जिसके बाद मिस्टर पिडिंगटन ने स्क्रिप्ट को दोबारा पढ़ा और पाया कि उसमें इन शब्दों के संकेत थे।

तब उन्होंने पहली बार एबॉट वोगलर को पढ़ा और लैटिन संदेश के दूसरे वाक्य के उत्तर की असाधारण उपयुक्तता से तुरंत प्रभावित हुए, जिसे कविता के एकमात्र अंशों में से एक से लिया जा सकता है जिसमें "स्टार" शब्द आता है: "लेकिन यहाँ भगवान की उंगली है, इच्छा की एक झलक जो सभी कानूनों के पीछे मौजूद हो सकती है, जिसने उन्हें बनाया और, देखो, वे वहाँ हैं! और मुझे नहीं पता कि इसके अलावा, ऐसा उपहार क्या हो सकता है मनुष्य को वह तीन ध्वनियाँ दी गई हैं जिनमें से वह चौथी ध्वनि नहीं बल्कि एक तारा बनाता है।

इस पर ध्यान से सोचो; हमारे पैमाने का हर नोट स्वयं शून्य है; यह दुनिया में हर जगह है - जोर से, नरम, और हर चीज में कहा जाता है: इसे मुझे उपयोग करने के लिए दे दो! मैं इसे अपने विचारों में दो के साथ जोड़ता हूं: और वहां! आपने सुना और देखा है: विचार करें और सिर झुकाएँ!" श्री पिडिंगटन ने इस श्लोक की उपयुक्तता का सारांश देते हुए कहा:

"यदि कोई अंग्रेजी साहित्य में लैटिन पत्र, एबॉट वोगलर के छंद VII में सुझाए गए उपयोग से संबंधित उद्धरण की खोज करता है, तो छंद VII की इन पंक्तियों की तुलना में अधिक उपयुक्त उद्धरण ढूंढना मुश्किल होगा" उन्होंने यह सोचने का कारण दिया कि यह छंद मायर्स पी था .मन में था.

उन्होंने सबसे पहले देखा कि मिसेज वेराल्ल और मिस वेराल्ल दोनों की लिपियों में "स्टार" शब्द पर जोर दिया गया था, और फिर एबॉट वोग्लर को पढ़ने के बाद वे "एस्टर रिपास" की उपयुक्तता से विशेष रूप से प्रभावित हुए, जो दूसरी लिपि में थी। ये टू द स्टार कविता के शुरुआती शब्द हैं जो "तीन ध्वनियों" से बनी थी और "एक संकेत और एक आश्चर्य दोनों" थी। स्क्रिप्ट की "टूटी हुई ध्वनियाँ" भी इस विशेष छंद का संकेत देती हैं।

बाद में, श्री पिडिंगटन ने पाया कि उनके तर्क को लिडेल और स्कॉट के ग्रीक अंग्रेजी शब्दकोश में दी गई रेपस की इस परिभाषा से मजबूत किया गया

था: "कोई भी उपस्थिति या घटना जिसमें लोगों का मानना है कि वे भगवान की उंगली देख सकते हैं," और छंद VII में यह परिभाषा - "लेकिन यहाँ भगवान की उंगली है।" इसके अलावा, वाक्यांश "न्याय तराजू रखता है" "हमारे तराजू के प्रत्येक नोट" से मिलता जुलता है, एक विश्वास जिसे तब और मजबूत किया गया जब मायर्स पी. 7 मई को एक बैठक में "स्केल" शब्द गढ़ने में सफल रहे और इस प्रकार उद्धरण पूरा हुआ, " आसमान नापने के जुनून में।"

स्केल शब्द के तीन अलग-अलग अर्थों पर आधारित इस नाटक का एक निश्चित अर्थ है, जो इस प्रयोग की प्रकृति के अनुरूप है जिसमें विपर्यय ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फरवरी के लिए मिस वेराल की स्क्रिप्ट में शब्द 6ia jtaacov qvOjxo?

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि "हमारे पैमाने का प्रत्येक नोट अपने आप में शून्य है, यह दुनिया में हर जगह है", जबकि "स्वर्गीय सद्भाव" शब्दों से पहले वाक्यांश "रहस्यवादी तीन" ने उनके दिमाग में छंद VII की "तीन ध्वनियों" को लाया। याद दिलाया. 23 जनवरी और 17 फरवरी की लिपियों में विपर्यय की समानता और "स्टार" पर जोर यह दर्शाता है कि इन दोनों लिपियों के बीच एक संबंध स्थापित हो गया था।

जब श्रीमान पिडिंगटन ने 17 फरवरी की स्क्रिप्ट पढ़ी, जिसमें "चूहा, सितारा, कला, आदि" शब्द थे, तो उन्हें लगा कि उन्होंने ये विपर्यय पहले भी देखे हैं और वे खुद को इस धारणा से मुक्त नहीं कर पाए क्योंकि उन्हें उन्हें देखना याद था। बोस्टन, मैसाचुसेट्स में कागजात के बीच डॉ. हॉजसन की लिखावट में देखा गया था।

उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में डॉ. हॉजसन के निष्पादकों को पत्र लिखकर उनके कागजातों में से एक कागज़ देखने के लिए कहा जिसमें "रैट, स्टार, आर्ट, आदि" शब्द थे, और अगस्त, 1907 में उन्हें श्री हॉजसन से एक पत्र मिला।

हेनरी जेम्स के पास से कागज की एक शीट मिली, जिस पर डॉ. हॉजसन की अपनी लिखावट में निम्नलिखित विपर्यय अंकित थे: (कोयला) टार दर तारेश तारा घूरता एस्थर टार आँसू एस्टर हेस्टर चूहे आँसू वह बाकी कला छत बाकी वह ट्रास सेंट थ्री सेंट आर यहाँ एक आराम है वहाँ एक आराम है "मैं कबूल करता हूँ," श्री पिडिंगटन ने कहा, "जब यह पेपर मेरे हाथ में आया तो मुझे वैसा ही महसूस हुआ जैसा मैं सोचता हूँ कि जो लोग भूत देखते हैं

उन्हें ऐसा होता है, हालाँकि 'चूहे' का विपर्यय देखकर मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ , कला, सितारा।' ,

लेकिन जब मैंने अनाग्राम, 'रेट्स, टीयर्स, एस्टर' आदि देखे तो मैं निश्चित रूप से चौंक गया, जिनमें से मुझे कुछ भी याद नहीं था।"

श्री पिडिंगटन को पत्राचार भी मिला जिससे पता चला कि एफ.डब्ल्यू.एच. मायर्स और डॉ. हॉजसन लगभग छह वर्षों से विपर्यय का आदान-प्रदान कर रहे थे, और 1896 के पोस्टकार्ड पर, एफ.डब्ल्यू.एच. मायर्स ने लिखा, "जितने अधिक व्याकरणिक विपर्यय आप चाहें। - एफ.डब्ल्यू.एच.एम." यह संयोग बहुत संकेत देता है जब यह याद आता है कि डॉ. हॉजसन एफ. डब्ल्यू. एच. मायर्स और अनाग्राम से जुड़े थे।

यह उन दोनों के लिए स्वाभाविक था, जबकि श्रीमती वेराल को उनमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। श्री पिडिंगटन ने एक अन्य बिंदु पर ध्यान आकर्षित किया। जब डॉ. हॉजसन जीवित थे और श्रीमती वेराल और मिस वेराल ने लिपि में "स्टार" शब्द का विपर्यय बनाया, तो उन सभी ने एक बहुत ही स्पष्ट शब्द छोड़ दिया - "ज़ार"!

इसके अलावा, डॉ. हॉजसन और श्रीमती वेराल ने "एस्टर" पर एक पांच अक्षरों वाला अनाग्राम भी बनाया। पाठक को याद होगा कि 2 जनवरी की मायर्स पी. मीटिंग में रेक्टर ने घोषणा की थी कि हॉजसन अनुवाद में मायर्स की मदद कर रहे हैं। मिस वेराल द्वारा तैयार किए गए विपर्यय केवल शब्दों का मिश्रण नहीं थे, बल्कि प्रत्येक का क्रॉस-पत्राचार पर एक अलग प्रभाव था।

"स्टार" स्पष्ट रूप से मायर्स पी. द्वारा जोर दिए गए तीन शब्दों में से एक है; "चूहों" में ब्राउनिंग का एक अलग संदर्भ है; और वाक्यांश "कला", "कोई कला लाभ नहीं" में, जब वाक्यांशों के साथ लिया जाता है, "स्वर्गीय सद्भाव", "रहस्यवादी तीन", और "इस सब से ऊपर एक सितारा", सभी, जैसा कि मिस ऐलिस जॉनसन कहते हैं, एबट इंगित करते हैं वोगलर की निम्नलिखित पंक्तियाँ: "यह (यानी पेंटिंग और कविता दोनों) पूरी तरह से विजयी कला है, लेकिन कानूनों के पालन में कला है... लेकिन यहां (यानी संगीत में) भगवान की उंगली है, इच्छा है। क्या हो सकता है इसकी एक झलक .

तीन ध्वनियों में से यह चौथी ध्वनि नहीं बल्कि एक सितारा बनाता है।" मामला "आशा", "तारा", और "ब्राउनिंग" लैटिन संदेश की आवश्यकताओं को पूरा करता है। श्रीमती वेराल और मिस वेराल की लिपि में संदर्भों का एक जटिल सेटों का संकेत और निहितार्थ दिया गया था, जो अपने आप में अर्थहीन थे, और यह तभी हुआ जब, श्रीमती पाइपर के माध्यम से, सीधे शब्द दिए गए कि पूरी समस्या हल हो गई।

क्रॉस-कॉरेस्पोंडेंस पर श्री पिडिंगटन ने लिखा: "इस निर्देशित दिमाग की वास्तविक पहचान की समस्या पर ... एकमात्र राय जो मैं विश्वास के साथ रख सकता हूं वह यह है: कि यदि यह फ्रेडरिक मायर्स का दिमाग नहीं होता, तो यह एक होता जिसने जान-बूझकर और कलात्मक ढंग से उसकी मानसिक विशेषताओं का अनुकरण किया।"

केस **72.**

डायोनिसियस का कान का मामला।

सख्ती से कहें तो यह क्रॉस-पत्राचार नहीं है, लेकिन इसे यहां शामिल किया गया है क्योंकि इसकी प्रकृति की जटिलता एक ही उद्देश्य को पूरा करती है, और इसके अलावा, संचारकों में से एक द्वारा प्रदर्शित ज्ञान वह नहीं था जो जांचकर्ताओं के मन में था, लेकिन अंततः एक बहुत ही पाया गया अस्पष्ट पुस्तक में, जो उस संचारक की संपत्ति है और उसके द्वारा उपयोग की जाती है।

कुछ लोग - शास्त्रीय और वैज्ञानिक प्रशिक्षण वाले लोग, और ऐसे मामलों का न्याय करने के लिए अच्छी तरह से योग्य - इसे किसी एक मामले में अब तक मिला सबसे ठोस सबूत मानते हैं। 26 अगस्त, 1910 को, श्रीमती ए.डब्ल्यू. वेराल ने श्रीमती विलेट के साथ एक बैठक की, जो एक अच्छी प्रतिष्ठा वाली ऑटोमेटिस्ट थीं, जिनकी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से एसपीआर अच्छी तरह से परिचित थे।

इस बैठक में श्रीमती वेराल द्वारा निम्नलिखित शब्द दर्ज किए गए: "डायोनिसियस ईयर द लोब।" शब्द "डायनी सियस" को इतालवी उच्चारण दिया गया था। श्रीमती वेराल ने इस वाक्यांश को नोट किया, लेकिन इसे कोई महत्व नहीं दे सकीं। "डायोनिसियस का कान" सिसिली द्वीप पर सिरैक्यूज़ की खदानों में एक प्रकार की गुफा है, जिसमें तानाशाह डायोनिसियस ने अपने युद्धबंदियों को रखा था।

इसके आकार के कारण, और क्योंकि इसमें फुसफुसाहट गैलरी के गुण थे, इसे "डायोनिसियस के कान" के रूप में जाना जाने लगा क्योंकि वह कैदियों की बातचीत सुनने के लिए खुद को इसमें छिपाता था। हालाँकि श्रीमती विलेट इटली गई थीं और इतालवी बोलती थीं, लेकिन उन्होंने कभी सिसिली का दौरा नहीं किया था, हालाँकि उन्होंने सिरैक्यूज़ के आकर्षणों में से एक ग्रोटो के बारे में सुना होगा।

लगभग दो साल तक बैठने के बाद, श्रीमती वेराल के पति, डॉ. ए. डब्ल्यू. वेराल की मृत्यु हो गई। 10 जनवरी, 1914 को, हालांकि सर ओलिवर लॉज श्रीमती विलेट के साथ बैठे थे, जैसा कि निम्नलिखित अंश से पता चलता है, श्रीमती वेराल का सीधा संदर्भ दिया गया था: क्या आपको याद है कि आपने ऐसा नहीं किया था और मैंने आपकी शास्त्रीय अज्ञानता के बारे में शिकायत की थी। अज्ञान. इसका संबंध उस जगह से था जहां गुलामों को रखा जाता था - और ऑडिशन का भी इसी से संबंध है, ध्वनि-विज्ञान का भी.

फुसफुसाती जेली की तरह पतला। परिश्रम करने के लिए, एक गुलाम, एक तानाशाह - और इसे ओरेचियो कहा जाता था - यह कान है। एक कान, एक कान का स्थान. , , एक कान वाला व्यक्ति। जब यह बातचीत में आया तो आपको इसके बारे में पता नहीं था (या याद नहीं था), और मैंने कहा कि ठीक है, शास्त्रीय शिक्षा का क्या उपयोग है। अन्ना के खेत कहाँ थे?

(कान का चित्र) एक आरंभिक (सिक) पाइप सुनाई दिया। सिरैक्यूज़ के लिए रवाना होना। जो गरजती हुई लहर को हरा देता है, जो चलते फिरौन को अपने जूते की एड़ी से मारता है। मरो मरो और फिर तुम डायना डिमोर्फिज्म के सबसे पतले हो। युरिपिडीज़ को खोजने के लिए उड़ान भरना। पॉलीन फिलेमोन नहीं. इस तरह का काम करना जितना होना चाहिए उससे कहीं अधिक कठिन है।

1910 में बैठने के बाद, श्रीमती वेराल से उनके पति ने पूछा कि "डायोनिसियस के कान" शब्द का क्या अर्थ है, जिन्होंने उनकी अज्ञानता पर आश्चर्य व्यक्त करने के बाद, उन्हें विधिवत ज्ञान दिया। मामले के जांचकर्ताओं में से एक, लॉर्ड बालफोर को डॉ. और श्रीमती वेराल के बीच हुई पिछली बातचीत के बारे में पता था और उसे श्रीमती विलेट को यह बताने की हल्की सी याद थी, जो इसे याद करने में विफल रहीं। स्क्रिप्ट में संकेतों को इस प्रकार समझाया गया है।

ओरेक्चियो कान के लिए इटालियन शब्द है; एन्ना एक सिसिली शहर है. यह अन्ना के मैदानों पर था कि प्रोसेरपाइन के साथ बलात्कार किया गया था। "प्रारंभिक" पाइप स्पष्टतः कान शब्द का सजातीय है। सिरैक्यूज़ के विरुद्ध युद्ध में एथेनियन बेड़े द्वारा अपनाए गए मार्ग को इन वाक्यों द्वारा दर्शाया गया है: "सिरैक्यूज़ के लिए रवाना होना," "ध्वनि तरंग को कौन हरा सकता है, आदि," और "बूट की एड़ी।"

"यूरिपिड्स को खोजने के लिए उड़ान" ब्राउनिंग की कविता अरिस्टोफेन्स माफी को संदर्भित करती है, जिसमें बालोस्टोन फिलेमोन को बताता है कि उसने उसे यूरिपिड्स के नाटक, हरक्यूलिस फ्यूरेन्स की मूल गोलियां भेजी थीं, जो उसने उसे सिरैक्यूज़ के तानाशाह डायोनिसियस को विदाई उपहार के रूप में दी थी। फॉर्म में दिया गया था. यह कविता श्रीमती विलेट द्वारा नहीं पढ़ी गई थी, लेकिन उन्होंने कार्यवाही में प्रकाशित एक पूर्व क्रॉस-पत्राचार, "यूरिपिड्स" की रिपोर्ट में इसका संदर्भ देखा था।

अगली बैठक 28 फरवरी 1914 को हुई और इस बार लॉर्ड बालफोर बैठे थे। मामले से संबंधित निम्नलिखित अंश स्क्रिप्ट में थे, और उद्धरणों के स्रोत पाठक की सहायता के लिए कोष्ठक में दिए गए हैं: प्रेषित मामले में कुछ भ्रम हो सकता है, लेकिन अब एक प्रयोग शुरू किया जा रहा है, कोई नया नहीं प्रयोग करें लेकिन एक नया विषय, और बिल्कुल वही नहीं बल्कि एक नई लाइन जो पहले से ही प्राप्त विषय से जुड़ती है, यदि आप चाहें तो थोड़ी शारीरिक रचना।

एक से एक जोड़ें. एक कान x एक आँख। (फिर एक वृत्त में एक कान और एक आँख का चित्र।) एक आँख वाली अवस्था। नहीं, अंधों का क. एक आंख वाला आदमी राजा है। यह एक आंख वाले आदमी के बारे में है ("आदमी" को मूल में काट दिया गया था)। एक आंख वाला।

अरेथुसा गुफा का प्रवेश द्वार। अरेथुसा केवल यह इंगित करने के लिए है कि इसका एक-आंख वाले से कोई संबंध नहीं है। पहाड़ी की तरफ एक फव्वारा है। (फिर से एक ज्वालामुखी या धुंआ उगलते पहाड़ का चित्रण।) बौलास्टियन (एसआईसी) के बारे में क्या? (फिर एक बूट का चित्र बनाएं।) (हंसते हैं।) माना जाता है कि यह वेलिंगटन बूट है। 12 छोटे निगर लड़के स्टाइल्स के नहीं हैं।

कुछ खाये गये और फिर छह हो गये। छह। (इस बिंदु पर श्रीमती विलेट ने लिखना बंद कर दिया और बैठने वाले को निर्देश देना शुरू कर दिया।) किसी ने कहा - ओह, मैं कोशिश करूंगी, मैं कोशिश करूंगी। ओह, कोई मुझे एक तस्वीर दिखा रहा है और साथ ही बात भी कर रहा है। किसी ने मुझसे कहा, होमर... पूरे दिन न तो दृश्य और न ही ध्वनियाँ। यहां जहां सारी हवाएं शांत हैं. (स्विनबर्न, द गार्डन ऑफ प्रोसेरपाइन।)...यह एक गुफा और पुरुषों के एक समूह के बारे में है।

कोई - एक त्रिशूल, बल्कि पोसीडॉन के लिए एक टोस्ट की तरह। पोसिडॉन। किसने कहा था। खाड़ियाँ हमें बहा ले जाएँ - उस महान अकिलिस को खोजें जिसे हम जानते हैं /(नए (टेनीसन के यूलिसिस) में। उसके हाथ में एक जलती हुई मशाल है। और फिर किसी ने मुझसे कहा कि क्या आप नूह और अंगूर के बारे में जानते हैं, सोच भी नहीं सकते ?ओह, तुम्हें पता है.

किसी ने मुझसे कहा, हेनरी सिडविक के बारे में मत भूलो कि वह खुद को खुश नहीं करता था। क्या आप जानते हैं कि जब उन्हें शब्दों से नफरत थी तब उन्होंने काम किया था? मेरा मतलब है कि वह कभी-कभी क्या कर रहा था। अब मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं। क्या आप उस आदमी को जानते हैं जिसकी चमकती आँखें मैंने एक बार देखी थीं? अब उसने मुझ पर एक शब्द मारा।

(लॉर्ड बालफोर द्वारा नोट: यहां श्रीमती विलेट ने कागज के किनारे पर अपनी उंगली से एक शब्द बनाया। मैं उसे समझ नहीं सका और उसे पेंसिल दे दी, जिस पर उसने लिखा था।) अरस्तू। (श्रुतलेख फिर से शुरू हुआ।) और कविता, देवताओं की भाषा, किसी ने एक बार राष्ट्रपति को बुलाया और लैटिन में कुछ कहा, और मैंने इसका केवल एक शब्द सुना। टिरोनियस, टायरानस, टायरानियस - ऐसा ही कुछ। (लॉर्ड बालफोर द्वारा नोट: "सिक सेम्पर टायरानिस" - बूथ द्वारा कहा गया जब उसने लिंकन की हत्या की... तानाशाह क्या है?

बहुत सारे युद्ध - एक घेराबंदी, मुझे खुरचने की आवाज़ सुनाई देती है। यह पत्थर पर है. फिन और कुछ ग्लीबा। खोजो-ओह, यह तो दास का है। यह उस व्यक्ति के बारे में है जिसने कहा कि यह बेहतर है-ओह! छायाओं के बीच एक छाया. उन्होंने कहा, जीवितों के बीच गुलाम बनना बेहतर है। ओह, परिश्रम से हारने वालों पर धिक्कार है।

एक आंख का एक कान से कुछ लेना-देना है। वे मुझसे यही कहना चाहते थे। आप देख रहे हैं, बहुत सी चीजें हैं, जो मेरे दिमाग में इतनी तेजी से घूम रही हैं कि मैं कुछ भी नहीं पकड़ पा रहा हूं। (थोड़ा रुकना और फिर रोना।) वह एक फव्वारे में बदल गया था उस तरह का स्टीफन आदमी, वह एक फव्वारे में बदल गया था . क्यों? इतना ही।

क्यों?ओह, मेरे प्रिय! अब मैं एक स्कूल के आसपास घूम रहा हूं और मेरी मुलाकात एक डरे हुए लड़के से होती है, और यह एक फील्ड मार्शल का नाम है जिसे मैं जानने की कोशिश कर रहा हूं, एक जर्मन नाम। और फिर कुछ कहता है, यह सब सिर्फ यादें हैं: इसका विशुद्ध साहित्यिक से कोई लेना-देना नहीं है।
उस साहित्यिक चीज़ में दो लोग मुख्य रूप से जुड़े हुए हैं। वे बहुत करीबी दोस्त हैं - उन्होंने सब कुछ एक साथ सोचा है। क्या किसी ने फादर कैम के कैनॉन्गेट पर हाथ में हाथ डालकर चलने के बारे में कुछ कहा? इसका मतलब क्या है?

इस समय के लिए इतना ही काफी है. जो कहा गया है उसमें कुछ अर्थ है, हालाँकि कुछ जटिलताओं को दूर करने की आवश्यकता है। विचारों का एक साहित्यिक मिलन जो दो अलग-अलग दिमागों के प्रभाव को दर्शाता है। स्क्रिप्ट से कई विषयों को फिर से उठाया गया था और उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उन्हें निम्नानुसार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है:

वह क्या कर रहा था? अब मैं यही करने की कोशिश कर रहा हूं। क्या आप उस आदमी को जानते हैं जिसकी चमकती आँखें मैंने एक बार देखी थीं? अब उसने मुझ पर एक शब्द मारा। (लॉर्ड बालफोर द्वारा नोट: यहां श्रीमती विलेट ने कागज के किनारे पर अपनी उंगली से एक शब्द बनाया। मैं उसे समझ नहीं सका और उसे पेंसिल दे दी, जिस पर उसने लिखा था।) अरस्तू। (श्रुतलेख फिर से शुरू हुआ।) और कविता, देवताओं की भाषा, किसी ने एक बार राष्ट्रपति को बुलाया और लैटिन में कुछ कहा, और मैंने इसका केवल एक शब्द सुना।

टिरोनियस, टायरानस, टायरानियस - ऐसा ही कुछ। (लॉर्ड बाल्फोर द्वारा नोट: "सिक सेम्पर टायरानिस" - बूथ द्वारा कहा गया जब उसने लिंकन की हत्या की...) तानाशाह क्या है? बहुत सारे युद्ध - एक घेराबंदी, मुझे खुरचने की आवाज़ सुनाई देती है। यह पत्थर पर है. फिन और कुछ ग्लीबा। खोजो-ओह, यह तो दास का है। यह उस व्यक्ति के बारे में है जिसने कहा कि यह बेहतर है-ओह! छायाओं के बीच एक छाया. उन्होंने कहा, जीवितों के बीच गुलाम बनना बेहतर है। ओह, परिश्रम से हारने वालों पर धिक्कार है।

एक आंख का एक कान से कुछ लेना-देना है। वे मुझसे यही कहना चाहते थे। आप देख रहे हैं, बहुत सी चीजें हैं, जो मेरे दिमाग में इतनी तेजी से घूम रही हैं कि मैं कुछ भी नहीं पकड़ पा रहा हूं। (थोड़ा रुकना और फिर रोना।) वह एक फव्वारे में बदल गया था उस तरह का स्टीफन आदमी, वह एक फव्वारे में बदल गया था . क्यों? इतना ही।

क्यों?
ओह, मेरे प्रिय! अब मैं एक स्कूल के आसपास घूम रहा हूं और मेरी मुलाकात एक डरे हुए लड़के से होती है, और यह एक फील्ड मार्शल का नाम है जिसे मैं जानने की कोशिश कर रहा हूं, एक जर्मन नाम। और फिर कुछ कहता है, यह सब सिर्फ यादें हैं: इसका विशुद्ध साहित्यिक से कोई लेना-देना नहीं है। उस साहित्यिक चीज़ में दो लोग मुख्य रूप से जुड़े हुए हैं। वे बहुत करीबी दोस्त हैं - उन्होंने सब कुछ एक साथ सोचा है। क्या किसी ने फादर कैम के कैनॉन्गेट पर हाथ में हाथ डालकर चलने के बारे में कुछ कहा? इसका मतलब क्या है?

इस समय के लिए इतना ही काफी है. जो कहा गया है उसमें कुछ अर्थ है, हालाँकि कुछ जटिलताओं को दूर करने की आवश्यकता है। विचारों का एक साहित्यिक मिलन जो दो अलग-अलग दिमागों के प्रभाव को दर्शाता है। स्क्रिप्ट के कई विषयों को फिर से उठाया गया था और उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन संक्षेप में कहा जा सकता है: डायोनिसियस का कान।

पत्थर की खदानें जिनमें पराजित एथेनियाई लोग काम करते थे।एना (अप्रत्यक्ष रूप से द गार्डन ऑफ प्रॉसेर-पाइन के एक उद्धरण द्वारा सुझाया गया)। सिरैक्यूज़ (लड़ाई - एक घेराबंदी और अरेथुसा)। इटली की एड़ी (वेलिंगटन बूट)। बलौस्टियन का रोमांच। इसके अलावा, यह कहा गया

था कि दो अलग-अलग दोस्त - प्रोफेसर हेनरी बुचर और डॉ. ए.डब्ल्यू. वेराल द्वारा एक प्रयोग किया जा रहा था, और श्रीमती वेराल को इससे पूरी तरह से अनभिज्ञ रखा जाना था।

वाक्यांश, "फादर कैम कैनॉन्गेट के साथ हाथ में हाथ डाले चल रहा है" दो व्यक्तियों के बीच की दोस्ती को दर्शाता है। डॉ. ए. डब्ल्यू. वेराल कैम्ब्रिज के निवासी थे जबकि प्रोफेसर बुचर एडिनबर्ग में ग्रीक के प्रोफेसर थे। (कैनॉन्गेट स्कॉटिश राजधानी की एक प्रसिद्ध सड़क है।) इस बाल्फोर लिपि में दो नए विषय शामिल किए गए थे - होमर की पॉलीफेमस और यूलिसिस की कहानियां, और ओविड की एसिस और गैलाटिया की कहानियां।

पहली कहानी बताती है कि कैसे यूलिसिस, साइक्लोप्स की भूमि में शरण लेने के लिए अपने बारह लोगों के साथ गया था, उसे समुद्री देवता पोसीडॉन के एक आंख वाले बेटे पॉलीफेमस ने पकड़ लिया, जो एक समय में उन दोनों को खाना शुरू कर देता है। यूलिसिस और बचे लोगों ने पॉलीफेमस को नशे में डाल दिया; फिर वह जलती हुई छड़ी से अपनी आँखें जलाकर भेड़ के पेट के नीचे छिप गया और भाग निकला।

परंपरा के अनुसार, यह गुफा सिसिली में स्थित है, हालाँकि होमर ने अपने लेखन में इसका कोई उल्लेख नहीं किया है। दूसरी कहानी में एक आँख वाले साइक्लोप्स भी खलनायक की भूमिका निभाते हैं। एसिस और गैलाटिया प्रेमी हैं, और पॉलीपेमस, क्रोध और ईर्ष्या से पागल होकर, अपने प्रतिद्वंद्वी पर एक शक्तिशाली पत्थर फेंकता है और उसे कुचल कर मार डालता है।

गैलाटिया अपने प्रेमी को एक धारा में बदल देती है जो उस पत्थर के फव्वारे से निकलती है जिसने उसे मार डाला था। इस कहानी का एक सुराग यह तथ्य है कि प्रेरित स्टीफन की मृत्यु उसी समय हुई थी जब एसिस की मृत्यु हुई थी। मामला 2 मार्च 1914 को जारी रहा, जब लॉर्ड बालफोर फिर से बैठे। हेगेलियन मित्र को अरिस्टोटेलियन का नमस्कार।

(अरिस्टोटेलियन प्रोफेसर बुचर हैं, जिन्होंने अरस्तू पर एक किताब लिखी थी।) हेगेलियन मित्र भी तर्कवादियों का स्वागत करते हैं। (डॉ. वेराल ने एक किताब लिखी थी, युरिपिडीज़ द रेशनलिस्ट, और लॉर्ड बाल्फोर एक हेगेलियन थे।) ये दोनों एक विशेष कार्य के बारे में हैं और अब उस पर आगे बढ़ते हैं। (तब एक सितार निकाला गया।) एक सितार जो ध्वनि से संबंधित

है, वह पत्थर भी है, टायरानस की छड़ी के नीचे कैदियों और कैदियों का उपकरण। हिरण नहीं हिरण, आगे बढ़ो। हिरण सही लिखें. (श्रीमती विलेट ने लिखना बंद कर दिया और लिखवाना शुरू कर दिया।) किसी ने मुझसे कहा, आंटी। क्या आप जानते हैं, यह एक अजीब बात है, मैं एडमंड (यानी, एडमंड गुरनी) को देख सकता हूं... आर्स पोएटिका का क्या मतलब है।

एडमंड ने मुझे बताया कि जुवेनल भी व्यंग्य लिखते हैं - और फिर उन्होंने हंसते हुए कहा, अच्छा उद्देश्य है। कलम तलवार से भी अधिक शक्तिशाली है। ओह, यह बहुत भ्रामक है - पत्थर लंबे होते हैं, और कलम भी। ओह! किसी ने कहा, उसे डेविड की कहानी सुनाओ। हो सकता है वह इसे इस तरह से समझे। जिस व्यक्ति को उसने युद्ध में भेजा था उसे आशा थी कि वह मारा जायेगा, क्योंकि वह उसे रास्ते से हटाना चाहता था।

हरी आंखों वाला राक्षस. अब अचानक मुझे यह मिल गया. ईर्ष्या, जड़ मन की पहली कमजोरी। सिसिली आर्टेमिस का क्या अर्थ है? बहुत समय पहले की एक अजीब पुरानी मानवीय कहानी। जिसके सुनने के कान हों वह सुन ले। कान किसलिए बने हैं? ओह, यह पुरानी कष्टप्रद पुरानी बकवास बहुत थका देने वाली है।

(श्रीमती विलेट ने फिर से लिखना शुरू किया और सबसे पहले एक कान और एक वृत्त बनाया।) केंद्र ढूंढें (यहां उन्होंने वृत्त में एक आंख जोड़ी है)। गुर्नी का कहना है कि उन्होंने बहुत कुछ किया है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है, उस पर बाद में और अधिक चर्चा होगी। भाग, जैसे वे दिखाई देते हैं, प्रयास पूरा होने तक किसी अन्य ऑटोमेटिस्ट द्वारा नहीं देखे जा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, प्रश्न, "एसिस को फव्वारे में क्यों बदल दिया गया?" इसका उत्तर इन अंशों में पाया जाता है, "डेविड की कहानी के साथ उसका परीक्षण करें," "एक हरी आंखों वाला राक्षस," और "ईर्ष्या," आदि। ज़िदर, मौसिकी, स्टैगिर और आर्स पोएटिका का उल्लेख किया गया है-

अरस्तू, स्टैग्राइट, और संयोग से प्रोफेसर बुचर, जिन्होंने अरस्तू के काव्यशास्त्र पर एक ग्रंथ लिखा था। काव्यशास्त्र के विषय का व्यंग्य से भी एक और संबंध है, जो कविता के शास्त्रीय रूपों में से एक है, और जुवेनल शास्त्रीय व्यंग्यकारों में से एक थे। इस बिंदु पर विषयों की निम्नलिखित सूची प्रस्तुत की गई है: डायोनिसियस का कान। सिरैक्यूज़ की पत्थर खदानें। पॉलीपेमस और यूलिसिस की कहानी। एसिस और गैलाटिया की

कहानी. डाह करना। संगीत। कुछ अरस्तू की काव्यशास्त्र में पाए जा सकते हैं। हास्य व्यंग्य।

जांचकर्ता अभी तक कनेक्टिंग लिंक नहीं ढूंढ पाए हैं। 2 अगस्त 1915 को, जब श्रीमती वेराल ने एक और बैठक की, तो स्क्रिप्ट में निम्नलिखित आइटम शामिल थे: इकेट। मैं समझ गया कि श्रवण निर्देश कान से संबंधित था और अब यह कहता है: क्या व्यंग्य की पहचान की गई है। निश्चित रूप से आपको इसके बारे में मेरा संदेश मिल गया है (यह) कानों से होकर अंदर आता है।

इसमें एक धागा है. क्या उन्होंने आपको गुफा संदर्भों के बारे में नहीं बताया? कोमल नेत्रों वाले उदास कमलभक्षी आये। यह उस अंश से संबंधित है जिसके बारे में मैं अभी बात करने का प्रयास कर रहा हूं। गुफा में पुरुष, झुण्ड। सुनो, बात मत करो. (श्रीमती वेराल ने आधे ज़ोर से दो शब्द दोहराए।) झुंड और जलाऊ लकड़ी का एक बड़ा बोझ और एक आँख। जैतून की लकड़ी की छड़ी.

(फिर एक तीर के सिरे जैसी किसी चीज़ का चित्र।) वह आदमी मेढ़े की ऊन में लिपटा हुआ था और इसलिए बेहोश हो गया, यह स्पष्ट है। खैर, इसे साइथेरा और ईयर-मैन के साथ जोड़ो। , , , अरस्तू फिर काव्यशास्त्र। इस घटना को पहचान के साक्ष्य के रूप में चुना गया था और यह काह्न की विचारधारा से उत्पन्न हुई थी।

साइक्लोपियन मेसनरी लिखें, आप मेसनरी क्यों कहते हैं, मैंने कहा साइक्लोपियन.फिलॉक्स। उन्होंने पत्थर की खदानों में काम किया और अपने व्यंग्य के लिए सामग्री के लिए एक पुराने लेखक से प्रेरणा ली। ईर्ष्या। कहानी मेरे लिए बिल्कुल स्पष्ट है और मुझे लगता है कि इसे पहचाना जाना चाहिए। एक संगीत वाद्ययंत्र की ध्वनि कुछ-कुछ मैंडोलिन जैसी होती है, यही इस शब्द का अर्थ है।

उन्होंने तानाशाह की उन पत्थर खदानों में लिखा। क्या यह सब स्पष्ट है? (कान्स का चित्रण।) दूसरे के साथ आपको होमर लगाना है और कान्स की थीम भी है। कलम को जहर में डुबाया गया है, यही परिणाम है और S.H.1 जानता है कि अरस्तू का अंश भी इसमें आता है। आपके लिए एक अद्भुत दुविधा है और वह अधीर इच्छाशक्ति वाला है। उसे प्रतीक्षा करने दो, पुनः प्रयास करो,

एडमंड.

सिसिली.
उन्होंने कहा कि एक बार जब आप क्लासिक संकेतों की पहचान कर लेंगे तो उन्हें यह बताना अच्छा लगेगा। अब देखने में आएगा कि पुरानी बातें तो बताई गई हैं, लेकिन थोड़ी सी नई बात जोड़ दी गई और उस अतिरिक्त बात से समस्या हल हो गई। सुराग थे "साइथेरा," "साइक्लोपियन," "फिलोक्स," "वह पत्थर की खदानों में काम करता था और अपने व्यंग्यों के लिए सामग्री के लिए पहले के लेखक का सहारा लेता था," और "ईर्ष्या।"

हालाँकि आज साइथेरा के फिलोक्सेनस के बारे में बहुत कम जानकारी है, वह अपने युग में एक प्रतिष्ठित कवि के रूप में जाने जाते थे और केवल शास्त्रीय साहित्य के विशेषज्ञ ही उनके लेखन के बारे में जानते हैं, क्योंकि उनकी कुछ पंक्तियाँ संरक्षित की गई हैं। . "फिलोक्सेनस डिथिरैम्ब्स के लेखक थे, जो अनियमित गीत काव्य की एक प्रजाति है जिसमें संगीत को पद्य के साथ जोड़ा गया था, सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला संगीत वाद्ययंत्र सितार, एक प्रकार की वीणा है।

वह साइथेरा के मूल निवासी थे और अपनी प्रतिष्ठा के चरम पर उन्होंने सिसिली में सिरैक्यूज़ के तानाशाह डायोनिसियस के दरबार में कुछ समय बिताया। अंततः उसका अपने संरक्षक के साथ झगड़ा हो गया और उसे एक पत्थर की खदान में जेल भेज दिया गया। ओडीसियस, तानाशाह। आंशिक रूप से पॉलीपेमस और डायोनिसियस को संदर्भित करता है।

या फिर कविता को एक आंख से पूरी तरह अंधे होने पर किया गया व्यंग्य भी कहा जा सकता है. लॉर्ड बालफोर ने यह देखने के लिए विभिन्न अंग्रेजी प्राधिकारियों और संदर्भ पुस्तकों की खोज की कि क्या कोई एक आधुनिक स्रोत है जिससे लिपि में बताई गई कहानी प्राप्त की जा सकती है और केवल दो ही मिले जो मानदंडों को पूरा करते थे - लेम्पियर का क्लासिकल डिक्शनरी और डॉ. हर्बर्ट डब्ल्यू स्मिथ का ग्रीक मेलिक कवि; निश्चित रूप से श्रीमती विलेट को नहीं पता था कि उनका अस्तित्व है।

बाद वाली पुस्तक केवल विद्वानों के लिए थी और आम जनता का ध्यान आकर्षित करने की संभावना नहीं थी। डॉ. ए. डब्ल्यू. वेराल को प्रकाशकों द्वारा द ग्रीक मेलिक पोएट्स की एक विशेष प्रति भेंट की गई और उन्होंने इसे अपने व्याख्यानों के संबंध में पाठ्यपुस्तक के रूप में इस्तेमाल किया!

स्क्रिप्ट में प्रस्तुत और एक कथा में संयोजित प्रमुख विषय केवल फिलोक्सेनस, साइक्लोप्स या गैलाटिया की कविता में पाए जाते हैं।

हर चीज़ का हिसाब है: सेटिंग, पत्थर की खदानें और "डायोनिसियस का कान।" यूलिसिस, पॉलीपेमस और गैलाटिया पात्र हैं। मकसद ईर्ष्या है; सितार और संगीत कविता के रूप को दर्शाते हैं - दिथिरैम्ब - और व्यंग्य कविता का चरित्र था।

19 अगस्त, 1915 को लॉर्ड बालफोर द्वारा प्राप्त अंतिम स्क्रिप्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि सही समाधान मिल गया है। लॉर्ड बालफोर: सबसे पहले, गुरनी, मैं आपको बताना चाहता हूं कि हाल ही में श्रीमती वेराल को दिए गए सभी शास्त्रीय संकेत अब पूरी तरह से समझ में आ गए हैं।

खैर - आख़िरकार! लॉर्ड बालफोर: हमारा मानना है कि पूरा संयोजन बेहद सरल और सफल है। और ए. डब्ल्यू.-ईश. लॉर्ड बालफोर: "ए.डब्ल्यू." आखिर क्या है? ए. डब्ल्यू.-ईश. लॉर्ड बालफोर: हाँ. इसके अलावा एस. एच.-ईश. ए. डब्ल्यू. और एस. एच. बेशक, डॉ. ए. डब्ल्यू. वेरल और प्रोफेसर एस. एच. बुचर। जांच समूह के छह सदस्य: सर ओलिवर लॉज, श्री हां। पिडिंगटन, मिसेज सिडगविक, मिस ऐलिस जॉनसन, मिसेज वेरॉल और लॉर्ड बालफोर को साइथेरा के फिलोक्सेनस के बारे में तब तक कुछ नहीं पता था जब तक कि स्क्रिप्ट में "फिलो" के संकेत ने मिसेज वेरॉल को सही रास्ते पर नहीं ला दिया।

ऐसा लगता है कि इस जटिल साहित्यिक पहेली को केवल परिपक्व और शास्त्रीय विद्वानों द्वारा ही डिजाइन किया जा सकता था, और डॉ. ए. डब्ल्यू. वेराल और प्रोफेसर एस. एच. बुचर इस गौरव के पात्र थे। पूरी स्क्रिप्ट में यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि डॉ. ए. डब्ल्यू. वेराल और प्रोफेसर एस. एच. बुचर होने का दावा करने वाले संचारकों ने स्पष्ट रूप से कहा कि एक जटिल समस्या जानबूझकर स्थापित की गई थी, और समाधान में सहायता करने के एकमात्र उद्देश्य के लिए। संकेत और उद्धरण दिए गए, यानी उनकी पहचान साबित की गई।

अध्याय 8

पुस्तक परीक्षण

यह जिज्ञासु घटना, जिसे "पुस्तक-परीक्षण" के रूप में जाना जाता है, को क्रॉस-कॉरेस्पोंडेंस के सिद्धांत के वैकल्पिक स्पष्टीकरण के रूप में जीवन से टेलीपैथी को खत्म करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विचार की एक शाखा या विस्तार है। इस पद्धति में एक पुस्तक में एक पृष्ठ की संख्या को निर्दिष्ट करने वाला एक संचार शामिल होता है, जिसे केवल बुककेस में दिए गए शेल्फ पर उसके क्रमांकित स्थान द्वारा दर्शाया जाता है, जिसका स्थान उस घर में इंगित किया जाता है, जिसमें माध्यम प्रवेश नहीं करता है। करता है।

विचार यह है कि उस पृष्ठ पर बैठे व्यक्ति को एक पैराग्राफ मिलेगा जो निर्देशों का पालन करता है और पुस्तक की पहचान करता है, पैराग्राफ पर्याप्त रूप से एक इच्छित संदेश देगा, या जो अन्यथा कहा गया है उसके विचार में समानता दिखाएगा। , या संचारक और इच्छित प्राप्तकर्ता के वास्तविक या पिछले कनेक्शन के लिए उपयुक्त होगा। संभवतः पहला पुस्तक-परीक्षण अनजाने में सर विलियम क्रुक्स द्वारा आविष्कार किया गया था, जब एक महिला प्लैंचेट के साथ लिख रही थी और क्रुक्स ने नियंत्रक बुद्धि से पूछा कि क्या वह कमरे की सामग्री देख सकता है।

सकारात्मक उत्तर मिलने पर क्रुक्स ने टाइम्स की एक प्रति पर अपनी उंगली रखी और संचारक से पूछा कि उसकी उंगली पर कौन सा शब्द लिखा है। प्लांचेट ने "हालाँकि" शब्द लिखा, जो सही था, और वैज्ञानिक ने कागज़ को नहीं देखा क्योंकि वह "अचेतन मन" के सिद्धांत का खंडन करना चाहता था, जो हमारे आधुनिक टेलीपैथी के बराबर एक वाक्यांश है। रेव. सी. ब्रौटन थॉमस के समाचार पत्र परीक्षण, जो उन्होंने श्रीमती ओसबोर्न लियोनार्ड के साथ आयोजित किए थे, पुस्तक-परीक्षणों के विचार के समान हैं।

कम्युनिकेटिंग इंटेलिजेंस ने एक दिन ऐसे नाम दिए जो अगले दिन के टाइम्स के कुछ कॉलमों और पन्नों में छपे थे, और प्राप्त परिणाम बहुत चौंकाने वाले थे, क्योंकि न तो कंपोजिटर और न ही उस पेपर के संपादक उस समय बता सकते थे जब श्री थॉमस यह देखने के लिए बैठ गया कि

अगले दिन के अंक में कौन सा विशेष आइटम छपेगा। इस पुस्तक में अख़बार परीक्षण शामिल नहीं हैं, लेकिन पाठक कुछ जानना चाह सकते हैं। उनमें से कुछ का विवरण श्री थॉमस की पुस्तक, सम रीसेंट एविडेंस फॉर सर्वाइवल में मिलेगा।

केस नं. **73.**

बीटल्स केस**.**

1921 में, लेडी पामेला ग्लेनकोनर ने द अर्थेन वेसल प्रकाशित की, जिसमें पुस्तक-परीक्षणों के सत्ताईस उदाहरण शामिल थे, जिसमें से इस मामले का हवाला दिया गया है। लेडी ग्लेनकोनर ने इस उदाहरण को अपने संग्रह में सबसे बेहतरीन माना, जो संचारक की पहचान के लिए प्रचुर सबूत प्रदान करता है, उनके बेटे, एडवर्ड विंडहैम टेनेंट, जिन्हें उनके परिवार में "बिम" के नाम से जाना जाता था, जो एक ग्रेनेडियर थे। 1916 में गार्ड्स के साथ सेवा करते हुए सोम्मे की लड़ाई में मारे गए थे।

1914 से पहले, उनके पिता, लॉर्ड ग्लेनकोनर, वानिकी में इस हद तक रुचि रखते थे कि इस विषय के बारे में अधिक जानने के लिए वे 1901 में जर्मनी गए और सरकारी देखरेख में वहां उगे जंगलों का अध्ययन किया। हालाँकि उन्होंने जर्मनों से बहुत उपयोगी जानकारी एकत्र की, लेकिन वे उनसे पूरी तरह सहमत नहीं थे कि किस तरह से उनके जंगलों को नियमित और कठोर बनाया गया था; फिर भी उन्होंने ब्रिटेन में ऐसे कई मालिकों की तुलना में अपने जंगलों और बगीचों की योजना अधिक सावधानी और समझदारी से बनाई।

"उनकी नज़र अधिकांश लोगों की तुलना में पेड़ों की खेती में अधिक कुशल हो गई थी, क्योंकि वह अक्सर, सुगंधित देवदार के जंगलों में घूमते हुए, सुंदर दृश्यों में प्रशंसा या प्रसन्नता की भावनाएँ जगाते थे, यहाँ तक कि 'के स्वामी' द्वारा भी पेड़.' यह निराशाजनक निर्णय हुआ करता था कि युवा अंकुरों को 'भृंगों' द्वारा बर्बाद किया जा रहा था।" "क्या आप नई वृद्धि में उन सभी विचित्रताओं को देखते हैं? वे दिखाते हैं कि भृंगों ने उन पर कब्ज़ा कर लिया है।

आप मेरी तरह युवा पेड़ों को होने वाले नुकसान को नहीं देख पाएंगे, और यह सबसे बड़ा कीट है जिससे हमें निपटना है..." और बातचीत में इस तरह की और भी कई बातें थीं। यह विषय परिवार को बहुत परिचित लग रहा था। बिम दबी आवाज़ में अपनी माँ से कहता था, "आइए देखें कि क्या हम भृंग के बारे में सुने बिना इस जंगल से बाहर निकल सकते हैं।" यदि उसके पिता किसी बात को लेकर बहुत निराशावादी होते, तो बिम कहता, "पूरा जंगल मैं ही हूँ।" एक बीटल।"

हल्के शब्द, लगभग भूले हुए, याद रखने लायक नहीं, फिर भी बिम ही था जिसने उन्हें अपनी माँ के दिमाग में वापस ला दिया। 17 दिसंबर, 1917 को श्रीमती ओसबोर्न लियोनार्ड के साथ एक बैठक हुई और फेडा (श्रीमती लियोनार्ड के नियंत्रण में) ने अन्य संदेश देने के बाद कहा: "बिम अब अपने पिता को एक संदेश भेजना चाहता है। यह पुस्तक विशेष रूप से है उसके पिता के लिए है.

वह कहते हैं, इसे रेखांकित करें। जैसे ही आप ड्राइंग-रूम में प्रवेश करते हैं, यह तीसरी शेल्फ पर बाईं से दाईं ओर गिनती करते हुए, दरवाजे के दाईं ओर किताबों की अलमारी में नौवीं किताब है; शीर्षक लें और पृष्ठ 37 को देखें।" शेल्फ पर नौवीं पुस्तक पेड़ थी। पृष्ठ 36 पर, नीचे और पृष्ठ 37 की ओर जाते हुए, ये शब्द थे: "कभी-कभी आपको लकड़ी में अजीब निशान दिखाई देंगे; ये सुरंग बनाने वाले भृंगों के कारण होते हैं, जो पेड़ों के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। , , ,

इस पुस्तक संदेश की खोज और सत्यापन के लिए दो गवाहों के हस्ताक्षर: ग्लेनकोनर, डेविड टेनेंट। लेडी ग्लेनकोनर ने मामले की अपनी रिपोर्ट इन शब्दों के साथ समाप्त की: "जब हमने इस परीक्षण की खोज की, अगर किसी भी संयोग से कोई पर्यवेक्षक मौजूद था तो ऐसा हुआ था , वह कहता, 'यह शोक मनाने वाला परिवार नहीं है;' 'ये खुश लोग हैं।' "और वह सही होता!"

केस नंबर **74.**

माँ और बेटे का मामला.

बिम और उसके छोटे भाई डेविड के बीच हमेशा स्नेह का एक बहुत मजबूत बंधन था, वह उन बच्चों में से एक था जो खेल और पाठों में बहुत जोश और उत्साह के साथ शामिल होते थे, और इसके अलावा, उनमें बहुत अप्रत्याशित चीजें करने की क्षमता थी। . विशेष था.

एक बार बिम ने अपनी माँ को बताया कि डेविड, जब छह या सात साल का एक लड़का, शोर मचाते बच्चों की भीड़ के बीच खेल रहा था, अचानक शोर भरी भीड़ को छोड़कर उसके पास आया और बड़ी गंभीरता से कहा, "बिम, तुम्हें पता है कि सीरियस एक है प्रथम परिमाण का तारा।" फिर वह अपने खेल में वापस आ गए.

लेडी ग्लेनकोनर अक्सर अपने बच्चों को कहानियाँ सुनाती थीं और किताबें पढ़ती थीं, और ऐसे ही एक अवसर पर बीम ने उनसे कहा, "जब भी आप जोर से पढ़ते हैं, तो मुझे डेविड को अपनी बड़ी काली आँखों से सुनते हुए देखना अच्छा लगता है।" दोनों लड़कों के स्कूल छोड़ने के काफी समय बाद, बीम ने डेविड और उसकी माँ के संबंध में "माँ और बेटा" वाक्यांश का इस्तेमाल किया।

23 अक्टूबर, 1917 को आयोजित एक बैठक में, बीम ने श्रीमती ओसबोर्न लियोनार्ड के माध्यम से एक संदेश भेजा। "...अपने भाई डेविड के लिए एक पुस्तक-संदेश; डेविड को इसे बहुत अधिक संरक्षण देने वाला नहीं समझना चाहिए, जैसे कि वह अभी भी एक छोटा लड़का हो। फिर भी, यह विशेष रूप से डेविड के लिए है।" यह लंदन के घर में है और सीढ़ियों के नीचे एक कमरे में पाया जा सकता है।

पृष्ठ संख्या 14 है, और संदेश पृष्ठ से तीन-चौथाई नीचे है। यह दाएँ से बाएँ गिनती करते हुए तीसरी शेल्फ पर आठवीं किताब में है। आपको संबंधित पुस्तक से संबंधित कुछ लक्ष्य मिलेंगे। "इसके पास एक किताब है जो महान स्थानों के बारे में बताती है - बड़ी, महान जगहों के बारे में। यह एक किताब है जो सितारों के बारे में बताती है।" जब लेडी ग्लेनकोनर 34 क्वीन ऐनीज़ गेट, लंदन स्थित अपने घर की लाइब्रेरी में लौटीं, तो उन्होंने पाया

कि, दाईं से बाईं ओर तीसरी शेल्फ पर, आठवीं किताब लुईस की लाइफ ऑफ गोएथे थी।

इनमें से दो पुस्तकें एस्ट्रो थियोलॉजी, या द डिमॉन्स्ट्रेशन ऑफ द एट्रीब्यूट्स ऑफ गॉड, फ्रॉम अ सर्वे ऑफ द हेवन्स नामक खंड थीं? आठवीं पुस्तक (लुईस की लाइफ ऑफ गोएथे) के चौदहवें पृष्ठ पर, निम्नलिखित अंश पाया गया: "एक खूबसूरत दोपहर जब घर शांत था, मास्टर वोल्फगैंग, जिसके हाथ में कप था और कुछ करने को नहीं था, उसने खुद को घर की ओर देखते हुए पाया शांत सड़क। उसे पता चलता है कि क्या हुआ है, और वह सामने रहने वाले युवा ओचेंस्टीन को कुछ करने के लिए एक संदेश भेजता है, वह शोर से खुश होता है और ओच्सेंस्टीन भाइयों द्वारा उत्तेजित हो जाता है, जो उस पर हंसते हैं। रास्ता हैं.

दयालु माँ वापस आती है, और गृहिणी की शरारतों को डरावनी दृष्टि से देखती है, जब तक कि सहानुभूति से पिघलकर, वह एक बच्चे की तरह दिल से हँसती नहीं है। , , , "इस मां ने कहानियां सुनाने की अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल किया और उसने अपनी खुशी के लिए। 'सभी प्राकृतिक घटनाओं के लिए,' वह लिखती है, 'मैंने एक अर्थ दिया। जब हमने उन रास्तों के बारे में सोचा जो एक तारे से दूसरे तारे तक जाते हैं सितारे, और हमें एक दिन सितारों में रहना चाहिए, और जब हमने सोचा कि हमें वहां महान आत्माओं से मिलना चाहिए, तो मैं बच्चों की तरह घंटों कहानी सुनाने के लिए उत्सुक रहता था।

वहां मैं बैठा था और वोल्फगैंग अपनी बड़ी-बड़ी काली आंखों से मुझे पकड़ रहा था।' "टुकड़ा इन शब्दों के साथ समाप्त हुआ: "मां और बेटे की कितनी आकर्षक झलक है।" लेडी ग्लेनकोनर ने लिखा कि इस पुस्तक-परीक्षण ने बीम के परिवार के सदस्यों को ऐसा विश्वास दिलाया कि जब इसे पाया गया और जोर से पढ़ा गया जब मैं वहां गया तो मैंने तुरंत पहचान लिया यह और हँसे.

केवल एक अंतिम निर्देश का पालन किया जाना बाकी था, जिसमें "इस पुस्तक के संबंध में कुछ परिपत्र मामले" को संबोधित किया गया था। और इसका पता तब चला जब कवर की ओर मुड़ने पर यह देखा गया कि इसमें एक गोल काले फ्रेम में सेट की गई एक लघु पेंटिंग का पुनरुत्पादन दिखाया गया था। जब यह पुस्तक-संदेश पढ़ा गया तो बिम के परिवार के दिलों में खुशी की जो चमक थी, उसका ठंडे अक्षरों में वर्णन करने का प्रयास करना असंभव होगा।

हालाँकि, ऐसे क्षण हैं जो सभी को अच्छी तरह से ज्ञात हैं जिनके साथ इसकी तुलना की जा सकती है: जब कोई वांछित पत्र आता है; जब कोई दरवाज़ा खुलता है और किसी के सामने एक क़ीमती उपस्थिति प्रकट होती है; जब, संक्षेप में, जो अनुपस्थित था वह फिर से घर आता है। हँसी एक होंठ से दूसरे होंठ तक चलती है, और आँखें धीरे-धीरे बोलती हैं।

अब ऐसा क्षण उनका था; वे खुश थे, और यह बिम ही था जो उन्हें खुश कर रहा था, बिल्कुल पुराने दिनों की तरह। "हम गारंटी देते हैं कि इस मामले के तथ्य ऊपर बताए गए अनुसार हैं, और हम संदेश की खोज के समय मौजूद थे।" (हस्ताक्षरित) ग्लेनकोनर, डेविड टेनेंट।

केस नंबर **75.**

टैलबोट मामला**.**

यह मामला, स्पष्ट रूप से, एक पुस्तक-परीक्षण नहीं है, हालाँकि एक पुस्तक इसकी प्रमुख विशेषता है। श्रीमती हेनरी सिडविक की राय में यह एक है।

हमारे पास सबसे अच्छा एकल साक्ष्य यह है कि संचारक अपने सांसारिक जीवन को याद रखते हैं, इसलिए व्यक्तिगत पहचान साबित करते हैं। 29 दिसंबर, 1917 को लेडी ट्रोब्रिज को लिखी और भेजी गई श्रीमती ह्यूग टैलबोट की रिपोर्ट इस प्रकार है: "पिछले मार्च में श्रीमती बीडॉन के माध्यम से मेरे लिए श्रीमती लियोनार्ड के साथ दो बैठकें आयोजित की गईं, एक शनिवार को, 17 तारीख को शाम 5 बजे और दूसरा सोमवार, 19 तारीख को उसी समय।

इस समय श्रीमती लियोनार्ड न तो मेरा नाम और न ही पता जानती थीं, न ही मैं अपने जीवन में पहले कभी उनसे या किसी अन्य माध्यम से मिला था। "सोमवार को, समय का पहला हिस्सा अलग-अलग लोगों के वर्णनों के मिश्रण में व्यतीत हुआ, सभी कमोबेश पहचाने जाने योग्य थे, साथ ही कई संदेश भी थे, जिनमें से कुछ समझ से बाहर थे और कुछ नहीं।

फिर फेडा (जैसा कि मुझे बताया गया है कि नियंत्रण कहा जाता है) ने मेरे पति की व्यक्तिगत उपस्थिति का बहुत सटीक वर्णन किया, और तब से उन्होंने बोलना शुरू किया (निश्चित रूप से उसके माध्यम से), और एक बहुत ही असाधारण बातचीत हुई। जाहिर तौर पर वह हर संभव तरीके से मेरे सामने अपनी पहचान साबित करने की कोशिश कर रहा था और मुझे दिखा रहा था कि यह वास्तव में वह खुद था, और जैसे-जैसे समय बीतता गया, मुझे यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि यह वास्तव में वह ही था। मैं वैसा ही था.

"उसने जो कहा, या यूँ कहें कि फेडा ने उसके लिए जो कहा, वह स्पष्ट और स्पष्ट था। अतीत की घटनाएँ जो केवल उसे और मुझे ही ज्ञात थीं, वे बातें जो अपने आप में मामूली थीं, लेकिन उनमें उसकी विशेष व्यक्तिगत रुचि थी, जिनके बारे में मुझे जानकारी थी, सूक्ष्मता से और सटीकता से वर्णन किया गया था, और मुझसे पूछा गया था कि क्या वे अभी भी मेरे पास हैं।

इसके अलावा मुझसे बार-बार पूछा गया कि क्या मुझे लगता है कि वह स्वयं बोल रहा है, और मुझे आश्वासन दिया गया कि मृत्यु वास्तव में मृत्यु नहीं थी, कि जीवन इस जीवन से बहुत अलग नहीं था, और वह बिल्कुल भी नहीं बदला था। महसूस नहीं हुआ. फेडा ने कहना जारी रखा, 'क्या आप इस पर विश्वास करते हैं, वह चाहता है कि आप जानें कि यह वास्तव में वह खुद है।' मैंने कहा कि मैं निश्चित नहीं हो सकता, लेकिन मुझे लगा कि यह सच होगा।

यह सब मेरे लिए बहुत दिलचस्प और बहुत अजीब था, और भी अधिक अजीब था क्योंकि यह सब बहुत स्वाभाविक लग रहा था। अचानक फेडा ने एक किताब का थका देने वाला वर्णन शुरू कर दिया; उसने कहा कि यह चमड़े जैसा और गहरे रंग का है, और उसने मुझे इसका आकार दिखाने की कोशिश की। श्रीमती लियोनार्ड ने अपने हाथों से आठ से दस इंच लंबी और चार या पांच इंच चौड़ी एक किताब तैयार की। उन्होंने (फेडा ने) कहा, 'यह बिल्कुल किताब नहीं है, यह मुद्रित नहीं है।

फ़ेडा इसे किताब नहीं कहेगा, यह इस पर लिखा हुआ है। मुझे इसे किसी भी चीज से जोड़ने में काफी समय लगा, लेकिन आखिरकार मुझे अपने पति की एक लाल चमड़े की नोटबुक याद आई, मुझे लगता है कि उन्होंने इसे लॉग बुक कहा था, और मैंने पूछा, 'क्या यह लॉग बुक है?' फ़ेडा आश्चर्यचकित दिखी।

यह और न जाने लॉग बुक क्या होती है, और इस शब्द को एक-दो बार दोहराया, फिर कहा, 'हाँ, हाँ, वह कहता है कि यह लॉग बुक हो सकती है।' मैंने फिर कहा, 'क्या यह लाल किताब है?' इस बात पर कुछ झिझक थी; उसने सोचा कि यह शायद था, हालाँकि उसने सोचा कि यह अधिक गहरा था। उत्तर अनिश्चित था और फेडा ने फिर से एक थकाऊ विवरण शुरू किया, जिसमें कहा गया कि मुझे पृष्ठ 12 पर कुछ लिखा हुआ देखना था (मैं शब्दों के बारे में निश्चित नहीं हूं), कि इस बातचीत के बाद यह दिलचस्प होगा।

फिर उन्होंने कहा, 'उन्हें यकीन नहीं है कि यह पृष्ठ 12 है, यह पृष्ठ 13 हो सकता है, यह बहुत पहले की बात है, लेकिन वह चाहते हैं कि आप इसे देखें और खोजने का प्रयास करें। उन्हें यह जानने में दिलचस्पी होगी कि क्या यह टुकड़ा वहां है।' इन सबका उत्तर देने में मेरा मन आधा-अधूरा था; इसमें बहुत कुछ था, और यह लक्ष्यहीन लग रहा था, और इसके अलावा मुझे किताब बहुत अच्छी तरह से याद थी, क्योंकि मैं अक्सर इसे देखता था और सोचता था कि क्या इसे रखने का कोई मतलब है।

जैसा कि मुझे याद है, जहाजों और मेरे पति के काम से संबंधित चीज़ों के अलावा, कुछ नोट्स और कविताएँ भी थीं। लेकिन मुख्य कारण जिसके लिए मैं इस विषय से दूर जाना चाहता था वह यह था कि मुझे यकीन था कि पुस्तक नहीं मिलेगी: या तो मैंने इसे फेंक दिया था, या यह फ्लैट के विपरीत ब्लॉक में सामान कक्ष में बहुत सारे सामान के साथ था अन्य चीजों का. वह वहां चली गई थी जहां उसे ढूंढना मुश्किल ही था।

"हालाँकि, मुझे यह कहना बिल्कुल पसंद नहीं आया, और इसे कोई महत्व न देते हुए, मैंने अनिश्चित रूप से उत्तर दिया कि मैं देखूँगा कि क्या मैं उसे पा सकता हूँ। लेकिन इससे फेडा संतुष्ट नहीं हुई। उसने फिर से शुरुआत की, और अधिक से अधिक जिद करने लगी उन्होंने कहा, 'वह रंग के बारे में निश्चित नहीं है, उसे नहीं पता है कि दो किताबें हैं, सामने की भाषाओं के डायग्राम से आपको पता चल जाएगा कि वह किसकी बात कर रहा है।'

और यहां शब्दों की एक श्रृंखला है, जिस क्रम में मैं भूल गया हूं: 'भारत-यूरोपीय, आर्य, सेमेटिक भाषाएं' और अन्य, उन्हें कई बार दोहराते हुए, और उन्होंने कहा, 'रेखाएं हैं लेकिन सीधी नहीं हैं, इस तरह जा रही हैं' - अपनी अंगुलियों से एक केंद्र से दूसरे केंद्र तक जाने वाली रेखाएं खींचकर। शब्द फिर से, 'अरबी भाषाओं, सेमेटिक भाषाओं की एक तालिका।'

मैंने इसे बिल्कुल वैसे ही रखने की कोशिश की है जैसा उन्होंने कहा था, लेकिन निश्चित रूप से मैं निश्चित नहीं हो सकता कि उन्होंने नामों को उसी क्रम में रखा है। मैं इस बारे में पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि उन्होंने वास्तव में किसी न किसी समय किन शब्दों का इस्तेमाल किया था। उसने सारे नाम कहे और कभी 'तालिका', कभी 'आरेख', कभी 'चित्र' और सब आग्रहपूर्वक बोले।

ये मुझे बिल्कुल बकवास लगा. मैंने भाषाओं के आरेख के बारे में कभी नहीं सुना था और ये सभी पूर्वी नाम एक साथ मिलाकर कुछ भी नहीं लग रहे थे, और वह उन्हें दोहराती रही और कहा कि इस तरह मुझे पुस्तक के बारे में पता चल जाएगा, और कहती रही, 'क्या आप पृष्ठ 12 देखेंगे या 13. अगर ऐसा है तो इस बातचीत के बाद उसे इसमें बहुत दिलचस्पी होगी। वह चाहता है कि आप ऐसा करें, वह चाहता है कि आप वादा करें।' इस समय तक मैं इस निष्कर्ष पर पहुंच चुका था कि इन बैठकों में मैंने जो कुछ भी सुना था वह सच था, यानी कि माध्यम थक गया था और बकवास कर रहा था;

इसलिए मैंने किताब ढूंढने का वादा करके उसे शांत करने में जल्दबाजी की और जब बैठक लगभग तुरंत समाप्त हो गई तो मुझे खुशी हुई। "मैं इस अंतिम भाग के बारे में बहुत कम सोचते हुए घर लौटा; फिर भी, अपनी बहन और भतीजी को शुरुआत में कही गई दिलचस्प बातें बताने के बाद, मैंने बताया कि माध्यम ने आखिरकार एक किताब का रूप ले लिया है। बात करना शुरू किया के बारे में बहुत सारी बकवास थी, और मुझे कुछ दिलचस्प खोजने के लिए पृष्ठ 12 या 13 देखने के लिए कहा, मुझे भाषाओं के आरेख से पुस्तक को जानना था।

उस शाम रात के खाने के बाद, मेरी भतीजी, जिसने मेरी बहन या मुझसे ज़्यादा इस सब पर ध्यान दिया था, मुझसे तुरंत किताब ढूंढ़ने के लिए विनती की। मैं यह कहते हुए अगले दिन तक इंतजार करना चाहता था कि मुझे पता है कि यह सब बकवास है। हालाँकि, आख़िरकार मैं बुकशेल्फ़ के पास गई, और थोड़ी देर बाद, पिछली शेल्फ के ठीक ऊपर मुझे अपने पति की एक या दो पुरानी नोटबुक मिलीं, जिन्हें मैंने कभी खोलने की जहमत नहीं उठाई थी।

एक, एक जर्जर काले चमड़े का, आकार में दिए गए विवरण से मेल खाता था, और मैंने बिना सोचे-समझे उसे खोल दिया, मन में सोच रहा था कि

क्या मैं जिसे ढूंढ रहा था वह नष्ट हो गया था या बस चला गया था। भेजा गया। मुझे आश्चर्य हुआ, मेरी नजर 'सेमिटिक या सिरो-अरेबियन भाषाओं की तालिका' पर पड़ी और मैंने कागज का एक लंबा टुकड़ा निकाला जो मुड़ा हुआ था, मैंने दूसरी तरफ देखा, 'आर्यन और इंडो-यूरोपीय भाषाओं की सामान्य तालिका'।

यह वही आरेख था जिसके बारे में फेडा ने बात की थी। मैं इतना आश्चर्यचकित हुआ कि कुछ मिनटों के लिए भाग ढूंढना ही भूल गया। जब मैंने देखा तो यह मुझे पेज 13 पर मिला। मैंने इसे हूबहू कॉपी कर लिया है। "फेडा ने किताब के बारे में जो कहा, उसे ज्यादा महत्व न देने की अपनी मूर्खता का अब मैं हिसाब नहीं दे सकता, लेकिन मैं इस बात से पूरी तरह आश्वस्त था कि अगर कोई किताब थी, तो वह लाल किताब ही थी।

मैंने इसे कभी नहीं खोला था, और, जैसा कि मैं कहती हूं, मुझे दूसरी किताब मिलने की बहुत कम उम्मीद थी, न ही मैंने सोचा था कि इसमें कुछ ऐसा होगा जो मेरे पति मुझे दिखाना चाहेंगे। साथ ही यह मेरी दूसरी बैठक थी। मैं माध्यमों के बारे में कुछ भी नहीं जानता था, और विवरण बहुत अंतहीन और उबाऊ लग रहे थे। अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि ऐसा क्यों था.
"(हस्ताक्षरित) लिली टैलबोट।"

"कुछ फुसफुसाहटों से, जिन्हें मैं सुनने में असमर्थ था, और जिज्ञासा या सहानुभूति की कुछ झलकियों से, जिन्हें मैं देखने में असमर्थ था, मुझे एहसास हुआ कि मैं मृत्यु के निकट था..." अब मेरा मन केवल विचारों से ही नहीं भरा था आने वाली ख़ुशी. लेकिन, मैंने उस खुशी पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया जिसका मैं वास्तव में आनंद ले रहा था।

मैंने लंबे समय से भूले-बिसरे रूप, खेल के साथी, सहपाठी, अपनी युवावस्था और बुढ़ापे के साथी देखे, जो सभी मुझे देखकर मुस्कुराए। वे किसी करुणा के साथ नहीं मुस्कुराए, जिसकी मुझे अब ज़रूरत नहीं रही, बल्कि उस तरह की दयालुता के साथ मुस्कुराए जिसका जवाब समान रूप से खुश लोग भी देते हैं।

मैंने अपनी माँ, पिता और बहनों को देखा, जिनके साथ मैं बच गया था। वह बोल नहीं रहे थे, फिर भी उन्होंने मेरे प्रति अपना अटल और अपरिवर्तनशील स्नेह व्यक्त किया। जिस क्षण वे प्रकट हुए, मैंने अपनी

शारीरिक स्थिति को समझने की कोशिश की। यानी मैंने अपनी आत्मा को अपने घर में बिस्तर पर पड़े शरीर से जोड़ने की कोशिश की... कोशिश नाकाम रही... मैं मर चुका था...। , , , , श्रीमती हेनरी सिडविक, जिन्होंने पुस्तक की जांच की, ने कहा, "भाषाओं का आरेख... जटिल है,

लेकिन फ़ेडा का यह वर्णन सही है कि इसमें केंद्र से निकलने वाली रेखाएँ हैं; बिंदुओं से और रेखाओं से शाखाएँ बार-बार आती हैं।" यहाँ श्रीमती टैलबोट की भतीजी और बहन द्वारा पुष्टि की गई है: मिस बॉयर स्मिथ का विवरण "19 मार्च, 1917 को, मेरी चाची, श्रीमती ह्यूग टैलबोट, श्रीमती लियोनार्ड के साथ बैठा था.

जब वह घर आई, तो उसकी बहन, श्रीमती फिट्ज़मौरिस और मैंने उससे इसके बारे में पूछा। अन्य बातों के अलावा उन्हें 'एक किताब, लेकिन वास्तव में एक किताब नहीं, बल्कि एक तरह की नोटबुक' की तलाश करने के लिए कहा गया था। उन्होंने किताब की शुरुआत में 'भाषाओं के बारे में चित्र' से इसे पहचाना और पेज 12 और 13 पर कुछ दिलचस्प पाया।

"मेरी चाची बिल्कुल भी प्रभावित या दिलचस्पी नहीं ले रही थी; वास्तव में, उन्हें लगा कि पूरी बात इतनी बकवास लग रही थी कि उन्हें पूरा यकीन था कि उस किताब की तलाश करने का कोई फायदा नहीं है, जिसका आकार माध्यम ने उनके हाथों से दर्शाया था। यानी , लगभग आठ से दस इंच लंबा।" उस रात रात्रि भोज के बाद ही श्रीमती फिट्ज़मौरिस और मैंने उन्हें पुस्तक की तलाश करने के लिए प्रेरित किया, उन्हें इतना दृढ़ विश्वास था कि वह मिल जायेगी।

कोई फायदा नहीं हुआ। आख़िरकार उसने अपने दिवंगत पति की कुछ पुरानी और धूल भरी नोटबुक निकाली, और उनमें से एक में सबसे पहले भाषाओं की एक तालिका मिली, और पृष्ठ 12 या 13 पर मृत्यु से गुज़र रहे एक आदमी की भावनाएँ थीं। मुझे पूरी घटना बहुत स्पष्ट रूप से याद है, क्योंकि यह मुझे बहुत ही असामान्य और दिलचस्प लगी, खासकर इसलिए क्योंकि मेरी चाची ने इन नोटबुक्स को पहले कभी खोला या पढ़ा नहीं था; वास्तव में, उन्हें उन्हें ढूंढने में काफी समय लगा और पहले तो उन्हें लगा कि वे उनके पास नहीं हैं। "(हस्ताक्षरित) डोरिस बोयर स्मिथ।"

"चार्नमाउथ।" श्रीमती फिट्ज़मौरिस का विवरण "सोमवार, 19 मार्च, 1917 को, मेरी बहन श्रीमती टैलबोट की श्रीमती लियोनार्ड के साथ दूसरी मुलाकात हुई। उनकी पहले से ही एक बहुत ही दिलचस्प मुलाकात हो चुकी

थी, इसलिए मेरी भतीजी, मिस बॉयर स्मिथ और मैंने बहुत बात की थी सुनने को उत्सुक.

मेरी बहन ने माध्यम द्वारा कही गई हर बात को यथासंभव दोहराया और विशेष रूप से उल्लेख किया कि उसे एक निश्चित पुस्तक की तलाश करने के लिए कहा गया था। उन्होंने माध्यम से पूछा कि यह किस प्रकार की पुस्तक है, और उन्हें बताया गया कि यह एक ऐसी पुस्तक है जिसके सामने एक चित्र या भाषाओं की तालिका है। मेरी बहन ने कहा, 'क्या इसे वे "लॉग" बुक कहते हैं?'

और माध्यम ने तुरंत कहा, 'हां, हां, एक लॉग बुक', और कहा कि उसे पेज 12 या 13 ढूंढना होगा। मेरी बहन ने हमसे ऐसे बात की जैसे कि यह बकवास हो, और मुझे व्यक्तिगत रूप से किताब की ज्यादा परवाह नहीं थी। मुझे अपने जीजाजी की ओर से आने वाली कुछ टिप्पणियों में बहुत दिलचस्पी थी, क्योंकि, मुझे, जो उन्हें इतनी अच्छी तरह से जानता था, वे बिल्कुल वैसी ही लग रही थीं जैसी मैं उन्हें कहते हुए कल्पना कर सकता था; वे उनके व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करते थे।

"बाद में, रात के खाने के अंत में, मेरी बहन एक किताब ढूंढने के लिए भोजन कक्ष में एक किताबों की अलमारी के पास गई (मुझे याद नहीं है कि मैंने उससे ऐसा करने के लिए कहा था या नहीं, हालांकि मेरी भतीजी का कहना है कि हम दोनों ने उससे ऐसा करने के लिए कहा था) ऐसा करो), लेकिन उसने अचानक आश्चर्य से चिल्लाया और मुझे मेज पर एक चमड़े की नोटबुक दी, जिसके पृष्ठ 12 और 13 खुले थे, और वहां हमें एक मार्ग मिला जो स्पष्ट रूप से वही था जिसे हम ढूंढ रहे थे।

इसमें एक ऐसे व्यक्ति की संवेदनाओं का वर्णन किया गया है जो मर चुका था, या लगभग मर चुका था। मैं बिल्कुल भूल गया हूं कि यह क्या है, लेकिन मुझे पता है कि इसमें एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन किया गया है जिसकी आत्मा मर रही थी, और जब उसने अपने बिस्तर के आसपास अपने लोगों के चेहरे देखे तो उसे कैसा महसूस हुआ। और पुस्तक के पहले पन्ने पलटने पर हमें उन भाषाओं का एक चित्र मिला जिनका उल्लेख उस माध्यम से उनका वर्णन करने के प्रयास में किया गया था।

पुस्तक में अंश शामिल हैं, जिससे प्रतीत होता है कि दोनों पुस्तकें कुछ हद तक समान थीं। "हमारे लिए, मेरी बहन का साक्षात्कार बेहद दिलचस्प

लगा, और मैंने इसे यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से लिखा है, जैसा कि मुझे याद है।" (हस्ताक्षरित) माबेल फिट्ज़मौरिस। "दिसंबर 20, 1917।"

केस **76.**

बिडेन मामला।

श्रीमती लियोनार्ड के साथ एक बैठक में, यह परीक्षण श्रीमती बीडॉन के पास आया, जिनके पति, कर्नल बीडॉन ने इसे भेजने का दावा किया था: "यह एक चौकोर कमरे में था, कोने में कुछ किताबें थीं, बिल्कुल कोने में नहीं, लेकिन खिड़की से सटा हुआ कोने तक.

(फेडा ने अपने बाएं हाथ के इशारे से कोने में एक शेल्फ की ओर इशारा किया और कहा, 'यह वह नहीं है।') पांचवीं पुस्तक, दाएं से बाएं गिनती करते हुए, पृष्ठ 71। फेडा निश्चित नहीं है कि यह 17 है या 71 दोनों संख्याओं को दोहराने के बाद, फेडा कहती है कि उसे यकीन है कि यह पृष्ठ 71, दूसरा पैराग्राफ या पृष्ठ के मध्य के बारे में है। 'पेज 71 पर आपको उसका एक संदेश मिलेगा।

संदेश उतना सुंदर नहीं होगा जितना वह चाहता है, लेकिन आप समझेंगे कि वह परीक्षा को यथासंभव अच्छा बनाना चाहता है। उसी शेल्फ पर गंदे भूरे कवर वाली एक किताब, एक लाल किताब और एक पुराने ज़माने की किताब है। 1. यह पिछली स्थिति को संदर्भित करता है। 2. इसका वर्तमान में भी अनुप्रयोग है। 3. यह उस विचार का उत्तर है जो एक समय आपके दिमाग में अब की तुलना में कहीं अधिक था... खासकर जब से आप फेडा को जानते हैं। 4. सामने वाले पन्ने पर आग का जिक्र है.

सत्यापन "सात में से छह सुराग सही पाए गए। कमरा (पता दिया गया था) मेरी मां के घर का भोजन कक्ष निकला जहां मैं अस्थायी रूप से रह रहा था। श्रीमती लियोनार्ड कभी भी घर के अंदर नहीं थीं। वहाँ था कोने में एक बुकशेल्फ़ और वह कमरा जिसमें बुक-टेस्ट मिलना था वह वर्गाकार नहीं था: एक छोर वर्गाकार था, दूसरा अष्टकोणीय।

उसी शेल्फ पर ड्राइडन की कविताओं और अन्य वर्णित कविताओं का एक पुराना खंड था। दाएँ से बाएँ पाँचवीं पुस्तक ओलिवर वेंडेल होम्स (रूट लेज पॉकेट लाइब्रेरी संस्करण) की कविताओं का एक खंड थी। मैंने ओ. डब्ल्यू. होम्स की कविताएँ कभी नहीं पढ़ी थीं। पृष्ठ 71 और 17 का विचार समान था।" पृष्ठ 71, दूसरा पैराग्राफ, निम्नलिखित बताता है:

“थका हुआ तीर्थयात्री सो रहा है, उसका विश्राम स्थान अज्ञात है, उसके हाथ मुड़े हुए हैं, उसकी पलकें बंद हैं, उसके ऊपर धूल फेंकी जा रही है।
बहती मिट्टी, सड़ता पत्ता, घास के साथ उड़ता हुआ। उसका टीला मिट्टी में पिघल गया है, उसकी स्मृति अकेली रह गई है।" (कम्युनिकेटर) मेसोपोटामिया में मारा गया था। उसे पादरी और अधिकारियों ने उसी रात उसी स्थान के पास दफनाया था जहां वह गिरा था।

प्रभारी अधिकारी ने लिखा कि अरबों द्वारा अपवित्रता से बचने के लिए कब्र के सभी निशान सावधानीपूर्वक मिटा दिए गए थे। पृष्ठ 17 पर उपयुक्त कविता है:

“भारतवासियों की भुजा, अंग्रेजों की गेंद, तलवार की प्यासी धार, गिरते हुए टूटती गरम गेंद, संगीन की चुभती हुई कील।”

यहां बिखरी मौत; फिर भी उस स्थान की तलाश करें, कोई निशान नहीं जिसे आपकी आंखें देख सकें, कोई वेदी नहीं - और उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है, कि अपने बच्चों को स्वतंत्र छोड़ दें।" श्रीमती बीडेन ने लिखा कि पृष्ठ 17 से 71 के बीच उन्हें कुछ मिला, कोई पृष्ठ नहीं मिला जो संदेश मानदंडों को पूरा करता हो .

(निम्नलिखित स्पष्टीकरण पृष्ठ 71 को संदर्भित करता है।) "1. कविता {द पिलग्रिम्स विज़न) अमेरिका में बसने वालों को संदर्भित करती है (पिछली स्थिति को संदर्भित करती है)।

यह कविता संचारक के अपने मामले पर लागू होती है। उन्हें श्रद्धापूर्वक दफनाया गया, उनका विश्राम स्थल अज्ञात था। “3. एक समय मेरे मन में लगातार यह सवाल चल रहा था कि क्या उपस्थित अधिकारियों की मदद से उस स्थान की पहचान करना और युद्ध समाप्त होने पर उस पर क्रॉस का निशान लगाना संभव होगा।

मैंने हाल ही में इसके बारे में बहुत कम सोचा है और मुझे पहले की तरह चिंता नहीं है कि उसकी कब्र अचिह्नित और अज्ञात थी।" विपरीत पृष्ठ पर निम्नलिखित कविता है: "फिर भी अग्नि के स्तंभ की किरण पथ के साथ चमकेगी, चुनी गई उस जनजाति को रोशन करो जो इस पश्चिमी फ़िलिस्तीन की तलाश में थी।"

अग्नि, प्रकाश और इस्राएलियों की यात्रा का सन्दर्भ श्लोक 4, 5, और 6 में है। अगले पृष्ठ पर स्टीमबोट नामक एक कविता है। शीर्षक बड़े अक्षरों में पृष्ठ का शीर्षक था और पृष्ठ स्टीमबोट्स के बारे में था: "अगले पृष्ठ पर V से शुरू होने वाला महत्वपूर्ण शब्द।" यह पृष्ठ पर एक महत्वपूर्ण शब्द है, यदि संदेश से संबद्ध नहीं है। श्रीमती बीडेन ने पृष्ठ 17 को प्राथमिकता देने के लिए अपने व्यक्तिगत कारण बताए: "1. यह अनिवार्य रूप से युद्ध के मैदान के बारे में एक सैनिक का संदेश है।

पृष्ठ 17 युद्ध के मैदान और गर्म लड़ाई की स्थितियों को दर्शाता है।" 2. इसमें 'भारतीयों का तीर, ब्रितानियों का गोला' का उल्लेख है। यह मेसोपोटामिया में युद्ध की एक विशेषता थी कि मिश्रित सैनिकों को नियोजित किया गया था - भारतीयों और अंग्रेजों ने इस्तेमाल किया एक साथ ब्रिगेड करना.

मेरे पति भारतीय सैनिकों की कमान संभाल रहे थे. "3. सबसे ऊपर मुझे बताया गया कि मुख्य संदेश एक ऐसे प्रश्न के बारे में था जो मेरे दिमाग को परेशान कर रहा था और कुछ समय से मुझे परेशान कर रहा था। सवाल यह था कि क्या स्मारक बनाना संभव होगा। इस पृष्ठ 17 का उत्तर लेकिन यह दिया गया है: 'कोई वेदियां नहीं - और जो लोग अपने बच्चों को स्वतंत्र छोड़ देते हैं उन्हें उनकी आवश्यकता नहीं है।' मैंने सोचा कि वह यही कहना चाहता था।

कि उनकी उपलब्धि उनका सर्वोत्तम स्मारक होगी। पृष्ठ 71 पर सैनिक के पास संदेश होने का कोई संदर्भ नहीं है, युद्ध के मैदान का कोई संदर्भ नहीं है। मुख्य प्रश्न - 'वेदी' या 'उनकी प्रसिद्धि के स्मारक' का कोई संदर्भ नहीं है। मुझे लगा कि 'थके हुए तीर्थयात्री' शब्द उनके पत्रों में व्यक्त मन की स्थिति के लिए बहुत अनुपयुक्त है, जो उनकी मृत्यु से ठीक एक दिन पहले लिखे गए थे। तो कुल मिलाकर मुझे लगता है कि पेज 17 ने संदेश दिया और पेज 71 ने इसे मजबूत और पूरक बनाया।

अध्याय 9

प्रॉक्सी सिटिंग

जब एक देखभालकर्ता को किसी माध्यम से किसी मृत व्यक्ति के बारे में अच्छे सबूत मिलते हैं, तो कुछ आलोचक प्रभावित नहीं होते हैं; वह बस अपने कंधे उचकाता है और उत्तर देता है, "टेलीपैथी।" इसलिए इस तर्क का खंडन करने के लिए, बैठककर्ता किसी मित्र या किसी अजनबी को अपनी ओर से बैठकें संचालित करने के लिए कहता है, आमतौर पर बैठकों में मृत व्यक्ति द्वारा उपयोग की गई वस्तु भेजता है।

भले ही प्रॉक्सी-सिटिंग में कोई सबूत प्राप्त किया गया हो, आलोचक जीवित रहने की बात स्वीकार नहीं करता है; वह एक बचाव का रास्ता बना हुआ है, और वह इसका उपयोग "यात्रा दिव्यदृष्टि" का उत्तर देकर करता है, अर्थात, माध्यम का दिमाग हवा में कई मील की यात्रा कर चुका है, कुछ दूरी पर किसी व्यक्ति के दिमाग की तरह। जानकारी प्राप्त करने के बाद, वह माध्यम पर लौटता है और जानकारी जासूस-सिटर को सौंप देता है।

क्योंकि मृतक से वास्तविक संवाद ख़त्म हो चुका है. इस आपत्ति का शायद ही कोई जवाब हो, सिवाय इसके कि आलोचक से अपने मामले को साबित करने के लिए कहा जाए, जो आम तौर पर बचने योग्य से कहीं अधिक अकल्पनीय रूप ले लेगा - और यदि साइटर के पास गहरी हास्य की भावना है, तो वह स्पष्टीकरण का आनंद उठाएगा।

केस नंबर **77.**

ब्रिज केस**.**

अप्रैल, 1920 में, श्रीमती व्हाइट, जिनके पति की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी, ने मदद के लिए सर ओलिवर लॉज को लिखा, क्योंकि उन्होंने खुद को पूरी तरह से निराश्रित पाया और उनका चर्च उनके लिए कुछ भी करने में असमर्थ था। लॉज उस समय संयुक्त राज्य अमेरिका में था, लेकिन उसकी

मानसिक सचिव मिस नीह वॉकर (एन.डब्ल्यू.) ने उसकी ओर से जवाब दिया।

उन्होंने श्रीमती व्हाइट को सुझाव दिया कि अगली बार जब वह ओइजा-बोर्ड पर काम करें (जिसका श्रीमती व्हाइट ने उल्लेख किया था), तो उन्हें अपने पति से एन.डब्ल्यू. के साथ संवाद करने का प्रयास करना चाहिए। श्रीमती व्हाइट प्रयोग के लिए सहमत हो गईं। एन.डब्ल्यू. जिन माध्यमों के साथ उन्होंने बैठना शुरू किया उनमें से एक उनकी अपनी बहन, डामारिस (डी.डब्ल्यू.) थी, जिसकी मानसिक क्षमताएं बहुत मजबूत थीं।

डी.डब्ल्यू. जानबूझकर श्रीमती व्हाइट और उनके मामलों के बारे में अंधेरे में रखा गया था, लेकिन अपनी पहली मुलाकात में उन्होंने कुछ अच्छे विवरण प्रस्तुत किए: श्रीमती व्हाइट के पिता की उपस्थिति, एक दर्द जिससे श्रीमती व्हाइट पीड़ित थीं, और श्रीमती का एक जीवित भाई। सफ़ेद। . इसके बाद श्रीमान और श्रीमती व्हाइट के बीच मौजूद असामान्य रूप से रोमांटिक प्रकार के संबंधों से संबंधित जानकारी और उस घर के इंटीरियर का विवरण दिया गया जिसमें वे पहली बार मिले थे।

हालाँकि, इस दौरान, श्रीमती व्हाइट अन्य माध्यमों के साथ बैठकें कर रही थीं, जिन्होंने सबूत दिया कि एन.डब्ल्यू. टू डी.डब्ल्यू. से प्राप्त हो रहे थे; इसे एक तरह से एक तरह का क्रॉस-कॉरेस्पोंडेंस कहा जा सकता है. मई 1921 में, एन.डब्ल्यू. ने श्रीमती व्हाइट की ओर से प्रॉक्सी-सिटर के रूप में श्रीमती लियोनार्ड के साथ काम करना शुरू किया; और यह समझा जाना चाहिए कि यद्यपि एन.डब्ल्यू. उनके और श्रीमती व्हाइट के बीच बहुत कम पत्राचार था, लेकिन बाद वाले ने अपने मामलों को निजी रखने के लिए कष्ट उठाया।

लियोनार्ड की बैठकें 15 मार्च 1925 तक चलीं और 7 सितंबर 1921 की बैठक का एक अंश उद्धृत किया गया है। 5 सितंबर को व्हाइट्स की शादी की सालगिरह थी और एन.डब्ल्यू. को इस बात की जानकारी नहीं थी कि श्रीमती व्हाइट ने अपने पति से मानसिक अनुरोध किया था कि वह 7 सितंबर की बैठक में इसका उल्लेख कर सकते हैं।

(प्रतिलिपि समस्याओं के कारण पृष्ठ भाग 172, 173, 174 और 175 गायब हैं।) 179 और 180 गायब हैं। डब्लू. ग्वाइथर का एक समसामयिक नोट इस समय उनके ज्ञान को दर्शाता है "अब मुझे पता है कि गोरों की

शादी गुलाबी रंग की शादी थी: गुलाबी गुलाब। और गुलाबी गुलाबों को ग्वाइथर के साथ दफनाया गया था; गुलाब उसकी कब्र पर और उसके बगीचे में उगे थे। वहां जुलाई में जब श्रीमती व्हाइट की सगाई हुई तो वे भी गुलाब थे।

"और मुझे संयोग से पता चला कि श्रीमती व्हाइट की शादी सितंबर में हुई थी, लेकिन तारीख नहीं।" इस और लियोनार्ड की अन्य बैठकों में गुलाबों का लगातार और निरंतर उल्लेख अन्य माध्यमों वाले लोगों के लिए आश्चर्यजनक रूप से उपयुक्त है। उसका बगीचा गुलाब का बगीचा था; सभी प्रकार के गुलाब, बौने, पर्वतारोही और पेर्गोलस, वहां उगते थे और औसत माली इस आधार पर इसकी आलोचना कर सकते थे कि लगभग हर फूल को छोड़कर, अत्यधिक मात्रा में गुलाब की खेती की गई थी।

श्रीमती व्हाइट ने फिर एक और परीक्षण करने का फैसला किया: वह जाकर श्रीमती लियोनार्ड के साथ बैठेंगी और देखेंगी कि क्या एन.डब्ल्यू. के लिए आए संचारक उन्हें उत्तर देंगे। वह श्रीमती लियोनार्ड के लिए एन.डब्ल्यू. के रूप में अज्ञात थीं। उनके साथ एक गुमनाम परिचय पत्र ले जाने के कारण, कोई सामान्य तरीका नहीं था जिसके द्वारा माध्यम उनकी पहचान का सुराग प्राप्त कर सके।

बैठक 10 नवंबर, 1921 को हुई और परिणाम उत्कृष्ट रहे। उसके पति ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर, पहले से बताए गए कुछ बिंदुओं को दोहराने के लिए एन.डब्ल्यू. की हत्या कर दी। उन्होंने ओइजा-बोर्ड, डी.डब्ल्यू. के साथ अपने प्रयोगों के बारे में लिखा। अपने संचार के माध्यम से, गुलाब के प्रतीक का उल्लेख किया, और उल्लेख किया कि यह उसके भाई हेरोल्ड के पास था। (उन्होंने यह बात पहले ही एन.डब्ल्यू. को बता दी थी) उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए निष्कर्ष निकाला कि वह जल्द ही उनके साथ होंगी।

सितंबर, 1922 में, हालाँकि श्रीमती व्हाइट एक गंभीर बीमारी के कारण बिस्तर पर थीं, फिर भी एन.डब्ल्यू. ने उनकी ओर से श्रीमती लियोनार्ड के साथ काम करना जारी रखा। मिस्टर व्हाइट ने संकेत दिया कि वह अपनी पत्नी की स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ थे। फेडा: क्या आप जानते हैं, वह श्रीमती व्हाइट के बारे में थोड़ा चिंतित है। (बड़े आश्चर्य भरे स्वर में कहा।) यह पहली बार है जब उन्होंने उनके बारे में इस तरह बात की है। और जब वह उनके बारे में बात करना शुरू करते हैं तो काफी गंभीर नजर आते हैं. ये कोई हल्की बात नहीं है.

, , , क्या आप जानते हैं, वह अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। सच में उनके स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित हूं.' अगर वह उसके पास आती तो उसे कोई आपत्ति नहीं होती। मैं वह चाहता हूं, वह वह चाहती है। लेकिन किसी तरह उसे लगा कि अभी समय नहीं आया है। श्रीमती व्हाइट अलग-अलग स्वास्थ्य स्थितियों में रहीं, लेकिन अंततः जुलाई 1924 में उनकी मृत्यु हो गई, और यह घटना एक अच्छे परीक्षण का अवसर थी। क्या गोरे - पति और पत्नी - एन.डब्ल्यू. जिन्होंने श्रीमती व्हाइट का नाम और पता माध्यम से छिपाने के लिए हर सावधानी बरती ताकि भले ही श्रीमती लियोनार्ड ने एन.डब्ल्यू. को देखा हो। पहली बैठक हुई और शुरुआत में श्री व्हाइट ने तुरंत संकेत दिया कि उनकी पत्नी अब थीं उनके साथ लेकिन बैठक में शामिल नहीं हो सके;

लेकिन 1 नवंबर, 1924 को श्रीमती व्हाइट ने अपनी ओर से बात की और एन.डब्ल्यू. ने डॉ. को उनके सभी प्रयासों के लिए धन्यवाद देकर इस अनूठे मामले का समापन किया।

केस नंबर **78.**

बॉबी न्यूलव मामला**.**

सितंबर, 1932 में, रेव सी. ड्रेटन थॉमस, जब श्रीमती लियोनार्ड के साथ बैठे थे, तो उन्हें नेल्सन, लैंक्स के श्री हैच से एक पत्र मिला, जिसमें पूछा गया था कि क्या वह अपनी सौतेली बेटी के दस वर्षीय बेटे के बारे में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। जिनकी हाल ही में डिप्थीरिया से मृत्यु हो गई थी।

श्री थॉमस के उत्तर ने सफलता की आशाओं को प्रोत्साहित नहीं किया, लेकिन उन्होंने प्रयास करने का संकल्प लिया, हालाँकि उन्होंने बच्चे के लोगों को अपने इरादे के बारे में नहीं बताया। वह 4 नवंबर, 1932 को बैठक में श्री हैच का पत्र ले गए और उचित समय पर अपने पिता और बहन से कहा, जो बातचीत कर रहे थे: "मेरे पास एक छोटे लड़के, बॉबी की खबर के लिए एक गंभीर अनुरोध है।"

श्री थॉमस को प्राप्त पहला संदेश बॉबी के गृह नगर का विवरण था, जिसे श्री हैच ने सटीक माना। कई और बयान दिए गए, सभी कमोबेश सही साबित हुए, लेकिन कुल मिलाकर, श्री थॉमस ने माना कि परिणाम खराब थे।

हालाँकि, बाद की बैठकों में, बॉबी के संचार की पुष्टि की गई; उन्होंने एक मित्र - मिस्टर बरोज़ - का उल्लेख किया जो उनकी मृत्यु से पहले उनके लिए एक व्यायामशाला तैयार कर रहा था; फैंसी ड्रेस में आपकी एक तस्वीर; एक प्रेमिका, मार्जोरी, जो उस हॉकी टीम का शुभंकर थी जो उस रिंक पर खेलती थी जहाँ बॉबी गया था; और एक बहुत ही सटीक वर्णन, बहुत विस्तार से उल्लेख करते हुए, विशेष रूप से एक पसंदीदा सैर की क्षतिग्रस्त सीढ़ी का।

पसंदीदा वॉक के बारे में यह जानकारी प्राप्त करने पर, श्री हैच ने उत्तर दिया कि इसके कई विवरण पहचाने गए थे और सबसे उल्लेखनीय टूटी हुई सीढ़ी का संदर्भ था; क्योंकि उन्हें पता चला कि यह सीढ़ी अब वहां नहीं है, इसे बॉबी के आने से कुछ समय पहले ही हटा दिया गया था।

मौत। जाहिर है, यह एक माध्यम से एक दृश्य के अलावा कुछ और था जिसमें एक सीढ़ी का उल्लेख किया गया था जिस पर बॉबी अक्सर अपने समय में चढ़ते थे, लेकिन जो अब दिखाई नहीं दे रही थी। मिस्टर हैच, पूरी तरह से संतुष्ट नहीं थे, उन्होंने मिस्टर थॉमस को निम्नलिखित बिंदुओं पर जानकारी के लिए लिखा: 1. बॉबी ने बाथरूम की अलमारी में क्या रखा था? 2. पिछली सर्दी में शाम को वह अपनी माँ के साथ कहाँ गया था और इस सर्दी में वह फिर कहाँ जाने वाला था? 3. बॉक्सिंग के अलावा उसने अटारी में क्या किया?

जब उत्तर वापस आए तो उन्होंने सही ढंग से वर्णन या उल्लेख किया: 1. एक सिनेमैटोग्राफ़ लालटेन। 2. स्केटिंग रिंक. 3. मांसपेशियों को विकसित करने के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य करना। मिस्टर हैच अब मानते हैं कि बॉबी ने अपनी पहचान साबित कर दी है। उन्होंने अपने दोस्तों, अपनी डायरियाँ और अपने आस-पास के बारे में कई अन्य सबूत भेजे, जिन्हें जगह की कमी के कारण यहां नहीं डाला जा सकता है, और पहले से दिए गए चयन में ऐसे सबूत शामिल हैं जो महज संयोग से कहीं आगे जाते हैं। : :

126 वस्तुओं में से केवल 18 की पहचान नहीं हो पाई। बैठकों में बहुत पहले, श्री थॉमस के पिता ने संकेत दिया कि यद्यपि बॉबी की मृत्यु डिप्थीरिया से हुई थी, लेकिन कुछ ऐसा था जिसने उनकी मृत्यु से नौ सप्ताह पहले उन्हें कमजोर कर दिया था। जब श्री थॉमस ने पूछा कि वह क्या है, तो जवाब आया: "पाइप, पाइप, यह पर्याप्त होना चाहिए।" श्री थॉमस ने सोचा कि यह दोषपूर्ण जल निकासी का संकेत है, लेकिन श्री हैच इस विचार से सहमत नहीं थे।

आख़िरकार, मिस्टर हैच को पता चला कि बॉबी और एक अन्य लड़का एक गुप्त समाज में शामिल हो गए थे, जिसे वे "द गैंग" कहते थे, और बॉबी की मृत्यु से पहले गर्मियों में वे खेल और रोमांच के लिए "हाइट्स" में चले गए। " नामक स्थान पर बार-बार जाते थे। श्री हैच अभी भी पाइपों के बारे में उलझन में थे और उन्होंने पूरी जानकारी मांगी। इस अनुरोध के बाद हुई बैठक में एक अंश पर बहुत बारीकी से संकेत दिया गया था:

बॉबी के घर से शुरू करके, रेलवे स्टेशन के चक्कर लगाते हुए, बेंटले स्ट्रीट से होते हुए पहाड़ी तक, चर्चयार्ड में पुराने स्टॉक के पास से, फिर "हाइट्स" तक। साफ था कि जिस खुफिया अधिकारी ने यह जानकारी दी, वह बॉबी के घर और आसपास के इलाकों से अच्छी तरह परिचित था. बाद में एक और विवरण दिया गया, जो अंततः "हाइट्स" के वास्तविक स्थान पर पहुंचा, जहां दो नाली पाइप पाए गए थे।

इन पाइपों के माध्यम से जमीन से पानी दो तालाबों में बह जाता था और यहीं पर बॉबी ने अपनी मृत्यु से पहले कई हफ्तों तक खेला था। पानी के संक्रमण से रक्त की स्थिति खराब हो सकती थी, जिससे डिप्थीरिया आने से पहले लड़के का सिस्टम कमजोर हो गया था।

संचारक की राय का औचित्य कि लड़के की मृत्यु उसके खेलने के कारण हुई होगी, जिले के स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा दिए गए एक बयान में पाया गया है: "21 फरवरी, 1939।" दोनों पूलों का पानी स्पष्ट रूप से सतही जल से दूषित होने के लिए उत्तरदायी है और पीने के लिए उपयुक्त नहीं है।

ऐसा पानी पीने से किसी भी व्यक्ति, बच्चे या वयस्क, को हल्का या तीव्र संक्रमण हो सकता है। / "जे.एस. विल्सन, एम.बी., सी.एम., स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, ब्रियरफ़ील्ड, लैंक्स।" इस प्रकार ऐसी जानकारी सामने आई जिस पर बॉबी के लोगों को बिल्कुल भी संदेह नहीं था, लेकिन जो उनकी बीमारी और असामयिक मृत्यु का कारण बनी। श्री थॉमस के

संचारकों ने टिप्पणी की कि उन्हें लड़के के साथ बातचीत के दौरान गुप्त खेल के मैदान और उसके पाइपों के बारे में पता चला था और उन्होंने अनुमान लगाया था कि इसका उसकी मृत्यु से संबंध है।

श्री थॉमस ने लड़के से अपनी पहचान का सबूत देने में सक्षम बनाने के लिए सहयोग मांगा था। अपनी रिपोर्ट में, श्री थॉमस ने कहा कि श्रीमती लियोनार्ड को बॉबी के गृहनगर - नेल्सन - के बारे में बिल्कुल भी नहीं बताया गया था और उस जगह के बारे में उनकी अपनी जानकारी कई साल पहले नेल्सन के दूसरे हिस्से की यात्रा तक ही सीमित थी। सीमित था.

केस **79.**

ब्लेयर केस**.**

1937 में, जब न्यूयॉर्क एलिसन की श्रीमती लिडिया डब्ल्यू. श्रीमती लियोनार्ड से मिलने के लिए इंग्लैंड आ रही थीं, तो उन्होंने उनके लिए एक वकील के रूप में काम करने की व्यवस्था की।

एक साथी अमेरिकी, श्री ब्लेयर (छद्म नाम) के लिए प्रॉक्सी-सिटर। मिस्टर ब्लेयर के बारे में उनका ज्ञान बहुत सीमित था; उन्होंने जानबूझकर ऐसा किया, उन्हें पहले से ही चेतावनी दी कि वे बहुत आशावादी न बनें - प्रॉक्सी सिटिंग कभी-कभी एक जुआ होता है। श्रीमती एलिसन ने श्री ब्लेयर से एक छोटा, गोल, सफेद धातु का वैनिटी केस प्राप्त किया ताकि वह वांछित संचारक - उनकी पत्नी - से संपर्क कर सकें। कुल मिलाकर, श्रीमती एलिसन की तीन बैठकें हुईं, और दूसरों की तरह उनके पास भी हिट और मिस का प्रतिशत था; लेकिन ब्लेयर के बैठने से पहले वाले का वजन बाद वाले पर भारी पड़ गया।
बैठकों का सारांश

अध्याय 10

प्रत्यक्ष-स्वर घटनाएँ

प्रत्यक्ष-आवाज़ बैठक में, माध्यम एक कुर्सी पर बैठता है, जिसके चारों ओर बैठे लोग एक घेरा बनाते हैं, और कमरा पूरी तरह से काला होता है; प्रकाश की एक भी किरण अन्दर नहीं आनी चाहिए. एक तुरही को घेरे के केंद्र में रखा जाता है और एक निश्चित अवधि की प्रतीक्षा के बाद, जिसके दौरान बैठे लोग गाते हैं और बात करते हैं, एक धीमी ध्वनि सुनाई देती है।

आवाज़ों को बोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, फिर जब आवश्यक "शक्ति" हासिल हो जाती है, तो अधिकांश बैठककर्ताओं को दिवंगत मित्रों के संदेशों से पुरस्कृत किया जाता है। ध्वनि घटना के अलावा, तुरही द्वारा बैठने वालों के हाथ और चेहरे को छुआ जाता है, और हल्के भूरे और अन्य रंगों की रोशनी टिमटिमाती है, कभी-कभी सबसे आश्चर्यजनक तरीके से।

क्या यह पूरी बात एक धोखा है? क्या वह माध्यम था या कोई साथी जो तुरही के माध्यम से बोलता था? क्या स्पर्श और प्रकाश सामान्य तरीकों से उत्पन्न होते हैं? यह विश्वास करना कठिन है कि एक सन्निहित बुद्धि इस तरह की शारीरिक कार्रवाई के लिए जिम्मेदार है, और सुरक्षित पक्ष पर रहने के लिए, ट्रान्स मीडियमशिप में, निंदा करने या अनुमोदन करने से पहले साइटर को केवल संचार की साक्ष्य गुणवत्ता पर भरोसा करना चाहिए। भरोसा करना चाहिए.

इस अध्याय में आने वाले उदाहरणों में, स्पर्श, प्रकाश, गंध आदि का कोई जायजा नहीं लिया गया है, जो प्रत्यक्ष ध्वनि सत्रों में होने का आरोप लगाया गया है; जो कुछ भी प्रस्तुत किया गया है वह संचारकों द्वारा अपनी पहचान का प्रमाण प्रदान करने का प्रयास है।

केस नं. **80.**

कैनेडी मामला.

"16 फरवरी, 1890 की शाम को, चर्च एंड, फिंचले में मेरे घर पर मिस्टर और मिसेज एवरिट (श्रीमती एवरिट माध्यम थीं) की एक मंडली द्वारा एक बैठक आयोजित की गई थी; श्री एच. विथल और मिस एच. विथल, एंजेल पार्क, ब्रिक्सटन; मैं और मेरी दो बेटियाँ अंधेरे में बैठे थे, इस तरह हम जुड़े हुए थे;

कई आत्मिक मित्रों के संदेश आए. शाम के समय एक 'अजनबी' ने बात की, अपना नाम, अपनी मृत्यु का समय और अपनी उम्र बताई, और मिसौरी के एक शहर का उल्लेख किया जहां वह इस जीवन से प्रस्थान के समय रहता था। यदि संभव हो तो संदेश की प्रामाणिकता की पुष्टि करने की इच्छा से, मैंने शिकागो के धार्मिक-दार्शनिक जर्नल के संपादक कर्नल बंडी को निम्नलिखित पत्र लिखा: 16 तारीख को श्रीमती एवरिट के साथ मेरे निवास पर आयोजित एक सत्र के दौरान, एक आत्मा आई , और एक दृढ़, जोरदार और स्पष्ट स्वर में, एक निश्चित अमेरिकी लहजे के साथ बोलते हुए, उस काम में अपनी रुचि व्यक्त की जिसमें हम लगे हुए थे और हमारी सफलता की कामना की।

उन्होंने आगे बताया कि उनका नाम मोसेस कैनेडी था और पिछले सितंबर में मिसौरी के ग्लेनफील्ड में इकहत्तर साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। सत्र के समापन तक मुझे उनकी टिप्पणियाँ नोट करने का कोई अवसर नहीं मिला, और एक शब्द, 'ग्लेनफ़ील्ड' के बारे में मुझे पूरा यकीन नहीं है कि मुझे सही ढंग से याद है, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे याद है। मुझे ख़ुशी होगी यदि आपका कोई पाठक संदेश की सत्यता की पुष्टि कर सके। ई. डावसन रोजर्स।

लंदन, इंग्लैंड। 23 फरवरी. "यह पत्र 22 मार्च के जर्नल में छपा। इस बीच - यानी 9 मार्च की शाम को - हमने एक और सत्र आयोजित किया, जिसमें मण्डली के सदस्य पहले की तरह ही थे, केवल मिस एच. विथल को छोड़कर अनुपस्थित था, और उसकी जगह उसकी बहन ने ली थी। इस मुलाकात के दौरान एक आत्मिक मित्र ने पिछले अवसर पर मोसेस कैनेडी के संचार का जिक्र करते हुए कहा कि उसे लगा कि हमने उसके निवास

स्थान के नाम को गलत समझा है - उसका मानना है कि अजनबी ने 'ग्लेन फील्ड नहीं, बल्कि ग्लेनवुड' या ऐसा ही कुछ कहा जाता है।

चूँकि यह सोचने का कोई कारण नहीं था कि 'ग्लेनफ़ील्ड' की तुलना में 'ग्लेनवुड' के सही होने की अधिक संभावना थी, इसलिए इस घटना का कोई उल्लेख धार्मिक-दार्शनिक जर्नल को नहीं भेजा गया था। "17 तारीख को, पोस्ट ने मुझे निम्नलिखित पत्र भेजा, दिनांक 6 अप्रैल, एस. टी. सुडिक, एम.डी., क्यूबा, मिसौरी से: "आदरणीय महोदय, "आपका पत्र दिनांक 23 फरवरी, भाई बंडी से पहले मैंने पुष्टि के लिए इस मामले की जांच की है और किया है निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए:

"मिसौरी में 'ग्लेनफ़ील्ड' जैसा कोई शहर नहीं है। मैंने ग्लेनवुड, शूयलर काउंटी, मिसौरी को लिखा और पाया कि मोसेस कैनेडी की मृत्यु 30 सितंबर, 1889 को वहीं हुई थी। उनका जन्म 18 नवंबर, 1818 को क्लेमेंट काउंटी, ओहियो में हुआ था। उनकी विधवा , श्रीमती फेबे कैनेडी, अभी भी वहीं रहती हैं, और आज दोपहर को उनका उत्तर मुझे मिलेगा, “मुझे खुशी होगी अगर आप मुझे लिखें।

आदरपूर्वक आपका, एस. टी. सुडिक, एम.डी. "श्री सुडिक के पत्र से यह देखा जाएगा कि संदेश हर दृष्टि से सही था - नाम, उम्र, निवास स्थान और मृत्यु का समय। और फिर भी संदेश देने वाले हममें से कोई भी मूसा को नहीं बता सका कैनेडी को यह भी पता नहीं था कि वह अस्तित्व में है।"

केस नं**. 81.**

रान्डेल मामला**.**

बफ़ेलो के एक वकील श्री एडवर्ड सी. रान्डेल ने श्रीमती एमिली एस. से विवाह किया। फ्रेंच के साथ बीस वर्षों तक प्रयोग किया, जो एक बहुत ही कमजोर और बहरी बूढ़ी महिला थी। माध्यम का बहरापन श्री रान्डेल के लिए एक विशिष्ट लाभ था; इससे माध्यम के लिए स्वाभाविक परीक्षण की स्थिति पैदा हो गई जिसे वकील सुधार नहीं सका। "अक्सर," उन्होंने लिखा, "हम अक्सर मेरे घर में अकेले बैठे रहते थे और जो आवाज़ शांति भंग

करती थी वह श्रीमती फ्रेंच की आवाज़ नहीं थी, न ही उनके मुखर अंगों का उपयोग किसी और द्वारा किया जा रहा था।

बहरी होने के कारण, वह अक्सर आत्माओं की आवाज़ सुनने और बोलने में असफल रहती थी, जब वे बोल रही होती थीं, तो इस तरह की रुकावटें भ्रम पैदा करती थीं।" श्रीमती फ्रेंच की जांच में 700 से अधिक बैठकें हुईं, और जब 1912 में उनकी मृत्यु हो गई, तो उन्होंने उनके बारे में लिखा : "एमिली एस. फ्रेंच की याददाश्त एक आशीर्वाद की तरह आती है।

उसने ईमानदारी से मुझे अपना दोस्त बना लिया; मैंने निष्पक्षता से उसे अपना मित्र बना लिया और इस प्रकार हमने यह सीखने के लिए बीस वर्षों या उससे अधिक समय तक काम किया कि मानव हृदय से मृत्यु का भय कैसे दूर किया जाए। वह सबसे महान महिला थीं जिन्हें मैं जानता हूं;

वह ईमानदार और बहादुर दोनों थी; उन्होंने दूसरों की मदद करके खुद को समृद्ध किया।" 26 मई, 1896 को, श्री रान्डेल ने श्रीमती फ्रेंच के साथ एक बैठक की। उस सुबह दस बजे बफ़ेलो में ब्राउन बिल्डिंग की मरम्मत की गई, फिर ढह गई और शहर में अफवाहें फैल गईं। बाज़ार इतना गर्म हो गया कि कई लोग मारे गए.

यह संख्या छह या सात बताई गई थी, लेकिन मलबा हटाए जाने तक सच्चाई का पता लगाने का कोई रास्ता नहीं था और इसमें कई दिन लगने वाले थे। उस शाम की बैठक में, चार आवाजों ने खुद की घोषणा की: विलियम पी. स्ट्राब, जॉर्ज मेट्ज़, माइकल शूर्ज़के, एक पोलिश, और जेनी एम. ग्रिफिन, जिन्होंने दावा किया कि इमारत के ढहने से उनकी जान चली गई। कुछ दिनों बाद इसकी पुष्टि हुई.

एक अन्य अवसर पर श्री रान्डेल के पिता ने कहा कि उनकी संपत्ति के निपटान में एक छोटी सी बात थी जिसे नजरअंदाज कर दिया गया था। श्री रान्डेल ने उत्तर दिया, "आपका दिमाग हमेशा धन संचय करने पर केंद्रित था। अपनी संपत्ति के साथ मेरा समय क्यों बर्बाद करें? यह पहले ही विभाजित हो चुकी है।" "हाँ," उसने उत्तर दिया, "मुझे पता है, लेकिन मैंने अपने पैसे के लिए बहुत मेहनत की है, और एक ऐसी संपत्ति है जिसे आपने नहीं खोजा है।"

"मुझे इसके बारे में बताओ।" "मेरे जाने से कुछ साल पहले, मैंने पेंसिल्वेनिया में रहने वाली सुसान स्टोन को एक छोटी सी रकम उधार दी

थी, और मैंने उससे एक वचन पत्र लिया था, जिस पर, उस राज्य के कानून के अनुसार, मैं तुरंत फैसला सुनाऊंगा। परीक्षण। मैं ऋण के बारे में कुछ हद तक चिंतित था, इसलिए इसकी परिपक्वता से पहले मैंने नोट लिया और इसे एरी, पेंसिल्वेनिया में प्रोथोनोटरी के पास दाखिल किया, जो उसकी संपत्ति पर ग्रहणाधिकार बन गया।

मेरी पुस्तकों में उस नोट या निर्णय का कोई संदर्भ नहीं था। यदि आप एरी में प्रोथोनोटरी के कार्यालय में जाते हैं, तो आपको रिकॉर्ड पर निर्णय मिल जाएगा और मैं चाहता हूं कि आप इसे प्राप्त करें। ऐसी बहुत सी बातें हैं जो आप नहीं जानते और यह उनमें से एक है।

"श्री रान्डेल इस प्रकार प्राप्त जानकारी से बहुत आश्चर्यचकित हुए और स्वाभाविक रूप से उस फैसले की एक प्रति के लिए भेजा। उन्होंने पाया कि यह 21 अक्टूबर, 1896 को दर्ज किया गया था और ऋण के उस सबूत के साथ उन्होंने महिला से ब्याज सहित 70 डॉलर वसूले। उन्होंने सवाल किया। क्या एरी में नोट बनाने वालों और प्रोथोनोटरी के अलावा किसी को भी इस मामले के बारे में पता था, वह निश्चित रूप से नहीं जानता था और उसके पास इस पर संदेह करने का कोई कारण नहीं था और उसने श्रीमती फ्रेंच के लिए इसके बारे में कोई भी जानकारी रखना पूरी तरह से असंभव माना;

"उस अवसर पर मेरे पिता की आवाज़ स्पष्ट रूप से पहचानी जा सकती थी, जैसा कि सैकड़ों अन्य लोगों की आवाज़ में हुआ है, और मैं इस उदाहरण को उन लोगों के लाभ के लिए उद्धृत कर रहा हूँ जो हर चीज़ को एक नज़र से मापते हैं प्रत्यक्ष दृष्टिकोण.

केस नं**. 82.**

रोज़ बे केस**.**

निम्नलिखित दो उदाहरण 14 मई, 1914 को साउथ प्लेस इंस्टीट्यूट, फिन्सबरी में दिवंगत वाइस-एडमिरल डब्ल्यू. उसबोर्न मूर द्वारा दिए गए एक संबोधन से लिए गए हैं, जो एक अमेरिकी प्रत्यक्ष-आवाज माध्यम एटा

व्रेडट की मध्यस्थता के संबंध में है। सिडनी, न्यू साउथ वेल्स में जन्मी एक महिला, जिसने अपना सारा बचपन वहीं बिताया था और बाद में डेवोनशायर में रहने लगी, ने उसे एक बैठक में प्राप्त यह साक्ष्य दिया: "1911 में एक दिन, मेरी बहन और मैंने एक निजी बैठक की थी कैम्ब्रिज हाउस और एक आवाज ने खुद को 'जॉर्ज' घोषित किया।

हम ऐसे कई जॉर्ज को जानते थे जो गुजर चुके थे और मेरी बहन ने कहा, 'क्या आप जॉर्ज लॉयड हैं?' उत्तर: 'नहीं! ' प्रश्न: 'आपका दूसरा नाम क्या है? ' आवाज को इस सकारात्मक प्रश्न का उत्तर देने में बड़ी कठिनाई हो रही थी, इसलिए मैंने कहा, आप मुझे कहां से जानते हैं?' उत्तर: 'रोज़ बे में। मेरा नाम जॉर्ज स्मिथ है. तुम्हारे पिता मुझे यहां लाए थे।'

मैं बहुत हैरान था और नाम से मुझे कुछ पता नहीं चला, लेकिन मेरी बहन ने कहा, 'क्या आप रोज़ बे में रहते थे?' 'हाँ, तुम्हारे पुराने घर के पास।' (हमारा पुराना घर रोज़ बे में था, जो पोर्ट जैक्सन की कई छोटी खाड़ियों में से एक है; यह सिडनी शहर से तीन मील की दूरी पर है।) "तब आवाज़ ने मुझे उत्तर दिया, 'तुम्हारा स्लिंग पत्थर कहाँ है? जब तुम एक छोटी लड़की थी 'तुम्हारे पास एक गोफन पत्थर हुआ करता था।' प्रश्न: 'क्या आपका आशय गुलेल से है?' जवाब: 'हां, तुम थोड़े शरारती थे.' (जब मैं छोटा बच्चा था तो मेरे पास एक गुलेल हुआ करती थी; यह संभव है कि मैं आस-पड़ोस के लिए बहुत बड़ा उपद्रवी था।)

फिर मेरी बहन की ओर मुड़कर उसने कहा, 'मुझे तुम्हें नहीं जानना चाहिए था। यह तुमने अपनी क्या गति बना रखी है? आप सदैव शांतचित्त थे।' (यह संकेत बिल्कुल सही है।) जब आवाज बंद हो गई, तो मेरी बहन ने कहा, ठीक है, मैं दुनिया में एकमात्र हूं जो उसे याद रखूंगी।

आप बहुत छोटे थे. जॉर्ज स्मिथ रोज़ बे में हमारे पास रहते थे। वह एक ठेकेदार था।' (यह छियालीस साल पहले की बात है।) "(हस्ताक्षरित) ई. आर. रिचर्ड्स।" श्रीमती जैकब्स, श्रीमती रिचर्ड्स की बहन, ने लिखा: "मैं अपनी बहन के विवरण की पुष्टि करने की विनती करती हूं। मैं अपनी बहन से छह वर्ष बड़ी हूं और इस तथ्य को प्रमाणित करती हूं कि जॉर्ज स्मिथ नाम का एक ठेकेदार मेरे पिता के घर से कुछ ही दूरी पर रहता था। रोज़ बे, सिडनी में घर।

जब हम बच्चे थे तब वह हमें देखकर पहचानता होगा और शायद कभी-कभार हमसे बात भी करता होगा। मेरी बहन के पास एक छोटी सी गुलेल थी।"

केस नंबर **83.**

केस श्री डब्ल्यू जे**,**

ग्लासगो के एक व्यवसायी ने श्रीमती व्रेड्ट के साथ हुई बैठकों के बारे में लिखा: "जब मैं 2 जुलाई, 1912 की सुबह उनसे पहली बार मिला तो माध्यम एक अजनबी था। एक आवाज़ जिसे हमने तुरंत पहचान लिया वह मेरे पास आई और उसने कहा, 'बिल , बिल, आप कैसे हैं?' 'आप कौन हैं?' मैंने पूछा, 'नील, नील, मैं नील हूं,' उसके बाद हार्दिक हंसी आई।

...उनकी हंसी ऐसी थी जैसे मैं किसी और को नहीं जानता था। नील मैकक्वेरी मेरे रिश्तेदार थे और कई वर्षों तक हमारे कैशियर थे। थोड़ी देर तक उसने अपनी पत्नी से अपने बच्चों के बारे में बात की, प्रत्येक का नाम लेकर। श्रीमती व्हाइट, जो मेरे बगल में बैठी थीं, फुसफुसाए, 'क्या आपको लगता है कि वह मुझे जानता होगा?' और तुरंत उत्तर आया, 'क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हें नहीं जानता, एनी व्हाइट?' "अगली बैठक अगले दिन थी। मैंने श्रीमती मैकमास्टर को फोन किया और वह एक कार्यक्रम छोड़कर आ गईं, इसलिए उनकी उपस्थिति पूरी तरह से अप्रत्याशित थी; वह पहले कभी बैठक में नहीं आई थीं।

पहली आवाज़ उसके पति की थी, जिसका नौ महीने पहले निधन हो गया था: 'मुझे यह देखकर खुशी हुई कि आप इतने अच्छे से रह रहे हैं; जेफरी को मेरा प्यार दो। मिसेज मैकमास्टर, 'आप अपना प्यार खुद मिस्टर जेफरी को दे सकते हैं, वह मेरे बगल में बैठे हैं।' आवाज ने जोर देकर कहा, 'नहीं, नहीं, मैं अपने छोटे लड़के जेफरी मैकमास्टर को अपना प्यार देना चाहता हूं।'

"पांच दिन बाद एक और बैठक हुई। सबसे पहले मुझसे बात करने वाले मेरे पुराने दोस्त स्टर्लिंग थे, जो बीस साल पहले इस दुनिया से चले गए थे...

'क्या आप वही मिस्टर स्टर्लिंग हैं जिन्हें मैं बहुत पहले से जानता था?' ' 'हां,' जवाब था, 'अच्छा, क्या तुम्हें याद है कि मरने से पहले तुम्हारे साथ क्या हुआ था?' मैंने पूछा। उन्होंने जवाब दिया, 'मैं पांच साल तक पूरी तरह अंधा था।' ये बात सही थी और हमारे लिए पुख्ता सबूत थी.

...एक आवाज़ कह रही थी 'कॉलिन!' 'क्या कॉलिन?' 'कॉलिन बुकानन,' और कुछ ही समय बाद उन्होंने श्रीमती मैकक्वेरी को संबोधित करते हुए कुछ दुखद और निजी मामलों पर बात की, जिनके बारे में मुझे पता था कि कमरे में किसी को भी नहीं पता था। यह अपने रास्ते पर वापस चला गया.

चालीस साल पहले का पुराना इतिहास - सचमुच एक रहस्योद्घाटन। जो तथ्य सामने आये वे ऐसे थे कि उन्हें ठीक से दूसरों के सामने प्रकट नहीं किया जा सका। मुझे खेद है कि यह मामला है, क्योंकि यह उस तरह का सबूत है जो बहुत विश्वसनीय है।"

केस **84.**

सॉन्डर्स केस**.**

वर्ष 1918 के आसपास, ग्लासगो के एक स्टॉकब्रोकर और चार्टर्ड अकाउंटेंट आर्थर फाइंडले ने जॉन सी. स्लोएन की मीडियमशिप की जांच शुरू की, उन्होंने यह नहीं सोचा था कि वह अंततः अपने अनुभवों को प्रकाशित करेंगे और स्लोएन को वर्तमान समय के सबसे प्रसिद्ध माध्यमों में से एक बना देंगे।

उनमें से एक बनाऊंगा. फाइंडले को पहली बैठक में स्लोएन पर थोड़ा संदेह हुआ, लेकिन उसे संदेह का लाभ देते हुए, उसने धैर्यपूर्वक अन्य पचास बैठकों को सुना और दो चीजों के प्रति आश्वस्त हो गया - मानव का मृत्यु से बचना और स्लोएन की ईमानदारी।

फाइंडले ने अपने विश्वासों को नहीं छिपाया और उन्हें चार पुस्तकों में प्रकाशित किया: ऑन द एज ऑफ द ईथरिक, द कोक ऑफ ड्रुथ, द अनफोल्डिंग यूनिवर्स और द टॉर्च ऑफ नॉलेज। पहले 1 में वह निम्नलिखित मामले का हवाला देता है जिसे वह धोखाधड़ी-प्रूफ, टेलीपैथी-प्रूफ, क्रिप्टोएस्थेसिया सबूत मानता है और "अल" मानकों के

अनुसार अपने निष्कर्ष पर पहुंचता है। 1919 में आर्थर फाइंडले अपने भाई जॉन को एक मीटिंग में ले गए और इस बात का पूरा ध्यान रखा कि दोनों के रिश्ते के बारे में किसी को पता न चले।

बैठक के बीच में खुद को "एरिक सॉन्डर्स" बताने वाली एक आवाज ने दावा किया कि वह जॉन से परिचित है, जिसने जवाब दिया कि वह इस नाम से कभी किसी को नहीं जानता था। जे.एफ.: आप मुझसे कहाँ मिले थे? आवाज: सेना में. फाइंडले ने कई स्थानों का उल्लेख किया: एल्डरशॉट, बिसले, फ्रांस, फिलिस्तीन, आदि, लेकिन उन्होंने जानबूझकर लोवेस्टॉफ्ट को छोड़ दिया, जहां उन्होंने अपने सैन्य करियर का अधिकांश समय बिताया था।

आवाज़: नहीं, इनमें से कोई भी जगह नहीं. मैं तुम्हें तब से जानता था जब तुम लोएस्टॉफ्ट के पास थे। जेएफ: आप लोवेस्टॉफ्ट के पास क्यों कहते हैं? आवाज: तब आप लोएस्टॉफ्ट में नहीं, बल्कि केसिंगलैंड में थे। यह सही था. फाइंडले ने अपना कुछ समय लोवेस्टॉफ्ट के पास एक छोटे से गाँव में बिताया, जहाँ सेना के लिए मशीन-गनर को प्रशिक्षित किया जाता था।

जे. एफ.: आप किस कंपनी में थे? उत्तर अस्पष्ट था - यह "बी" या "सी" जैसा लग रहा था - फिर फाइंडले ने पूछा कि क्या उसे कंपनी कमांडर का नाम याद है। आवाज़: मैकनामारा. यह सही था; वह बी कंपनी के कमांडिंग अधिकारी का नाम था। जे. एफ. (परखते हुए): आप मेरे लुईस गनर में से एक थे, है ना? आवाज (जाल से बचते हुए): नहीं, आपके पास तब लुईस गन नहीं थी, वह हॉटकिस थी। कई प्रमुख सवालों के सही जवाब दिए गए, फिर आवाज आई कि उसे फ्रांस में मार दिया गया है।

जे. एफ.: आप कब बाहर गए थे? आवाज़: अगस्त 1917 में बड़े ड्राफ्ट के साथ। जे.एफ.: आप "बड़ा ड्राफ्ट" क्यों कहते हैं? आवाज़: क्या आपको वह बड़ा ड्राफ्ट याद नहीं है, जब कर्नल परेड ग्राउंड में आए थे और भाषण दिया था? यह कथन उस महीने फ़्रांस को भेजे गए एक अतिरिक्त बड़े मसौदे पर लागू होता है, और यह एकमात्र अवसर है जब फाइंडले याद कर सकता है कि कर्नल ने व्यक्तिगत रूप से पुरुषों को अलविदा कहा था। जे.एफ.: आप मुझसे बात करने क्यों आये हैं? आवाज़: क्योंकि मैं कभी नहीं भूला कि आपने एक बार मेरे लिए अच्छा काम किया था।

फाइंडले को अपने एक गनर की छुट्टी की धुंधली याद थी, लेकिन उसे यह याद नहीं था कि सॉन्डर्स उसका नाम था या नहीं। छह महीने बाद, फाइंडले ने उस व्यक्ति से मिलने की व्यवस्था की जो उसका कॉर्पोरल था, उसे घटना के बारे में बताया और पूछा कि क्या वह एरिक सॉन्डर्स को याद करता है। कॉर्पोरल को याद नहीं था, लेकिन सौभाग्य से वह एक नोटबुक लाया था जिसमें उसने उन लोगों के नाम दर्ज किए थे जिन्होंने उसके अधीन काम किया था।

1917 के बी कंपनी के रिकॉर्ड में "एरिक सॉन्डर्स, एफ.क्यू. अगस्त, 1917" शब्द दिखाए गए थे, जिनके बीच एक लाल रेखा खींची गई थी। हालाँकि फाइंडले अच्छी तरह से जानते थे कि लाल रेखा क्या दर्शाती है, उन्होंने इसका अर्थ पूछा। "क्या आपको याद नहीं है, मिस्टर फाइंडले?" पूर्व कॉर्पोरल ने उत्तर दिया। “जब वे चले जाते थे, तो मैं हमेशा उनके नामों के बीच एक रेखा खींच देता था।

इससे पता चलता है कि सॉन्डर्स का निधन अगस्त, 1917 में हो गया।" जॉन फाइंडले को खेद है कि उन्होंने बैठक में सॉन्डर्स से उनकी रेजिमेंट का नाम नहीं पूछा था, और इसलिए उन्हें उनकी मृत्यु के बारे में पता नहीं चला। बिना किसी कारण के युद्ध कार्यालय कोई जानकारी नहीं दे सका विस्तृत जानकारी, सिवाय इसके कि 1914-18 के युद्ध में सॉन्डर्स नाम के 4,000 लोग मारे गए थे।

केस नं**. 85.**

सहेजा गया मामला**.**

वर्ष 1922 में, जब वे स्कॉटलैंड में रह रहे थे, रेव. वी.जी. डंकन ने मानसिक अनुसंधान से संबंधित किताबें पढ़ना शुरू कर दिया, और उनके पुस्तक विक्रेता ने, इस प्रकार के साहित्य के प्रति उनके झुकाव को देखते हुए, उन्हें एक महिला, मिस मैक्कल से मिलवाने की पेशकश की, जिन्होंने उन्हें ग्लासगो की मिस मूर से मिलवाया, जो सीधी आवाज़ वाली थीं। मीडिया के साथ बैठने का अवसर प्रदान करेंगे।

श्री डंकन ने पुस्तक विक्रेता की पेशकश स्वीकार कर ली और एडिनबर्ग के उपनगरीय इलाके में एक घर में बैठने की व्यवस्था की गई। यदि उसका इतिहास पहले से तैयार किया गया था, तो श्री डंकन ने अपने साथ एक दोस्त को ले जाने का फैसला किया - जो उत्तरी यूरोपीय जाति से था - और उन्हें यकीन था कि न तो पुस्तक विक्रेता, मिस मैक्कल, और न ही मिस मूर को अज्ञात अजनबी के बारे में कुछ पता था।

श्री डंकन ने लिखा, "जिस महिला ने मुझे नियुक्त किया था, उसने वादा किया था कि मेरा नाम, साथ ही वह मेरे बारे में जो भी जानकारी जानती है, उसे माध्यम से छुपाया जाएगा। किसी भी मामले में, प्रयोग में मेरा सहयोगी सभी के लिए एक अजनबी था, क्योंकि मैंने इस बात का ध्यान रखा था कि वह केवल यह कहकर गुमनाम रहे कि 'एक दोस्त मेरे साथ आएगा।'

"बैठक की शुरुआत में एक कंट्रोल ने संकेत दिया कि एक महिला मिस्टर एल. (मिस्टर डंकन के दोस्त) से बात करना चाहती है। धीमी आवाज़ में एक आवाज़ ने कहा, 'जन! जान!' साक्षात्कारकर्ता: ओह, माँ प्रिय, क्या यह वास्तव में है आप?
आवाज़: हाँ, प्रिये, यह सचमुच मैं ही हूँ।

"फिर," श्री डंकन कहते हैं, "उन्होंने उन तुच्छ चीज़ों के बारे में बात की जो हम सभी के लिए जीवन बनाती हैं: पिता के बारे में जो पीछे छूट गया था; बेटे के बारे में जिसे विशेष देखभाल की ज़रूरत थी; बेटे की पत्नी के बारे में (नाम से सही ढंग से संबोधित)); और चाचा के बारे में जो जल्द ही निधन हो गए थे, मेरे दोस्त ने एक आखिरी सवाल पूछा - इतना नहीं, उसने मुझे संदेह की भावना से बताया, लेकिन क्योंकि उसे लगा कि सबूत का हर टुकड़ा उसके लिए बहुत मूल्यवान था।

'क्या तुम्हें याद है, माँ,' उसने पूछा, 'बी का दूसरा नाम?' अब मेरे मित्र के पिता एक उत्तरी यूरोपीय परिवार से थे लेकिन कमरे में उनके अलावा यह बात किसी को नहीं पता थी। जो नाम पूछा गया वह अजीब था और मूल नाम से संबंधित था।

"क्यों, सीवाल्ड, बिल्कुल," बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर आया। "यह बिल्कुल सच था।"

केस नंबर **86.**

जॉर्ज डब्ल्यू क्रॉफर्ड केस।

निम्नलिखित उद्धरण उन बैठकों के विवरण से लिए गए हैं जो श्री एच. डेनिस ब्रैडली ने एक अमेरिकी माध्यम जॉर्ज वेलेंटाइन के साथ की थीं।

(जून 1923 में संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा के दौरान, श्री ब्रैडली ने श्री जोसेफ डी विकॉफ के घर पर वेलेंटाइन से मुलाकात की, जहां - जहां तक डेनिस ब्रैडली का संबंध था - एक परीक्षण बैठक की व्यवस्था की गई थी।) उस दिन डेनिस ब्रैडली द उन्हें प्राप्त संचार इतना आश्वस्त करने वाला था कि कुछ समय बाद उन्होंने 1924 के शुरुआती महीनों के दौरान बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित करने के उद्देश्य से वेलेंटाइन को इंग्लैंड आने के लिए आमंत्रित किया।)

8 फरवरी, 1924 को, डोरिनकोर्ट में डेनिस ब्रैडली के घर के भोजन कक्ष में एक बैठक चल रही थी, जब एक आवाज जोसेफ डी विकॉफ को संबोधित कर रही थी। आवाज को समझना - यह बहुत स्पष्ट नहीं था - लेकिन अंततः आवाज ने बताया कि 1916 में न्यूयॉर्क से इंग्लैंड आ रहे एक जहाज पर "उसकी" मृत्यु कैसे हुई थी।

आवाज: मैं जो और मिनर्वा (मिस्टर एंड मिसेज डी विकॉफ) के साथ एक ही नाव पर यात्रा कर रहा था। डी वाइकॉफ़: कृपया हमें बताएं कि आप छोटे थे या बड़े? आवाज़: मैं बहुत बड़ा था. डी. वाइकॉफ़: कितना बड़ा? आवाज़: इतनी बड़ी कि मैं मुश्किल से दरवाजे में समा पा रही थी। श्रीमती डी वाइकॉफ़ (उत्साह से): जॉर्ज क्रॉफर्ड! अपनी पत्नी द्वारा अपना नाम उजागर करने से इनकार करने से क्रोधित होकर डी वाइकॉफ़ ने पूछा, "तुमने ऐसा क्यों किया?" उस वक्त बैठक से आवाज गायब हो गई.

दो दिन बाद, 10 फरवरी को, एक और बैठक हुई लेकिन इस बार डेनिस ब्रैडली के अध्ययन में। आवाज वापस आई और इस बार उसने अपना नाम इतनी स्पष्टता से कहा कि कमरे में मौजूद सभी लोगों ने इसे सुना।

आवाज: मैं जॉर्ज डब्ल्यू. एम क्रॉफर्ड हूं।

डी वाइकॉफ़ ने उनके व्यक्तित्व के बारे में और सबूत मांगे और "जॉर्ज डब्ल्यू. क्रॉफर्ड" ने उत्तर दिया, "क्या आपको याद नहीं है कि आपने कमरे कब बदले थे?"

डी वाइकॉफ़ (इस धारणा के तहत कि क्रॉफर्ड वर्तमान में भोजन कक्ष के बजाय अध्ययन में बैठने की बात कर रहा था) ने उत्तर दिया, "हां, हमने कमरा बदल दिया क्योंकि यहां परिस्थितियां बेहतर हैं।" क्रॉफर्ड: मेरा मतलब यह नहीं है, मेरा मतलब है कि आपने विमान में मेरे लिए मेरा कमरा बदल दिया।

इस जानकारी ने डी वाइकॉफ़ को चौंका दिया, और उन्होंने कहा कि जब क्रॉफर्ड जहाज पर बीमार पड़ गया, तो उसने पर्सर को उसे एक बड़े केबिन में ले जाने के लिए मना लिया, जिसमें उसकी मृत्यु हो गई। 15 फरवरी को, क्रॉफर्ड वापस लौटा और डी वाइकॉफ़ के साथ अपनी बातचीत फिर से शुरू की।

डी वाइकॉफ़: आपको मरे हुए कितना समय हो गया है?
क्रॉफर्ड: लगभग आठ साल। (सही) डी वाइकॉफ़: जिस नाव पर आप यात्रा कर रहे थे उसका नाम क्या था?
क्रॉफर्ड: सेंट पॉल। (हस्ताक्षर)

फिर डी वाइकॉफ़ ने पूछा कि उनकी मृत्यु का कारण क्या था, जिस पर क्रॉफर्ड ने उत्तर दिया, "अत्यधिक भोजन करना।" (क्रॉफर्ड का वजन लगभग पच्चीस पत्थर था और उसकी भूख उसके वजन के बराबर थी।) डे विकॉफ: क्या आपको अपना दफन याद है? क्रॉफर्ड: हां, मुझे एक भारी वजन वाले बक्से में रखा गया था। (उसे समुद्र में दफनाया गया था।) ऊपर डी वाइकॉफ़ द्वारा पूछे गए कुछ साक्ष्यात्मक प्रश्न हैं;

प्रत्येक मामले में सही उत्तर दिया गया, और अंत में क्रॉफर्ड ने कहा, "मुझे लगता है कि मैंने आपको पर्याप्त जानकारी दे दी है।"

केस नं. **87.**

वेल्श भाषा मामला.

27 फरवरी को डोरिनकोर्ट में एक और बैठक आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित लोगों ने भाग लिया: डेनिस ब्रैडली, श्रीमती डेनिस ब्रैडली, न्यूमैन फ्लावर, हेरोल्ड विम्बरी, मिस्टर एंड मिसेज कैराडॉक इवांस, मिस क्वीनी बेलिस और जॉर्ज वेलेंटाइन। श्रीमान और श्रीमती इवांस, जिन्होंने पिछली बैठकों में भाग लिया था, ने फिर से अपनी सदस्यता ग्रहण की।

एक पुराने मित्र का परिचय - एडवर्ड राइट। आपसी हित के विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के बाद, एक नई आवाज़, जो श्री इवांस के पिता होने का दावा करती थी, सामने आई। कैराडॉक इवांस: क्या आप मुझे चाहते हैं? आवाज़: हाँ. कैराडोक इवांस: आप कौन हैं? आवाज़: तुम्हारे पिता! कैराडोक इवांस: पिताजी! नहीं किया जा सकता।

तुम्हें कैसे पता कि मैं यहाँ हूँ? तुमसे किसने कहा? आवाज़: एडवर्ड राइट. कैराडॉक इवांस: ठीक है, देखो, अगर तुम मेरे पिता हो, सियाराडच ए फ़े यिन ह इथ} आवाज़: व्हाट आई च्वी मी आई फ़े ड्विड? कैराडॉक इवांस: आपका एनडब्ल्यू, सीखने लायक। आवाज़: विलियम इवांस. कैराडोक इवांस: मार्वो च्वी के बजाय? आवाज़: कार्फार्डिन. कैराडोक इवांस: काउंटी? आवाज़: ट्रे. कैराडोक इवांस: मेरा घर कहाँ है?

आवाज: उच बेन ये एवन। मॅई स्टेप्स-लॉयर आयन-वींग वाई टी आर रिओल। आप क्या चाहते हैं आपको पता है? और मुझे लगता है कि मैंने बॉब ट्रो दोस्त रिडिच और वाई ड्रे का स्वागत किया। कैराडोक इवांस: 'नाहद। अनुवाद. , , मुझसे अपनी भाषा में बात करो.

आवाज: तुम मुझसे क्या कहना चाहते हो?
कैराडॉक इवांस: आपका नाम, बिल्कुल। आवाज़: विलियम इवांस. कैराडोक इवांस: आपकी मृत्यु कहाँ हुई?
आवाज़: कार्मार्थन.
कैराडोक इवांस: कवि?
आवाज़: शहर.
कैराडॉक इवांस: घर कहाँ है?

बैठक के बाद, कैराडॉक इवांस ने डेनिस ब्रैडली को वेल्श में बातचीत और अंग्रेजी में अनुवाद प्रदान किया।
आवाज़: नदी के ऊपर. घर और सड़क के बीच सीढ़ियाँ हैं - बहुत सारी सीढ़ियाँ। तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो? आप जब भी शहर में होते हैं तो घर देखने जरूर जाते हैं। कैराडोक इवांस: मेरे पिता।

केस नं**. 88.**

वाल्टर केस**.**

श्री हेरोल्ड विम्बरी को उसी बैठक में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, हालाँकि इसमें श्री कैराडॉक इवांस द्वारा प्राप्त साक्ष्य की नाटकीय गुणवत्ता नहीं थी। एक आवाज़ बोली और मण्डली में से किसी ने कहा, "यह वाल्टर जैसा लगता है।" हेरोल्ड विम्बरी: क्या यह वाल्टर है?
आवाज़: हाँ. हेरोल्ड विम्बरी: क्या मैं तुम्हें यहाँ जानता हूँ?
आवाज़: हाँ. हेरोल्ड विम्बरी: कब तक?

आवाज़: कई सालों से. हेरोल्ड विम्बरी: कितनी देर पहले?
आवाज़: लगभग बीस साल. हेरोल्ड विम्बरी: कहाँ?
आवाज़: बर्मिंघम.
हेरोल्ड विम्बरी: आपका दूसरा नाम क्या है?
आवाज़: डाउनिंग.
हेरोल्ड विम्बरी: हे भगवान, वाल्टर, मुझे तुम्हें देखकर खुशी हुई। क्या आपको हमारी पिछली छुट्टियाँ याद हैं?

आवाज़: हाँ-अब मुझमें सारी योग्यताएँ हैं।
हेरोल्ड विम्बरी: आपके पास हमेशा था।
हेरोल्ड विम्बरी: क्या आपको सैली याद है? (यह एक जाल था। सैली सैंडर्स नाम के एक आदमी का उपनाम था। महिला नहीं?)
आवाज़: हाँ-मुझे वह और वे सभी याद हैं। उन्हें बताएं कि मैं यहां बहुत खुश हूं। हेरोल्ड विम्बरी: क्या आपको याद है हम साथ रहते थे?

आवाज़: हाँ. हेरोल्ड विम्बरी: कहाँ?
आवाज़: होटल के ऊपर. ("वाल्टर और मैं, एक सुबह के अखबार पर काम करते हुए, अक्सर घर की आखिरी ट्रेन छूट जाती थी और इसलिए हमने बर्मिंघम में एक कमरा साझा किया, जहां देर होने पर हम अक्सर एक साथ आराम करते थे। कमरा क्राउन होटल के ऊपर था, जो दो मिनट की दूरी पर था। कार्यालय से दूर।" -

हेरोल्ड विम्बरी।) श्री विम्बरी ने डेनिस ब्रैडली को उपरोक्त स्पष्टीकरण प्रदान किया।

केस नंबर **89.**

विभिन्न बैठकों की घटनाएँ मामला**.**

1 फरवरी, 1925 के महीने में, जॉर्ज वैलेंटाइन ने डेनिस ब्रैडली के साथ बैठकों की एक और श्रृंखला आयोजित करने के उद्देश्य से इंग्लैंड की वापसी यात्रा की - यह यात्रा अप्रैल के महीने तक चली।

इस अवसर पर, ब्रैडली ने कई व्यवसायों से दोस्तों और अजनबियों को एक साथ लाने का मुद्दा उठाया: कानून, कला, विज्ञान, मंच, राजनीति, पत्रकारिता, सेना, आदि - उन्हें वेलेंटाइन से परिचित कराए बिना, और वेलेंटाइन के माध्यम के प्रति प्रतिक्रियाओं को देखे बिना।

यह जानबूझकर इस उद्देश्य से किया गया था कि ये बैठकें अच्छी, बुरी और उदासीन विभिन्न प्रकार की होती थीं; सभी अच्छी बैठकें पूरी तरह से साक्ष्यात्मक नहीं थीं, जबकि कई खराब बैठकों में कुछ साक्ष्यात्मक तत्व थे। इस श्रृंखला के दौरान संचारकों ने अधिकांश यूरोपीय भाषाओं में बात की, कभी-कभी चीनी और जापानी में; और वार्ताकारों ने बातचीत के दौरान भाषा को जर्मन से अंग्रेजी, डेनिश से रूसी, या इतालवी से फ्रेंच में बदल दिया, और संचारकों ने बिना किसी रुकावट के अपनी बात जारी रखी।

इन बैठकों से कुछ उत्कृष्ट साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और उन्हें इस मामले में संक्षेपित किया गया है। 25 फरवरी, 1925 को, एक आवाज ने काउंटेस त्योंग ओइटिंगम को चीनी भाषा में संबोधित किया, जिस भाषा में उन्होंने संक्षेप में बातचीत की।

बैठक के बाद काउंटेस ने कहा कि चीनी की कम से कम बीस बोलियाँ थीं, जिनमें से एक वह बोली थी जिसमें उसके पिता उससे तब बात करते थे जब वह बच्ची थी, और दूसरी वह बोली जिसमें वे बड़े होने के बाद एक साथ बात करते थे।

10 मार्च, 1925 को, काउंटेस अहलफेल्ड-लोरविग को बैठे हुए एक आवाज़ ने संबोधित किया और उन्होंने डेनिश में उत्तर दिया। फिर आवाज़ ने उससे कहा, "मुझसे रूसी भाषा में बात करो," और घोषणा की कि वह उसका भाई ऑस्कर है। दोनों ने मिलकर कुछ देर तक रूसी भाषा में बातचीत की। 18 मार्च, 1925 की शाम की बैठक की सबसे नाटकीय घटना तब घटी जब एक आवाज ने जापानी में श्री गोनोसुके कोमाई को संबोधित किया।

आवाज ने पुकारा, "गोन्नोस्के, गोन्नोस्के," और फिर "ओटानी" नाम कहा। पहचान स्थापित की गई और जापानी भाषा में बातचीत की गई। बाद में, श्री कोमाई ने कुछ महत्वपूर्ण बात कही: जापान में, केवल बड़े भाई, पिता या माता को ही किसी व्यक्ति को उसके पहले नाम से संबोधित करने की अनुमति है, और आवाज़ उसके बड़े भाई की थी, जिसकी कुछ समय पहले मृत्यु हो गई थी। घटित।

7 अप्रैल, 1925 को, डॉ. पीबल्स होने का दावा करने वाली एक आवाज़ ने डॉ. अब्राहम वालेस से बैठे हुए बात की। “आपको याद होगा कि मेरे सम्मान में एक भोज का आयोजन किया गया था, जब मेरे लिए खाली कुर्सी छोड़ी गई थी और मैंने इसकी बहुत सराहना की थी;

मैंने बैठक का आनंद लिया। मेज। इस घटना को डॉ. वालेस ने स्वीकार किया क्योंकि 10 अप्रैल, 1925 को कमरे में उनके अलावा कोई नहीं बैठा था। ब्रैडली - डेनिस ब्रैडली के चाचा - ऊँची आवाज़ में बोले।

"उन्होंने मेरे पिता को 'डैन' कहकर संबोधित किया, यही नाम वह उन्हें संबोधित करने के लिए इस्तेमाल करते थे। उन्होंने काफी देर तक एक साथ बात की, मेरे पिता ने कई सवाल पूछे जिनके लिए स्पष्ट उत्तर की

आवश्यकता थी। माइकल ने तुरंत वह सारी जानकारी दी जो उनके लिए आवश्यक थी। उन्हें याद आया उनके जन्म का स्थान, गॉलवे के पास, उनकी मृत्यु के समय उनकी उम्र, और पृथ्वी पर उनके जीवन के कई विवरण, जिन्होंने उनकी पहचान स्थापित की।"

16 अप्रैल, 1925 को, बैठे हुए, एक आवाज ने श्री पी.एच.जी. से बात की। अपने दादा से संबंधित होने का दावा करते हुए फेंडर से बात की। श्री फेंडर ने पूछा कि वह कहाँ रहते हैं और उन्होंने सही उत्तर दिया "डंडी।" एक आवाज श्रीमती थियोडोर मैककेना के सामने खुद को "जस्ट मैककेना" घोषित करती है। बाद में, श्रीमती मैककेना ने कहा कि उनके बेटे, जस्टिन मैककेना, जिनकी इक्कीस वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई थी, को परिवार द्वारा "जस्ट" कहकर संबोधित किया जाता था।

उनकी माँ होने का दावा करने वाली एक आवाज़ ने श्री ऑस्कर हैमरस्टीन से बात की, और उनकी बातचीत के दौरान आंटी एनी का उल्लेख किया। मिस्टर हैमरस्टीन को नाम ठीक से समझ नहीं आया, लेकिन उनके सामने बैठी श्रीमती हैमरस्टीन ने इसे सुना और कहा, "वह आंटी एनी के बारे में बात कर रही हैं।" फिर आवाज़ श्रीमती हैमरस्टीन की ओर मुड़ी और बोली, "मैं 'आंटी' के बारे में बात कर रही थी" - वह उपनाम जिसके द्वारा आंटी एनी को परिवार में जाना जाता था।

केस नं**. 90.**

चीनी मामला**.**

जब ऑक्सफ़ोर्ड में कई वर्षों तक चीनी भाषा के व्याख्याता रहे डॉ. नेविल व्हिमेंट न्यूयॉर्क में थे, जहां वे एक नए विश्वकोश के ओरिएंटल विभाग को नियंत्रित कर रहे थे, तो उन्हें न्यायाधीश डब्ल्यू.एम. कैनन ने वैलिएंटाइन के साथ बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। डॉ. व्हिमेंट को सूचित किया गया था कि पिछली बैठकों में आवाजें विदेशी भाषाओं, यूरोपीय और ओरिएंटल में बोली गई थीं; और चूंकि डॉ. व्हायमेंट ने तीस बोलियाँ और भाषाएँ बोलीं, इसलिए उनकी उपस्थिति उन आवाज़ों पर

निर्णय देने के लिए वांछित थी, जिनकी कोई भी बैठक में व्याख्या नहीं कर सका।

वह इस निमंत्रण से चकित था और उसने सोचा कि एक शाम के आनंददायक विश्राम के बाद अंधेरे में विभिन्न आवाजों को सुनने के बाद कोई व्यक्ति एक अनोखी धोखाधड़ी की तकनीक का खुलासा करेगा। जब डॉ. व्हिमेंट, वैलिएंटाइन से मिले, तो उन्होंने यह राय बनाई कि वह एक साधारण, मूर्ख और अशिक्षित व्यक्ति थे, जो किसी भी प्रकार के अभिनय में पूरी तरह से असमर्थ थे। बैठक की शुरुआत भगवान की प्रार्थना के साथ हुई, उसके बाद कुछ गायन हुआ, और जो पहली आवाज़ें आईं, उन्होंने अन्य बैठकों में ऐसे निजी मामलों पर बात की कि व्याख्याता को "सुनने वाले की तरह महसूस हुआ, लेकिन सौभाग्य से अंधेरे ने सभी को ढक दिया।"

इसके बाद एक आवाज ने इतालवी भाषा में बात की जिसका डॉ. व्हायमेंट ने एक बैठककर्ता के लाभ के लिए अनुवाद किया। फिर अचानक - "एक अजीब, कर्कश, टूटी हुई छोटी आवाज जिसने तुरंत मेरे दिमाग को सीधे चीन में ले जाया। यह एक बांसुरी की आवाज थी, बल्कि खराब तरीके से बजाई गई थी, जैसी कि आकाशीय भूमि की सड़कों पर सुनी जा सकती है लेकिन कहीं और नहीं ।"

अगली ध्वनि एक चीनी नाम, कुंग-फू-टीज़ो, "द फिलोसोफर-मास्टर-कुंग" की खोखली पुनरावृत्ति प्रतीत होती थी, वह नाम जिसके द्वारा कन्फ्यूशियस को संत घोषित किया गया था। "मुझे यकीन नहीं था कि मैंने सही सुना है और मैंने पहले जो कहा गया था उसे सुनने का एक और अवसर चीनी भाषा में मांगा। इस बार बिना किसी हिचकिचाहट के नाम आया, कुंग-फुत्ज़ो। अब, मैंने सोचा, यह मेरा अवसर था.

चीनी भाषा को मैं लंबे समय से अपना विशेष अनुसंधान क्षेत्र मानता था, और वह एक बुद्धिमान व्यक्ति होगा, माध्यम या अन्य, जो मुझे ऐसी धरती पर धोखा देने का प्रयास करेगा। यह पता लगाना बहुत कठिन था कि आगे क्या कहा गया था, और मुझे दोहराव के लिए बार-बार पुकारना पड़ा। तभी मुझे एहसास हुआ कि मैं एक ऐसी बोली की चीनी भाषा सुन रहा था जो अब चीन के किसी भी हिस्से में नहीं बोली जाती।

जैसे-जैसे आवाज बढ़ती गई, मुझे एहसास हुआ कि इस्तेमाल की गई चीनी शैली 2,500 साल पहले कन्फ्यूशियस द्वारा संपादित चीनी क्लासिक के

समान थी। अब केवल पुरातन चीनी भाषा के विद्वानों के बीच ही उस उच्चारण और शैली को सुना जा सकता है, और तब ही जब उन्होंने प्राचीन पुस्तकों के कुछ अंशों का उच्चारण किया हो। दूसरे शब्दों में, जिस चीनी भाषा को अब हम सुन रहे थे, वह बोलचाल की भाषा में संस्कृत या लैटिन जितनी ही मृत थी।

मुझे अचानक एक सर्वोच्च परीक्षा का ख्याल आया। शिह किंग (कविता का क्लासिक) में कई कविताएँ हैं जिन्होंने टिप्पणीकारों को तब से चकित कर दिया है जब कन्फ्यूशियस ने स्वयं काम को संपादित किया और प्रारंभिक चीनी कविता के एक मॉडल संकलन के रूप में इसे भावी पीढ़ी के लिए छोड़ दिया। पश्चिमी विद्वानों ने उनके अर्थ को छीनने का व्यर्थ प्रयास किया है, और प्राचीन साम्राज्य की विद्या और साहित्य में पारंगत चीनी शास्त्रीय विद्वानों ने बहुत पहले ही उन्हें समझने की कोशिश करना छोड़ दिया है।

मैंने इनमें से कोई भी कविता स्वयं कभी नहीं पढ़ी है, लेकिन उनमें से कुछ की पहली पंक्तियों को मैं अक्सर देखकर जानता था जबकि दूसरों के लिए किताब देखता था। इस समय मेरे मन में यह ख्याल आया कि अगर मैं उनमें से पहली पंक्ति को याद कर सकूं तो मुझे अब उस संचारक को आश्चर्यचकित करने का मौका मिल सकता है जो खुद को 'कन्फ्यूशियस' कहता था।

मैंने पूछा कि क्या 'मास्टर' मुझे उन लंबे, अस्पष्ट श्लोकों में से एक का अर्थ समझाएंगे। सचेत विकल्प का प्रयोग किए बिना मैंने कहा, 'त्स'ई त्स'ई चुआन एरह' जो कि क्लासिक ऑफ पोएट्री की पहली पुस्तक (चाउ नान) की तीसरी कविता की पहली पंक्ति है। मैं निश्चित रूप से इस कविता की दूसरी पंक्ति नहीं दोहरा सकता था, क्योंकि मुझे शेष पंद्रह पंक्तियों में से कोई भी नहीं पता था; लेकिन इसकी कोई आवश्यकता या अवसर भी नहीं था, क्योंकि आवाज ने कविता उठाई और अंत तक सुनाई।

मेरे पास कागज का एक पैड और एक पेंसिल थी और मैंने आवाज में कही गई बातों को नोट कर लिया और इस्तेमाल किए गए स्वर के लिए कुंजियाँ लिख दीं। "स्तोत्र की घोषणा में आवाज ने छंदों पर एक निर्माण किया था और पूरी चीज़ को एक सामान्य कविता के रूप में एक साथ लटका दिया था।

कुल मिलाकर लगभग सोलह बैठकें हुईं, जिनमें मैंने बिल्कुल उसी तरह से सहायता की, जैसा कि पहली बैठक में बताया गया था। स्वयंभू

कन्फ्यूशियस अपनी घटना में बहुत नियमित था। जिन बैठकों में मैंने भाग लिया, उनमें चौदह विदेशी भाषाओं का प्रयोग किया गया। उनमें चीनी, हिंदू, फ़ारसी, बास्क, संस्कृत, अरबी, पुर्तगाली, इतालवी, यिडिश (जब एक यिडिश और हिब्रू बोलने वाला यहूदी सर्कल का सदस्य था, तब बहुत धाराप्रवाह बोला जाता था), जर्मन और आधुनिक ग्रीक शामिल थे।" डॉ. व्हिमेंट ने जोर दिया "कन्फ्यूशियस" पर कई बिंदु, जिन्हें, निश्चित रूप से, उन्होंने अंकित मूल्य पर स्वीकार नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि केवल चीनी ही नाम का सही उच्चारण कर सकते थे, जैसा कि इस आवाज ने किया था, और शब्दांश "टी'ज़ू" या " T'ze" कहना बहुत कठिन था; उनका उच्चारण "T'zoo" या "T'zee" नहीं बल्कि "Ts" किया जाता था, जिसकी बाद वाली ध्वनि को अंग्रेजी अक्षरों द्वारा दर्शाया नहीं जा सकता।

चूंकि उच्चारण और चीनी स्वर-शैली का उच्चारण सही ढंग से किया गया था, इसलिए डॉ. व्हिमेंट को इसमें कोई संदेह नहीं था कि आवाज का मालिक एक चीनी विद्वान था - चाहे वह कहीं से भी काम करता हो। एक प्रश्न में पूछा गया, "चौदह वर्ष की आयु में आपका लोकप्रिय नाम क्या था?" सही स्वर के साथ सही उत्तर दिया, और यह जानकारी केवल चीनी भाषा के विशेषज्ञों को ही पता है। एक अवसर पर डॉ. व्हिमेंट को "मंगोलियाई लोगों के लिए आपके द्वारा किए गए कार्य" के लिए धन्यवाद दिया गया; उन्होंने सोचा, यह एक छोटे मंगोलियाई व्याकरण का संदर्भ था जिसे उन्होंने गुमनाम रूप से लिखा और प्रकाशित किया था।

बीमारी के कारण एक बैठक छूट गई थी और जब डॉ. व्हाईमेंट लौटे तो "कन्फ्यूशियस" ने उनका स्वागत इस टिप्पणी के साथ किया, "आपके दरवाजे के पास बीमारी की घास उग रही थी," यह वाक्यांश अब चीन में प्रचलित नहीं है लेकिन प्राचीन साहित्य में उपयोग किया जाता है। "कन्फ्यूशियस" एक ऐसी बोली में बात करते थे जो आज चीन में उपयोग नहीं की जाती है, लेकिन डॉ. व्हिमेंट निश्चित रूप से यह नहीं कह सके कि यह 2,500 साल पहले दार्शनिक की भाषा थी, और एक भी व्यक्ति जीवित नहीं है जो जानता हो कि उस समय चीनी कैसे बोली जाती थी।

कन्फ्यूशियस की मृत्यु के 1,000 साल बाद बोले गए लगभग 3,000 शब्दों का ध्वन्यात्मक मूल्य केवल इतना ही ज्ञात है। इस प्रश्न पर पच्चीस वर्षों के शोध के बाद कन्फ्यूशियस के समय की लगभग एक दर्जन ध्वनियाँ ही ज्ञात हैं, और इन पुरातन ध्वनियों का उच्चारण संचार इकाई द्वारा प्रदान की गई सही काव्यात्मक शब्दावली की जाँच करने के लिए किया गया था, डॉ. व्हिमेंट गए। अगले दिन आवश्यक जांच करने के लिए सिविक लाइब्रेरी

गए, जिसके संबंध में उन्होंने लिखा: "पिछली शाम के अपने नोट्स की मूल पाठ के साथ तुलना करने पर मुझे पता चला कि एक त्रुटि हुई थी - या तो मैंने गलत सुना था और एक गलत लिख दिया था पात्र या आवाज़ ने कविता सुनाने में ग़लती की थी।

इससे पहले कि मुझे दूसरी बैठक में इस पर टिप्पणी करने का समय मिलता, आवाज आई, 'दूसरे दिन बोलते हुए, इस अनाड़ी, नासमझ व्यक्ति ने गलती कर दी। अफ़सोस, बहुत बार! क्या उसने ऐसा किया है; और उसने जो स्पष्टीकरण दिया वह दोषपूर्ण था। अब उस अंश का पाठ सुनिए जिसके बारे में प्रख्यात विद्वान ने पूछताछ की थी।' फिर दोषपूर्ण चरित्र को सुधार कर सही पाठ का अनुसरण किया गया! इसने निश्चित रूप से मुझे सामान्य से हटकर प्रभावित किया।"

केस नं. **91.**

बेस्सी मैनिंग केस.

"मैं बेसी मैनिंग हूं और मैं चाहती हूं कि आप मेरी मां को एक संदेश भेजें।" यह अनुरोध मौरिस बार्बनेल से 10 फरवरी, 1933 को आयोजित प्रत्यक्ष-आवाज बैठक में किया गया था, जिसमें एस्टेले रॉबर्ट्स माध्यम थे। फिर आवाज़ ने माँ का पता जोड़ा: "14 कैंटरबरी स्ट्रीट, ब्लैकबर्न।" "मेरा नाम बेसी मैनिंग है," उसने दोहराया, "और मैं पिछले ईस्टर पर तपेदिक से मर गई। मैं अपने भाई को ले आई हूं जो एक मोटर द्वारा मारा गया था.... मां से कहना कि मेरे पास अभी भी मेरी लंबी चोटियां हैं।

मैं बाईस साल का हूं और मेरी आंखें नीली हैं। उसे आने के लिए कहो, क्या तुम उसे यहाँ ला सकते हो? . . . वह अमीर नहीं है, वह गरीब है।”

अगले दिन बिना तनिक भी संकोच किये कि नाम-पता ग़लत हो सकता है; मौरिस बार्बनेल ने ब्लैकबर्न में बेसी की मां को निमंत्रण का एक टेलीग्राम भेजा - और इसने उसे ढूंढ लिया! 20 फरवरी को, श्री बार्बनेल ने स्टेशन पर

श्रीमती मैनिंग से मुलाकात की और उन्हें टेडिंगटन, लंदन ले गए, जहां सत्र आयोजित किया गया था।

सत्र के कुछ दिनों बाद उन्होंने मिस्टर बार्बनेल, मिस्टर हन्नेन स्वफ़र और श्रीमती एस्टेले रॉबर्ट्स को उनकी लंदन यात्रा को संभव बनाने में उनकी दयालुता के लिए धन्यवाद देते हुए लिखा। "मैंने अपनी बेटी को उसी पुराने प्यार भरे अंदाज में और बोलने की अपनी विशिष्टताओं के साथ बोलते हुए सुना। उसने उन घटनाओं के बारे में बात की जिनके बारे में मैं एक सकारात्मक तथ्य के रूप में जानता हूं जो कोई अन्य व्यक्ति नहीं जान सकता। मैं उसकी मां हूं और सबसे अच्छी जज हूं। "

केस नंबर **92.**

हंगेरियन मामला**.**

यह डॉ. फोडर का आर्थर फोर्ड के साथ लाइव-वॉइस घटना का पहला अनुभव था, जिनसे उनका परिचय विलियम कार्थुसर ने कराया था। डॉ. फ़ोडोर एक या दो दिन पहले ही न्यूयॉर्क आये थे, उनके पूर्ववृत्त का पता नहीं है, और वे केवल रात बिताने के लिए गये थे; वे आसानी से किसी पिक्चर शो या थिएटर में जा सकते थे। “हम एक घेरे में बैठे, पुरुष और महिलाएं एक-एक करके। फर्श के बीच में एक छायादार लाल लैंप धीमी चमक बिखेर रहा था।

किनारे पर दो दूरबीन तुरही थीं। हमने कंपन प्रदान करने के लिए गाना गाया और बात की। "लाल चमक में मैंने एक तुरही को चलते देखा। फिर वह ऊपर उठी और ऊपरी अंधेरे में गायब हो गई। कभी-कभी, यह लाल रोशनी के तेजी से घूमने से प्रकट होता था।

"जबकि माध्यम को अपनी जगह पर बोलते हुए सुना गया, वह इधर-उधर चला गया और धीरे-धीरे विभिन्न बैठकों को छू गया। "मैंने तुरही से सीटी

की आवाज़ सुनी। फिर एक मधुर, सुखद और मैत्रीपूर्ण आवाज कहती है: 'शुभ संध्या, मेरे दोस्तों।' “सत्र पूरे जोरों पर है।
'मृत' प्रेमी, पिता और माताएं बात करने आते हैं। "मैं बेदम हूं, उत्साहित हूं। तुरही बहुत स्पष्ट नहीं है। यह केवल फ्लेचर (फोर्ड का मार्गदर्शक) है जिसे कोई भी आसानी से समझ सकता है। वह अक्सर आगे बढ़ता है और समझाता है। वह चुटकुले सुनाता है। उसकी हंसी सुखद है। है।

"तनाव कम हो रहा है। यह एक सामाजिक शाम है। लोग काफी खुश हैं।"

अनुरोध का जोखिम उठाएं.

"क्या फ्लेचर किसी ऐसे व्यक्ति को ला सकते हैं जो हंगेरियन भाषा बोलता हो? मेरी पत्नी अधिक व्यावहारिक है। वह अपने भाई को चाहती है, जो एक प्रतिभाशाली कलाकार था, जिसकी बहुत कम उम्र में मृत्यु हो गई।

सहानुभूति से भरे फ्लेचर कहते हैं, 'मैं कोशिश करूंगा। थोड़ा धैर्य रखें.

"तुरही फर्श पर गिरती है। शांति। अब यह ऊपर की ओर उठती है। मुझे एक आवाज, एक आवाज़ सुनाई देती है। मेरी पीठ पर एक ठंडी सिहरन दौड़ गई। यह दूर से आ रही चीख की तरह लगता है। इसे दोहराया जा रहा है। कोई मुझे बुला रहा है नाम 'आप किसे चाहते हैं?'

मैं अपनी मातृभाषा में कर्कश आवाज में पूछता हूं।" कॉल अधिक स्पष्ट है: 'फोडोर... पत्रकार!' "अंतिम शब्द मुझे अंदर तक झकझोर देता है। इसका उच्चारण जर्मन में होता है। यह एकमात्र जर्मन शब्द है जिसका उपयोग मेरे पिता ने केवल तब किया था जब उन्होंने मेरे बारे में बात की थी!"

"मैंने हकलाते हुए उत्तर दिया। अंधेरे में तुरही की दिशा में अपनी गर्दन घुमाते हुए, मैंने अभिव्यक्ति के लिए एक भयानक संघर्ष के टुकड़े तनावपूर्ण नसों के साथ सुने।" 'अदेसापा...अदेसापा...' (प्रिय पिता...प्रिय पिता।) "आवाज भावना से कांप रही है। यह मुझे गर्म और ईर्ष्यालु महसूस कराती है। मैं खुद को अस्वाभाविक लगता हूं: 'एपडीएम? अपडेटटन?' (पिताजी) , प्रिय?)

"'एजेस। एडेस फियाम...' (हाँ, प्रिय बेटे...) "मैं उसके बाद के मिनटों का वर्णन नहीं कर सकता। ग्रेट डिवाइड के पार से कोई व्यक्ति जो कहता है कि वह मेरा पिता है, भाषण के कुछ अजीब तरीकों में महारत हासिल करने के

लिए बेताब प्रयास कर रहा है, और चिंता से कांप रहा है। अपनी मातृभाषा में बोलकर अपनी उपस्थिति साबित करना:

"बुडापेस्ट... नेम एर्टेज़? एने\ले\... मग्यार किसलानी वाग्यो\!
(बुडापेस्ट... क्या आप समझे नहीं?... मैं गाऊंगा...) "मैं गाना नहीं जानता। दो पंक्तियाँ तुकबंदी वाली हैं। क्या मैंने उन्हें पहले सुना है?
"मैं अपने सबसे बड़े भाई के प्यारे नाम को पहचानता हूं, जिससे मेरे पिता बहुत जुड़े हुए थे।" आवाज छत के पास से आती है. लेकिन यह मेरे अनुरोध के करीब आता है।

यह अभी भी शब्दों के लिए संघर्ष कर रहा है। "फ्लेचर को दया आती है और वह बताते हैं: 'तुम्हारे पिता आपको बताना चाहते हैं कि उनकी मृत्यु 16 जनवरी को हुई थी। यह पहली बार है जब उन्होंने बोलने की कोशिश की है। इससे उनके लिए यह बहुत मुश्किल हो जाता है।' "रुकावट से राहत मिलती है। ध्वनि बहुत स्पष्ट हो जाती है यह मुझे मेरी माँ और बहन के बारे में संदेश देता है "फिर: 'एस्टेन डालजॉन मेग, एडीस फियाम।' (भगवान तुम्हें आशीर्वाद दे, मेरे बेटे।)

"चुंबन की आवाजें...मौन...तुरही एक ताज़ा रोमांच प्रदान करती है। यह हंगेरियन में फिर से बोलता है: 'एस्टी उज़सदाग।' (संध्या समाचार।)
“मेरी पत्नी चिल्लाती है।

"एस्टी उज्सडैग वह अखबार था जिसके स्टाफ में उनके भाई को मरने से पहले नौकरी मिली थी।" 'सान्या?' "टेस।" “मुझे लगता है वह उत्तेजना से कांप रही है। "आवाज़ युवा और विस्फोटक है। यह मेरी पत्नी के भाई की तरह बोलता है। 'वह' परिवार के बारे में सब कुछ जानता है और हमेशा आसपास रहता है।"

'उसे' केवल एक ही अफसोस है: 'सेजेनी विल्मोस बेसिल' (बेचारे अंकल विल्मोस।) "क्यों, अंकल विल्मोस को क्या हुआ है?' "वह ठीक नहीं है. वह अंधा हो जाएगा।' "हम भविष्यवाणी को पूरी शांति से सुनते हैं। "मेरा अनुभव अधिकांश लोगों की तुलना में अधिक असामान्य था। मैं न्यूयॉर्क में एक विदेशी दैनिक के स्टाफ में एक विदेशी था। मेरे कुछ ही दोस्त थे. वे सभी नये थे.

उनमें से कोई भी मेरे पुराने देश से मेरे संबंधों के बारे में नहीं जानता था। फिर भी मेरे परिवार के बारे में बयान सच थे। "आवाज हंगेरियन भाषा में

बोल रही थी। शब्द स्पष्ट थे, लेकिन मेरी मातृभाषा पिता और पुत्र के बीच के रिश्ते को व्यक्त करने के लिए कई तरह के भाव देती है। "आवाज में कोई गलती नहीं थी। मेरे पिता को भी यही शब्द इस्तेमाल करने की आदत थी.

"वे वर्षों पहले अपनी जर्मन भाषा भूल गए थे। यह अब घर पर नहीं बोली जाती थी। एकमात्र शब्द बचा था 'पत्रकार'। उन्हें अपने बेटे, पत्रकार पर बहुत गर्व था। हंगेरियन समकक्ष उज्स्डगिरो है। उन्होंने कभी इसका इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने जर्मन शब्द को प्राथमिकता दी, "उनकी मृत्यु का संदर्भ सही नहीं था।"

उनकी मृत्यु 16 जनवरी को नहीं हुई थी. बल्कि उन्हें उसी दिन दफनाया गया था. जैसा कि भविष्यवाणी की गई थी, अंकल विल्मोस अंधे हो गए - और उन्होंने आत्महत्या कर ली! मैं उन्हें अंकल विली के नाम से जानता था। विल्मोस (असली नाम) ने मुझे असहज कर दिया।

जब मैं दो साल बाद बुडापेस्ट वापस आई तो मैंने अपनी सास से इस बारे में बात की। उसने अपनी आँखें चौड़ी कर लीं। "'क्यों, तुम्हें नहीं पता? परिवार में मेरा बेटा ही था जो उसे अंकल विल्मोस कहता था। बाकी सभी के लिए वह अंकल विली था!'

अध्याय 11

भौतिकीकरण:

सामान्य भौतिकीकरण सत्र का चरित्र संभवतः इतना प्रसिद्ध है कि कोई भी लंबा विवरण अनावश्यक हो जाता है। माध्यम आम तौर पर एक कैबिनेट के अंदर होता है, कभी-कभी बंधा हुआ या मुंह बंद कर दिया जाता है, जबकि जांचकर्ता एक कमरे में अर्धवृत्त में बैठते हैं, कभी-कभी पूरी तरह से अंधेरा होता है या लाल रोशनी से रोशन होता है।

एक निश्चित समय के बाद, पूर्ण आदमकद आकृतियाँ कैबिनेट से निकलती हैं और बैठने वालों के चारों ओर घूमती हैं। ऐसा माना जाता है कि ये रूप किसी तरह एक महत्वपूर्ण पदार्थ से निर्मित होते हैं, संभवतः जैविक मूल के - जिसे एक्टोप्लाज्म के रूप में जाना जाता है - जिसे सिटर्स और माध्यम के शरीर से निकाला जाता है। समय के साथ, जैसे-जैसे शक्ति कम होती जाती है, रूप देखने वालों की आंखों के सामने अभौतिक हो जाते हैं।

निस्संदेह, पूर्वगामी वह है जो बैठककर्ता तब देखते हैं जब वे भौतिकीकरण सत्र में भाग लेते हैं; इस तरह की व्याख्या एक पूरी तरह से अलग मामला है, जिस पर अधिकारियों की राय अलग-अलग है, और यदि मानसिक घटनाओं की किसी भी शाखा को विशेषज्ञों के हाथों में छोड़ दिया जाना चाहिए, तो यह भौतिकीकरण का अध्ययन होना चाहिए।

शौकिया अन्वेषक के लिए यह बहुत जटिल है।

केस नंबर **93.**

केटी किंग केस**.**

आज, मानसिक अनुसंधान के अध्ययन और जांच को उचित और सम्मानजनक माना जाता है और यहां तक कि पादरी और अभिजात वर्ग भी समाज के अपने विशेष वर्ग में जाति को खोए बिना अपने दिल की इच्छा के अनुसार सुरक्षित रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं, लेकिन एक समय था - लगभग सत्तर साल पहले - जब केवल सबसे बहादुर ही बता सकते थे कि ऐसा कुछ उनका ध्यान आकर्षित कर रहा था।

कई वैज्ञानिक मानसिक शोधकर्ता रहे हैं, लेकिन सर विलियम क्रुक्स से अधिक साहसी कोई नहीं था, जिन्होंने कट्टर विक्टोरियन युग में सबसे पहले इस दिशा में कदम उठाया था।

उन्हें न केवल आम जनता, प्रेस और पल्पिट के हाथों कष्ट सहना पड़ा - जिसकी अपेक्षा की जा सकती थी - बल्कि उन्हें अपने साथी वैज्ञानिकों द्वारा भी अपमानित और तिरस्कृत किया गया। फिर भी, वह अपने द्वारा

अपनाए गए पद से पीछे नहीं हटे, बल्कि अपनी मृत्यु के दिन तक अपने पद पर बने रहे।

डी. डी. होम उनके द्वारा जांचे गए पहले माध्यमों में से एक था। इस अध्याय में हमारा संबंध उनसे नहीं, बल्कि एक महिला - मिस फ्लोरेंस कुक, एक भौतिक माध्यम से है। मिस कुक पर विरोधियों द्वारा हमला किया गया था और क्रुक्स ने उस समय के मानसिक प्रेस में पत्रों की एक श्रृंखला में उनके साथ अपने अनुभवों को प्रकाशित करके उनका बचाव किया था।

3 फरवरी, 1874 को लिखा गया पहला पत्र, एक बैठक का वर्णन करता है: "बैठक श्री लक्समोर के घर पर आयोजित की गई थी, और 'कैबिनेट' एक काला ड्राइंग-रूम था, जो सामने वाले कमरे से अलग था जिसमें कंपनी थी एक पर्दे के पास। "कमरे की तलाशी लेने और बाइंडिंग की जांच करने की सामान्य औपचारिकता के बाद, मिस कुक ने कैबिनेट में प्रवेश किया।

थोड़ी देर के बाद केटी का रूप पर्दे के किनारे पर दिखाई दिया, लेकिन जल्द ही यह कहते हुए वापस चली गई कि उसका माध्यम ठीक नहीं था और उसे इतनी गहरी नींद नहीं दी जा सकती कि उसे बाहर निकालना सुरक्षित हो सके। “मैं उस पर्दे से कुछ फीट की दूरी पर बैठा था जिसके पीछे मिस कुक बैठी थी और मैं अक्सर उसकी सिसकियाँ और कराहें सुन सकता था जैसे कि वह दर्द में हो।

यह बेचैनी लगभग पूरे सत्र के दौरान अंतराल पर जारी रही और एक बार, जब केटी (राजा, शारीरिक नियंत्रण) का रूप मेरे सामने कमरे में खड़ा था, मैंने स्पष्ट रूप से एक सिसकने, कराहने की आवाज सुनी, जो सत्र के दौरान सुनी गई प्रतीत होती थी मिस कुक.

यह समारोह के दौरान बीच-बीच में आने वाली आवाज़ के समान थी, जो पर्दे के पीछे से आ रही थी जहाँ लड़की बैठी थी। मैं स्वीकार करता हूं कि वह आकृति आश्चर्यजनक रूप से सजीव और वास्तविक थी, और जहां तक मैं कुछ हद तक मंद रोशनी में देख सकता था, उसकी विशेषताएं मिस कुक जैसी थीं;

लेकिन फिर भी मेरी अपनी इंद्रियों में से एक का सकारात्मक सबूत है कि कराह कैबिनेट में मिस कुक से आई थी, जबकि आंकड़ा बाहर था, इतना मजबूत है कि इसे केवल विपरीत अनुमान से विचलित नहीं किया जाना

चाहिए, चाहे कितना भी अच्छा समर्थन किया गया हो। क्रूक्स इस एक बैठक से पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे और उन्होंने अपने पाठकों से निर्णय को तब तक स्थगित करने के लिए कहा जब तक कि उन्होंने एक श्रृंखला पूरी नहीं कर ली, जब वे फिर से किसी न किसी तरह से उनकी बात सुनेंगे, चाहे वह धोखाधड़ी वाली हो या वास्तविक।

30 मार्च को उन्होंने अपना अगला पत्र प्रकाशित किया: "फिलहाल, मैं केटी द्वारा दिए गए अधिकांश परीक्षणों को छोड़ दूंगा, जब मिस कुक ने मुझे सत्र के लिए इस घर में आमंत्रित किया था, और केवल एक या दो का वर्णन करूंगा जो मेरे पास हैं हाल ही में किया.

मैं कुछ समय से फॉस्फोरस लैंप के साथ प्रयोग कर रहा हूं, जिसमें 6-औंस या 8-औंस की बोतल होती है जिसमें थोड़ा फॉस्फोराइज्ड तेल होता है और कसकर बंद होता है। मुझे आशा है कि इस लैंप की रोशनी से कैबिनेट में कुछ रहस्यमय घटनाएं दिखाई दे सकती हैं, और केटी स्वयं भी इसी परिणाम की आशा करती है।

12 मार्च को, यहां सेंस के दौरान, केटी के चलने और हमारे बीच कुछ देर बात करने के बाद, वह उस पर्दे के पीछे चली गई जो मेरी लैब को, जहां कंपनी बैठती थी, मेरी लाइब्रेरी से, जो एक कैबिनेट थी, अलग करती थी। अस्थायी कर्तव्यों का पालन करते हुए एक मिनट में वह पर्दे के पास आई और मुझे अपने पास बुलाया और कहा, 'कमरे में आओ और मेरे माध्यम का सिर उठाओ; वह नीचे गिर गई है.'

तब केटी मेरे सामने खड़ी थी, उसने हमेशा की तरह सफेद लबादा और पगड़ी के साथ सिर पर पोशाक पहनी हुई थी। मैं तुरंत लाइब्रेरी में मिस कुक के पास गया, केटी मुझे जाने देने के लिए एक तरफ हट गई। मैंने पाया कि मिस कुक आंशिक रूप से सोफे से फिसल गई थीं और उनका सिर बहुत ही अजीब स्थिति में लटका हुआ था।

मैंने उसे उठाकर सोफे पर बिठाया और ऐसा करते समय, अंधेरे के बावजूद, मुझे संतोषजनक सबूत मिला कि मिस कुक 'केटी' ड्रेस में नहीं थी, बल्कि उसने अपनी साधारण काली मखमली पोशाक पहनी हुई थी और बहुत गहरी समाधि में थी। मेरे सामने सफेद लबादे में केटी को खड़ा देखने और मिस कुक को उस स्थिति से उठाने के बीच तीन सेकंड से अधिक समय नहीं बीता, जिसमें वह गिरी हुई थी।

"पर्दे के पास मेरे अवलोकन स्थल पर लौटने पर, केटी फिर से प्रकट हुई, और कहा कि उसने सोचा कि उसे एक ही समय में खुद को और अपने माध्यम को मुझे दिखाने में सक्षम होना चाहिए। फिर गैस बंद कर दी गई, और खुद को दिखाने के बाद कुछ सेकंड के लिए उसने उससे मेरा फॉस्फोरस लैंप मांगा, और मुझे यह कहते हुए वापस दे दिया, 'अब, अंदर आओ और मेरा माध्यम देखो।'

मैं उसके पीछे-पीछे लाइब्रेरी में गया और लैंप की रोशनी में देखा कि मिस कुक सोफे पर बिल्कुल वैसे ही लेटी हुई थी, जैसे मैंने उसे छोड़ा था। मुझे लगा कि मिस कुक सोफे पर लेटी हुई हैं।

कैटी को 'चारों ओर देखने' की कोशिश की, लेकिन वह गायब हो चुकी थी। मैंने उसे फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. "मेरे स्थान पर लौटने पर, कैटी जल्द ही फिर से प्रकट हुई और मुझे बताया कि वह हर समय मिस कुक के करीब खड़ी रहती थी। फिर उसने पूछा कि क्या वह खुद एक प्रयोग कर सकती है, और मुझसे फॉस्फोरस लैंप लेते हुए वह पीछे हट गई, और मुझसे वर्तमान में अंदर न देखने के लिए कहा।

मेरा सबसे बड़ा बेटा, चौदह साल का लड़का, जो मेरे सामने इस तरह बैठा था कि वह पर्दे के पीछे देख सकता था, उसने मुझे मिस कुक के ऊपर अंतरिक्ष में तैरते हुए फॉस्फोरस लैंप को रोशन करते हुए स्पष्ट रूप से देखा। जब वह सोफे पर निश्चल लेटी हुई थी, तो उसे लैंप थामे कोई दिखाई नहीं दे रहा था।

"मैं हैकनी में कल रात आयोजित एक सत्र के लिए आगे बढ़ रहा हूं। कैटी कभी भी अधिक पूर्णता में नहीं दिखी, और लगभग दो घंटे तक वह कमरे में घूमती रही, उपस्थित लोगों के साथ परिचित तरीके से बातचीत करती रही। चलते समय उसने कई बार मेरा हाथ पकड़ा और उसकी छाप छोड़ी। मेरे मन में यह धारणा बन गई कि मेरे बगल में किसी दूसरी दुनिया से आया कोई आगंतुक नहीं बल्कि एक जीवित महिला है, यह इतना प्रबल था कि एक प्रसिद्ध प्रयोग को दोहराने का प्रलोभन लगभग अनूठा हो गया।

हालाँकि, यह महसूस करते हुए कि भले ही मेरे पास कोई आत्मा नहीं है, मेरे पास एक महिला है, मैंने उसे अपनी बाहों में पकड़ने की अनुमति मांगी, ताकि मैं उन दिलचस्प टिप्पणियों को सत्यापित कर सकूं जो हाल ही में एक साहसी प्रयोगकर्ता ने की थीं, मैंने इसे कुछ हद तक शब्दों में दर्ज किया

है . अनुमति विनम्रतापूर्वक दी गई थी, और मैंने तदनुसार किया - ठीक है, जैसा कि कोई भी सज्जन इन परिस्थितियों में करेगा।

"केटी ने अब कहा कि उसने सोचा कि इस बार उसे खुद को और मिस कुक को एक साथ दिखाने में सक्षम होना चाहिए। मुझे गैस बंद करनी थी, और फिर अपने फॉस्फोरस लैंप के साथ कमरे में आना था, जिसका उपयोग अब कैबिनेट के लिए किया जाता है। मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मैं जब मैं कैबिनेट में था तो मैंने पहले ही अपने एक मित्र से, जो शॉर्टहैंड में कुशल था, मेरे द्वारा दिए गए किसी भी बयान को नोट करने के लिए कहा था, क्योंकि मैं जानता था कि पहली बार में प्रभाव मायने रखता है, और मैं स्मृति पर आवश्यकता से अधिक नहीं छोड़ना चाहता था।

उनके नोट्स अब मेरे सामने हैं. "मैं सावधानी से कमरे में गया, वहां अंधेरा था, और मिस कुक को टटोला। मैंने उसे फर्श पर बैठे हुए पाया। घुटनों के बल बैठकर, मैंने दीपक को हवा दी, और उसकी रोशनी में मैंने काले कपड़े पहने एक युवा महिला को देखा, जो मखमल के कपड़े पहने हुई थी , क्योंकि वह शाम के शुरुआती समय में थी, और हर तरह से पूरी तरह से बेहोश थी, जब मैंने उसका हाथ पकड़ा और उसके चेहरे के काफी करीब रोशनी रखी, तो वह हिली नहीं, बल्कि चुपचाप सांस लेती रही।
लैंप उठाकर, मैंने चारों ओर देखा और केटी को मिस कुक के पीछे खड़ा देखा। उसने सफ़ेद कपड़े पहने हुए थे जैसा कि हमने उसे पहले भी देखा था।

मिस कुक का एक हाथ अपने हाथों में पकड़कर, और अभी भी अपने घुटनों पर बैठकर, मैंने लैंप को ऊपर-नीचे घुमाया ताकि केटी का पूरा शरीर रोशन हो जाए, और खुद को पूरी तरह से संतुष्ट कर सकूं कि मैं वास्तव में असली केटी हूं। जिसे कुछ मिनट पहले मैंने अपनी बांहों में थामा था, न कि किसी विकृत दिमाग का भ्रम. उसने कुछ नहीं कहा, लेकिन अपना सिर हिलाया और पहचान में मुस्कुरायी।

तीन बार मैंने मिस कुक को अपने सामने झुकते हुए ध्यान से देखा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि जो हाथ मैंने पकड़ा था वह एक जीवित महिला का था, और तीन बार मैंने केटी की ओर लैंप घुमाया और उसे तब तक लगातार जांचता रहा जब तक कि मुझे उसकी वस्तुगत वास्तविकता के बारे में कोई संदेह नहीं हुआ।

आख़िरकार मिस कुक थोड़ा हिलीं और केटी ने तुरंत मुझसे दूर जाने के लिए कहा। मैं कैबिनेट के दूसरे हिस्से में गया और फिर केटी को देखने के

लिए रुक गया, लेकिन वास्तव में तब तक कमरे से बाहर नहीं निकला जब तक कि मिस कुक नहीं जाग गईं और दो आगंतुक रोशनी के साथ अंदर नहीं आए। “इस लेख को समाप्त करने से पहले, मैं आपको मिस कुक और केटी के बीच देखे गए मतभेदों के बारे में थोड़ा बताना चाहता हूं।

केटी की लंबाई अलग-अलग है; अपने घर में मैंने उसे मिस कुक से छह इंच लंबा देखा है। कल रात, नंगे पाँव और 'टिप-टोज़' के बिना, वह मिस कुक से साढ़े चार इंच लंबी थी। कल रात केटी की गर्दन नंगी थी; त्वचा छूने और देखने दोनों में बिल्कुल चिकनी थी, जबकि मिस कुक की गर्दन पर एक बड़ा छाला है, जो समान परिस्थितियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है और छूने पर खुरदरा हो जाता है।

केटी के कान छिदे हुए हैं, जबकि मिस कुक हमेशा बालियां पहनती हैं। केटी का रंग बहुत गोरा है, जबकि मिस कुक का रंग बहुत गहरा है। केटी की उंगलियां मिस कुक की तुलना में काफी लंबी हैं और उनका चेहरा भी बड़ा है। व्यवहार और अभिव्यक्ति के तरीकों में भी कई उल्लेखनीय अंतर हैं।" बाद में, क्रुक्स ने अपनी अंतिम मुलाकात का वर्णन किया जब केटी किंग आखिरी बार सामने आई थीं: "केटी के जाने से पहले सप्ताह में वह लगभग हर रात मेरे घर पर बैठती थी। ताकि मैं कृत्रिम रोशनी में इसकी तस्वीर ले सकूं.

इस प्रयोजन के लिए फ़ोटोग्राफ़िक उपकरणों के पाँच पूर्ण सेट स्थापित किए गए, जिनमें पाँच कैमरे थे, एक पूर्ण प्लेट आकार का, एक आधा प्लेट आकार का, एक चौथाई प्लेट का, और दो दूरबीन स्टीरियोस्कोपिक कैमरे, जो हर अवसर पर कैटी पर थे। लेकिन जब वह अपने चित्र के लिए खड़ी हुई तो इन्हें एक साथ लागू किया गया।

पांच संवेदनशील और स्थिर स्नानघरों का उपयोग किया गया था, और कई प्लेटों को उपयोग से पहले साफ किया गया था, ताकि फोटोग्राफिक संचालन के दौरान कोई बाधा या देरी न हो, जिसे मैंने एक सहायक की सहायता से स्वयं किया था। , , ,

प्रत्येक शाम पाँच कैमरों में प्लेटों के तीन या चार एक्सपोज़र बनाए गए, जिससे प्रत्येक सत्र में कम से कम पंद्रह अलग-अलग तस्वीरें मिलीं; इनमें से कुछ विकसित करने में और कुछ प्रकाश की मात्रा को नियंत्रित करने में दोषपूर्ण थे। कुल मिलाकर मुझमें चौवालीस नकारात्मकताएँ थीं, कुछ ख़राब, कुछ उदासीन और कुछ उत्कृष्ट।

"केटी ने मुझे छोड़कर सभी बैठक करने वालों को अपनी सीटों पर बैठने और नियमों का पालन करने का निर्देश दिया था, लेकिन पिछले कुछ समय से उसने मुझे जो भी पसंद है वह करने की अनुमति दे दी है - उसे छूना, और जब भी मैं चाहूं।, कैबिनेट में प्रवेश करना और बाहर निकलना। मैं अक्सर कैबिनेट में उसका पीछा किया है, और कभी-कभी उसे और उसके माध्यम को एक साथ देखा है, लेकिन आम तौर पर मैंने फर्श पर पड़े मंत्रमुग्ध माध्यम को छोड़कर किसी को नहीं देखा है, केटी और उसके सफेद वस्त्र तुरंत गायब हो गए।

"पिछले छह महीनों के दौरान मिस कुक लगातार मेरे घर आती रही हैं, कभी-कभी एक सप्ताह के लिए रुकती हैं। वह अपने साथ एक छोटे हैंडबैग के अलावा कुछ भी नहीं लाती हैं, जो बंद नहीं होता है; दिन के दौरान वह लगातार मिसेज क्रुक्स के साथ रहती हैं। मेरी या परिवार के किसी अन्य सदस्य की उपस्थिति, और, अकेले नहीं सोने से, केटी किंग के अभिनय के लिए आवश्यक कम विस्तृत तैयारी का कोई अवसर नहीं मिलता है।

मैं अपनी लाइब्रेरी को एक अंधेरे कैबिनेट के रूप में तैयार और व्यवस्थित करता हूं, और आमतौर पर, मिस कुक के भोजन करने और हमारे साथ बातचीत करने के बाद, और मुश्किल से एक मिनट के लिए हमारी दृष्टि से दूर रहने के बाद, वह सीधे कैबिनेट में जाती है। वह अंदर जाती है और मैं उसके अनुरोध पर उसके दूसरे दरवाजे पर ताला लगा देता हूं और पूरे सत्र के दौरान चाबी अपने पास रखता हूं।

फिर गैस बंद कर दी जाती है, और मिस कुक को अंधेरे में छोड़ दिया जाता है। "कैबिनेट में प्रवेश करते समय मिस कुक फर्श पर लेटी हुई है, उसका सिर तकिए पर है, और जल्द ही मंत्रमुग्ध हो जाती है। फोटोग्राफिक सत्र के दौरान कैटी ने मीडियम के सिर को शॉल से ढक दिया ताकि रोशनी उसके चेहरे पर न पड़े।

जब केटी पास में खड़ी होती थी, तो मैं अक्सर एक तरफ पर्दा खींच देता था, और प्रयोगशाला में हममें से सात या आठ लोगों के लिए मिस कुक और केटी को एक ही समय में पूरी बिजली की रोशनी में देखना एक आम बात थी। इन मौकों पर हमने ऐसा नहीं किया.'

शॉल के कारण हम माध्यम का चेहरा, बल्कि उसके हाथ और पैर भी देख सकते हैं; हमने उसे तीव्र प्रकाश के प्रभाव में बेचैनी से चलते हुए देखा और कभी-कभी उसे कराहते हुए भी सुना। मेरे पास उन दोनों की फोटो है, लेकिन केटी मिस कुक के सिर के सामने बैठी है। "सबसे दिलचस्प तस्वीरों में से एक वह है जहां मैं केटी के बगल में खड़ा हूं; वह फर्श के एक निश्चित हिस्से पर अपने नंगे पैर रखती है।

इसके बाद, मैंने मिस कुक को केटी की तरह तैयार किया, उसे और खुद को बिल्कुल एक ही स्थिति में रखा, और हमारी तस्वीरें एक ही कैमरे से ली गईं, बिल्कुल दूसरे प्रयोग की तरह, और उसी रोशनी से रोशन हुईं। जब ये दोनों तस्वीरें एक-दूसरे के ऊपर रखी गईं, तो मेरी दोनों तस्वीरें ऊंचाई आदि के मामले में बिल्कुल एक जैसी थीं, लेकिन केटी मिस कुक से आधा सिर लंबी हैं, और तुलना में एक बड़ी महिला की तरह दिखती हैं।

कई तस्वीरों में उसके चेहरे की चौड़ाई अनिवार्य रूप से आकार में भिन्न होती है, और तस्वीरें कई अन्य अंतर दिखाती हैं। "केटी को हाल ही में अक्सर देखा है, जब वह बिजली की रोशनी से रोशन होती है, मैं उसके और पिछले लेख में उल्लिखित माध्यम के बीच अंतर के बिंदुओं को जोड़ने में सक्षम हूं।

मुझे पूरा यकीन है कि जहां तक उनके शरीर का सवाल है मिस कुक और केटी दो अलग-अलग लोग हैं। मिस कुक के चेहरे पर कई छोटे-छोटे निशान हैं, जो केटी के चेहरे पर नहीं हैं. मिस कुक के बाल इतने गहरे भूरे हैं कि वे लगभग काले दिखाई देते हैं; केटी का एक ताला, जो अब मेरे सामने है, और जिसे उसने मुझे अपने घने बालों से काटने की इजाजत दी, पहले इसे सिर तक कंघी करने के बाद और खुद को संतुष्ट किया कि यह वास्तव में वहां बढ़ता है, एक गहरे सुनहरे भूरे रंग का है।

"एक शाम मैंने केटी की नाड़ी की गति देखी। वह पचहत्तर पर लगातार धड़क रही थी, जबकि कुछ देर बाद मिस कुक की नाड़ी अपनी सामान्य गति से नब्बे पर चल रही थी। केटी की छाती पर कान लगाते ही मुझे अंदर दिल की धड़कन महसूस हुई। सुनाई दे रही थी। , और यह मिस कुक के दिल से भी तेज़ धड़क गया, जब उन्होंने मुझे सत्र के बाद एक समान प्रयोग करने की अनुमति दी।

जब केटी के फेफड़ों का उसी तरीके से परीक्षण किया गया, तो वे उसके माध्यम के फेफड़ों की तुलना में अधिक स्वस्थ पाए गए, क्योंकि जिस

समय मैंने अपना प्रयोग किया था, मिस कुक गंभीर काली खांसी के लिए चिकित्सा उपचार के अधीन थीं।" क्रक्स द्वारा मिस कुक के साथ दो किए गए परीक्षणों का उल्लेख किया जा सकता है। श्री क्रॉमवेल वर्ली द्वारा एक विद्युत परीक्षण तैयार किया गया था।

माध्यम - एक विद्युत परिपथ में रखा गया जो एक प्रतिरोध कुंडल और एक गैल्वेनोमीटर से जुड़ा था। बाहरी कमरे में बैठे लोगों को बड़े पैमाने पर गैल्वेनोमीटर की गति दिखाई गई। यदि माध्यम ने तारों को हटा दिया होता तो गैल्वेनोमीटर में तीव्र उतार-चढ़ाव देखा जा सकता था, फिर भी कुछ भी संदेहास्पद नहीं हुआ, क्योंकि केटी प्रकट हुई, अपनी भुजाएँ लहराईं, अपने दोस्तों से हाथ मिलाया और उनकी उपस्थिति में लिखा।

अतिरिक्त परीक्षण के रूप में, क्रुक्स ने केटी को अपने हाथों को एक रासायनिक घोल में डुबाने के लिए कहा। गैल्वेनोमीटर का कोई विक्षेप नहीं देखा गया। यदि कैटी के पास तार होते तो निश्चित रूप से यही स्थिति होती क्योंकि समाधान ने करंट को संशोधित कर दिया होता। "जब केटी से विदा लेने का समय आया तो मैंने उससे उसे आखिरी बार देखने के लिए कहा। तदनुसार, जब उसने कंपनी के सभी लोगों को अपने पास बुलाया और उनसे अकेले में कुछ शब्द कहे, तो उसने मिस के लिए अपनी चिंता व्यक्त की कुक का भविष्य मार्गदर्शन हेतु कुछ सामान्य निर्देश दिये।

अपने निर्देश समाप्त करने के बाद, केटी ने मुझे अपने साथ कैबिनेट में आमंत्रित किया और अंत तक मुझे रुकने दिया। "पर्दे बंद करने के बाद उसने कुछ देर मुझसे बात की और फिर कमरे में चली गई जहाँ मिस कुक फर्श पर बेहोश पड़ी थी।

उसके ऊपर झुकते हुए केटी ने उसे छुआ और कहा, 'उठो, फ्लोरी, उठो! अब मुझे तुम्हें छोड़ना होगा।' मिस कुक फिर उठीं और केटी से थोड़ी देर रुकने का अनुरोध किया। 'मेरी जान, मैं नहीं रह सकता, मेरा काम हो गया। भगवान आप पर कृपा करे।' दोनों कई मिनटों तक एक-दूसरे से बात करते रहे, आख़िरकार मिस कुक के आंसुओं ने उन्हें बोलने से रोक दिया। केटी के निर्देशों का पालन करते हुए, मैं मिस कुक का समर्थन करने के लिए आगे आया, जो फर्श पर गिर रही थी और पागलों की तरह रो रही थी।

मैंने चारों ओर देखा, लेकिन सफेद कपड़े पहने केटी जा चुकी थी। जैसे ही मिस कुक काफी शांत हो गईं, एक लाइट मंगाई गई और मैंने उन्हें कैबिनेट से बाहर निकाला। "लगभग दैनिक सत्र जिनमें मिस कुक ने हाल ही में मेरा

पक्ष लिया है, उनकी ताकत पर एक गंभीर कर साबित हुआ है और मैं अपने प्रयोगों में मेरी सहायता करने की उनकी तत्परता के लिए उनके प्रति अपने दायित्वों की सबसे सार्वजनिक स्वीकृति व्यक्त करना चाहता हूं। मैं देना चाहता हूं।

वह तुरंत मेरे द्वारा प्रस्तावित किसी भी परीक्षण को प्रस्तुत करने के लिए सहमत हो गई; वह बोलने में खुली और सीधी है, और मैंने कभी भी धोखा देने की इच्छा का थोड़ा सा भी संकेत नहीं देखा है। वास्तव में, मैं नहीं मानता कि अगर वह कोशिश करना चाहे तो वह धोखा दे सकती है, और अगर उसने ऐसा किया तो वह निश्चित रूप से बहुत जल्द पकड़ी जाएगी, क्योंकि इस तरह की हरकत उसके स्वभाव से पूरी तरह से अलग है।

और यह कल्पना करने के लिए कि पंद्रह साल की एक मासूम स्कूली छात्रा गर्भधारण कर सकती है और फिर तीन साल तक इतने बड़े धोखे को सफलतापूर्वक अंजाम दे सकती है, और उस दौरान उस पर लगने वाले किसी भी परीक्षण के लिए खुद को प्रस्तुत कर सकती है, उसे सबसे कठोर जांच से गुजरना होगा, उसे किसी भी समय, चाहे सत्र से पहले या बाद में, तलाशी के लिए तैयार रहना चाहिए, और उसे अपने माता-पिता के घर की तुलना में मेरे घर में और भी बेहतर सफलता मिलनी चाहिए, यह जानते हुए कि वह सख्त वैज्ञानिक परीक्षणों के लिए समर्पित होने के स्पष्ट उद्देश्य से मेरे पास आई थी। - मैं कहता हूं, केटी किंग के पिछले तीन वर्षों के धोखे के परिणाम पर विचार करने से किसी के तर्क और सामान्य ज्ञान पर अधिक हिंसा होती है। , बजाय इसके कि उसे वह मान लिया जाए जिसका वह खुद दावा करती है।"

क्रुक्स ने अपने जीवन के अंत तक अपना विश्वास बनाए रखा, और 1898 में ब्रिस्टल में ब्रिटिश एसोसिएशन के सामने उन्होंने घोषणा की: "एक और रुचि है जिसके बारे में मैंने अभी तक बात नहीं की है - मेरे वैज्ञानिक जीवन में मेरे लिए सबसे भारी और सबसे दूरगामी। नहीं। अमेरिका में हुई घटना इतनी व्यापक रूप से जानी जाती है, जिसमें मैंने कई साल पहले कुछ मानसिक शोध में भाग लिया था।

तीस साल बीत चुके हैं जब मैंने उन प्रयोगों का लेखा-जोखा प्रकाशित किया था जो यह दर्शाता था कि हमारे वैज्ञानिक ज्ञान के बाहर एक शक्ति मौजूद थी जो सामान्य बुद्धि से भिन्न बुद्धि द्वारा मनुष्यों में प्रयोग की जाती थी। मेरे पास वापस लेने के लिए कुछ भी नहीं है. मैं अपने पहले प्रकाशित बयानों पर कायम हूं.

वास्तव में, मैं इसमें बहुत कुछ जोड़ सकता हूँ।"

केस नंबर **94.**

पल्लाडिनो केस**.**

इस मामले में प्रोफेसर रिचेट ने इतालवी माध्यम यूस्पिया पल्लाडिनो के करियर में भौतिकीकरण के दो दुर्लभ उदाहरणों का वर्णन किया है। "जेनोआ में अठारहवें सत्र में," वे कहते हैं, "उनमें से सर्वश्रेष्ठ, मोर्सेली, पोरो, एल., 23 दिसंबर, 1901 को। रामोरिनो, एल. डॉ. वासलो और मिनर्वा सर्कल।

वेन्ज़ानो की उपस्थिति में, अंधेरे में दो अदृश्य रूप दिखाई दिए, जिन्हें बाद में कमजोर रोशनी में देखा गया। पहली पोरो की छोटी सी मृत बेटी थी, जो घूंघट के नीचे एक बच्ची की तरह महसूस करती थी। हमने बच्चे को बच्चे की आवाज में बोलते हुए सुना; उसने पोरो को चूम लिया. ये फॉर्म नजर नहीं आ रहा था. फिर एक और, वासलो का बेटा आया, जिसकी सोलह वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई। यह इकाई दृश्यमान हो गई...

तीसरी और चौथी इकाइयाँ सामने आईं। तीसरा स्पष्ट रूप से देखा गया था, लेकिन पहचान संदिग्ध थी। "एक अन्य सत्र में, तेईसवां, जो बहुत महत्वपूर्ण था, एम. एवेलिनो के घर में आयोजित किया गया था, यूस्पिया को पर्दे के पीछे रखे बिस्तर पर लिटाया गया था। तभी एक युवा लड़की की छाया दिखाई दी; बाहें, कंधे और वक्ष का हिस्सा दिखाई दे रहा था और शायद थोड़ा फॉस्फोरसेंट था।

पगड़ी से उसके कान, ठुड्डी और बाल छुपे हुए थे; वह करीब बीस सेकेंड तक स्थिर रहीं. फिर दूसरे दर्शन में एक लंबा आदमी दिखाई दिया, जिसकी गहरी दाढ़ी, बड़ी हड्डियों वाला बड़ा सिर और मोटी गर्दन थी। चार और दिखाई दिए, पहला प्राच्य पोशाक में एक युवा महिला का सिर था; चौथा पूरा नहीं बना था, दाहिनी ओर अधूरा लग रहा था।

मोर्सेली कहते हैं, 'मैंने देखा कि आँखें मेरी ओर देख रही थीं; हालाँकि मैं कॉर्निया पर प्रकाश का प्रतिबिंब देख सकता था, लेकिन वे ढके हुए लग रहे

थे। जब मैं उसके पास गया तो उसने पीछे हटने का कोई प्रयास नहीं किया, बल्कि हाथ से मेरा स्वागत किया और चली गई। पाँचवाँ और छठा भाग लगभग पचास वर्ष की एक महिला और एक छोटे बच्चे का था; ये सभी एक साथ नजर आए.

केस नं. **95.**

मार्थे मामला**.**

यह उदाहरण प्रोफेसर रिचेट द्वारा मार्थे बेराड की जांच से लिया गया है, जिसके निष्कर्षों की बाद में डॉ. श्रेन्क-नॉटजिंग और मैडम बिस्सन ने पुष्टि की थी। प्रयोग अल्जीयर्स में एक छोटी सी अलग इमारत में आयोजित किए गए थे। स्थितियाँ परीक्षण-प्रूफ थीं, खिड़की बंद थी और हर समय बंद रहती थी। प्रत्येक सत्र की शुरुआत में एक दरवाजा बंद कर दिया गया था।

इमारत में केवल एक कमरा था; प्रत्येक सत्र से पहले रिचेट और उसके दोस्त डेलेन द्वारा इसका बारीकी से निरीक्षण किया जाता था, और सत्र के दौरान कोई भी अजनबी प्रवेश नहीं कर सकता था। रिचेट ने लिखा, "उत्पादित भौतिकीकरण बहुत पूर्ण थे। बिएन बोइस की प्रेत संतोषजनक परिस्थितियों में पांच या छह बार दिखाई दी, इस अर्थ में कि वह हेलमेट और चादर में छिपी मार्थे नहीं हो सकती थी।

इसके अलावा, मार्थे और प्रेत दोनों को एक ही समय में देखा गया था। वह चलता था और डोलता था, उसकी आँखों से देखा जा सकता था कि वह भटक रही है, और जब वह बोलने की कोशिश करता था तो उसके होंठ हिलते थे। वह इतना जीवंत लग रहा था कि, जैसे ही हम उसकी सांसें सुन सकते थे, मैंने यह देखने के लिए बैराइटा पानी का एक फ्लास्क लिया कि क्या उसकी सांसों में कार्बन डाइऑक्साइड दिखाई देगी।

प्रयोग सफल रहा. जिस क्षण मैंने फ्लास्क को बिएन बोस के हाथों में रखा, तब से मैंने उसे नहीं खोया, जो पर्दे के बाईं ओर हवा में तैरता हुआ प्रतीत हो रहा था, मार्थे की कल्पना से भी अधिक ऊंचाई पर। जैसे ही उसने ट्यूब में फूंक मारी तो बुलबुले की आवाज सुनाई दी और मैंने डेलाने से पूछा, 'क्या आप मार्थे को देखते हैं?' 'मैं पूरी तरह से मार्थे को देख रहा हूं,' उन्होंने कहा। , , , ,

मैं मार्थे को अपनी कुर्सी पर बैठे हुए देख सकता था, हालाँकि मैं उसका सिर या दाहिना कंधा नहीं देख सका। ...इसी वक्त एक मजेदार घटना घटी. जब हमने बैराइटा सफ़ेद देखा (जिससे साफ़ पता चला कि रोशनी अच्छी थी), तो हमने कहा, 'वाह।' बिएन बोआ फिर गायब हो गए, लेकिन तीन बार फिर से प्रकट हुए, पर्दा खोला और बंद किया और तालियाँ प्राप्त करने वाले अभिनेता की तरह झुक गए।"

केस नंबर **96**

सैल्मन केस**.**

प्रख्यात फिजियोलॉजिस्ट और न्यूयॉर्क में पाश्चर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. पॉल गिब्रियर को श्रीमती सैल्मन के साथ बहुत ही निर्णायक अनुभव हुआ। उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में एक लोहे के पिंजरे का उपयोग करके प्रयोग किए, जो विशेष रूप से उनके निर्देशों के अनुसार बनाया गया था, जिसमें एक ताला लगा हुआ दरवाज़ा था।

श्रीमती सैल्मन को पिंजरे में रखा गया, दरवाज़ा बंद कर दिया गया और ताले पर एक स्टाम्प पेपर चिपका दिया गया। उसने चाबी अपनी जेब में रख ली। रोशनी बुझने के तुरंत बाद, पिंजरे से हाथ, भुजाएँ और जीवित आकृतियाँ बाहर निकलीं - एक पुरुष, एक महिला, अक्सर एक खुश, जीवंत छोटी लड़की।

अचानक श्रीमती सैल्मन पिंजरे से बाहर आईं और बेहोश होकर फर्श पर गिर गईं। सीलें बरकरार पाई गईं और दरवाजा नहीं खोला गया था। दूसरे प्रयोग में, जो और भी अधिक प्रदर्शनात्मक था, पिंजरे को एक लकड़ी की अलमारी से बदल दिया गया, जो विशेष रूप से निर्मित और भली भांति बंद करके बंद की गई थी। श्रीमती सैल्मन की गर्दन के चारों ओर एक रिबन से कसकर बांध दिया गया था, अलमारी की दीवारों के खिलाफ सील कर दिया गया था।

रोशनी अभी बुझी ही थी कि अंधेरा घिरने के ठीक चौबीस सेकंड बाद एक नंगा हाथ अलमारी के बाहर दिखाई दिया। तभी एक और व्यक्ति बाहर चला गया। तभी एक महिला, जो जीवित लग रही थी, अलमारी से बाहर निकली और मैडम डी. और मैडम बी ने उसे पहचान लिया। यह भयावह व्यक्तित्व बहुत अच्छी फ्रेंच भाषा बोलता था;

श्रीमती सैल्मन फ्रेंच के केवल कुछ शब्द ही बोल सकती हैं। यह प्रेत लगभग दो मिनट तक चला, और डॉ. गिब्रियर इसकी विशेषताओं को पहचान सके। वह पतली थी, लगभग पच्चीस वर्ष की लग रही थी, हालाँकि श्रीमती सैल्मन मोटी थीं और लगभग पचास वर्ष की थीं। छोटी मैंडी बाद में आई, लगभग एक गज लंबी। फिर एक लंबा आदमी, जिसका मांसल, सशक्त और पूरी तरह से मर्दाना हाथ डॉ. गिबियर पकड़ने में सक्षम थे।

थोड़े समय के बाद यह अंतिम रूप विलीन हो गया और फर्श में धँसता हुआ प्रतीत हुआ। इस उत्तेजक सत्र के बाद सब कुछ यथावत पाया गया; श्रीमती सैल्मन अभी भी बंधी हुई थीं, उनकी गर्दन के चारों ओर एक रेशम रिबन उसी तरह बंधा हुआ था जैसे केस नंबर से पहले था।

केस **- 97.**

श्रेनेक नॉटिंग मामला**.**

मानसिक शोधकर्ताओं की एक आदत होती है - जब कोई सहकर्मी किसी माध्यम के साथ सफल परीक्षणों की एक श्रृंखला की रिपोर्ट जारी करता है - उसी माध्यम की और भी अधिक कठोर परिस्थितियों में जांच करने की, बस यह देखने के लिए कि क्या उस सहकर्मी ने स्वयं आपको भ्रमित करके कोई भयानक गलती नहीं की है ;

और इसके अलावा, अधिकांश मनोवैज्ञानिक शोधकर्ता - दुनिया का सबसे अविश्वासी वर्ग, वकीलों से भी बदतर - स्वयं देखना चाहते हैं। प्रोफ़ेसर रिचेट ने एक सतर्क अन्वेषक की प्रतिष्ठा हासिल कर ली थी, लेकिन बैरन ए. इससे श्रेनक-नॉटिंग को कोई मतलब नहीं था, और मार्थे बेराड को फिर से अपना स्वयं का कार्यक्रम तैयार करने के लिए नियुक्त किया गया था।

क्या जर्मन अन्वेषक अधिक सख्त था और क्या उसने फ्रांसीसी की तुलना में अधिक सावधानी बरती थी? यहां तक कि रिचेट, जो सोचता था कि वह बहुत सावधान था, ने स्वीकार किया कि बैरन ने आयोजन में सामान्य तरीकों से माध्यम को सहायता करने से रोकने की कला में उसे उत्कृष्ट बनाया था।

प्रयोग चार साल की अवधि तक चले और उनके निष्कर्ष पर मार्थे विजयी हुए। प्रत्येक सत्र से पहले और बाद में कैबिनेट की गहन तलाशी ली गई। श्रेनक-नॉटिंग और उनके सहायकों की उपस्थिति में मार्थे को पूरी तरह से निर्वस्त्र कर दिया जाएगा और उसे सिर से पैर तक ढकने वाला एक विशेष टाइट-फिटिंग परिधान पहनाया जाएगा।

दूसरे परिधान पर सिले हुए ट्यूल पर्दे ने उसके सिर को पूरी तरह से ढक दिया। बाल, बगल, नाक, मुंह और घुटनों की जांच की गई और कुछ सत्रों में जांचकर्ताओं ने, शब्द के पूर्ण अर्थ में, उसकी पूरी जांच की। मार्थे के मामले में मुंह से एक्टोप्लाज्म बाहर आ गया और अगर उसे उल्टी हो रही थी, तो उसे बिलबेरी सिरप दिया गया, जिसके मजबूत रंग गुण व्यापक रूप से ज्ञात हैं, लेकिन इसके बावजूद शारीरिक रूप पहले की तरह सफेद ही निकलता रहा।

एक सत्र में, यह सुनिश्चित करने के लिए कि उल्टी का सहारा नहीं लिया जा रहा था, मार्थे को विज्ञान के पवित्र नाम पर, एक मजबूत उल्टी वाला पेय पीने के लिए कहा गया था! पर्दे के सामने की रोशनी इतनी तेज़ थी कि बड़े प्रिंट को पढ़ा जा सकता था, और पर्दे के पीछे लाल और सफेद बत्तियाँ थीं जिन्हें जांचकर्ता जब चाहें तब चालू कर सकते थे।

तीन कैमरे, जिनमें से एक स्टीरियोस्कोपिक था, हमेशा कैबिनेट पर केंद्रित थे और एक पल की सूचना पर काम करने के लिए तैयार थे। कभी-कभी कैमरों की संख्या बढ़ाकर नौ कर दी जाती थी। फिर भी, इन सभी सावधानियों के बावजूद, भौतिक आकृतियाँ सामने आईं, लेकिन यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ये आकृतियाँ उतनी प्राकृतिक और सजीव नहीं थीं, जितनी रिचेट द्वारा हासिल की गई थीं;

फिर भी, निम्न गुणवत्ता को देखते हुए भी, वे पूरी तरह से शानदार नहीं थे। भौतिकीकरण अब एक स्थापित तथ्य था! श्रेन्क-नॉटिंग की पुस्तक में, पाठ के साथ कई तस्वीरें हैं, जो छात्र को घटनाओं के अनुक्रम का बुद्धिमानी से पालन करने में सक्षम बनाती हैं।

इस पुस्तक में सत्र का संक्षिप्त विवरण देना असंभव है, और केवल कुछ अंश उद्धृत किए गए हैं: "15 अप्रैल, 1912.—अभिव्यक्ति तुरंत शुरू हुई, माध्यम की गर्दन पर एक सफेद पदार्थ दिखाई दिया; फिर एक सिर बना जो बाएँ से दाएँ घूमकर माध्यम के सिर पर आ गया।

एक फोटो लिया गया. मशाल के बाद सिर फिर से मध्यम के सिर के बगल में दिखाई दिया, उससे लगभग सोलह इंच की दूरी पर, सफेद पदार्थ के एक लंबे गुच्छे से जुड़ा हुआ। यह किसी आदमी के सिर जैसा दिखता था और धनुष की तरह हरकत करता था। इस सिर की उपस्थिति और पुन: उपस्थिति को लगभग बीस बार गिना गया था; वह प्रकट हुआ, कैबिनेट में वापस गया और फिर उभर कर सामने आया. तभी एक महिला का सिर दाहिनी ओर दिखाई दिया, पर्दे के पास दिखाई दिया, और वापस कैबिनेट में चला गया, वापस आकर कई बार गायब हो गया।

"30 अगस्त, 1912 - मध्यमा के बाएं कंधे पर, फिर उसके पेट पर सफेद पदार्थ देखा गया। डॉ. क्लाफा ने पुष्टि की कि माध्यम के हाथ पूरे समय पर्दा पकड़े हुए दिखाई दे रहे थे। उसके घुटनों पर एक भूरे सफेद रंग का द्रव्यमान दिखाई दे रहा था। एक सिग्नल श्रेनेक अचानक प्रकाश चमकाते हुए कैबिनेट में घुस गया, जबकि क्लाफा ने सफेद पदार्थ को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन कुछ भी नहीं पकड़ सका, क्योंकि वह तुरंत गायब हो गया।

इस प्रयास में माध्यम द्वारा दिखाई गई घबराहट के बावजूद प्रयोग फिर से शुरू किया गया, और एक आदमी का चेहरा दिखाई दिया, जो कुछ सेकंड के बाद गायब हो गया। "जून 13, 1913.—पदार्थ माध्यम के मुंह से निकला; इसके अंत में एक भौतिक उंगली थी। एम. बोरबॉन ने इसे माध्यम के मुंह से निकलते ही पकड़ लिया और हड्डी की जांच की इसमें, और यह भी कि यह लचीला था।

यह उंगली माध्यम के सिर को ढकने वाले ट्यूल से होकर गुजरी, ट्यूल फटा हुआ दिखाई नहीं दे रहा था। प्रेत (एक आदमी का रूप, मार्थे से बहुत बड़ा, लंबी मूंछों के साथ) कैबिनेट से बाहर आया, बोलना शुरू किया, और मैडम बिसन के पास गया, जिन्होंने उसे गाल पर चूमा; आवाज़ काफ़ी सुनाई दे रही थी।"

1910 में, पेरिस के मेटासाइकिक इंस्टीट्यूट के डॉ. गुस्ताव गेली द्वारा मार्थे की जांच की गई; उनके निष्कर्ष श्रेन्क-नॉट्ज़िंग और रिचेट के समान थे। उन्होंने इन निष्कर्षों पर अपनी राय इस प्रकार बताई: "मैं केवल यह नहीं कहता कि 'कोई धोखा नहीं था।' मैं कहता हूं, 'धोखाधड़ी की कोई संभावना नहीं थी। लगभग सभी घटनाएं मेरी अपनी आंखों के सामने हुईं और मैंने उनकी उत्पत्ति और विकास देखा।' "

केस नं**. 98.**

गॉलिगर केस**.**

कई वर्षों से भौतिक घटनाओं के जांचकर्ताओं को परेशान करने वाली समस्याओं में से एक ऑपरेशन की तकनीक है - बिना किसी दृश्य स्पर्श के वस्तुओं की गति। लगभग हर मामले में अव्यक्तों ने अदृश्य संचालक होने का दावा किया है, फिर भी जब परीक्षण परिस्थितियों में माध्यम जम गया था तो वे वस्तुओं को स्थानांतरित करने में कैसे सक्षम थे?

प्रौद्योगिकी संस्थान, बेलफ़ास्ट के डॉ. डब्ल्यू. जे. क्रॉफर्ड ने एक गैर-पेशेवर माध्यम, मिस कैथलीन गॉलिगर (अब लेडी जी. डोनाल्डसन) के साथ प्रयोग किया, जो बिना किसी प्रकार के संपर्क के टेबल की गतिविधियों का अवलोकन कर रही थी। “मैंने देखा कि टेबल की गतिविधियां बिना किसी संपर्क के हुईं।

डॉ. क्रॉफर्ड ने लिखा, "मैंने ऐसे सैकड़ों उत्तोलन देखे हैं।" कभी-कभी कुर्सी अपने चार पैरों से उठ जाती है और कई मिनटों तक हवा में रहती है।" क्रॉफर्ड ने विभिन्न उपकरणों के साथ माध्यम से निकलने वाले एक्टोप्लाज्मिक बल को मापा और जब एक वजन मशीन पर रखा गया तो क्रॉफर्ड ने पाया कि हल्की वस्तुओं के चढ़ने के दौरान उनका वजन माध्यम में जोड़ देगा - मानो, जाहिरा तौर पर, माध्यम स्वयं वस्तुओं को उठा रहा हो, लेकिन क्रॉफर्ड ने इसके खिलाफ हर सावधानी बरती;

उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि माध्यम से निकलने वाला एक्टोप्लाज्म खुद को कठोर छड़ों में बदल लेता है और इस प्रकार वस्तुएं मानसिक रूप से ऊपर उठ जाती हैं। "कैंटिलीवर विधि का उपयोग हल्के पिंडों के लिए किया

जाता है या जब लगाया गया बल छोटा होता है, और स्ट्रट विधि का उपयोग भारी पिंडों के लिए किया जाता है या जब लगाया गया बल बड़ा होता है।"

इस स्तर पर पाठक अच्छी तरह कह सकते हैं, "सामान्य बल के बिना वस्तुओं की गति पर ये वैज्ञानिक प्रयोग बहुत दिलचस्प हैं, और जैसा कि डॉ. क्रॉफर्ड का दावा है कि उन्होंने अपनी संतुष्टि के लिए परीक्षण स्थितियों के तहत बार-बार ऐसा किया है।" किया ही होगा, लेकिन ये परीक्षण जीवित रहने के प्रश्न से कैसे संबंधित हैं?

निस्संदेह, एक कुर्सी को अपने आप हवा में उठते हुए देखना बहुत दिलचस्प है, लेकिन यह कैसे साबित होता है कि मनुष्य का व्यक्तित्व शारीरिक मृत्यु के बाद भी जीवित रहता है?" मामले का पूरा मुद्दा संचालकों की पहचान पर निर्भर करता है आंदोलनों का.

मिस गोलिगर को नियंत्रित करने वाले अशरीरी प्राणी ने संचालक होने का दावा किया, जो कभी ग्रह का निवासी था, और क्रॉफर्ड ने लंबी और परिपक्व चर्चा के बाद मामले के इस पहलू को स्वीकार कर लिया; उन्होंने अपनी जांच के दौरान इस पर गौर किया.

द रियलिटी ऑफ साइकिक फेनोमेना की प्रस्तावना में उन्होंने लिखा: "मैं इस पुस्तक में अदृश्य संचालकों की पहचान पर चर्चा नहीं करता हूं। इसे किसी अन्य अवसर के लिए छोड़ दिया जाता है। लेकिन कोई गलतफहमी न हो, मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि काश मैं व्यक्तिगत रूप से ऐसा होता संतुष्ट हैं कि वे इंसानों की आत्माएं हैं जो पारगमन कर चुकी हैं।"

केस **99.**

क्लुस्फ़ी मामला**.**

मानसिक घटना की किसी भी शाखा ने परीक्षण की गई परिस्थितियों में मोम के साँचे के उत्पादन की तुलना में अपनी वास्तविकता का अधिक सकारात्मक प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है, जो माध्यम की ओर से सभी

धोखाधड़ी और धोखे को पूरी तरह से खारिज कर देता है, क्योंकि न केवल भौतिकीकरण की प्रक्रिया होती है। प्रयोगकर्ताओं की उपस्थिति, लेकिन रिवर्स ऑपरेशन, डिमटेरियलाइजेशन भी।

चूँकि इस विशेष प्रकार की मानसिक घटना का ज्ञान व्यापक रूप से ज्ञात नहीं है, इसलिए संक्षिप्त विवरण पाठक को स्वीकार्य हो सकता है। एक अँधेरे कमरे में बैठे हुए माध्यम के सामने पिघले हुए मोम का एक स्नानघर रखा गया है, जिसके हाथ और पैर जांचकर्ताओं के नियंत्रण में हैं।

उसके शरीर से निकलने वाला एक्टोप्लाज्म हाथों, कभी-कभी पैरों का रूप ले लेता है, और ये हाथ - अदृश्य संचालकों द्वारा संचालित - पिघले हुए मोम में तब तक डूबे रहते हैं जब तक कि एक पतला मोम का दस्ताना उन्हें घेर नहीं लेता। फिर हाथ विघटित हो जाते हैं, और अपने पीछे एक खाली खोल छोड़ जाते हैं, जिसे बाद में प्लास्टर ऑफ पेरिस से भर दिया जाता है, जिसे एक स्थायी रिकॉर्ड के रूप में रखा जाता है, क्योंकि मोम के दस्ताने बहुत भंगुर होते हैं और आसानी से टूट जाते हैं। चल दर।

1897 की शुरुआत में, एक रूसी अन्वेषक अक्साकॉफ़ ने अपने समय की मानसिक पत्रिकाओं में पैराफिन सांचों के विभिन्न मामलों का हवाला दिया था, लेकिन उनके विवरण और यहां तक कि पल्लाडिनो अर्थ में बने सिरों की पोटीन कास्ट पर भी बहुत कम ध्यान दिया गया था। लेकिन ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया. रिपोर्टों के अनुसार, जब वारसॉ में एक गैर-पेशेवर पोलिश माध्यम, अच्छी शिक्षा और स्थिति वाले व्यक्ति, फ्रैंक क्लुस्की ने सबसे असामान्य प्रकार का मोम का सांचा तैयार किया, जिसे अन्वेषक सबसे कठोर परिस्थितियों में बना सकता था, यूरोप में मानसिक शोधकर्ताओं ने जल्द ही इसका अनुसरण किया। उसे; उनके माध्यमत्व की पुष्टि या निंदा की जानी चाहिए।

रिचेट और जीली ने मेटासाइकिक इंस्टीट्यूट में उसके साथ कई सत्र आयोजित किए, और रिचेट ने उनमें से एक सत्र का वर्णन इस प्रकार किया: "गीली और मैंने, किसी अन्य व्यक्ति को बताए बिना, सत्र के दौरान माध्यम के सामने पिघला हुआ पैराफिन मोम रखा। देखभाल की गई स्नान में थोड़ी मात्रा में कोलेस्ट्रॉल मिलाने से यह पदार्थ पैराफिन में घुल जाता है और अपना रंग नहीं बदलता है, लेकिन सल्फ्यूरिक एसिड मिलाने पर यह गहरे बैंगनी-लाल रंग का हो जाता है;

इसलिए हम पूरी तरह से आश्वस्त हो सकते हैं कि प्राप्त सभी सांचे हमारे द्वारा प्रदान किए गए पैराफिन से ही होने चाहिए। इसलिए हमारे पास इस बात का पक्का सबूत था कि प्राप्त किए गए सांचे पहले से तैयार नहीं किए गए होंगे, लेकिन सत्र के दौरान बनाए गए होंगे। इस प्रकार पूर्ण निश्चितता सुनिश्चित की गई।

"सत्र के दौरान गेली और मैंने माध्यम के हाथों को दाएं और बाएं दोनों तरफ से मजबूती से पकड़ लिया, ताकि वह किसी भी हाथ को मुक्त न कर सके। पहला सांचा एक बच्चे के हाथ का था, फिर दूसरा सांचा दाएं और बाएं दोनों तरफ का था। तीसरी बार यह एक बच्चे के पैर का था, प्लास्टर कास्ट पर त्वचा की झुर्रियाँ और नसें दिखाई दे रही थीं।

"कलाई पर संकीर्णता के कारण ये साँचे जीवित हाथों से नहीं बनाए जा सकते थे, क्योंकि पूरे हाथ को कलाई पर संकीर्ण छेद से बनाना पड़ता था। पेशेवर मॉडलर्स ने हाथ से जुड़े धागों से अपने परिणाम सुरक्षित किए थे प्लास्टर के माध्यम से खींचा गया। यहां जिन सांचों पर विचार किया गया उनमें ऐसी कोई चीज नहीं थी; वे डीमटेरियलाइजेशन द्वारा निर्मित किए गए थे, क्योंकि पैराफिन 'दस्ताने' से हाथ को अलग करना आवश्यक था।

ये प्रयोग, जिन्हें हम उनके महत्व के कारण फिर से शुरू करने का इरादा रखते हैं, भौतिकीकरण के बाद अभौतिकीकरण का पूरा प्रमाण देते हैं, भले ही माध्यम के पास सामान्य प्रक्रिया द्वारा परिणाम उत्पन्न करने के साधन हों, वह उनका उपयोग नहीं करेगा। किया जा सकता है। हम धागे से अलग किए गए और बाद में संयुक्त किए गए दो खंडों की योजना का उपयोग किए बिना ऐसे सांचों को प्राप्त करने के लिए सबसे कुशल मॉडलर को भी चुनौती देते हैं।

"इसलिए हम पुष्टि करते हैं कि एक्टोप्लाज्मिक या तरल हाथ का भौतिकीकरण और डीमटेरियलाइजेशन हुआ था, और हमें लगता है कि यह पहली बार है कि प्रयोगों की ऐसी कठोर शर्तें लगाई गई हैं।" क्लुस्की के साथ आगे के प्रयोग किए गए, जिसके परिणामस्वरूप ताजा पैराफिन सांचे प्राप्त हुए, जो निर्णायक रूप से साबित हुए कि पैराफिन मोम के "दस्ताने" सत्र के दौरान प्राप्त किए गए थे, ये एक जीवित हाथ के थे जो त्वचा की बनावट से मिलते जुलते थे। , त्वचा की नसें और सिलवटें दिखाई दे रही हैं, और यह कि एक सामान्य हाथ खुद को दस्ताने से मुक्त नहीं कर सकता है।

ये विशेषज्ञ के रूप में बुलाए गए अनुभवी मोल्डर्स के निष्कर्ष थे। वह कहते हैं, "हम समझ नहीं पा रहे हैं कि ये पैराफिन सांचे कैसे बनाए गए होंगे; यह हमारे लिए पूरी तरह से एक रहस्य है।" यह रहस्य अभौतिकीकरण है, जो भौतिकीकरण का सहसंबंध है। जीली द्वारा सावधानीपूर्वक की गई यह संपूर्ण जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक्टोप्लाज्मिक मैटेरियलाइजेशन का एक अनूठा वैज्ञानिक प्रदर्शन देती है।

केस नं. 100

रोज़ली केस.

यह अनूठा मामला इस अध्याय के दायरे से परे है, हालांकि इसमें सतही समानताएं लग सकती हैं, और यदि संकलक पर इस अर्थ में परिभाषा देने के लिए दबाव डाला गया, तो उसे "एथिरियलाइज़ेशन" शब्द का उपयोग करना होगा जो उसके दिमाग में आता है। सर्वोत्तम वर्णन है.

सामान्य अर्थों में एक माध्यम को हमेशा एक कैबिनेट में बंद रखा जाता है, लेकिन
विवरण जिसमें पाठक देखेंगे कि कैबिनेट स्थिर है और माध्यम स्पष्ट रूप से अनुपस्थित हैं।

4 नवंबर, 1937 को श्री हैरी प्राइस द्वारा प्रेतवाधित घरों पर प्रसारण के तुरंत बाद, उन्हें एक महिला ने अपने कार्यालय में बुलाया, जिसने कहा कि उसने 10 नवंबर, 1937 के द लिसनर में उस भाषण का हाल ही में प्रकाशित संस्करण पढ़ा था। महिला उनके काम से प्रभावित हुई और कहा कि वह अपने भाषण में उल्लेखित भूत की तुलना में "बहुत अधिक उद्देश्यपूर्ण भूत" की गारंटी दे सकते हैं।

मिस्टर प्राइस को लंदन के एक उपनगर में एक घर में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्हें एक छोटी लड़की की आत्मा "रोज़ली" दिखाई देती थी जो हमेशा दिखाई देती थी! हालाँकि, निमंत्रण में कुछ शर्तें शामिल थीं: उन्हें घर

का स्थान या बैठने वालों की पहचान उजागर करने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन वे सत्र पर एक स्पष्ट रिपोर्ट लिख और प्रकाशित कर सकते थे।

यदि वे प्रभावित होते, तो उन्हें किसी और वैज्ञानिक परीक्षण से नहीं गुजरना पड़ता, क्योंकि रोज़ली की माँ को डर था कि उनकी "लड़की" भाग सकती है; यह सत्र माँ और बेटी के बीच एक पवित्र पुनर्मिलन था। उन्हें कोई प्रकाश नहीं लाना था, न ही रोज़ली से बात करनी थी, न ही बिना अनुमति के उसे छूना था।

यदि ये स्थितियाँ उपयुक्त होतीं, तो श्री प्राइस पूरे सदन की ऊपर से नीचे तक तलाशी ले सकते थे और सत्र शुरू होने से पहले बैठक करने वालों और सत्र कक्ष पर पूरा नियंत्रण रख सकते थे। मिस्टर प्राइस सहमत हो गए और बुधवार, 15 दिसंबर को नियत समय पर घर पहुंच गए। थोड़े से भोजन के बाद रोज़ली का इतिहास बताया गया। श्रीमती। ।

पांच साल बाद, छह वर्षीय रोज़ली की मृत्यु हो गई, और चार साल बाद, मैडम ज़ेड ने सोचा कि उसने एक रात रोज़ली को अपने कमरे में रोते हुए सुना था। अक्सर ऐसा होता था कि मैडम ज़ेड उसकी आवाज़ सुनकर जागने लगती थीं।

ध्वनि के लिए. एक बार, यह कल्पना करते हुए कि उसने एक आकृति की रूपरेखा देखी और कदमों की आवाज़ सुनी, मैडम ज़ेड ने अपना हाथ बढ़ाया और, अपनी कहानी के अनुसार, रोज़ली के हाथ को छुआ। अंततः मैडम ज़ेड के साथ मित्रता हो गई

उस समय से रोज़ली नियमित रूप से हर बुधवार को आती थी, और रोज़ली को देखने में सक्षम बनाने के लिए चमकदार पेंट से लेपित हाथ के दर्पणों का उपयोग किया जाने लगा। श्री प्राइस ने घर की जांच शुरू की। अपनी पुस्तक में उन्होंने सेंस रूम में धोखाधड़ी को रोकने के लिए बरती जाने वाली अत्यधिक सावधानियों का वर्णन किया है, और कहने की आवश्यकता नहीं है कि वे बहुत गहन थीं।

उनका वर्णन करने के लिए यहां जगह उपलब्ध नहीं है, लेकिन पूर्ण विवरण चाहने वाला कोई भी पाठक श्री प्राइस की पुस्तक, पृष्ठ 135-38 का संदर्भ ले सकता है। सत्र ड्राइंग-रूम में आयोजित किया गया था; सारा अनावश्यक फर्नीचर हटा दिया गया। इसके अलावा, सभी दरवाजे और खिड़कियां पूरी तरह से सील कर दी गईं।

चिमनी को प्रवेश और निकास के रूप में उपयोग करने की समस्या को वेंट के नीचे अखबार की एक शीट बिछाकर और उस पर स्टार्च पाउडर छिड़क कर हल किया गया था, जिस पर एक मोनोग्राम बनाया गया था। सेंस रूम के दरवाजे के बाहर स्टार्च पाउडर भी फैला हुआ था और दरवाजे की चाबी मिस्टर प्राइस की जेब में थी।

इस समय तक मिस्टर प्राइस का परिचय बैठक में शामिल हो चुका था: मैडम जेड, मिस्टर। दोनों व्यक्तियों की बिना किसी परेशानी के जांच की गई, लेकिन मिसेज जहां तक मिस एक्स का सवाल है, उन्हें पूरा यकीन था कि उन्होंने कुछ भी नहीं छिपाया है।

शेष बैठने की व्यवस्था श्री प्राइस के अनुरूप की गई और सत्र रात 9:10 बजे शुरू हुआ। कमरे में घोर अँधेरा था, फिर भी मिस्टर प्राइस सभी को उनकी आवाज़ से पहचानने में सक्षम थे। आधे घंटे की बातचीत के बाद रेडियो चालू किया गया, लेकिन पांच मिनट बाद रेडियो बंद कर दिया गया और सभी को चुप रहने को कहा गया. मैडम ज़ेड ने फुसफुसाकर कहा, "रोज़ली, रोज़ली," और जैसे ही हॉल की घड़ी ने दस बजाए, उसने दबी हुई आवाज़ में कहा, "मेरी बेटी।"

रोज़ली आ गई थी, और मिस्टर प्राइस को कमरे में एक अजीब लेकिन अप्रिय गंध महसूस हुई। मैडम ज़ेड परेशान हालत में अपनी बच्ची को दुलार रही थीं। कुछ मिनटों के बाद, श्रीमती प्राइस को रोज़ली को छूने की अनुमति दी जा सकती है।

अनुमति मिलने के बाद, उसने अपना बायाँ हाथ बढ़ाया और उसे आश्चर्य हुआ कि वहाँ एक नग्न लड़की की आकृति थी: ठोड़ी, बाल, गाल, छाती, पीठ, नितंब, जांघें, पैर और पैर की उंगलियाँ - उसने उन सभी को छुआ। वह चकित था और उसे अपनी स्पर्श अनुभूति पर विश्वास ही नहीं हो रहा था, फिर भी जाहिर तौर पर उसके सामने एक लड़की थी।

वह कहां से आई थी? वह कैसे आयी? फिर उसी प्रक्रिया को दोनों हाथों से दोहराते हुए उसे वही परिणाम प्राप्त हुए। उसने उसकी नाड़ी महसूस की; यह प्रति मिनट नब्बे बीट की दर से धड़क रहा था। उसने अपना कान उसकी छाती पर लगाया और उसके दिल की धड़कन सुनी। जाहिर तौर पर एक आत्मा लड़की और एक इंसान लड़की के बीच कोई अंतर नहीं था! तब

उस ने बैठे हुए लोगोंकी जांच की; वे सभी अपनी-अपनी कुर्सियों से जवाब दे रहे थे। श्री।

इसके बाद प्राइस ने रोज़ली पर सोने की पट्टिका लगाने की अनुमति प्राप्त की। श्रीमती प्राइस ने एक-एक पट्टिका ली और पट्टिकाओं को ऊपर की ओर ले गईं - एक सामने और एक बगल में - पैरों, पैरों, शरीर से नीचे चेहरे तक। उसकी आँखें, बुद्धिमत्ता से चमकती हुई, गहरी नीली लग रही थीं, उसकी विशेषताएं शास्त्रीय थीं, और वह अपनी उम्र से थोड़ी बड़ी लग रही थी - "एक सुंदर बच्चा जो देश में किसी भी नर्सरी की शोभा बढ़ा सकता था।" श्री प्राइस को प्रश्न पूछने के लिए एक मिनट का समय दिया गया था और वह उस समयावधि में छह प्रश्न पूछने में सफल रहे। "तुम कहाँ रहती हो, रोज़ली?"

"आप वहाँ क्या करते हैं?" "क्या आप अन्य बच्चों के साथ खेलते हैं?" "क्या आपके पास वहां कोई खिलौने हैं?" "क्या आपके पास कोई पालतु पशु है?" ये पाँच प्रश्न अनुत्तरित थे, लेकिन अंतिम प्रश्न: "रोज़ली, क्या तुम अपनी माँ से प्यार करती हो?" उसकी आँखें चमक उठीं। "हाँ," उसने हकलाते हुए कहा, और एक क्षण बाद उड़कर अपनी माँ की बाँहों में चली गई! पंद्रह मिनट बाद, रोज़ली गायब हो गई और वह कैसे गई, मिस्टर प्राइस यह नहीं बता सके।

लाइटें चालू कर दी गईं और घर की फिर से जाँच की गई - सब कुछ क्रम में था! आधी रात को मिस्टर प्राइस स्तब्ध होकर चले गए, और दो घंटे बाद उन्होंने अपनी रिपोर्ट लिखी, जबकि रात की घटनाएँ अभी भी उनकी स्मृति में ताज़ा थीं। क्या रोज़ली एक सच्ची आत्मा थी या पूरा मामला एक धोखा था? प्रयोगशाला में एक और सत्र इस प्रश्न का समाधान कर सकता है। उसे इस तरह से थोड़ी आशा थी - शायद वे सच हो जाएँ।

उसने उन चीजों के बारे में सोचा जो उसे करनी चाहिए थी: उंगलियों के निशान लेना और माध्यम की खोज करना, क्योंकि मैडम जेड ने उस दावे को खारिज कर दिया था। यदि यह भावना एक धोखा थी, तो दोषी कौन थे, एक्स? परिवार या मैडम जेड? एक साथ या अकेले? और किस कारण से? यदि रोज़ली वास्तविक होती तो जीवित रहने से क्या साबित होता? सही उत्तर कौन सा था? श्री प्राइस इसका उत्तर नहीं दे सके।

उपसंहार

उपरोक्त 100 मामले मृत्यु के बाद जीवित रहने के सरल उदाहरण हैं। ऐसी अनगिनत घटनाएँ ब्रह्माण्ड के अनन्त देशों एवं विभिन्न स्थानों में प्रतिदिन घटित होती रहती हैं।

हममें से प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक रूप से मर जाएगा, लेकिन हम व्यावहारिक रूप से इसका अनुभव करेंगे; हाँ, हम अवश्य नहीं मरते, हमारी आत्मा अजर-अमर है।

इसलिए हमें किसी की मृत्यु पर अत्यधिक शोक नहीं मनाना चाहिए, भले ही उसका शरीर मर गया हो, फिर भी वह जीवित है।

हर किसी को यह अकाट्य वाक्य हमेशा याद रखना चाहिए - "हम कभी नहीं मरते"। इसे नहीं भूलना चाहिए.

केवल हमारा भौतिक शरीर ही मरता है, तब भी हम नहीं मरते। हम कभी नहीं मरते. ऐसा ही हो!

समाप्त